Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

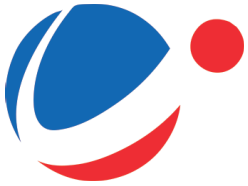

VISIONIAS

www.visionias.in

Test Booklet Series

TEST BOOKLET

C

GENERAL STUDIES (P) 2024 – Test – 4146

Time Allowed: Two Hours **Maximum Marks: 200**

INSTRUCTIONS

1. IMMEDIATELY AFTER THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION, YOU SHOULD CHECK THAT THIS BOOKLET DOES **NOT** HAVE ANY UNPRINTED OR TURN OR MISSING PAGES OR ITEMS, ETC. IF SO, GET IT REPLACED BY A COMPLETE TEST BOOKLET.

2. ENCODE CLEARLY THE TEST BOOKLET SERIES **A, B, C** OR **D** AS THE CASE MAY BE IN THE APPROPRIATE PLACE IN THE ANSWER SHEET.

3. You have to enter your Roll Number on the Test Booklet in the Box provided alongside. **Do NOT** write anything else on the Test Booklet.

4. This Test Booklet contains **100** items (Questions). Each item is printed in **English & Hindi.** Each item comprises four responses (answers). You will select the response which you want to mark on the Answer Sheet. In case you feel that there is more than one correct response with you consider the best. In any case, choose **ONLY ONE** response for each item.

5. You have to mark all your responses ONLY on the separate Answer Sheet provided. See direction in the answers sheet.

6. All items carry equal marks. Attempt all items. Your total marks will depend only on the number of **correct responses** marked by you in the answer sheet. For **every incorrect** response **1/3rd of the allotted marks** will be deducted.

7. Before you proceed to mark in the Answer sheet the response to various items in the Test booklet, you have to fill in some particulars in the answer sheets as per instruction sent to you with your Admission Certificate.

8. After you have completed filling in all responses on the answer sheet and the examination has concluded, you should hand over to Invigilator only the answer sheet. You are permitted to take away with you the Test Booklet.

9. Sheet for rough work are appended in the Test Booklet at the end.

DO NOT OPEN THIS BOOKLET UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO

 ©Vision IAS

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

1. नियर मनी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह ऐसी गैर-नकद परिसंपत्तियों को संदर्भित करती है जिन्हें आसानी से नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है।
2. नकदी में परिवर्तन के लिए आवश्यक वास्तविक समय सीमा के आधार पर नियर मनी की तरलता से निकटता अलग-अलग होती है।
3. जमा प्रमाण-पत्र (CDs) नियर मनी का एक उदाहरण है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

2. किसी देश के GDP आकलन में निम्नलिखित में से कितनी आर्थिक क्रियाएं सम्मिलित ***नहीं*** होती हैं?

1. अंतरण भुगतान
2. अवैतनिक कार्य
3. स्टॉक खरीद
4. मौजूदा भवन में एक कमरे का निर्माण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चारों

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: मौद्रिक नीतिगत उपाय मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति की तुलना में, लागतजन्य मुद्रास्फीति पर कम प्रभावशाली होते हैं।

कथन II: लागतजन्य मुद्रास्फीति आपूर्ति-पक्ष के कारकों से प्रेरित होती है और मौद्रिक नीति इन कारकों को नियंत्रित करने में कम प्रभावशाली होती है।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
(c) कथन-I सही है किंतु कथन-II गलत है।
(d) कथन-I गलत है किंतु कथन-II सही है।

4. निम्न पर विचार कीजिए:

1. निगम कर
2. आयकर
3. संघीय उत्पाद शुल्क
4. सीमा शुल्क

वर्ष 2021-22 के लिए उपर्युक्त करों की हिस्सेदारी को घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(a) 2-1-4-3
(b) 2-1-3-4
(c) 1-2-3-4
(d) 1-2-4-3

5. आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के संदर्भ में, सामान्य स्थिति के अनुसार रोजगार मापदंडों के पिछले 5 वर्षों के रुझानों से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पिछले पांच वर्षों में श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में वृद्धि हुई है।
2. पिछले पांच वर्षों में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) में वृद्धि हुई है।
3. पिछले पांच वर्षों में बेरोजगारी दर (UR) में गिरावट आई है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

6. क्रय शक्ति समता (PPP) के आधार पर भारत की GDP के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. क्रय शक्ति समता के आधार पर भारत दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
2. भारत में वस्तुएं और सेवाएं अपेक्षाकृत महंगी होने के कारण भारतीयों की क्रय शक्ति अधिक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

7. बाजार स्थिरीकरण योजना (MSS) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इन्हें 'केंद्र सरकार के आंतरिक ऋण' के एक भाग के रूप में शामिल किया गया है।
2. MSS के तहत एकत्रित की गई राशि सरकारी खाते में जमा नहीं की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

8. आय के चक्रीय प्रवाह के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. वस्तुओं और सेवाओं का प्रवाह
2. भूमि के लिए किराये का भुगतान
3. श्रम के लिए मजदूरी का प्रवाह

उपर्युक्त में से कितनों को वास्तविक प्रवाह माना जाता है?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

9. राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद (NSAC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका गठन उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा किया गया था।
2. NSAC देश में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने हेतु एक सुदृढ़ इकोसिस्टम बनाने के लिए आवश्यक उपायों पर सरकार को सलाह देता है।
3. इस परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री द्वारा की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

10. भारत में ओवर द टॉप (OTT) प्लेटफॉर्म के विनियमन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. OTT प्लेटफॉर्म को दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत विनियमित किया जाता है।
2. दूरसंचार अधिनियम, 2023 सरकार को OTT प्लेटफार्मों के माध्यम से भेजे गए संदेशों के एन्क्रिप्शन को तोड़ने की शक्ति नहीं देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

11. निम्नलिखित में से कौन-सा/से पालना योजना का/के मुख्य उद्देश्य है/हैं?

1. कामकाजी माताओं के बच्चों (6 माह से 6 वर्ष तक) के लिए डे-केयर सुविधाएं प्रदान करना।
2. संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना।
3. क्रेच सुविधाओं की स्थापना के लिए मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के अनुपालन की निगरानी करना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

12. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा पूंजी संरक्षण बफर का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(a) यह ऐसी अतिरिक्त पूंजी होती है जिसे कॉरपोरेट्स को अपनी ऋण राशि चुकाने हेतु अलग रखना होता है।

(b) यह ऐसी अतिरिक्त निधि होती है जिसे सरकार वित्तीय संकट की स्थिति से निपटने हेतु रखती है।

(c) यह ऐसी अतिरिक्त पूंजी होती है जिसे बैंकों को संकट की स्थिति से निपटने हेतु अपने पास रखना आवश्यक होता है।

(d) यह घरेलू बाजारों से पूंजी के बहिर्गमन की स्थिति में विनिमय दर की स्थिरता को बनाए रखने के लिए RBI द्वारा अनुरक्षित की गई आरक्षित निधि होती है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

13. निम्नलिखित सब्सिडियों पर विचार कीजिए:

1. खाद्य सब्सिडी
2. उर्वरक सब्सिडी
3. पेट्रोलियम सब्सिडी

उपर्युक्त सब्सिडियों को उनके मूल्य के घटते हुए क्रम में व्यवस्थित कीजिए।

(a) 1-2-3

(b) 1-3-2

(c) 2-1-3

(d) 3-2-1

14. राजकोषीय नीतिगत प्रस्तावों के मूल्यांकन में "डायनामिक स्कोरिंग" से क्या तात्पर्य है?

(a) समय के साथ विभिन्न आर्थिक चरों पर नीतियों के पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना।

(b) राजकोषीय नीतियों के संभावित दीर्घकालिक प्रभावों की अनदेखी करना।

(c) नीतिगत विश्लेषण के लिए पूर्णतः ऐतिहासिक डेटा पर निर्भर रहना।

(d) मुद्रास्फीति के दबावों पर विचार नहीं करना।

15. त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (QES) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) द्वारा आयोजित किया जाता है।
2. यह अर्थव्यवस्था के कुछ प्रमुख क्षेत्रकों के दस या उससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को कवर किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

16. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के संदर्भ में, न्यूनतम आरक्षित प्रणाली है-

(a) वह न्यूनतम नकद जमा राशि जिसे अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को RBI के पास रखना होता है।

(b) वह न्यूनतम जमा राशि जिसे अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में रखना होता है।

(c) वह न्यूनतम रिजर्व जिसे RBI को स्वर्ण बुलियन और विदेशी मुद्राओं के रूप में रखना होता है।

(d) वह न्यूनतम राशि जिसे RBI द्वारा राज्य सरकारों को ऋण देने हेतु पृथक रखना होता है।

17. विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स ईज (LEADS)-2023 नामक रिपोर्ट जारी की गई है-

(a) नीति आयोग द्वारा

(b) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा

(c) उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा

(d) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा

18. *'निवेशकों द्वारा दीर्घकालिक विकास की क्षमता वाली स्टार्टअप कंपनियों और छोटे व्यवसायों में निवेश किया जाता है। सामान्यतः यह निवेश संपन्न निवेशकों, निवेश बैंकों और किसी अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाता है। हालांकि, यह हमेशा केवल मौद्रिक रूप में ही नहीं होता है; इसे तकनीकी या प्रबंधकीय विशेषज्ञता के रूप में भी प्रदान किया जा सकता है।'*

उपर्युक्त परिच्छेद में निम्नलिखित में से किस प्रकार के निवेश का वर्णन किया गया है?

(a) एंजेल निवेश

(b) वेंचर कैपिटल

(c) व्यक्तिगत निवेश

(d) पीयर टू पीयर लेंडिंग

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

19. हाल ही में 'ज़ीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन' (ZTA) शब्दावली निम्नलिखित में से किस संदर्भ में सुर्ख़ियों में थी?

(a) परमाणु मिसाइल

(b) हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल

(c) क्वांटम संचार

(d) साइबर सुरक्षा

20. निम्नलिखित संकेतकों पर विचार कीजिए:

1. भ्रष्टाचार की धारणा
2. मातृ मृत्यु दर
3. श्रम बाजार भागीदारी दर
4. जन्म के समय जीवन प्रत्याशा

मानव विकास सूचकांक (HDI) की गणना में उपर्युक्त में से कितने संकेतकों पर विचार किया जाता है?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चारों

21. नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक के बैड लोन शामिल होंगे।
2. यह पहली एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी है जहां अधिकांश स्वामित्व निजी क्षेत्रक के बैंकों के पास है।
3. इसे बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से इक्विटी के माध्यम से पूंजीकृत किया जाएगा।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

22. हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नोमा (Noma) को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (NTD) के रूप में मान्यता दी है। इस संदर्भ में, नोमा से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह लीवर और अग्न्याशय का एक गंभीर गैंग्रीनस रोग है।
2. यह अत्यधिक गरीबी, कुपोषण और स्वच्छता तक कम पहुंच के कारण होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

23. विगत 5 वर्षों में केंद्र सरकार के राजकोषीय मापदंडों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राजस्व व्यय कभी भी सकल घरेलू उत्पाद के 10% से अधिक नहीं रहा है।
2. पूंजीगत व्यय कभी भी सकल घरेलू उत्पाद के 3% से अधिक नहीं रहा है।
3. गैर-कर राजस्व में निरंतर वृद्धि हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

19. हाल ही में 'ज़ीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन' (ZTA) शब्दावली निम्नलिखित में से किस संदर्भ में सुर्ख़ियों में थी?

(a) परमाणु मिसाइल

(b) हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल

(c) क्वांटम संचार

(d) साइबर सुरक्षा

20. निम्नलिखित संकेतकों पर विचार कीजिए:

1. भ्रष्टाचार की धारणा
2. मातृ मृत्यु दर
3. श्रम बाजार भागीदारी दर
4. जन्म के समय जीवन प्रत्याशा

मानव विकास सूचकांक (HDI) की गणना में उपर्युक्त में से कितने संकेतकों पर विचार किया जाता है?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चारों

21. नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक के बैड लोन शामिल होंगे।
2. यह पहली एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी है जहां अधिकांश स्वामित्व निजी क्षेत्रक के बैंकों के पास है।
3. इसे बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से इक्विटी के माध्यम से पूंजीकृत किया जाएगा।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

22. हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नोमा (Noma) को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (NTD) के रूप में मान्यता दी है। इस संदर्भ में, नोमा से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह लीवर और अग्न्याशय का एक गंभीर गैंग्रीनस रोग है।
2. यह अत्यधिक गरीबी, कुपोषण और स्वच्छता तक कम पहुंच के कारण होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

23. विगत 5 वर्षों में केंद्र सरकार के राजकोषीय मापदंडों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राजस्व व्यय कभी भी सकल घरेलू उत्पाद के 10% से अधिक नहीं रहा है।
2. पूंजीगत व्यय कभी भी सकल घरेलू उत्पाद के 3% से अधिक नहीं रहा है।
3. गैर-कर राजस्व में निरंतर वृद्धि हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

24. राष्ट्रीय आय लेखांकन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: किसी अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति, स्टॉक वेरिएबल का एक उदाहरण है।

कथन II: स्टॉक को एक निश्चित समयावधि में निर्धारित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

25. विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) {FCNR (B)} खाते के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. FCNR(B) खाते अनिवासी भारतीयों (NRIs) और समुद्रपारीय निगमित निकायों (OCBs) दोनों द्वारा एक अधिकृत डीलर के पास खोले जा सकते हैं।
2. FCNR(B) खातों में धनराशि के प्रत्यावर्तन अनुमति होती है।
3. इन खातों में जमा राशि भारत के बकाया विदेशी ऋण में शामिल नहीं होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 3

26. अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (EBR) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. EBR के संपूर्ण मूलधन और ब्याज का पुनर्भुगतान सरकारी बजट से किया जाता है।
2. इसे राजकोषीय घाटे की गणना में शामिल नहीं किया जाता है लेकिन सरकार के कुल ऋण में जोड़ा जाता है।
3. राज्य सरकारों को बजटेत्तर उधारी लेने की अनुमति नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

27. समष्टि अर्थशास्त्र के संदर्भ में, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का तात्पर्य है:

(a) कुल अतिरिक्त आय का वह अंश जिसे लोग उपभोग के लिए उपयोग करते हैं।

(b) कुल उपभोग का वह अंश जो भोजन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर व्यय किया जाता है।

(c) आय का वह अंश जिसे भविष्य में उपभोग के लिए बचाया जाता है।

(d) आय का वह अंश जो पूंजी निवेश पर व्यय किया जाता है।

28. भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCAC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानूनी रूप से बाध्यकारी एकमात्र सार्वभौमिक कन्वेंशन है।
2. ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC) कन्वेंशन के संरक्षक के रूप में कार्य करता है।
3. भारत ने कन्वेंशन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

29. निम्नलिखित में से कौन-से देश ने हाल ही में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से अपनी सदस्यता वापस ले ली है?

(a) नाइजीरिया

(b) कतर

(c) लीबिया

(d) अंगोला

30. निम्नलिखित में से कौन-सा "अंतर्निहित मुद्रास्फीति (Built-in Inflation)" को संदर्भित करता है?

(a) बाह्य कारकों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति

(b) सरकारी नीतियों में परिवर्तनों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति

(c) मजदूरी और कीमतों में स्वतः वृद्धि से उत्पन्न मुद्रास्फीति

(d) वित्तीय बाजारों में सट्टा गतिविधियों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति

31. निम्नलिखित बैंकों पर विचार कीजिए:

1. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक
2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
3. शहरी सहकारी बैंक
4. लघु वित्त बैंक
5. स्थानीय क्षेत्र के बैंक

उपर्युक्त में से कितने बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रमाण-पत्र (PSLCs) के व्यापार में भाग लेने के लिए पात्र हैं?

(a) केवल दो

(b) केवल तीन

(c) केवल चार

(d) सभी पांचों

32. टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (TOT) मॉडल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. TOT मॉडल को राजमार्ग क्षेत्रक में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विकसित किया गया था।
2. इस मॉडल के तहत, राष्ट्रीय राजमार्गों को अल्पावधि के लिए निजी संस्थाओं को पट्टे पर दे दिया जाता है।
3. TOT ऑपरेटर, NHAI द्वारा निर्धारित दरों के आधार पर उपयोगकर्ता शुल्क एकत्रित करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

33. वित्त के संदर्भ में, 'कुल व्यय अनुपात (TER)' पद का तात्पर्य है:

(a) उत्पाद की एक इकाई का उत्पादन करने के लिए आवश्यक पूंजी की मात्रा।
(b) किसी कंपनी के एक शेयर के स्थान पर दूसरी कंपनी के एक शेयर को चुनने से होने वाले संभावित लाभ की हानि।
(c) म्यूचुअल फंड के प्रबंधन और संचालन से जुड़ी कुल लागत।
(d) किसी बैंक की जोखिम भारित परिसंपत्तियों और वर्तमान देनदारियों के संबंध में उसकी पूंजी का अनुपात।

34. पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (PIDF) योजना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका उद्देश्य भौतिक प्वाइंट ऑफ सेल (PoS) टर्मिनल्स जैसी भुगतान स्वीकृति अवसंरचना की संख्या को बढ़ाना है।
2. PIDF एक सलाहकार परिषद के माध्यम से शासित होता है तथा वित्त मंत्रालय द्वारा प्रबंधित और प्रशासित किया जाता है।
3. PIDF के तहत कार्य करने के लिए पी.एम. विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को पात्र व्यापारियों के रूप में शामिल किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बॉण्ड के मूल्य और बॉण्ड यील्ड के बीच व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।
2. बॉण्ड यील्ड और ब्याज दरों के बीच व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।
3. ब्याज दरों और बॉण्ड के मूल्य के बीच व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

36. अधिभार और उपकर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उपकर और अधिभार, दोनों से एकत्रित आय को भारत की संचित निधि में जमा किया जाता है।
2. भारत में राज्य सरकारें कोई उपकर नहीं लगा सकती हैं।
3. अधिभार से प्राप्त आय को भारत की संचित निधि में एकत्रित करने के बाद एक अलग निधि के रूप में रखा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

37. निम्नलिखित सूचकांकों पर विचार कीजिए:

1. फिजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स
2. बेटर लाइफ इंडेक्स
3. ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स
4. जेंडर इनेक्वलिटी इंडेक्स

उपर्युक्त में से कितने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चारों

38. श्रम बाजार में "जॉब पोलराइजेशन" की अवधारणा किससे संबंधित है?

(a) उच्च-कौशल और निम्न-कौशल वाली नौकरियों में समकालिक वृद्धि के साथ-साथ मध्यम-कौशल वाली नौकरियों में गिरावट से
(b) सभी कौशल स्तरों पर नौकरी के अवसरों के समान वितरण से
(c) निम्न-कौशल वाली नौकरियों के उन्मूलन और उच्च-कौशल वाली नौकरियों के विस्तार से
(d) श्रम बाजार में रोजगार की चक्रीय प्रकृति से

39. सकल पूंजी निर्माण के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सकल पूंजी निर्माण देश के कुल व्यय का वह हिस्सा होता है जिसका उपभोग नहीं किया जाता है बल्कि इसे देश की अचल परिसंपत्तियों और स्टॉक में जोड़ दिया जाता है।
2. यह अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रकों के वर्तमान व्यय की तुलना में वर्तमान आय की अधिकता को दर्शाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

40. विंडफॉल टैक्स के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह तब अधिरोपित किया जाता है जब कंपनियां अन्य कंपनियों के साथ मिलकर कीमतें बढ़ा देती हैं।
2. हाल ही में, इसे भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग पर लगाया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

41. राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत गठित किया गया एक वैधानिक निकाय है।
2. NFRA लेखांकन और लेखा परीक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करता है और उन्हें लागू करता है
3. यह कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली लेखांकन और लेखा परीक्षा नीतियों एवं मानकों की भी सिफारिश करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

42. 'ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा शुरू की गई एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा पहल है।
2. इसे दक्षिण चीन सागर में जहाजों के सुरक्षित आवागमन में सहयोग करने के लिए शुरू किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

43. बैंकिंग स्थिरता सूचकांक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह सूचकांक वित्तीय संस्थानों, मुख्य रूप से बैंकों की परस्पर निर्भरता के स्तर को मापता है।
2. इसे द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

44. 'इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके तहत तैयार माल पर उच्च आयात शुल्क जबकि मध्यवर्ती माल पर निम्न आयात शुल्क आरोपित किया जाता है।
2. इसका घरेलू विनिर्माण उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

45. भारत में सार्वजनिक ऋण के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के सार्वजनिक ऋण में बाह्य देयताओं का अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक है।
2. भारत के सार्वजनिक ऋण में एक बड़ी हिस्सेदारी विपणन योग्य प्रतिभूतियों की है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

46. निम्नलिखित में से कौन-सा/से वैयक्तिक आय में शामिल नहीं है/हैं?

1. निगम कर
2. निजी कॉरपोरेट क्षेत्रक की बचत
3. आय अंतरण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1

(d) 1, 2 और 3

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

47. अर्थशास्त्र के संदर्भ में, 'सीमांत उत्पादकता का सिद्धांत' उत्पादन के निम्नलिखित चार कारकों में से किससे संबंधित है?

(a) श्रम

(b) भूमि

(c) पूंजी

(d) उद्यम

48. निम्नलिखित में से कौन-सा आधार प्रभाव(Base effect) पद का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(a) यह मुद्रास्फीति में वर्तमान में होने वाले परिवर्तन के लिए पिछले वर्ष में हुए मूल्य परिवर्तन के योगदान को संदर्भित करता है।

(b) यह तीव्र आर्थिक विकास के कारण मांग में होने वाली वृद्धि के प्रभाव को दर्शाता है।

(c) यह बढ़ते विदेशी निवेश के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करता है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कार्य भारतीय रिजर्व बैंक की 'स्वच्छ नोट नीति' के अनुसार अनुशंसित है/हैं?

1. बैंक नोटों पर लिखना/रबर स्टांप लगाना
2. बैंक नोटों को स्टेपल करना
3. बैंक नोटों का उपयोग माला/खिलौने बनाने के लिए करना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) 1, 2 और 3

(c) केवल 1

(d) कोई नहीं

50. राष्ट्रीय आय लेखांकन के संदर्भ में, निम्नलिखित क्षेत्रों पर विचार कीजिए:

1. अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में भारत के निवासियों द्वारा संचालित मछली पकड़ने वाली नौकाएं
2. अन्य देशों में स्थित भारत के सैन्य प्रतिष्ठान
3. भारत में स्थित किसी अन्य देश के दूतावास और वाणिज्य दूतावास
4. भारत में स्थित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के कार्यालय

उपर्युक्त में से कितने भारत के घरेलू क्षेत्र के भाग हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चारों

51. तरलता पाश (Liquidity trap) के दौरान, पारंपरिक मौद्रिक नीति अप्रभावी होने पर क्या कदम उठाया जा सकता है?

(a) ब्याज दरों को और कम करना

(b) सरकारी व्यय में वृद्धि करना

(c) सरकारी बांड का विक्रय करना

(d) पूंजी नियंत्रण लागू करना

52. राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है जो सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल आयोजनों को बढ़ावा देने में योगदान देना जारी रखते हैं।
2. अर्जुन पुरस्कार नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन की भावना प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया जाता है।
3. द्रोणाचार्य पुरस्कार उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले प्रशिक्षकों को प्रदान किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

53. टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पहल विकासशील देशों के कर प्रशासन के साथ कर लेखा परीक्षा ज्ञान और कौशल साझा करने में सक्षम बनाती है।
2. यह आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की एक संयुक्त पहल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

54. एक लघु वित्त बैंक;

1. की न्यूनतम इक्विटी चुकता पूंजी 500 करोड़ होनी चाहिए।
2. को अपने समायोजित निवल बैंक ऋण (ANBC) का 75% प्राथमिकता प्राप्त ऋण क्षेत्रकों में प्रदान करना आवश्यक है।
3. की 25% शाखाएं बैंक रहित क्षेत्रों में होनी चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

55. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

कथन I: मध्यवर्ती वस्तुओं को राष्ट्रीय आय की गणना में शामिल नहीं किया जाता है।

कथन II: राष्ट्रीय आय में मध्यवर्ती वस्तुओं को शामिल करने से दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

56. हाल ही में, RBI ने स्व-विनियामक संगठनों (SROs) पर एक मसौदा रूपरेखा जारी की है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. SROs सरकारी निकाय हैं जो अपनी सदस्य संस्थाओं के आचरण से संबंधित नियमों और मानकों को निर्धारित और लागू करते हैं।
2. SROs के रूप में कार्य करने की इच्छुक कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

57. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रत्यक्ष करों की विशेषता/विशेषताएं है/हैं?

1. ये स्वभाव से प्रगतिशील होते हैं।
2. ये कर दरों की गणना में बाह्यताओं के प्रभाव को ध्यान में रखते हैं।
3. ये मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए एक साधन के रूप में कार्य करते हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

58. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बालू को खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत एक प्रमुख खनिज के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
2. बालू खनन के संबंध में प्रशासनिक नियंत्रण संबंधित राज्य सरकारों के पास होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

59. यदि बाजार में कुछ उत्पादों की अतिरिक्त मांग होती है जिसके कारण उनकी कीमतों में वृद्धि होती है, तो केंद्रीय बैंक डाउन पेमेंट की राशि बढ़ा सकता है और ऐसे ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए किस्तों की संख्या कम कर सकता है। मुद्रास्फीति के नियंत्रण हेतु केंद्रीय बैंक का यह तंत्र संभवतः मौद्रिक नीति के तहत निम्नलिखित में से किस गुणात्मक विधि के उपयोग को दर्शाता है?

(a) साख की राशनिंग (Rationing of credit)

(b) मार्जिन अनिवार्यता (Margin Requirements)

(c) प्रत्यक्ष कार्रवाई (Direct Action)

(d) उपभोक्ता साख विनियमन (Regulation of consumer credit)

60. बैंकों के संदर्भ में, प्रावधान कवरेज अनुपात की गणना की जाती है:

(a) बैड लोन के लिए बैंक के प्रावधानों के कुल मूल्य को उसकी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के कुल मूल्य से विभाजित करके।

(b) बैंक की पूंजी को उसकी कुल जोखिम-भारित परिसंपत्तियों से विभाजित करके।

(c) किसी बैंक के कुल ऋण को उसकी कुल जमा राशि से विभाजित करके।

(d) किसी बैंक के परिचालन व्यय को उसकी परिचालन आय से विभाजित करके।

61. भारतीय शेयर बाजार अर्थात सेंसेक्स (Sensex) और निफ्टी (Nifty) के सूचकांकों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सेंसेक्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार करने वाली शीर्ष 50 कंपनियों का सूचकांक है जबकि निफ्टी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार करने वाली शीर्ष 30 कंपनियों का सूचकांक है।
2. सेंसेक्स के लिए आधार वर्ष 1978-79 है जबकि निफ्टी के लिए आधार वर्ष 1995 है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

62. विधिक इकाई पहचानकर्ता (LEI) एक वैश्विक संदर्भ संख्या है जो एक क्षेत्राधिकार में वित्तीय लेनदेन में संलग्न प्रत्येक विधिक संस्था अथवा इकाई की विशिष्ट रूप से पहचान करता है। भारत में LEI जारी करने का अधिकार निहित है:

(a) क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में

(b) भारतीय रिजर्व बैंक में

(c) कंपनी रजिस्ट्रार, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय में

(d) भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम में

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

63. अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, 'शैडो बैंकिंग' पद से आप क्या समझते हैं?

(a) यह एक अवैध विदेशी मुद्रा बाजार को संदर्भित करता है जहां मुद्रा का व्यापार पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली के बाहर होता है।

(b) यह वास्तव में बैंक शाखा में जाए बिना बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने के प्रावधानों को संदर्भित करता है।

(c) यह ऐसे गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थों को संदर्भित करता है जो पारंपरिक वाणिज्यिक बैंकों के समान सेवाएं प्रदान करते हैं।

(d) यह उन बैंकों में क्रोनी कैपिटलिज्म को दर्शाने हेतु प्रतिपादित पद है जो राजनेताओं और व्यापारिक समूहों के निकट संबंधियों को ऋण प्रदान करते हैं।

64. विदेश से प्राप्त निवल कारक आय (NFIA) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह किसी देश द्वारा विदेश से अर्जित कारक आय और किसी देश द्वारा शेष विश्व को दी जाने वाली कारक आय के बीच का अंतर है।
2. शेष विश्व से अर्जित कारक आय, शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय से कम होने पर NFIA धनात्मक होगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

65. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारत सरकार द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) की पुनर्खरीद का एक लाभ ***नहीं*** है?

(a) यह सरकार को बकाया सरकारी प्रतिभूतियों की परिपक्वता तिथि को आगे बढ़ाने में मदद करती है।

(b) यह सरकारी प्रतिभूतियों के द्वितीयक बाजार की तरलता में सुधार करती है।

(c) यह चालू वर्ष में केंद्र सरकार के सकल राजकोषीय घाटे को कम करती है।

(d) यह ठीक अगले वर्ष में सरकार की निश्चित आय वाली प्रतिभूतियों के पुनर्भुगतान संबंधी दबाव (Redemption pressure) को कम करती है।

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: आर्थिक गिरावट (Downturns) के दौरान चक्रीय बेरोजगारी में वृद्धि होती है।

कथन-II: चक्रीय बेरोजगारी व्यवसाय चक्र में उतार-चढ़ाव से संबंधित होती है, और मंदी के दौरान, व्यवसाय भर्ती में कटौती कर सकते हैं, जिससे बेरोजगारी दर बढ़ सकती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है किन्तु कथन-II सही नहीं है।

(d) कथन-I गलत है किन्तु कथन-II सही है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

67. निम्नलिखित मदों पर विचार कीजिए:

1. PSUs से अर्जित लाभांश और लाभ
2. विनिवेश प्राप्तियां
3. भविष्य निधियां
4. आयकर जैसे प्रत्यक्ष करों से अर्जित राजस्व

उपर्युक्त में से कितने भारत की संचित निधि में शामिल होते हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चारों

68. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक "डेब्ट ओवर हैंग (Debt Overhang)" की स्थिति का सर्वश्रेष्ठ वर्णन करता है?

(a) एक ऐसी स्थिति जिसमें उच्च ब्याज दरों के कारण ऋण का पुनर्भुगतान करना कठिन या असंभव हो जाता है।
(b) एक ऐसी स्थिति जिसमें समस्त मौजूदा आय कुल ऋणों की पुर्नअदायगी करने में व्यय हो जाती है।
(c) एक ऐसी स्थिति जिसमें उधारकर्ता इकाइयों के परिसमापन के कारण मूल ऋण को तुलन पत्र (बैलेंस शीट) से हटा दिया जाता है।
(d) कोई नहीं

69. निम्नलिखित में से कौन-से मुद्रा के कार्य हैं?

1. मूल्य का संचय
2. लेखा की एक इकाई
3. विनिमय का माध्यम

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

70. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. करेंसी (नोट और सिक्के)
2. व्यावसायिक बैंकों द्वारा धारित निवल मांग जमाएं
3. व्यावसायिक बैंकों की निवल सावधि जमाएं
4. डाकघर बचत संगठनों की कुल जमाएं (राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों को छोड़कर)

उपर्युक्त में से कौन-से व्यापक मुद्रा के घटकों में शामिल होते हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

71. निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रायः सुर्ख़ियों में रहने वाले पद 'एंजेल टैक्स' का सर्वश्रेष्ठ वर्णन करता है?

(a) अनन्य रूप से विदेशी कंपनियों द्वारा वित्त-पोषित गैर-सूचीबद्ध कंपनियों पर अधिरोपित कर।
(b) स्थानीय व्यवसाय और बाजार के संरक्षण हेतु विदेशी आयात पर अधिरोपित कर।
(c) गैर-सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा शेयर निर्गमन के माध्यम से जुटाई गई पूंजी पर देय आयकर।
(d) टैक्स हेवन देशों से होने वाले पूंजी प्रवाह पर अधिरोपित कर।

72. भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (IFSC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक अल्फा-न्यूमेरिक कोड है जो विशिष्ट रूप से NEFT प्रणाली में भाग लेने वाली बैंक शाखा की पहचान करता है।
2. यह 11 अंकों का कोड है जिसमें पहले 4 अल्फा वर्ण शाखा का प्रतिनिधित्व करते हैं और अंतिम 6 वर्ण बैंक का प्रतिनिधित्व करते हैं।
3. इस कोड में एक शून्य अवश्य होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

73. बाजार कीमतों पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद और बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद के बीच क्या अंतर है?

(a) विदेश से प्राप्त निवल कारक आय

(b) मूल्यह्रास

(c) निवल अप्रत्यक्ष कर

(d) अप्रत्यक्ष कर और सब्सिडी

74. UPI टैप एंड पे सुविधा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. UPI टैप एंड पे सुविधा क्विक रिस्पॉन्स (QR) कोड की आवश्यकता के बिना भुगतान शुरू कर सकती है।
2. यह भुगतानकर्ता की UPI ID के बारे में विवरण प्राप्त करने के लिए ब्लूटूथ तकनीक का उपयोग करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

75. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. शेयर किसी कंपनी द्वारा निश्चित ब्याज दर पर जारी किए गए ऋण लिखत होते हैं।
2. शेयरधारकों को कंपनी की सामान्य बैठकों में वोट देने का कोई अधिकार नहीं मिलता है।
3. डिबेंचर की तुलना में शेयरों को जोखिमपूर्ण निवेश माना जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

76. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए:

1. जापान
2. भारत
3. संयुक्त राज्य अमेरिका

उपर्युक्त देशों को सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात के घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(a) 1-3-2

(b) 2-1-3

(c) 1-2-3

(d) 3-1-2

77. बियर मार्केट (Bear Market) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह उस बाजार को संदर्भित करता है जो बढ़ रहा होता है।
2. बियर मार्केट में, निवेशक स्टॉक को खरीदने के स्थान पर अपने स्टॉक को शीघ्रता से बेचने का प्रयास करते हैं।
3. इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है तथा रोजगार का स्तर ऊंचा होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

78. भारतीय रिज़र्व बैंक के त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (PCA) फ्रेमवर्क के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. RBI, PCA बैंकों को केवल प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के लिए पूंजीगत व्यय करने की अनुमति दे सकता है।
2. शहरी सहकारी बैंक त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (PCA) के विनियामक ढांचे के अंतर्गत आते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

79. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) - रिटेल डायरेक्ट योजना के उद्देश्य का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(a) बैंक के ऋणदाता को तनावग्रस्त परियोजना की इक्विटी प्राप्त करने की अनुमति देकर बड़ी ऋणग्रस्त परियोजनाओं को वित्तीय पुनर्गठन प्रदान करना।

(b) रेपो दरों को सीधे बैंक दरों से जोड़कर खुदरा मुद्रास्फीति को विनियमित करना।

(c) RBI द्वारा विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए शिकायत निवारण तंत्र में सुधार करना।

(d) व्यक्तिगत निवेशकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश की सुविधा के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करना।

80. निम्नलिखित में से कौन-सा अंतरण भुगतान ***नहीं*** है?

(a) सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा

(b) वृद्धावस्था पेंशन

(c) बेरोजगारी भत्ता

(d) कॉर्पोरेट बेलआउट

81. लागत मुद्रास्फीति सूचकांक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) द्वारा अधिसूचित किया जाता है।
2. इसका उपयोग दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

82. भारतीय रक्षा क्षेत्रक के संदर्भ में, प्रोजेक्ट 15B किसके विकास से संबंधित है?

(a) स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक

(b) परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियां

(c) परमाणु ऊर्जा से संचालित विमानवाहक पोत

(d) उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान

83. वर्ष 2021-22 में केंद्र सरकार के संदर्भ में, व्यय की निम्नलिखित मदों पर विचार कीजिए:

1. रक्षा
2. पेंशन
3. शिक्षा
4. ब्याज भुगतान

उपर्युक्त मदों को व्यय के घटते हुए क्रम में व्यवस्थित कीजिए।

(a) 2-4-1-3

(b) 1-4-2-3

(c) 4-1-2-3

(d) 4-1-3-2

84. निम्नलिखित में से किसे आय के चक्रीय प्रवाह में लीकेज माना जाता है?

1. परिवारों द्वारा बचत
2. निवेश
3. आयात पर खर्च
4. सरकारी खर्च

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 3 और 4

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

85. पिछले 10 वर्षों में भारत में राजकोषीय घाटे की प्रवृत्ति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वर्ष 2020-21 में राजकोषीय घाटा सबसे अधिक था।
2. यह कभी भी GDP के 3 प्रतिशत से कम नहीं रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

86. न्यूनतम वैकल्पिक कर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे सर्वप्रथम विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम, 2005 के तहत प्रस्तुत किया गया था।
2. इसे उन कंपनियों पर लागू नहीं किया जा सकता है जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र की एक इकाई हैं और अपनी आय केवल परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त करती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

87. निम्नलिखित परिच्छेद पर विचार कीजिए:

यह द्वीपों का एक समूह है जो कामचटका प्रायद्वीप (रूस) से होक्काइडो द्वीप (जापान) तक फैला हुआ है। यह ओखोटस्क सागर को प्रशांत महासागर से पृथक करता है। रूस और जापान दोनों ही इस क्षेत्र पर संप्रभुता का दावा करते हैं।

उपर्युक्त परिच्छेद में निम्नलिखित में से किसका वर्णन किया गया है?

(a) पारासेल द्वीप समूह

(b) चागोस द्वीप समूह

(c) स्प्रैटली द्वीप समूह

(d) कुरील द्वीप समूह

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: बैंक आम तौर पर आरक्षित जमा अनुपात को कम रखते हैं।

कथन II: बैंकों के लिए रिजर्व रखना महंगा होता है।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की सही व्याख्या है।

(b) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन I सही है किंतु कथन II गलत है।

(d) कथन I गलत है किंतु कथन II सही है।

89. 'PACE मिशन' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मिशन का उद्देश्य मंगल ग्रह के वायुमंडल का अध्ययन करना है।
2. PACE मिशन, NASA द्वारा विकसित किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

90. द्वितीयक बाजारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. द्वितीयक बाजार में, मौजूदा या सेकेंड-हैंड प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय किया जाता है।
2. द्वितीयक बाजार में प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण उन्हें जारी करने वाली कंपनी के प्रबंधन द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

91. अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट एकमात्र ऐसी धारा है जो संपूर्ण पृथ्वी के चारों ओर प्रवाहित होती है।
2. यह सशक्त पूर्वा पवनों द्वारा गतिमान होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

92. रोजगार के संदर्भ में, "लम्प ऑफ लेबर फैलेसी" की अवधारणा क्या है?

(a) यह विश्वास कि किसी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध कार्य की कुल मात्रा निश्चित होती है।

(b) यह विचार कि श्रमिकों को उनके द्वारा उत्पादित कार्य की मात्रा के आधार पर भुगतान किया जाना चाहिए।

(c) यह धारणा कि प्रौद्योगिकी सदैव रोजगार में वृद्धि करती है।

(d) यह अवधारणा कि श्रम उत्पादन का एकमात्र कारक है।

93. निम्नलिखित में से कौन-सा/से 'उत्पादन कर' का भाग है/हैं?

1. स्टाम्प और पंजीयन शुल्क
2. वस्तु एवं सेवा कर
3. व्यावसायिक कर

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 2

94. स्पॉट एक्सचेंज के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म हैं जो निर्दिष्ट वस्तुओं की खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करते हैं।
2. NCDEX स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड, वर्तमान में देश में कार्यरत एकमात्र स्पॉट एक्सचेंज है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

95. "मांग की आय लोच" के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन- सा/से सही है/हैं?

1. सामान्य वस्तुओं में मांग की आय लोच धनात्मक होती है।
2. निकृष्ट वस्तुओं में मांग की आय लोच ऋणात्मक होती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

96. निम्नलिखित में से कितने सामाजिक उद्यम के रूप में सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) पर सूचीबद्ध होने के लिए मान्यता प्राप्त करने के पात्र ***नहीं*** हैं?

1. लाभकारी सामाजिक उद्यम
2. कॉर्पोरेट फाउंडेशन
3. राजनीतिक या धार्मिक संगठन
4. व्यापार संघ

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चारों

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

97. आकाश शस्त्र प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह कम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।
2. यह शस्त्र प्रणाली कम दूरी पर एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

98. निम्नलिखित में से कौन-सा एंकर निवेशकों को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?

(a) ऐसे हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल (HNWI) जो अपने स्वयं का धन स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं।

(b) ऐसा व्यक्ति जो वित्तीय संस्था के भाग के रूप में कार्य करता है और निगमों के लिए पूंजी जुटाने से संबंधित है।

(c) ऐसी कंपनी जो अधिकतर अंतर्राष्ट्रीय वित्त, कंपनियों के लिए व्यावसायिक ऋण प्रदान करने और जोखिम अंकन से संबंधित कार्य करती है।

(d) ऐसे संस्थागत निवेशक जिन्हें प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (IPO) खुलने से एक दिन पहले ही IPO में शेयरों की पेशकश की जाती है।

99. निधि कंपनी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इनका गठन मुख्यतः अपने सदस्यों में बचत की प्रकृति विकसित करने के लिए किया गया है।
2. ये अपने सदस्यों और गैर-सदस्यों दोनों को ऋण दे सकते हैं।
3. इन्हें कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (MCA) द्वारा विनियमित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 2 और 3

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

100. लंदन इंटरबैंक ऑफर रेट (LIBOR) उस दर को संदर्भित करता है जिस पर:

(a) यूरोपीय बैंक अपने ग्राहकों को विदेशी मुद्रा का विक्रय करते हैं।

(b) विश्व के अग्रणी बैंकों द्वारा कॉर्पोरेट क्षेत्र को ऋण प्रदान किया जाता है।

(c) ब्रिटिश बैंक अपने अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों को ऋण प्रदान करते हैं।

(d) विश्व के अग्रणी बैंक अल्पावधिक ऋण के लिए परस्पर से ब्याज वसूलते हैं।

VISION IAS WWW.UPSCMATERIAL.ONLINE

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

VISIONIAS
www.visionias.in

ANSWERS & EXPLANATIONS
GENERAL STUDIES (P) TEST – 4146 (2024)

Q 1.C

- **नियर मनी (Near money)** एक वित्तीय आर्थिक शब्दावली है। इसे कभी-कभी **'मुद्रा सदृश्य' या 'नकद समतुल्य'** भी कहा जाता है। **उच्च तरलता वाली तथा आसानी से नकदी में परिवर्तन की जा सकने वाली गैर-नकद परिसंपत्तियों को 'नियर मनी' कहा जाता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **नियर मनी**
  - विश्लेषणकर्ता 'नियर मनी' की अवधारणा का उपयोग वित्तीय परिसंपत्तियों की तरलता तथा तरलता से निकटता (Nearness of liquidity) को समझने और मापने के लिए करते हैं।
  - कॉर्पोरेट वित्तीय लेखा के विश्लेषण और धन की आपूर्ति के प्रबंधन में नियर मनी और उसकी तरलता से निकटता को समझना आवश्यक है।
  - नियर मनी का विश्लेषण नकदी तरलता, नकद समतुल्य रूपांतरण और जोखिम के लिए मापदंड प्रदान करता है। इसलिए नियर मनी सभी प्रकार के वित्त प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।
  - केंद्रीय बैंक और अर्थशास्त्री धन आपूर्ति के विभिन्न स्तरों के निर्धारण में नियर मनी की अवधारणा का उपयोग करते हैं। नियर मनी से निकटता परिसंपत्ति को M1, M2 या M3 के रूप में वर्गीकृत करने के लिए एक गुणक (Factor) के रूप में कार्य करती है।
  - **नकदी परिवर्तन के लिए आवश्यक वास्तविक समय सीमा के आधार पर नियर मनी की तरलता से निकटता अलग-अलग होती है। इसलिए कथन 2 सही है।**
  - नियर मनी को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों में हस्तांतरण शुल्क या आहरणों से जुड़े अर्थदंड भी शामिल हो सकते हैं।
- **नियर मनी परिसंपत्तियों के उदाहरणों में बचत खाते, जमा प्रमाण-पत्र(CDs), विदेशी मुद्राएं, मुद्रा बाजार लेखा, विपणन योग्य प्रतिभूतियां और ट्रेजरी बिल (टी-बिल) शामिल हैं। इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 2.C

- सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी देश की सीमाओं के भीतर एक निश्चित समय अवधि (एक तिमाही या एक वर्ष) में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं (जो अंतिम उपयोगकर्ता द्वारा खरीदी जाती हैं) का मौद्रिक मूल्य है। यह एक राष्ट्र की समग्र आर्थिक गतिविधि की व्यापक माप है।
- **GDP में क्या शामिल नहीं है?**
  - किसी उत्पाद को उसके जीवनकाल में केवल एक बार GDP में शामिल किया जाएगा। इसलिए, पिछली अवधि में उत्पादित परिसंपत्ति और संपत्ति से जुड़े मौजूदा लेनदेनों को चालू GDP में शामिल नहीं किया जाता है। उदाहरण के लिए, यदि वर्ष 2000 में निर्मित लैपटॉप को 2006 में दोबारा बेचा जाता है, तो 2006 की GDP में लैपटॉप के पुनर्विक्रय मूल्य को शामिल नहीं किया जाएगा यह केवल स्वामित्व का हस्तांतरण है, क्योंकि इससे किसी नए मूल्य का सृजन नहीं होगा।
  - अन्य क्रियाकलाप जिन्हें GDP में शामिल नहीं किया जाता है, वे हैं - **सरकारी सामाजिक सुरक्षा और कल्याण भुगतान (अंतरण भुगतान), स्टॉक और बॉण्ड में किया गया वर्तमान विनिमय और वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल्यों में हुआ परिवर्तन।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- GDP में सभी उत्पादक क्रियाकलाप शामिल नहीं किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, **अवैतनिक कार्य (जैसे कि, घर में या स्वयंसेवकों द्वारा किया गया कार्य) और काला-बाजारी** जैसे क्रियाकलापों **को GDP में शामिल नहीं किया जाता है। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि उन्हें सटीक रूप से मापना और मूल्यांकित करना कठिन होता है।**

- मौजूदा भवन में एक कमरे के निर्माण को GDP में शामिल किया जाता है क्योंकि यह सकल निवेश का हिस्सा है। **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 3.A

- **लागतजन्य मुद्रास्फीति (Cost-push inflation)** उत्पादन लागतों में वृद्धि के कारण सामान्य मूल्य स्तर में वृद्धि का वर्णन करती है। यह मुद्रास्फीति अक्सर मजदूरी में वृद्धि, कच्चे माल की उच्चतर कीमतों या बाह्य आपूर्ति आघातों जैसे कारकों के कारण उत्पन्न होती है।
- **मौद्रिक नीति मुख्यतः अर्थव्यवस्था के मांग पक्ष पर ध्यान केंद्रित करती है।** मांग पक्ष ब्याज दरों और मुद्रा आपूर्ति जैसे कारकों को प्रभावित करके समग्र व्यय को नियंत्रित करता है। **हालांकि, लागतजन्य मुद्रास्फीति को प्रेरित करने वाले आपूर्ति पक्ष से संबंधी कारकों से निपटने में इसकी प्रभावशीलता कम हो सकती है। इसलिए कथन-I सही है।**
- जब उत्पादन लागत में वृद्धि होती है, तो व्यवसाय लागतों में होने वाली इस वृद्धि को वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य में वृद्धि के माध्यम से उपभोक्ताओं पर डाल सकते हैं। **ब्याज दरों के समायोजन जैसे मौद्रिक नीतिगत उपाय, आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण उत्पन्न लागतजन्य मुद्रास्फीति को प्रत्यक्षतः कम नहीं कर सकते हैं। इसलिए कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II कथन I की सही व्याख्या है।**
- उदाहरण के लिए, ब्याज दरों में वृद्धि से कुल व्यय में कमी होगी जिससे मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है, लेकिन यह प्रत्यक्षतः उत्पादन लागत में वृद्धि को नियंत्रित नहीं कर सकती है।

Q 4.C

(In ₹ crores)

	Actuals 2021-2022	Budget Estimates 2022-2023	Revised Estimates 2022-2023	Budget Estimates 2023-2024
REVENUE RECEIPTS				
Tax Revenue				
Gross Tax Revenue	**2709315.08**	**2757820.13**	**3043067.49**	**3360858.44**
Corporation Tax	712037.33	720000.00	835000.00	922675.00
Taxes on Income	696243.22	700000.00	815000.00	900575.00
Wealth Tax	12.81	...	...	...
Customs	199728.30	213000.00	210000.00	233100.00
Union Excise Duties	394643.79	335000.00	320000.00	339000.00
Service Tax	1011.82	2000.00	1000.00	500.00
Goods and Services Tax (GST)#	698113.88	780000.00	854000.00	956600.00

- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 5.C

- राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (Periodic Labour Force Survey: PLFS) की शुरुआत की थी।
- PLFS के मुख्यतः दो उद्देश्य हैं:
  - वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (CWS) में केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तीन माह के अल्पकालिक अंतराल पर प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (अर्थात श्रमिक-जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना।
  - प्रति वर्ष ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (ps+ss) और CWS में रोजगार तथा बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान लगाना।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **कार्यकलाप स्थिति- सामान्य स्थिति**: किसी भी व्यक्ति के कार्यकलाप की स्थिति का निर्धारण निर्दिष्ट संदर्भ अवधि के दौरान उस व्यक्ति द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर किया जाता है। जब सर्वेक्षण की तारीख से ठीक पहले के 365 दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर कार्यकलाप की स्थिति का निर्धारण किया जाता है तो इसे उस व्यक्ति के सामान्य कार्यकलाप की स्थिति के तौर पर जाना जाता है।
- **कार्यकलाप स्थिति- वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (CWS):** जब सर्वेक्षण की तारीख से ठीक पहले के सात दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर कार्यकलाप की स्थिति का निर्धारण किया जाता है तो इसे उस व्यक्ति की वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (CWS) कहा जाता है।
- **श्रम बल भागीदारी दर (LFPR): LFPR को जनसंख्या में श्रम बल के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों (अर्थात कार्य करने वाले या कार्य की तलाश करने वाले या उपलब्ध होने वाले) के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**
  - पूरे भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (ps+ss) में LFPR

Survey period	Rural			Urban			Rural+Urban		
	male	female	person	male	female	person	male	female	person
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2022-23	80.2	41.5	60.8	74.5	25.4	50.4	78.5	37.0	57.9
2021-22	78.2	36.6	57.5	74.7	23.8	49.7	77.2	32.8	55.2
2020-21	78.1	36.5	57.4	74.6	23.2	49.1	77.0	32.5	54.9
2019-20	77.9	33.0	55.5	74.6	23.3	49.3	76.8	30.0	53.5
2018-19	76.4	26.4	51.5	73.7	20.4	47.5	75.5	24.5	50.2
2017-18	76.4	24.6	50.7	74.5	20.4	47.6	75.8	23.3	49.8

  - **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR): WPR को कुल जनसंख्या में रोजगार प्राप्त व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**
  - पूरे भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (ps+ss) में WPR।

Indicator	Rural			Urban			Rural+Urban		
	male	female	person	male	female	person	male	female	person
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2022-23	78.0	40.7	59.4	71.0	23.5	47.7	76.0	35.9	56.0
2021-22	75.3	35.8	55.6	70.4	21.9	46.6	73.8	31.7	52.9
2020-21	75.1	35.8	55.5	70.0	21.2	45.8	73.5	31.4	52.6
2019-20	74.4	32.2	53.3	69.9	21.3	45.8	73.0	28.7	50.9
2018-19	72.2	25.5	48.9	68.6	18.4	43.9	71.0	23.3	47.3
2017-18	72.0	23.7	48.1	69.3	18.2	43.9	71.2	22.0	46.8

  - **इसलिए कथन 2 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **बेरोजगारी दर (UR): UR को श्रम बल में व्यक्तियों के बीच बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**

Indicator	Rural			Urban			Rural+Urban		
	male	female	person	male	female	person	male	female	person
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2022-23	2.7	1.8	2.4	4.7	7.5	5.4	3.3	2.9	3.2
2021-22	3.8	2.1	3.2	5.8	7.9	6.3	4.4	3.3	4.1
2020-21	3.8	2.1	3.3	6.1	8.6	6.7	4.5	3.5	4.2
2019-20	4.5	2.6	3.9	6.4	8.9	6.9	5.0	4.2	4.8
2018-19	5.5	3.5	5.0	7.0	9.8	7.6	6.0	5.1	5.8
2017-18	5.7	3.8	5.3	6.9	10.8	7.7	6.1	5.6	6.0

- **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 6.D

- GDP (PPP) का आशय क्रय शक्ति समता पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद से है। किसी देश के घरेलू बाजार का आकलन करते समय मौद्रिक GDP का उपयोग करने की तुलना में क्रय शक्ति समता (PPP) का उपयोग करना यकीनन अधिक उपयोगी होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि PPP अंतर्राष्ट्रीय बाजार विनिमय दरों का उपयोग करने के बजाय देश की स्थानीय वस्तुओं, सेवाओं और मुद्रास्फीति दरों की सापेक्ष लागत पर ध्यान केंद्रित करता है।
- भारत वर्ष 2008 से क्रय शक्ति समता के आधार पर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वर्ष 2022 में, PPP के आधार पर शीर्ष पांच देश - चीन, अमेरिका, भारत, जापान और रूस थे। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- PPP के आधार पर GDP का मापन करते समय विभिन्न देशों में जीवन यापन की लागत (Cost of living) में अंतर को समायोजित किया जाता है। **भारत में वस्तुएं और सेवाएं अपेक्षाकृत सस्ती होने के कारण भारतीयों की क्रय शक्ति अधिक है।** PPP विधि भारत की GDP को बढ़ा देती है, जिससे इस विधि के आधार पर GDP को मापने से भारत अन्य देशों से आगे निकल सकता है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 7.C

- **बाजार स्थिरीकरण योजना (MSS):** RBI द्वारा बार-बार स्टेरिलाइजेशन का सहारा लेने से सरकारी प्रतिभूतियों का इसका सीमित स्टॉक खत्म हो गया था और भविष्य में इस तरह के किसी उपकरण का सहारा लेने की संभावना कम हो गई थी, इसी बात को ध्यान में रखते हुए MSS योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत भारत सरकार RBI से ऋण लेती है (ऐसी उधारी उसकी सामान्य ऋण आवश्यकताओं के अतिरिक्त होती है) और ट्रेजरी-बिल/दिनांकित प्रतिभूतियां जारी करती है। इसका उपयोग बाजार से अतिरिक्त तरलता को सोखने के लिए किया जाता है। इस प्रकार MSS तरलता समायोजन सुविधा (LAF) और ओपन मार्केट ऑपरेशन (OMO) जैसे उपायों के साथ-साथ RBI की समग्र मौद्रिक नीति को ध्यान में रखते हुए तरलता को सोखने में मदद करने वाली व्यवस्था का निर्माण करती है।
  नोट: स्टेरिलाइजेशन का तात्पर्य घरेलू मुद्रा आपूर्ति और मुद्रास्फीति पर विदेशी मुद्रा हस्तक्षेप के प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा की गई मौद्रिक कार्रवाई से है।
- MSS के तहत जारी की जाने वाली प्रतिभूतियों को MSS प्रतिभूति/बॉण्ड कहा जाता है। ये प्रतिभूतियां RBI द्वारा कराई जाने वाली नीलामियों के माध्यम से जारी की जाती हैं। इन्हें भारत सरकार और RBI द्वारा पारस्परिक सहमति से एक निर्दिष्ट सीमा के अनुसार जारी किया जाता है।
- **ये प्रतिभूतियां ट्रेजरी-बिल/दिनांकित प्रतिभूतियों की सभी विशेषताओं से युक्त होती हैं।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **इन्हें देश के 'केंद्र सरकार के आंतरिक ऋण' के एक भाग के रूप में शामिल किया गया है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **MSS के तहत एकत्रित की गई राशि सरकारी खाते में जमा नहीं की जाती है,** बल्कि RBI के पास एक अलग नकदी खाते में रखी जाती है। इसका उपयोग केवल योजना के तहत जारी किए गए ट्रेजरी-बिल/दिनांकित प्रतिभूतियों के विमोचन/पुनर्खरीद के लिए किया जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**
- हालांकि, वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के कारण राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों की आवश्यकता उत्पन्न हुई। इसलिए फरवरी 2009 में RBI और भारत सरकार के बीच हुए मूल समझौता ज्ञापन में संशोधन किया गया। इस संशोधन द्वारा सरकार को अपनी प्रोत्साहन व्यय संबंधी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए MSS फंड के एक हिस्से को सामान्य सरकारी उधारी में परिवर्तित करने की अनुमति दी गयी।

Q 8.A

- आय का चक्रीय प्रवाह प्रमुख क्षेत्रकों जैसे कि - परिवारों अर्थात घरेलू क्षेत्रक, फर्म अथवा व्यावसायिक क्षेत्रक, सरकारी क्षेत्रक तथा बाह्य क्षेत्रक (शेष विश्व भी कहा जाता है) के मध्य वस्तुओं एवं सेवाओं के निरंतर चक्रीय संचलन को प्रदर्शित करता है। यह प्रकृति में चक्रीय (वर्तुल) होता है क्योंकि यह एक चक्र में चलते हुए प्रारंभिक बिन्दु पर वापस आता है। जब भी राष्ट्रीय उत्पाद का उत्पादन होता है, तो यह राष्ट्रीय आय के रूप में उस उत्पादन पर माँगों (दावों) की समान मात्रा उत्पन्न करता है। आय का चक्रीय प्रवाह किसी अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्रकों में मौद्रिक आय के प्रवाह अथवा वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रवाह को प्रदर्शित करता है।
- चक्रीय प्रवाह के प्रकार: चक्रीय प्रवाह के दो प्रकार होते हैं: (i) वास्तविक चक्रीय प्रवाह अथवा उत्पाद प्रवाह और (ii) आय चक्रीय प्रवाह या मुद्रा प्रवाह।
    - **वास्तविक चक्रीय प्रवाह या उत्पाद प्रवाह:** वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रवाह को वास्तविक चक्रीय प्रवाह के रूप में जाना जाता है। इनमें वास्तविक वस्तुएं एवं सेवाएं शामिल होने के कारण इन्हें वास्तविक चक्रीय प्रवाह कहा जाता है। इसे उत्पाद प्रवाह भी कहा जाता है। **इसलिए विकल्प 1 सही है।**
    - **आय चक्रीय प्रवाह या मुद्रा चक्रीय प्रवाह:** आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में, वस्तुओं एवं सेवाओं और कारक सेवाओं को मुद्रा के आधार पर मूल्य प्रदान किया जाता है। परिवार फर्मों से भूमि का किराया, श्रम के लिए मजदूरी, पूंजी के लिए ब्याज और उद्यमिता के लिए लाभ प्राप्त करते हैं तथा व्यावसायिक फर्मों को उनके द्वारा आपूर्ति कराई गई वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए भुगतान करते है। फर्मों और परिवारों के बीच मुद्रा के इस प्रवाह को मुद्रा चक्रीय प्रवाह कहा जाता है। **इसलिए विकल्प 2 और 3 सही नहीं हैं।**

Q 9.C

- **हालिया संदर्भ:** केंद्र द्वारा राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद (NSAC) का पुनर्गठन किया गया है।
- **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) ने** 2020 में **'राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद' का गठन किया था। इसका कार्य देश में नवाचार और स्टार्टअप्स हेतु एक सुदृढ़ इकोसिस्टम बनाने के लिए आवश्यक उपायों पर सरकार को सलाह देना है** ताकि देश में सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सके और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हो सके। **इसलिए कथन 1 और 3 सही हैं।**
- इस पुनर्गठन के तहत केंद्र सरकार ने परिषद में विभिन्न हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई गैर-सरकारी सदस्यों को नामित किया है। इन हितधारकों में सफल स्टार्टअप के संस्थापक, वे दिग्गज जिन्होंने भारत में कंपनियों को बढ़ाया और विस्तारित किया, स्टार्टअप में निवेशकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम व्यक्ति और संघो के प्रतिनिधि शामिल थे।
- इस परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री द्वारा की गई थी। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 10.B

- **हाल ही में, केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने स्पष्ट किया कि OTT प्लेटफॉर्म को दूरसंचार अधिनियम 2023 के तहत विनियमित नहीं किया जाएगा।** दूरसंचार अधिनियम, 2023 दूरसंचार सेवाओं और नेटवर्क के विकास, विस्तार और संचालन से संबंधित कानूनों में संशोधन तथा उन्हें समेकित करता है।
- मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यह **अधिनियम सरकार या सेवा प्रदाताओं को OTT प्लेटफार्मों के माध्यम से भेजे गए संदेशों के एन्क्रिप्शन को तोड़ने या उन्हें रोकने की शक्ति नहीं देता है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **OTT प्लेटफार्मों को** सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत **सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 द्वारा विनियमित किया जाता है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Q 11.C

- **केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'पालना' योजना के तहत पूरे देश में आंगनबाड़ी केंद्रों के भीतर 17,000 क्रेच स्थापित करने की योजना बनाई है।** पालना योजना **मिशन शक्ति के तहत संचालित** एक उप-योजना है। इसका उद्देश्य कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने हेतु कामकाजी माताओं के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण और किफायती 'डे-केयर' सुविधाएं प्रदान करना है।
- पालना योजना का उद्देश्य:
  - **कामकाजी माताओं के बच्चों (6 माह से 6 वर्ष तक) के लिए डे-केयर सुविधाएं प्रदान करना है। इसलिए कथन 1 सही है।**
  - क्रेच सुविधाएं स्थापित करने हेतु **मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के अनुपालन की निगरानी करना।** इस अधिनियम के तहत पचास या अधिक कर्मचारियों वाले प्रत्येक प्रतिष्ठान को एक निर्धारित दूरी के भीतर क्रेच की सुविधा प्रदान करना आवश्यक है। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - **बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक क्षमताओं के विकास को बढ़ावा देना।**
- **इसका उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना नहीं है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 12.C

- पूंजी संरक्षण बफर (capital conservation buffer: CCB) को **सामान्य अवधि के दौरान (अर्थात् तब जब संकट का समय न चल रहा हो) बैंकों द्वारा पूंजी बफर के निर्माण को सुनिश्चित करने हेतु तैयार किया गया है। इसका प्रयोग बैंकों द्वारा संकट के समय में किया जा सकता है।**
- न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं के उल्लंघन से बचने हेतु तैयार यह बफर सरल पूंजी संरक्षण नियमों पर आधारित होता है। इसलिए, पूंजीगत पर्याप्तता अनुपात के न्यूनतम 8% को संरक्षित रखने के अतिरिक्त, बैंकों को भविष्य में संकट की स्थिति का सामना करने के लिए जोखिम भारित परिसंपत्तियों (RWA) के 2.5% के बराबर पूंजी संरक्षण बफर को संरक्षित रखने की आवश्यकता होती है। यह उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार के संकट की स्थिति का सामना करने में सक्षम बनाएगा।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 13.A

- सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख सब्सिडी निम्नानुसार हैं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

(In ₹ Crores)

Subsidy Scheme Name	2021-2022 Actuals	2022-2023 Budget Estimates	2022-2023 Revised Estimates	2023-2024 Budget Estimates
Food	**288968.54**	**206831.09**	**287194.05**	**197350.00**
1. Food Subsidy	288968.54	206831.09	287194.05	197350.00
Fertiliser	**153758.10**	**105222.32**	**225220.16**	**175099.92**
1. Nutrient based Subsidy	52769.97	42000.00	71122.23	44000.00
2. Urea Subsidy	100988.13	63222.32	154097.93	131099.92
Petroleum	**3422.60**	**5812.50**	**9170.50**	**2257.09**
1. LPG Subsidy	3421.07	5812.50	9170.50	2257.09
2. Direct Benefit Transfer-Kerosene	1.53	...	...	...

- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 14.A

- **डायनेमिक स्कोरिंग (Dynamic scoring) में समय के साथ विभिन्न आर्थिक चरों पर राजकोषीय नीतिगत प्रस्तावों के पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना शामिल होता है। यह दृष्टिकोण स्टेटिक स्कोरिंग पद्धति से अधिक व्यापक है। ज्ञातव्य है कि स्टेटिक स्कोरिंग पद्धति में सामान्यतः सरकारी राजस्व और परिव्यय पर पड़ने वाले नीतिगत परिवर्तनों के तत्काल और प्रत्यक्ष प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।**
- डायनेमिक स्कोरिंग पद्धति में, विश्लेषकों द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं, जैसे आर्थिक विकास, रोजगार, निवेश और समग्र कल्याण पर राजकोषीय नीतियों के व्यापक और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार किया जाता है। इस पद्धति में नीतिगत परिवर्तनों के समय के साथ विकसित होने वाले व्यापक प्रभाव हो सकते हैं।
- इस दृष्टिकोण में अर्थव्यवस्था के भीतर गतिशील पारस्परिक क्रियाओं और फीडबैक लूप को ध्यान में रखा जाता है। उदाहरण के लिए, कर कटौती उपभोक्ताओं में व्यय करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित कर सकती है, जो बदले में, व्यापार संबंधी निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकती है। डायनामिक स्कोरिंग का उद्देश्य इन जटिल पारस्परिक क्रियाओं को आकलन में शामिल करना है।
- यह राजकोषीय नीतिगत परिवर्तनों के संभावित परिणामों की अधिक व्यापक समझ प्रदान करता है। साथ ही, यह नीति निर्माताओं को केवल अल्पकालिक बजटीय निहितार्थों पर ध्यान देने के बजाय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले समग्र प्रभाव का आकलन करने की सुविधा प्रदान करता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 15.B

- **त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (QES) को श्रम ब्यूरो द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें नौ प्रमुख क्षेत्रकों के दस या उससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को कवर किया जाता है। ध्यातव्य है कि इन नौ प्रमुख क्षेत्रकों में विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्तरां, आईटी/बीपीओ और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।**
  - **इसलिए कथन 1 सही नहीं है और कथन 2 सही है।**
- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय(MoSPI) द्वारा आयोजित छठी आर्थिक जनगणना (2013-14) के अनुसार, दस या उससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों में नियोजित कुल रोजगार का लगभग 83 प्रतिशत इन नौ क्षेत्रकों में कार्यरत है।
- अब तक वित्त वर्ष 2022 की 4 तिमाहियों को कवर करते हुए QES के 4 दौरों के परिणाम जारी किए जा चुके हैं। QES के चौथे दौर (जनवरी से मार्च 2022) के अनुसार 9 चुने हुए क्षेत्रकों में अनुमानित कुल रोजगार 3.2 करोड़ था। यह आंकड़ा QES के पहले दौर (अप्रैल से जून 2021) में अनुमानित रोजगार की तुलना में लगभग 10 लाख अधिक है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही (Q1) से इसी वर्ष की चौथी तिमाही (Q4) तक श्रमिकों के अनुमान में होने वाली वृद्धि आईटी/बीपीओ (17.6 लाख), स्वास्थ्य (7.8 लाख) तथा शिक्षा (1.7 लाख) जैसे क्षेत्रकों में बढ़ते हुए रोजगार से प्रेरित थी। यह वृद्धि मुख्यतः अर्थव्यवस्था में बढ़ते डिजिटलीकरण और सेवा क्षेत्रक के पुनरुत्थान के कारण हुई थी।
- जहां तक रोजगार की अवधि का प्रश्न है, वित्त वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में कुल श्रमबल में 86.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ नियमित कर्मचारियों की सभी क्षेत्रकों में प्रधानता थी। विनिर्माण (12.4 प्रतिशत) और निर्माण (19.0 प्रतिशत) के क्षेत्रकों को छोड़कर, इन नौ क्षेत्रकों के कार्यबल में संविदा कर्मचारियों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है।

Q 16.C

- भारत में मुद्राओं को RBI द्वारा जारी किया जाता है जिसके लिए उसे सोने और विदेशी मुद्रा के एक निश्चित भंडार को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। वर्तमान में, मुद्रा जारी करने हेतु RBI न्यूनतम आरक्षित प्रणाली (Minimum Reserve System: MRS) का अनुपालन करता है। इस प्रणाली का अनुपालन वर्ष 1956 से किया जा रहा है।
- **न्यूनतम आरक्षित प्रणाली के तहत, RBI को सोने के सिक्के व बुलियन और विदेशी मुद्राओं को मिलाकर न्यूनतम 200 करोड़ रुपये का रिजर्व रखना होता है। कुल 200 करोड़ रुपये में से 115 करोड़ रुपये सोने के सिक्के या बुलियन के रूप में होने चाहिए।** MRS को अपनाने का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में बढ़ते लेनदेन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए धन आपूर्ति को बढ़ाना था।
- न्यूनतम आरक्षित राशि विश्वास का प्रतीक है। इसका RBI द्वारा जारी की जाने वाली नई मुद्राओं की मात्रा से कोई व्यावहारिक संबंध नहीं होता है। न्यूनतम आरक्षित प्रणाली के तहत RBI रिजर्व बनाए रखकर असीमित मात्रा में मुद्राएं जारी कर सकता है। हालांकि, RBI द्वारा आर्थिक संवृद्धि और लोगों की लेनदेन संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर नई मुद्राएं जारी करने हेतु कुछ सिद्धांतों या नियमों का पालन किया जाता है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 17.D

- **हालिया संदर्भ:** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स ईज (Logistics Ease Across Different States: LEADS) धारणा सर्वेक्षण जारी किया गया है। इसमें क्षेत्रीय स्तर पर विद्यमान कुछ लॉजिस्टिक्स और राज्यों के प्रदर्शन से संबंधित चुनौतियों को उजागर किया है। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- लीड्स (LEADS) में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) के लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम के प्रदर्शन का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। LEADS की परिकल्पना 2018 में विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (LPI) की तर्ज पर की गई थी। हालांकि, LPI पूर्णतः धारणा-आधारित सर्वेक्षणों पर निर्भर है, जबकि LEADS में धारणा के साथ-साथ वस्तुनिष्ठता का भी समावेश किया गया है जिससे इस सर्वेक्षण की वैधता और व्यापकता बढ़ जाती है।

Q 18.B

- **वेंचर कैपिटल** ऐसा वित्तपोषण होता है जिसे निवेशकों द्वारा दीर्घकालिक विकास की क्षमता वाली स्टार्टअप कंपनियों और छोटे व्यवसायों में निवेश किया जाता है। सामान्यतः यह निवेश संपन्न निवेशकों, निवेश बैंकों और किसी अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाता है। हालांकि, यह हमेशा केवल मौद्रिक रूप में ही नहीं होता है; इसे तकनीकी या प्रबंधकीय विशेषज्ञता के रूप में भी प्रदान किया जा सकता है। **इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**
  - वेंचर पूंजीपति एक ऐसे मजबूत उत्पाद या सेवा में निवेश करने का अवसर तलाशता है जिसके पास एक मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक लाभ, एक प्रतिभाशाली प्रबंधन टीम और व्यापक संभावित बाजार उपलब्ध हो। एक बार जब वेंचर पूंजीपति आश्वस्त हो जाते हैं और उनमें निवेश कर लेते हैं, तो वे इन स्टार्टअप्स को सफल कंपनियों बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे इसी स्तर पर वास्तविक मूल्य वर्धन करते हैं। अन्य क्षेत्रों के अतिरिक्त, वे कंपनी के रणनीतिक लक्ष्य को निर्धारित करने और वरिष्ठ प्रबंधन की नियुक्ति में भी सहायता करते हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **एंजेल निवेशक -** छोटे व्यवसायों या उभरते उद्योगों में सफल होने की संभावना वाले व्यवसायों (Up-And-Coming Businesses) के लिए, सामान्यतः पूंजी उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों (HNWIs) द्वारा प्रदान की जाती है। इन्हें प्रायः 'एंजेल निवेशक' भी कहा जाता है। एंजेल निवेशक आम तौर पर ऐसे व्यक्तियों का एक विविधतापूर्ण समूह होता है जिन्होंने विभिन्न स्रोतों से अपनी संपदा एकत्र की होती है। ये निवेशक स्वयं भी उद्यमी होते हैं या हाल ही में अपने द्वारा स्थापित किये गए बिज़नेस एम्पायर से सेवानिवृत्त एक्ज़ीक्यूटिव होते हैं।
    - एंजेल निवेशक मुख्य रूप से वित्तीय सहायता ही प्रदान करते हैं। हालांकि, यदि आप सलाह मांगते हैं तो वे सलाह दे सकते हैं या वे आपको महत्वपूर्ण व्यक्तियों से परिचित करा सकते हैं, लेकिन वे ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं होते हैं। एंजेल निवेशक की भागीदारी का स्तर कंपनी की इच्छा और कंपनी के प्रति उनके झुकाव पर निर्भर करता है।
- **व्यक्तिगत निवेशक -** व्यवसाय के मालिक प्रायः अपनी कंपनियों में निवेश करने के लिए, विशेष रूप से आरंभिक चरण में परिवार, दोस्तों या करीबी परिचितों पर निर्भर होते हैं। हालांकि इनमे से कितने व्यक्ति स्टार्टअप्स में निवेश कर सकते हैं, इसके संदर्भ में एक कानूनी सीमा निर्धारित की गयी है।
- **पीयर-टू-पीयर लेंडर्स** ऐसे व्यक्ति या समूह होते हैं जो छोटे व्यवसाय के मालिकों को ऋण प्रदान करते हैं। इन निवेशकों के साथ काम करने के लिए उद्यमियों को प्रॉस्पर या लेंडिंग क्लब जैसी पीयर-टू-पीयर लेंडिंग में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनियों में आवेदन करना होता है। उनका आवेदन स्वीकृत हो जाने के पश्चात ऋणदाता उन व्यवसायों को निर्धारित कर सकते हैं जिनका वे समर्थन करना चाहते हैं।

Q 19.D

- **हालिया संदर्भ**: हाल ही में, गृह मंत्रालय (MHA) ने सुरक्षित ई-मेल सेट-अप के प्रावधानों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया। ज्ञातव्य है कि 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में 10,000 ईमेल का प्रसार है।
- केंद्र सरकार ने शून्य विश्वास प्रमाणीकरण/जीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन (ZTA) का उपयोग करके महत्वपूर्ण मंत्रालयों और विभागों में 10,000 उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित ई-मेल प्रणाली स्थापित की है। सरकार ने यह कदम बढ़ते हुए साइबर हमलों को ध्यान में रखते हुए उठाया है।
- **ZTA एक साइबर-सुरक्षा दृष्टिकोण है। इसका उद्देश्य सूचना-प्रौद्योगिकी प्रणालियों के समक्ष निरंतर उत्पन्न हो रहे सुरक्षा जोखिमों का समाधान करना है।** इसमें मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, निरंतर निगरानी आदि का उपयोग किया जाता है। यह तकनीक 'नेवर ट्रस्ट ऑलवेज वेरीफाई' के सिद्धांत पर कार्य करती है। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 20.A

- **मानव विकास सूचकांक (HDI)** को वर्ष 1990 से प्रतिवर्ष **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। यह **मानव विकास रिपोर्ट** का ही भाग है। यह मानव विकास के प्रमुख आयामों में औसत उपलब्धि की एक सारांश माप है। इन आयामों में एक दीर्घायु और स्वस्थ जीवन, ज्ञानवान (knowledgeable) होना और एक बेहतर जीवन स्तर शामिल है।
    - HDI तीनों आयामों में से प्रत्येक के लिए **सामान्यीकृत सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य** है।
    - आयाम के भीतर संकेतकों में शामिल हैं:
        - **दीर्घायु और स्वस्थ जीवन - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा**
        - **ज्ञान - स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष और स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष**
        - **बेहतर जीवन स्तर - प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (PPP डॉलर में)**
    - **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 21.A

- **नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL) :**
  - केंद्रीय बजट 2021-22 में NARCL के गठन की घोषणा की गई थी। इसका उद्देश्य एक ऐसे 'बैड बैंक' का निर्माण करना था जिसमें 500 करोड़ (62.63 मिलियन अमेरिकी डॉलर) और उससे अधिक रुपये के बैड लोन शामिल होंगे। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
  - बाजार में पहले से ही 28 एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियां (ARC) मौजूद हैं। हालांकि, विभिन्न ऋणदाताओं द्वारा धारित की जाने वाली बैड लोन बुक की वृहत और खंडित प्रकृति के कारण, बैंकों की बैलेंस शीट पर बड़ी मात्रा में गैर निष्पादित परिसंपत्तियां (NPA) दिखाई देती हैं। इस प्रकार, NARCL जैसे अधिक उत्तम उपायों एवं विकल्पों की आवश्यकता है।
  - NARCL में दोहरी संरचना होगी - इसमें दबावग्रस्त परिसंपत्तियों की पुनर्वसूली और प्रबंधन के लिए एक एसेट मैनेजमेंट कंपनी (AMC) और एक एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (ARC) शामिल होगी।
  - **यह निजी और सार्वजनिक क्षेत्रक के बैंकों (PSBs) के बीच एक सहयोग है, लेकिन NARCL में PSBs 51% स्वामित्व तक बनाए रखेंगे। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
  - **यह भारतीय रिजर्व बैंक के साथ वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत एक आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी) के रूप में पंजीकृत है।**
  - **NARCL को बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) से इक्विटी के माध्यम से पूंजीकृत किया जाएगा।** आवश्यकता पड़ने पर यह नया ऋण भी जारी कर सकता है। भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई गारंटी से अग्रिम पूंजी की आवश्यकता कम हो जाएगी। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - NARCL को भारत ऋण समाधान कंपनी लिमिटेड (IDRCL) द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।
  - अगस्त 2022 में, NARCL ने फ्यूचर रिटेल सहित पांच कंपनियों के डिस्ट्रेस लोन संबंधी अकाउन्ट्स को खरीदने की पेशकश की थी।

Q 22.B

- दिसंबर 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने **नोमा (Noma) को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों (Neglected tropical diseases: NTD) की अपनी आधिकारिक सूची में शामिल किया।** यह विश्व की सबसे कम पहचानी गई स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है।
- इसे कैंक्रम ओरिस (Cancrum Oris) या गैंग्रीनस स्टोमाटाइटिस (Gangrenous Stomatitis) के रूप में भी जाना जाता है। **यह मुंह और चेहरे का एक गंभीर गैंग्रीनस रोग है।** इसमें मृत्यु दर (Mortality rate) लगभग 90 प्रतिशत है। यह अत्यधिक गरीबी, कुपोषण और स्वच्छता तक कम पहुंच एवं मुख की ठीक से सफाई न होने कारण होता है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है और कथन 2 सही है।**
- नोमा मुख्य रूप से 2-6 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रभावित करता है और यह गरीब समुदायों में रहने वाले लोगों में सबसे अधिक पाया जाता है। इस रोग को लेकर जागरूकता की अत्यंत कमी है।
- NTD के मामले अक्सर विकासशील देशों में, विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका में पाए जाते हैं, इन देशों में यह रोग विशेष रूप से 3-10 वर्ष की आयु के गरीब बच्चों को प्रभावित करता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 23.A

- केंद्र सरकार के राजकोषीय मापदंड (GDP के प्रतिशत में)

	FY18	FY19	FY20	FY21	FY22 PA	FY23 BE
Revenue Receipts	8.4	8.2	8.4	8.3	9.2	8.5
Gross Tax Revenue	11.2	11.0	10.0	10.2	11.4	10.7
Net tax revenue	7.3	7.0	6.8	7.2	7.7	7.5
Non-tax revenue	1.1	1.2	1.6	1.0	1.5	1.0
Non-debt capital receipts	0.7	0.6	0.3	0.3	0.2	0.3
Non-debt receipts	9.1	8.8	8.7	8.5	9.3	8.9
Total Expenditure	12.5	12.3	13.4	17.7	16.0	15.3
Revenue Expenditure	11.0	10.6	11.7	15.6	13.5	12.4
Capital Expenditure	1.5	1.6	1.7	2.2	2.5	2.9
Fiscal Deficit	3.5	3.4	4.7	9.2	6.7	6.4
Revenue Deficit	2.6	2.4	3.3	7.3	4.4	3.8
Primary Deficit	0.4	0.4	1.6	5.7	3.3	2.8

- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 24.C

- स्टॉक (Stock) और फ्लो (Flow) के बीच अंतर बहुत महत्वपूर्ण होता है और इस अंतर का आधार किसी नियत समय (Point of time) या निर्दिष्ट समयावधि में इनकी मापनीयता होती है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि स्टॉक और फ्लो दोनों वेरिएबल होते हैं। वेरिएबल से तात्पर्य एक मापने योग्य मात्रा से है जो परिवर्तित होती रहती है। राष्ट्रीय आय के आकलन के लिए स्टॉक और फ्लो के बीच का अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।
- **स्टॉक वेरिएबल्स (Stock Variables):**
  - स्टॉक एक ऐसा परिमाण है जो एक निश्चित समय पर मापने योग्य होता है। पूंजी (Capital) एक स्टॉक वेरिएबल है। स्पष्ट रूप से, किसी स्टॉक में कोई समय विस्तार (समय की अवधि) नहीं होता है, जबकि फ्लो में समय का विस्तार होता है। **स्टॉक को एक नियत समय पर निर्धारित किया जाता है।**
  - स्टॉक के उदाहरण हैं - संपदा, बाह्य ऋण, लोन, प्रविष्टियां (ऐसी प्रविष्टियां जिनमें परिवर्तन नहीं होता है), प्रारंभिक स्टॉक, मुद्रा की आपूर्ति (मुद्रा की राशि), जनसंख्या, आदि। **मुद्रा आपूर्ति को एक नियत समय पर मापा जाता है। इसलिए कथन I सही है।**
- **फ्लो वेरिएबल्स (Flow Variables):**
  - फ्लो एक ऐसा परिमाण है जिसे समयावधि के संदर्भ में मापा जाता है। इस प्रकार, फ्लो को एक विशिष्ट अवधि (समय की अवधि) के संदर्भ में निर्धारित किया जाता है, जैसे- घंटे, दिन, सप्ताह, महीने या वर्ष। इसमें एक समय विस्तार होता है। **फ्लो को निश्चित समयावधि में निर्धारित किया जाता है। इसलिए कथन II सही नहीं है।**
  - राष्ट्रीय आय (किसी देश की GDP) एक फ्लो है। फ्लो के अन्य उदाहरण व्यय, बचत, मूल्यह्रास, ब्याज, निर्यात, आयात, सूची में परिवर्तन (केवल सूची नहीं), मुद्रा आपूर्ति में परिवर्तन, ऋण देना (Lending), उधारियां (Borrowing), किराया, लाभ, आदि हैं क्योंकि इन सभी का परिमाण (आकार) समयावधि में मापा जाता है।

Q 25.B

- **विदेशी मुद्रा प्रबंधन (जमा) विनियम, 2000 के तहत अनिवासी भारतीयों (NRI) को अधिकृत डीलरों के पास और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा अधिकृत बैंकों में जमा खाता खोलने की अनुमति देता है।** इन खातों में शामिल हैं:
  - विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) खाता {Foreign Currency Non-Resident (Bank) account: FCNR (B) खाता},

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- अनिवासी बाह्य खाता (Non-Resident External:NRE खाता),
- अनिवासी साधारण रुपया खाता (Non-Resident Ordinary Rupee account :NRO खाता)।

- **FCNR (B) खाते अनिवासी भारतीयों (NRIs) और समुद्रपारीय निगमित निकायों (Overseas Corporate Bodies : OCB) द्वारा अधिकृत डीलर के पास खोले जा सकते हैं।** ये खाते सावधि जमा के रूप में खोले जा सकते हैं। इन खातों में पाउंड स्टर्लिंग, अमेरिकी डॉलर, जापानी येन और यूरो में धनराशि जमा की जा सकती है। इन खातों पर लागू ब्याज दरें RBI द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार निर्धारित होती हैं। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **NRE खाते, NRIs और OCBs द्वारा अधिकृत डीलरों एवं RBI द्वारा अधिकृत बैंकों में खोले जा सकते हैं।** ये खाते बचत, चालू, आवर्ती या सावधि जमा खातों के रूप में हो सकते हैं। इनमें किसी भी स्वीकृत मुद्रा (Currency) में जमा की अनुमति दी गयी है। इन खातों पर लागू ब्याज दरें RBI द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुरूप होती हैं।
- NRO खाते भारत के बाहर रहने वाले किसी भी व्यक्ति द्वारा अधिकृत डीलर या अधिकृत बैंक के पास खोले जा सकते हैं। इन खातों का उद्देश्य भारतीय रुपये में स्थानीय प्रामाणिक (Bonafide) लेनदेन से धन एकत्र करना है। जब कोई निवासी NRI का दर्जा प्राप्त कर लेता है, तो उसके मौजूदा रुपया खातों को NRO खाते के रूप में नामित किया जाता है। ये खाते चालू, बचत, आवर्ती या सावधि जमा खातों के रूप में हो सकते हैं।
- हालांकि, पहले NRIs से संबंधित दो अन्य जमा खाते नामतः अनिवासी (गैर-प्रत्यावर्तनीय) रुपया जमा खाता {Non-Resident (Non-Repatriable) Rupee Deposit Account} और अनिवासी (विशेष) रुपया खाता (Non-Resident (Special) Rupee Account) परिचालन में थे। वर्ष 2002 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन (जमा) विनियम में हुए एक संशोधन के द्वारा 1 अप्रैल 2002 से इन दोनों खातों में जमा को स्वीकार करना बंद कर दिया गया है।
- **कथन 2 सही है और कथन 3 सही नहीं है: FCNR (B) और NRE खातों में धन के प्रत्यावर्तन की अनुमति प्रदान की गई है। इसलिए, इन खातों में जमा राशि भारत की विदेशी ऋण बकाया में शामिल होती है।** NRO में जमा राशि गैर-प्रत्यावर्तनीय है किंतु चालू आय और ब्याज से प्राप्त राशि प्रत्यावर्तनीय है। NRO खातों के खाताधारकों को अपने खातों में जमा बैलेंस राशि में से प्रतिवर्ष 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक की राशि प्रेषित करने की अनुमति है। इसलिए, NRO खातों की जमाओं को भी भारत के विदेशी ऋण में शामिल किया जाता है।
- **प्रत्यावर्तन (Repatriation)**- वित्तीय अर्थों में प्रत्यावर्तन, किसी भी विदेशी मुद्रा को घरेलू मुद्रा में परिवर्तित करने को संदर्भित करता है। कभी-कभी व्यापार लेन-देन, विदेशी निवेश अथवा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के कारण प्रत्यावर्तन आवश्यक होता है। उदाहरण के लिए, जापान की यात्रा से लौटने वाले भारतीय सामान्यतः किसी भी शेष येन को भारतीय रुपए में परिवर्तित करते हुए, अपनी मुद्रा को प्रत्यावर्तित करते हैं। इस शेष येन के विनिमय से प्राप्त होने वाला रुपया, प्रत्यावर्तन के समय दोनों मुद्राओं के मध्य प्रचलित विनिमय दर पर निर्भर करता है।
- जबकि, निवेश और कॉर्पोरेट आय के संदर्भ में प्रत्यावर्तन सामान्यतः किसी भी विदेशी पूंजी को उस देश की मुद्रा (जिसमे वह निगम या निवेशक निवेश करता है) में परिवर्तित करने से संबंधित है। एक व्यापक संदर्भ में प्रत्यावर्तन उद्गम देश में किसी भी वस्तु या किसी भी व्यक्ति की वापसी को संदर्भित करता है। इसमें विदेशी नागरिकों, शरणार्थियों अथवा निर्वासित लोगों सहित एकल व्यक्ति शामिल हो सकते हैं।
- **समुद्रपारीय निगमित निकाय (OCBs)** का तात्पर्य 16 सितंबर, 2003 को अस्तित्ववान और विदेशी मुद्रा प्रबंधन विनियमों के अंतर्गत प्रदत्त सामान्य अनुमति के अनुसार लेनदेन हेतु पात्र एक ऐसी कंपनी, साझेदारी फर्म, सोसायटी एवं अन्य कॉर्पोरेट निकाय से है, जिसमें अनिवासी भारतीयों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से न्यूनतम 60% तक स्वामित्व प्राप्त हो। इसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अनिवासी भारतीयों के न्यूनतम 60% स्थायी एवं लाभकारी हित वाले विदेशी ट्रस्ट भी शामिल हैं। समुद्रपारीय निगमित निकायों की मान्यता को 16 सितंबर, 2003 को समाप्त कर दिया गया था।

Q 26.B

- **अतिरिक्त बजटीय संसाधन (EBR) सार्वजनिक क्षेत्रक के उपक्रमों द्वारा जुटाई गई वित्तीय देयताएं होती हैं। इनसे संबंधित संपूर्ण मूलधन और ब्याज का भुगतान सरकारी बजट से किया जाता है। इसलिए कथन 1 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- इस तरह की उधारियां राज्य के स्वामित्व वाली फर्मों द्वारा सरकारी योजनाओं को निधि प्रदान करने के लिए की जाती है। हालांकि ये सरकारी बजट गणना का भाग नहीं होती हैं।
- **राजकोषीय घाटे की गणना करते समय बजटेत्तर उधारियों को शामिल नहीं किया जाता है। हालांकि उन्हें सरकार के कुल ऋण में जोड़ा जाता है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- इसका अर्थ यह है कि यद्यपि उधारियां भारत की संचित निधि का हिस्सा नहीं है, लेकिन ऐसी उधारियों के लिए ब्याज भुगतान संचित निधि से किया जाता है।
- ये उधारियां भारत सरकार द्वारा गारंटी प्राप्त (Fully Serviced) बॉण्डों और राष्ट्रीय लघु बचत निधि (NSSF) से संबंधित ऋणों के माध्यम से ली जाती हैं।
- बजट में घोषित कई योजनाओं को बजटेत्तर उधारियों से वित्तपोषित किया जाता है। इन उधारियों को योजनाओं का संचालन कर रही सार्वजनिक क्षेत्रक की इकाइयों द्वारा लिया जाता है।
    - पहले, विभिन्न योजनाओं जैसे कि - प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY), दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (DDUGJY), स्वच्छ भारत मिशन (SBM), प्रधान मंत्री आवास योजना (PMAY) इत्यादि को बजटेत्तर उधारियों से वित्त पोषित किया जाता था।
- **राज्य सरकारों को बजटेत्तर उधारी लेने की अनुमति है। इसलिए कथन 3 सही नहीं है।**
    - उदाहरण के लिए, अधिकतम बजटेत्तर देनदारी के मामले में, तेलंगाना सर्वाधिक कर्जदार है। वर्ष 2021 के अंत में तेलंगाना का कुल ऋण लगभग 97,940.45 करोड़ रुपये था। यह उसके सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के 9.99% के बराबर है।

Q 27.A

- सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) **कुल अतिरिक्त आय का वह अंश है जिसका उपयोग लोग बचत के बजाय वस्तुओं और सेवाओं के उपभोग के लिए करते हैं। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति कीन्स के समष्टि आर्थिक सिद्धांत का एक घटक है। MPC की गणना उपभोग में परिवर्तन को आय में परिवर्तन (ΔC / ΔY) से भाग देकर की जाती है। यदि आय के प्रत्येक अतिरिक्त रुपये के लिए उपभोग 80 पैसे बढ़ जाता है, तो MPC 0.8 / 1 = 0.8 के बराबर है।

Q 28.B

- **हालिया संदर्भ: हाल ही में भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCAC) के 20 वर्ष पूरे हुए हैं।**
- **UNCAC भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानूनी रूप से बाध्यकारी एकमात्र सार्वभौमिक कन्वेंशन है।** कन्वेंशन का दृष्टिकोण दूरगामी है और इसके प्रावधानों की प्रकृति अनिवार्य है, जो इसे वैश्विक समस्या के प्रति व्यापक अनुक्रिया विकसित करने का एक अद्वितीय उपकरण बनाते हैं। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- कन्वेंशन में भ्रष्टाचार के अलग-अलग रूपों को शामिल किया गया है। इनमें रिश्वतखोरी, किसी के प्रभाव में आकर कार्य करना, पद या दायित्वों का दुरुपयोग और निजी क्षेत्रक में भ्रष्टाचार की विविध गतिविधियां शामिल हैं। **भारत सहित संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश इस कन्वेंशन के पक्षकार हैं। इसलिए कथन 3 सही नहीं है।**
- **ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (United Nations Office on Drugs and Crime : UNODC) इस कन्वेंशन का संरक्षक है। UNODC इस कन्वेंशन के पक्षकार देशों के सम्मेलन के सचिवालय के रूप में भी कार्य करता है। इसलिए कथन 2 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 29.D

- 21 दिसंबर, 2023 को, **अंगोला ने** 16 वर्ष की सदस्यता **के बाद पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से अपनी सदस्यता वापस लेने की घोषणा की है।** यह निर्णय एक तेल उत्पादन कोटा पर असहमति के बाद लिया गया था। अंगोला ने देश की घटती क्षमता को दर्शाने के लिए कार्टेल नेतृत्वकर्ताओं द्वारा लगाई गई निम्न उत्पादन सीमा को अस्वीकार कर दिया। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- ओपेक एक अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला द्वारा की गई थी। ओपेक का मुख्य उद्देश्य पेट्रोलियम उत्पादक देशों के लिए उचित और स्थिर कीमतें सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सदस्य देशों के बीच पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय और एकीकरण करना है।
- **वर्तमान में, संगठन के सदस्य देश - अल्जीरिया, कांगो, इक्वाडोर, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, इस्लामिक रिपब्लिक ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला हैं।**

Q 30.C

- कुछ विशेष आंतरिक कारकों, विशेष रूप से मजदूरी और कीमतों से संबंधित स्वचालित तंत्र के कारण आर्थिक प्रणाली के भीतर उत्पन्न होने वाले मुद्रास्फीतिक दबाव को "अंतर्निहित मुद्रास्फीति (Built-in Inflation)" कहा जाता है।
  - इस तरह की मुद्रास्फीति अक्सर बाह्य आघातों या सरकारी नीतियों में परिवर्तनों के कारण नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था में चल रहे आत्म-समर्थन से संबद्ध होती है।
- बाह्य कारकों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति: बाह्य कारक, जैसे कि - वैश्विक कमोडिटी कीमतों में बदलाव, मुद्रास्फीति में योगदान कर सकते हैं। लेकिन बाह्य कारकों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति "अंतर्निहित मुद्रास्फीति" को संदर्भित नहीं करती है। अंतर्निहित मुद्रास्फीति मुख्यतः आंतरिक और प्रणालीगत कारकों से संबंधित होती है।
- **सरकारी नीतियों में परिवर्तनों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति:** सरकारी नीतियां मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन अंतर्निहित मुद्रास्फीति विशेष रूप से जानबूझकर किए गए नीतिगत परिवर्तनों के बजाय आंतरिक, स्वचालित प्रक्रियाओं को संदर्भित करती है।
- **मजदूरी और कीमतों में स्वत: वृद्धि से उत्पन्न मुद्रास्फीति: यह सही व्याख्या है। अंतर्निहित मुद्रास्फीति तब उत्पन्न होती है जब ऐसे तंत्र मौजूद होते हैं जो मजदूरी और कीमतों में स्वतः वृद्धि का कारण बनते हैं, जिससे समग्र मूल्य स्तरों पर निरंतर ऊर्ध्वगामी दबाव बनता है। उदाहरण के लिए, यदि जीवन यापन की लागत में समायोजन या संविदात्मक समझौतों के कारण मजदूरी में स्वत: वृद्धि हो जाती है, तो इससे उत्पादन लागत में वृद्धि हो सकती है। परिणामस्वरूप, वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
- **वित्तीय बाजारों में सट्टेबाजी गतिविधियों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति:** यह वित्तीय बाजारों में सट्टेबाजी के कारण उत्पन्न होने वाली मुद्रास्फीति को संदर्भित करता है और यह अंतर्निहित मुद्रास्फीति से संबंधित नहीं है। सट्टेबाजी की गतिविधियों से परिसंपत्ति की कीमतों में अल्पावधि के लिए उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन अंतर्निहित मुद्रास्फीति संरचनात्मक अधिक होती है और यह अर्थव्यवस्था की आंतरिक परिवर्तनशीलता से संबंधित है।

Q 31.D

- **ई-कुबेर (E-Kuber) भारतीय रिजर्व बैंक** का कोर बैंकिंग सॉल्यूशन है। ई-कुबेर **देश के प्रत्येक बैंक के लिए एक एकल चालू खाते** का प्रावधान प्रदान करता है। इसमें पोर्टल आधारित सेवाओं का सुरक्षित तरीके से उपयोग करते हुए कहीं से भी और कभी भी इस खाते तक विकेंद्रीकृत पहुंच प्राप्त होती है। **सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी** ई-कुबेर प्रणाली के माध्यम से की जाती है।
- **प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रमाण-पत्र (PSLCs) बैंकों के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋणों के बदले में जारी किए जाने वाले व्यापार योग्य प्रमाण-पत्र** हैं। इसका उद्देश्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक के लिए निर्धारित ऋण संबंधी लक्ष्य और उप-लक्ष्यों को प्राप्त न किए जाने की स्थिति में इन लिखतों की खरीद का विकल्प देकर बैंकों को लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।
- **सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों सहित), शहरी सहकारी बैंक, लघु वित्त बैंक और स्थानीय क्षेत्र के बैंक (लोकल एरिया बैंक)** ई-कुबेर प्लेटफॉर्म पर PSLC के व्यापार या लेनदेन में **भाग लेने के लिए पात्र हैं।**
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 32.B

- **हालिया संदर्भ:** हाल ही में, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (TOT) मॉडल के तहत राजमार्ग परियोजनाओं का आवंटन किया है।
- **TOT मॉडल के बारे में:**
  - इस मॉडल को राजमार्ग क्षेत्रक में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विकसित किया गया था। **इसलिए कथन 1 सही है।**
  - TOT के तहत, **मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों या उसके किसी निर्धारित भाग को लंबी अवधि के लिए पट्टे (15-30 वर्ष) पर दिया जाता है। इसके तहत निजी संस्थाओं को अग्रिम भुगतान करने पर दीर्घकालिक रियायत प्रदान की जाती है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
  - **इस पट्टे की अवधि के दौरान, TOT ऑपरेटर टोल पर उपयोगकर्ता शुल्क एकत्रित करता है। यह शुल्क NHAI द्वारा निर्धारित दरों के आधार पर तय होता है।** इस अवधि के दौरान ही, निर्धारित भाग का संचालन और रखरखाव ऑपरेटर द्वारा किया जाता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 33.C

- **कुल व्यय अनुपात (TER) म्यूचुअल फंड के प्रबंधन और संचालन से संबद्ध कुल लागत की एक माप है।**
- इसमें मुख्यतः प्रबंधन शुल्क और अतिरिक्त व्यय जैसे कि - ट्रेडिंग शुल्क, कानूनी शुल्क, ऑडिटर शुल्क और अन्य परिचालन संबंधी व्यय शामिल हैं।
- इसका उपयोग निवेशकों द्वारा योजना की लागतों की तुलना अन्य योजनाओं की लागत और उस योजना से मिलने वाले रिटर्न से करने के लिए किया जाता है।
- म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा निवेशकों से वसूली जाने वाली **TER** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड या सेबी **(SEBI) द्वारा निर्धारित की जाती** है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 34.B

- **हालिया संदर्भ:** भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (PIDF) योजना को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित करने की घोषणा की है।
- PIDF योजना बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रारंभ की गई थी। इसके तहत पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनल्स और अन्य भुगतान स्वीकृति अवसंरचना की स्थापना करने में सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के परिणामस्वरूप भुगतान स्वीकृति अवसंरचनाओं को व्यापक प्रोत्साहन मिला है और ये अधिक समावेशी बनी हैं।
- **इसका उद्देश्य** टियर-3 से टियर-6 केंद्रों, पूर्वोत्तर राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में भुगतान स्वीकार करने वाली अवसंरचनाओं, **जैसे कि - भौतिक प्वाइंट ऑफ सेल (POS) टर्मिनल, क्विक रिस्पॉन्स (QR) कोड की संख्या को कई गुना बढ़ाना है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **PIDF एक सलाहकार परिषद के माध्यम से शासित होता है तथा इसे RBI द्वारा प्रबंधित और प्रशासित किया जाता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- इस विस्तारित योजना के तहत, देश भर में पी.एम. विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को PIDF के तहत कार्य करने के लिए पात्र व्यापारियों (Merchants) के रूप में शामिल किया गया है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 35.B

- **बॉण्ड यील्ड उस प्रतिफल को कहा जाता है जिसकी कोई निवेशक बॉण्ड की परिपक्वता अवधि के दौरान प्रति वर्ष प्राप्त करने की उम्मीद करता है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **बॉण्ड का मूल्य** वह मूल्य होता है जिस पर कोई **निवेशक** प्राथमिक या द्वितीयक बाजार में बेचे जाने वाले **मौजूदा बॉण्ड को खरीदने के लिए तैयार** होता है।
- **कूपन दर बॉण्ड के अंकित मूल्य पर जारीकर्ताओं द्वारा खरीदारों को भुगतान की गई आवधिक ब्याज दर होती है।**
- संक्षेप में बॉण्ड यील्ड दर्शाता है कि किसी भी समय पर बॉण्ड के खरीददार अथवा धारक को बॉण्ड से प्राप्त होने वाला वित्तीय प्रतिफल कितना होगा। इसकी गणना निम्नलिखित रूप से की जाती है-
  यील्ड = [कूपन राशि x 100]/मूल्य
- जब बॉण्ड के मूल्य में वृद्धि होती है, तो बॉण्ड यील्ड घट जाता है और इसके विपरीत जब बॉण्ड के मूल्य में गिरावट होती है, तो बॉण्ड यील्ड में वृद्धि होती है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि बॉण्ड के मूल्य का बॉण्ड यील्ड के साथ व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।
- जब ब्याज दरों में गिरावट होती है, तो इससे संबंधित निवेश के मूल्य में गिरावट हो जाती है। हालांकि, जो बॉण्ड जारी किए जा चुके हैं, उन पर इस तरह का प्रभाव नहीं पड़ेगा। वे प्रारंभ में निर्धारित जारी कूपन दर पर ही भुगतान करते रहेंगे, जो गिरावट के कारण कम हुई वर्तमान ब्याज दर से अधिक होगी। इस उच्च कूपन दर ने इन बॉण्ड्स को आकर्षक बना दिया है विशेषकर उन निवेशकों के लिए जो इन बॉण्ड्स को उच्च मूल्य पर खरीदने के लिए तैयार हैं।
- **इसके विपरीत, जब ब्याज दरों में वृद्धि होती है, तो नए बॉण्ड निवेशकों को मौजूदा बॉण्ड की तुलना में बेहतर ब्याज दरों का भुगतान करेंगे।** यहां, पुराने बॉण्ड कम आकर्षक हो जाते हैं एवं प्रतिफल के रूप में कम लाभ प्रदान करेंगे, परिणामस्वरूप रियायती मूल्य पर बेचे जाएंगे। **इसलिए विकल्प 2 सही नहीं है।**
- इसलिए, **बॉण्ड के मूल्य का बॉण्ड यील्ड और ब्याज दर के साथ ऋणात्मक संबंध होता है। इसलिए विकल्प 1 और 3 सही हैं।**

Q 36.A

- **उपकर, कर के ऊपर लगाया गया एक कर होता है। इसे केंद्र सरकार द्वारा अधिरोपित किया जाता है। सरकार द्वारा इसे एक विशिष्ट प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। आम तौर पर, सरकार द्वारा उपकर संबंधित प्रयोजन के लिए पर्याप्त धन प्राप्त हो जाने तक अधिरोपित किया जाता है।**
  - उपकर उत्पाद शुल्क और व्यक्तिगत आयकर जैसे सामान्य करों से भिन्न होता है क्योंकि इसे मौजूदा कर के अलावा एक अतिरिक्त कर (कर पर कर) के रूप में अधिरोपित किया जाता है।
  - हालांकि स्वच्छ भारत उपकर (SBC) जैसे कुछ उपकर कुल मूल्य पर प्रतिशत कर के रूप में अधिरोपित किए जाते हैं। SBC प्रदान की जाने वाली सेवाओं के मूल्य का 0.5% है।
- उपकर से प्राप्त होने वाले कर राजस्व को सर्वप्रथम भारत की संचित निधि (CFI) में जमा किया जाता है। तत्पश्चात केंद्र सरकार, संसद द्वारा उचित विनियोग प्रक्रिया से स्वीकृत किए जाने के बाद, निर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए इस धन का उपयोग कर सकती है।
- अधिभार की तरह उपकर की एक अन्य मुख्य विशेषता यह है कि केंद्र को इसे राज्यों के साथ साझा करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- **अधिभार किसी भी कर पर लगाया जाने वाला एक शुल्क होता है, जो पहले से भुगतान किए गए कर पर लगाया जाता है। जैसा कि इसके नाम से ज्ञात होता है, अधिभार एक अतिरिक्त शुल्क या कर है। मुख्य रूप से अधिभार व्यक्तिगत आयकर (उच्च आय वाले लोगों और अत्यधिक अमीर लोगों पर) और कॉर्पोरेट आयकर पर लगाए जाते हैं।**
- अधिभार और उपकर, दोनों की एक सामान्य विशेषता यह है कि केंद्र को इन्हें राज्यों के साथ साझा करने की आवश्यकता नहीं होती है। सामान्य करों, अधिभार और उपकर के बीच प्रमुख अंतर निम्नलिखित हैं;
  - सामान्य कर भारत की संचित निधि में जमा किए जाते हैं और इन्हें किसी भी प्रयोजन के लिए खर्च किया जा सकता है।
  - अधिभार भी भारत की संचित निधि में जमा किया जाता है और इसे किसी भी प्रयोजन के लिए खर्च किया जा सकता है।
  - उपकर भारत की संचित निधि में जमा किया जाता है लेकिन इसे केवल विशिष्ट प्रयोजनों के लिए ही खर्च किया जा सकता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **आधेभार और उपकर के बीच मुख्य अंतर यह है कि राज्य सरकारों के साथ साझा नहीं किए जाने के बावजूद, आधेभार को CFI में जमा किया जा सकता है और इसे किसी भी अन्य कर की तरह खर्च किया जा सकता है। वहीं उपकर को CFI में जमा करने के बाद एक अलग निधि के रूप में रखे जाने का प्रावधान है तथा इसे केवल एक विशिष्ट प्रयोजन के लिए ही खर्च किया जा सकता है। इस प्रकार दोनों ही भारत की संचित निधि में जमा किए जाते हैं। इसलिए कथन 1 सही है लेकिन कथन 3 सही नहीं है।**
- **राज्य दुर्लभ मामलों में अथवा तभी उपकर अधिरोपित कर सकते हैं जब इसे GST परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया हो। उदाहरण के लिए, केरल ने वर्ष 2019 में GST पर बाढ़ उपकर लगाया था। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 37.A

- **जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक (Physical Quality of Life Index: PQLI)** की गणना तीन तथ्यों एवं आंकड़ों अर्थात बुनियादी साक्षरता दर, नवजात मृत्यु दर और एक वर्ष में उनके जीवन काल का औसत लेकर की जाती है। इन सभी को 0 से 100 के पैमाने पर समान रूप से महत्व दिया जाता है। इस सूचकांक का निर्धारण 1970 के दशक के मध्य में **मॉरिस डेविड मॉरिस** द्वारा किया गया था।
- **बेहतर जीवन सूचकांक (Better Life Index: BLI)** आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) द्वारा जारी किया जाता है। यह सूचकांक भौतिक जीवन की परिस्थितियों और जीवन की गुणवत्ता के क्षेत्रों में OECD द्वारा आवश्यक माने गए 11 विषयों के आधार पर विभिन्न देशों के कल्याण की तुलना करने में सक्षम बनाता है।
- **सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता सूचकांक (Gross National Happiness Index: GNH)** भूटान की जनसंख्या की प्रसन्नता और कल्याण को मापने हेतु यह एक समग्र दृष्टिकोण है। इसे GNH हैप्पीनेस सर्वे के नाम से भी जाना जाता है। इसमें नौ क्षेत्र शामिल हैं, जो 33 संकेतकों द्वारा समर्थित होते हैं।
    - भूटान की शाही सरकार के सेंटर फॉर भूटान एंड GNH अध्ययन केंद्र ने मई 2023 में एक अपडेटिड GNH इंडेक्स जारी किया। GNH इंडेक्स प्रत्येक संकेतक पर प्रत्येक व्यक्ति की उपलब्धियों से प्रारंभ करते हुए देश के कल्याण को मापने का प्रयास करता है।
- **लैंगिक असमानता सूचकांक (Gender Inequality Index: GII)** वैश्विक स्तर पर लैंगिक असमानता को मापने वाला एक सूचकांक है। इसे **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** द्वारा वर्ष 2010 की मानव विकास रिपोर्ट की 20वीं वर्षगांठ के संस्करण में पेश किया गया था। GII तीन आयामों नामतः - प्रजनन स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और श्रम बाजार का उपयोग करते हुए मापा गया, लैंगिक असमानता का एक समग्र मापक है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 38.A

- **श्रम बाजार में "जॉब पोलराइजेशन" (Job Polarization) रोजगार में होने वाले परिवर्तनों का एक विशिष्ट पैटर्न है। इसके अंतर्गत उच्च-कौशल और निम्न-कौशल वाली नौकरियों में समकालिक वृद्धि होने के साथ-साथ मध्यम-कौशल वाली नौकरियों में गिरावट होती है।**
- **यह परिघटना रोजगार के व्यावसायिक वितरण में परिवर्तन को दर्शाती है। इसके तहत नौकरी के अवसर कौशल संबंधी स्पेक्ट्रम के दो छोरों अर्थात् उच्च-कौशल और निम्न-कौशल पर केंद्रित होते जा रहे हैं, जबकि मध्यम-कौशल वाली नौकरियों की संख्या में कमी होती जा रही है।**
- **जॉब पोलराइजेशन की मुख्य विशेषताएं और स्पष्टीकरण:**
    - उच्च कौशल वाली नौकरियां: इसमें उन्नत कौशल, शिक्षा और विशेषज्ञता की आवश्यकता वाली नौकरियों की मांग में वृद्धि होती है। इन उच्च-कौशल वाले व्यवसायों में अक्सर ऐसे कार्य शामिल होते हैं जिन्हें स्वचालित करना कठिन होता है और इनके लिए विशेष ज्ञान की आवश्यकता होती है।
    - निम्न-कौशल वाली नौकरियां: निम्न-कौशल वाली नौकरियों में भी वृद्धि होती है जिनमें स्वचालन के प्रति कम संवेदनशील कार्य शामिल होते हैं और जिनके लिए व्यापक औपचारिक शिक्षा या प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- मध्यम-कौशल वाली नौकरियां: इसमें प्रायः मध्यम-कौशल वाली नौकरियां, नियमित और दोहराव वाले कार्यों की मांग में गिरावट होती है। इस गिरावट का मुख्य कारण स्वचालन और तकनीकी प्रगति हैं, जो कुछ नियमित कार्यों को प्रतिस्थापित सकते हैं।
- तकनीकी परिवर्तन: तकनीकी में प्रगति, (विशेष रूप से स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हुई प्रगति) जॉब पोलराइजेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके कारण नियमित कार्य जिन्हें स्वचालित किया जा सकता है, जैसे कि कुछ विनिर्माण या लिपिकीय कार्य, की मांग में कमी देखी जा सकती है।
- शैक्षिक विभाजन: उच्च-कौशल वाली नौकरियों की ओर स्थानांतरण वर्तमान के श्रम बाजार में शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर बल देता है। उन्नत कौशल और शिक्षा वाले व्यक्ति उच्च-कौशल वाली नौकरी के बढ़ते अवसरों को प्राप्त करने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं।
- आय असमानता: जॉब पोलराइजेशन आय असमानता में योगदान कर सकता है, क्योंकि उच्च-कौशल वाली नौकरियां अक्सर उच्च वेतन प्रदान करती हैं, जबकि निम्न-कौशल वाली नौकरियां निम्न वेतन प्रदान करती हैं। वहीं मध्यम-कौशल वाली नौकरियों में गिरावट से वे व्यक्ति प्रभावित हो सकते हैं जो परंपरागत रूप से इन पदों पर पदासीन रहे हैं।

- जॉब पोलराइजेशन को समझना नीति निर्माताओं, शिक्षकों और श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वे श्रम बाजार में होने वाले परिवर्तनों को निर्देशित करते हैं। यह कार्यबल की उभरती मांगों के अनुरूप अनुकूलनशीलता, निरंतर कौशल विकास और शैक्षिक पहलों की आवश्यकता को प्रकट करता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 39.A

- सकल पूंजी निर्माण में अचल परिसंपत्तियों का अधिग्रहण और स्टॉक का संचय शामिल होता है। अचल परिसंपत्तियों में भौतिक रूप से उत्पादक परिसंपत्तियां शामिल होती हैं। भवन, सिविल कार्य, मशीनरी और वाहन आदि इनके उदाहरण हैं। स्टॉक का संचय कच्चे माल, ईंधन, तैयार माल और अर्ध-तैयार माल (जो तैयार होने वाला है) के स्टॉक में परिवर्तन के रूप में होता है। **इस प्रकार सकल पूंजी निर्माण देश के कुल व्यय का वह हिस्सा होता है जिसका उपभोग नहीं किया जाता है बल्कि इसे देश की अचल परिसंपत्तियों और स्टॉक में जोड़ दिया जाता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **बचत (Saving) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रकों के वर्तमान व्यय की तुलना में वर्तमान आय की अधिकता को दर्शाती है।** यह उत्पादक उद्यमों, परिवारों, सरकारी प्रशासन और अन्य अंतिम उपभोक्ताओं की आय और परिव्यय खातों में संतुलन को दर्शाने वाला विषय है। बंद अर्थव्यवस्था के लिए बचत एक वर्ष के दौरान किए गए पूंजी निर्माण के समतुल्य होती है। वहीं खुली अर्थव्यवस्था के लिए बचत एक वर्ष के दौरान किए गए पूंजी निर्माण और विदेश से होने वाले निवल पूंजी अंतर्वाह के समतुल्य होती है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

40.D

- **अप्रत्याशित कर या विंडफॉल टैक्स किसी कंपनी को किसी बाह्य और किसी अप्रत्याशित घटना से होने वाले लाभ पर लगाया जाने वाला कर है- उदाहरण के लिए, रूस-यूक्रेन संघर्ष के परिणामस्वरूप ऊर्जा की कीमत में वृद्धि होना। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- ये ऐसे लाभ हैं जो किसी कंपनी की सक्रिय गतिविधियों जैसे कि निवेश रणनीति या व्यवसाय के विस्तार आदि से संबद्ध नहीं होते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (CRS) विंडफॉल को "बिना किसी परिश्रम' या बिना किसी अतिरिक्त प्रयास अथवा व्यय के आय में होने वाले 'अप्रत्याशित लाभ" के रूप में परिभाषित करती है।
- सरकारों द्वारा ऐसे लाभ पर सामान्यतः कर की सामान्य दरों से अधिक दर से और भूतलक्षी प्रभाव से कर लगाया जाता है, जिसे विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। तेल बाजार में इस तरह के करों को नियमित रूप से देखा जा सकता है। यहां मूल्य में उतार-चढ़ाव उद्योग के लिए अस्थिर या अनियमित लाभ का कारण बनता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **केंद्र सरकार ने 1 जुलाई, 2023 को घरेलू कच्चे तेल उत्पादन पर 23,250 रुपए प्रति टन का** विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स **लगाया था, जिसे अभी तक पाक्षिक रूप से चार बार संशोधित किया गया है।** नवीनतम संशोधन 31 अगस्त को किया गया था, जब इसे 13,000 रुपये से बढ़ाकर 13,300 रुपये प्रति टन कर दिया गया था। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 41.B

- **हालिया संदर्भ:** राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (National Financial Reporting Authority: NFRA) ने चार बड़ी ऑडिट फर्मों की लेखा-परीक्षा गुणवत्ता में त्रुटियों को उजागर किया है।
- NFRA का गठन 01 अक्टूबर, 2018 को भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 132 की उपधारा (1) के तहत किया गया था। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 132 की उपधारा (2) के अनुसार, NFRA के निम्नलिखित कर्तव्य हैं:
  - **केंद्र सरकार के अनुमोदन के लिए कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली लेखांकन और लेखापरीक्षा नीतियों तथा मानकों की सिफारिश करना; इसलिए कथन 3 सही है।**
  - **लेखांकन और लेखा परीक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करना तथा उन्हें लागू करना; इसलिए कथन 2 सही है।**
  - ऐसे मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने वाले व्यवसायों की सेवा गुणवत्ता की देखरेख करना और सेवा गुणवत्ता में सुधार के उपाय सुझाना;
  - ऐसे अन्य कार्यों और कर्तव्यों का अनुपालन करना, जो उपर्युक्त कार्यों एवं कर्तव्यों के लिए आवश्यक या प्रासंगिक हों।

Q 42.A

- **हालिया संदर्भ:** अमेरिकी विदेश मंत्री ने दिसंबर 2023 में ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन नामक एक संयुक्त समुद्री सुरक्षा पहल की घोषणा की थी। इस पहल का उद्देश्य लाल सागर में जहाजों के सुरक्षित आवागमन में सहयोग करना है।
- **ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन अमेरिका के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय गठबंधन का एक सैन्य अभियान है**। इसे लाल सागर में जहाजों पर किए गए हुती (Houthi) हमलों का सामना करने के लिए दिसंबर 2023 में गठित किया गया था। **इसलिए कथन 1 सही है और कथन 2 सही नहीं है।**
- इस गठबंधन में यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, सेशेल्स, स्पेन आदि देश शामिल हैं। इसे वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों में वृद्धि को देखते हुए शुरू किया गया था। हाल ही में, हुतियों द्वारा किया गया जहाजों का अपहरण इन हमलों का ही एक उदाहरण है।

Q 43.A

- **बैंकिंग स्थिरता सूचकांक (Banking Stability Index: BSI)**, किसी बैंकिंग प्रणाली में कम-से-कम एक बैंक के विफल होने की स्थिति में ऐसे अन्य बैंकों की अपेक्षित संख्या को मापता है, जो संकटग्रस्त या विफल हो सकते हैं। **यह बैंकिंग प्रणाली में बैंकों की परस्पर निर्भरता को मापता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- विशिष्ट बैंकों के बीच संकट के स्तर को **दूषित कार्य संस्कृति (Toxicity) और सुभेद्यता संकेतकों** के आधार पर मापा जाता है। टॉक्सिसिटी इंडेक्स (Toxicity Index: TI) संकटग्रस्त बैंक द्वारा संबंधित प्रणाली में किसी अन्य बैंक के लिए संकट उत्पन्न करने की औसत संभावना को दर्शाता है। बैंकों की टॉक्सिसिटी, जो 2010 की शुरुआत से बढ़ रही थी, अक्टूबर 2012 के बाद से इसमें कुछ गिरावट देखी गई है।
- सुभेद्यता सूचकांक (Vulnerability Index:VI) प्रणाली में अन्य बैंकों के संकटग्रस्त होने की स्थिति में एक बैंक के संकटग्रस्त होने की औसत संभावना को मापता है।
- **भारतीय रिजर्व बैंक** इन सूचकांकों को वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के हिस्से के रूप में जारी करता है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 44.B

- इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर या प्रतिलोम शुल्क संरचना (Inverted duty structure) एक ऐसी स्थिति है जहां तैयार माल पर आरोपित किया जाने वाला आयात शुल्क इस माल के उत्पादन में प्रयुक्त कच्चे माल पर आरोपित किए जाने वाले आयात शुल्क की तुलना में कम होता है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- इसके कारण अंतिम उत्पादों का आयात सस्ता हो जाता है, जिससे घरेलू विनिर्माण उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Q 45.B

- सार्वजनिक ऋण किसी देश की सरकार द्वारा उधार ली गई कुल राशि होती है। यह ऋण सरकार तब लेती है जब करों और अन्य स्रोतों से प्राप्त सरकार का राजस्व उसकी व्यय आवश्यकताओं से कम हो जाता है। भारत में, सार्वजनिक ऋण में केंद्र सरकार की कुल देयताएं शामिल होती हैं और इनका भुगतान भारत की संचित निधि पर भारित होता है।
- इसे आगे आंतरिक और बाह्य ऋण में वर्गीकृत किया गया है। आंतरिक ऋण को विपणन योग्य और गैर-विपणन योग्य प्रतिभूतियों में वर्गीकृत किया गया है।
  - विपणन योग्य सरकारी प्रतिभूतियों में नीलामी के माध्यम से जारी की गई सरकारी प्रतिभूतियां और ट्रेजरी बिल शामिल होते हैं।
  - गैर-विपणन योग्य प्रतिभूतियों में राज्य सरकारों को जारी किए गए मध्यवर्ती ट्रेजरी बिल और राष्ट्रीय लघु बचत कोष को जारी की गई विशेष प्रतिभूतियां शामिल होती हैं।
- **केंद्र सरकार की ऋण स्थिति (लाख करोड़ रुपए में)**

Components	FY16	FY17	FY18	FY19	FY20	FY21	FY22 PA
	1	2	3	4	5	6	7
A. Public Debt (A1+A2)	57.11	61.50	68.45	75.49	85.65	105.23	121.21
A1. Internal Debt (a+b)	53.05	57.42	64.01	70.75	80.20	99.08	114.62
a. Marketable Securities	47.28	50.49	55.10	59.69	65.60	78.59	88.17
b. Non-marketable Securities	5.77	6.93	8.91	11.06	14.60	20.49	26.45
A2. External Debt	4.07	4.08	4.45	4.74	5.44	6.15	6.59

- **इस तालिका से हमें ज्ञात होता है कि विपणन योग्य प्रतिभूतियां सार्वजनिक ऋण का सबसे बड़ा घटक है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **सार्वजनिक ऋण में बाह्य देयताओं का अनुपात (FY22)**

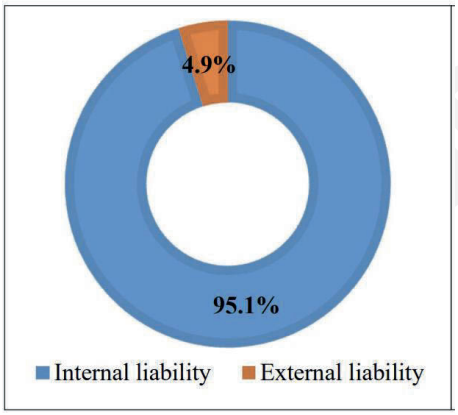

- **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 46.A

- वैयक्तिक आय (Personal income) व्यक्तियों द्वारा एक वर्ष में वर्तमान अंतरण भुगतान और साधन आय के रूप में सभी स्रोतों से प्राप्त सभी प्रकार की आय का कुल योग होती है। इसमें साधन आय और अंतरण आय शामिल होती है जबकि कॉर्पोरेट लाभ कर और प्रतिधारित आय शामिल नहीं होती है।
- **वैयक्तिक आय = निजी आय - निगम कर - अवितरित लाभ (निजी कॉर्पोरेट क्षेत्रक की बचत) + अंतरण अदायगी। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- वैयक्तिक आय से तात्पर्य किसी देश में सभी व्यक्तियों या परिवारों द्वारा सामूहिक रूप से प्राप्त कुल आय से है। वैयक्तिक आय में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त प्रतिफल शामिल होता है। इस प्रतिफल में वेतन, मजदूरी और रोजगार या स्व-रोज़गार से प्राप्त बोनस, निवेश से प्राप्त लाभांश और वितरण, रियल एस्टेट निवेश से प्राप्त किराया और व्यवसायों से प्राप्त लाभ में हिस्सेदारी शामिल है।

Q 47.C

- **सीमांत उत्पादकता सिद्धांत** के अनुसार ब्याज दर का निर्धारण पूंजी की सीमांत उत्पादकता द्वारा किया जाता है। यहां केवल पूंजी की भूमिका ही अत्यधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि एक उत्पादक किसी निश्चित पूंजी के द्वारा उस मात्रा से कहीं अधिक मात्रा में उत्पादन कर सकता है जितना कि वह बिना पूंजी के कर सकता है। **इस सिद्धांत के तहत उत्पादन के अन्य कारकों, जैसे - श्रम, भूमि आदि को कोई महत्व नहीं दिया जाता है।** ब्याज दर पूरी तरह से पूंजी के आधार पर निर्धारित की जाती है और भुगतान किया जाता है, क्योंकि केवल पूंजी को ही उत्पादक माना जाता है।
- यह सिद्धांत केवल उत्पादन संबंधी उद्देश्यों के लिए दिए गए ऋणों पर विचार करता है। क्योंकि यह माना जाता है कि पूंजी के वितरण से उच्च उत्पादकता उत्पन्न होगी, जिससे उधारकर्ता ऋणदाता को ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगा। इसलिए पूंजी को उत्पादक माना जाता है।
- लेकिन, यह उपभोग किए गए ऋणों के लिए भुगतान किए गए ब्याज की व्याख्या करने में विफल हो जाता है। क्योंकि व्यवहार में ब्याज वाले ऋणों का भी उपभोग उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जाता है।
- उदाहरण के लिए: कार लोन पर एक निश्चित ब्याज लगता है और कार का उपयोग अधिकांशतः परिवहन के व्यक्तिगत साधन के रूप में किया जाता है एवं इससे कोई अतिरिक्त पूंजी उत्पन्न नहीं होती है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 48.A

- आधार प्रभाव(base effect) वह प्रभाव होता है जो दो डेटा बिंदुओं के बीच तुलना के लिए एक पृथक संदर्भ बिंदु का चयन किए जाने से उस तुलना के परिणाम पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करता है। आधार प्रभाव "मासिक मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अंतर या विकृति को दर्शाता है जो एक वर्ष पहले उसी माह में मुद्रास्फीति के असामान्य रूप से उच्च या निम्न स्तर के परिणामस्वरूप होता है।" **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- आधार प्रभाव तुलनाओं को विकृत करने के साथ ही भ्रामक परिणाम उत्पन्न कर सकता है या, यदि अच्छी तरह से समझा और हिसाब लगाया जाए, तो इसका उपयोग डेटा और उन्हें उत्पन्न करने वाली अंतर्निहित प्रक्रियाओं की हमारी समझ को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

Q 49.D

- स्वच्छ नोट नीति क्या है ?
  - भारतीय रिजर्व बैंक आम जनता को अच्छी गुणवत्ता वाले बैंकनोट उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करता रहा है।
  - भारतीय रिजर्व बैंक तथा बैंकिंग प्रणाली के इस उद्देश्य को पूरा करने में मदद हेतु आम जनता से निम्नलिखित सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है :
    - बैंकनोटों को स्टेपल नहीं करें।
    - बैंकनोटों पर कुछ लिखें नहीं/कोई रबर स्टैम्प अथवा कोई अन्य निशान नहीं लगाएं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- बैंकनोटों का उपयोग माला/खिलौने बनाने, पंडाल तथा पूजास्थल को सजाने के लिए अथवा सामाजिक आयोजनों में व्यक्तियों पर बरसाने आदि के लिए नहीं करें।

- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 50.B

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा विकसित राष्ट्रीय लेखांकन प्रणाली (SNA) के अनुसार, किसी देश में सरकार द्वारा प्रशासित भौगोलिक क्षेत्र को आर्थिक राज्यक्षेत्र कहा जाता है जिसके भीतर व्यक्ति, वस्तुएं और पूंजी स्वतंत्र रूप से प्रसारित होती हैं।
- घरेलू राज्यक्षेत्र (आर्थिक राज्यक्षेत्र) की अवधारणा किसी देश के भौगोलिक या राजनीतिक राज्यक्षेत्र से भिन्न होती है। किसी देश के घरेलू राज्यक्षेत्र में निम्नलिखित शामिल होते हैं:
  - देश की राजनीतिक सीमाएं जिसमें उसका क्षेत्रीय समुद्र भी शामिल है।
  - देश के सामान्य निवासियों द्वारा दो या दो से अधिक देशों के बीच संचालित जहाज और विमान, उदाहरण के लिए विभिन्न देशों के बीच एयर इंडिया की सेवाएं।
  - **देश के निवासियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में संचालित मछली पकड़ने वाली नौकाएं** या उन क्षेत्रों, जहां देश के पास संचालन का अनन्य अधिकार है, में निष्कर्षण कार्यों में संलग्न नौकाएं**, तेल एवं प्राकृतिक गैस के रिग्स और फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म। इसलिए विकल्प 1 सही है।**
  - **अन्य देशों में स्थित किसी देश के दूतावास, वाणिज्य दूतावास और सैन्य प्रतिष्ठान,** उदाहरण के लिए, यू.एस.ए., जापान आदि में स्थित भारतीय दूतावास। **इसलिए विकल्प 2 सही है।**
- **इसमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैं**
  - **(a) भारत में अन्य देशों के सभी दूतावास, वाणिज्य दूतावास एवं सैन्य प्रतिष्ठान और**
  - **(b) भारत में स्थित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के कार्यालय। इसलिए विकल्प 3 और 4 सही नहीं हैं।**

Q 51.B

- **तरलता पाश या तरलता जाल(Liquidity trap) एक प्रतिकूल आर्थिक स्थिति होती है। यह तब उत्पन्न हो सकती है जब उपभोक्ता और निवेशक ब्याज दरें कम होने पर भी नकदी को खर्च या निवेश नहीं करते हैं बल्कि उसे जमा करते हैं। परिणामस्वरूप, आर्थिक नीति निर्माताओं द्वारा आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रयास बाधित होते हैं।**
- तरलता पाश के दौरान, पारंपरिक मौद्रिक नीति से संबंधित उपाय,जैसे कि ब्याज दरें कम करना, अप्रभावी हो सकते हैं क्योंकि ब्याज दरें पहले से ही बहुत कम होती हैं और व्यक्तियों या व्यवसायों से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो रहे होते हैं। ऐसी स्थिति में, केंद्रीय बैंक विशेषकर सरकारी व्यय में वृद्धि करने जैसे राजकोषीय नीतिगत उपायों का सहारा ले सकते हैं।
- **ब्याज दरों को और कम करना:** तरलता पाश की स्थिति में, ब्याज दरें पहले से ही शून्य के करीब या शून्य के स्तर पर होती हैं जिससे आगे और कटौती करने का सीमित प्रभाव ही हो सकता है क्योंकि नाममात्र ब्याज दरें शून्य से नीचे नहीं जा सकती हैं। इस स्थिति को जीरो लोअर बाउंड(Zero lower bound) कहा जाता है।
- **सरकारी व्यय में वृद्धि करना: तरलता पाश के दौरान आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए, केंद्रीय बैंक सरकार को बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक परियोजनाओं या अन्य पहलों के व्यय में वृद्धि करने के लिए सिफारिश या सहयोग कर सकते हैं। अर्थव्यवस्था में धन का यह निवेश संभावित रूप से मांग को बढ़ावा दे सकता है, रोजगार सृजित कर सकता है और तरलता पाश से जुड़े अपस्फीति दबाव को प्रभावहीन कर सकता है।**
- सरकारी बांड का विक्रय करना: सरकारी बांड का विक्रय करना एक पारंपरिक मौद्रिक नीतिगत उपाय है। हालांकि, तरलता पाश के दौरान यह आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने में ज्यादा प्रभावी नहीं हो सकता है। बांड की आपूर्ति में वृद्धि का ब्याज दरों या निवेश पर कोई वांछित प्रभाव नहीं होगा।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- पूंजी नियंत्रण लगाना: पूंजी नियंत्रण में किसी देश के भीतर और बाहर धन के आवागमन पर नियंत्रण लगाना शामिल होता है। पूंजी नियंत्रण आर्थिक स्थितियों को प्रबंधित करने का एक उपकरण हो सकता है, लेकिन सामान्यतः तरलता पाश की स्थिति में प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया के रूप में इसका प्रयोग नहीं किया जाता है। कुछ मामलों में, पूंजी नियंत्रण का उपयोग वित्तीय बाजारों को स्थिर करने या धन के तीव्र बहिर्वाह को रोकने के लिए किया जा सकता है, लेकिन तरलता पाश के दौरान यह प्राथमिक उपाय के रूप में प्रभावी नहीं होता है।
- **इस प्रकार मांग को प्रोत्साहित करने और पारंपरिक मौद्रिक नीति की कमियों को दूर करने के लिए तरलता पाश के दौरान सरकारी व्यय में वृद्धि को अधिक प्रत्यक्ष और प्रभावी उपाय माना जाता है।**
- **इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**

Q 52.B

- **हालिया संदर्भ:** युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने दिसंबर में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2023 की घोषणा की। पुरस्कार विजेता भारत के राष्ट्रपति से अपने पुरस्कार प्राप्त करेंगे। खेलों में उत्कृष्टता की पहचान करने और उसे पुरस्कृत करने के लिए प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।
- **'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार'** किसी खिलाड़ी द्वारा पिछले चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में किये गए शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रदान किया जाता है।
- **'खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार'** पिछले चार वर्षों की अवधि में बेहतर प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल कौशल एवं अनुशासन की भावना प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**
- **खेलों में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार** लगातार उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने और खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सक्षम बनाने हेतु प्रशिक्षकों को प्रदान किया जाता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**
- **खेल और खेलों में जीवन पर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार'** उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया है और जो अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल आयोजन को बढ़ावा देने में अपना सहयोग जारी रखते हैं। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Q 53.C

- **हालिया संदर्भ:** टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) द्वारा सेंट लूसिया में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के लिए भारत को 'प्रशासन में साझेदार' के रूप में चुना गया है।
- **TIWB आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की एक संयुक्त पहल है। यह पहल कर लेखा परीक्षा क्षमता के निर्माण में देशों का समर्थन करती है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- TIWB कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के व्यापक प्रयासों के पूरक हैं। यह कर मामलों के संबंध में सहयोग को सुदृढ़ करता है और विकासशील देशों के घरेलू संसाधन जुटाने के प्रयासों में योगदान करता है।
- **TIWB पहल का उद्देश्य लक्षित, रियल टाइम "लर्निंग बाय डूइंग" दृष्टिकोण के माध्यम से विकासशील देशों के कर प्रशासन के साथ कर लेखा परीक्षा ज्ञान और कौशल को साझा करने में सक्षम बनाना है।** चयनित विशेषज्ञ वर्तमान लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षा-संबंधी मुद्दों के संबंध में सीधे स्थानीय कर अधिकारियों के साथ कार्य करेंगे। ये मुद्दे अंतर्राष्ट्रीय कर मामलों और विशिष्ट मामलों से संबद्ध सामान्य लेखा परीक्षा प्रथाओं से संबंधित होंगे। यह कर लेखा परीक्षा सुविधा प्रदान करने वाला एक विशेष क्षेत्र है। यह मुख्यतः वास्तविक, समसामयिक मामलों में सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**

Q 54.B

- लघु वित्त बैंक (Small Finance Banks: SFBs) निजी वित्तीय संस्थान हैं। इनका उद्देश्य परिचालन के क्षेत्र में बिना किसी प्रतिबंध के वित्तीय समावेशन करना है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- ये जमा स्वीकार करने और बैंक सुविधाओं से वंचित वर्गों को ऋण प्रदान करने जैसी बुनियादी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं। इन वर्गों में लघु किसान, सूक्ष्म व्यापार उद्यम, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग और असंगठित क्षेत्रक की संस्थाएं आदि शामिल हैं। भारत में परिचालित कुछ लघु वित्त बैंकों में उज्जीवन SFB, जनलक्ष्मी SFB आदि शामिल हैं।
- इन्हें RBI की **नचिकेत मोर समिति** द्वारा ऋण की पहुंच में विस्तार हेतु एक विभेदित बैंकिंग प्रणाली के रूप में प्रस्तावित किया गया था। इससे संबंधित घोषणा वार्षिक बजट 2014 में की गई थी।
- **इन्हें कौन प्रचारित कर सकता है:** आर्थिक प्रबंधन, 'गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों' (NBFCs), सूक्ष्म वित्त कंपनियों और स्थानीय क्षेत्र के बैंकों में 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले व्यक्ति/पेशेवर।
- **इन्हें क्या करना अनिवार्य है:**
  - **इसके लिए न्यूनतम चुकता पूंजी 200 करोड़ रुपये होनी चाहिए।** प्रारंभ में, जब लघु वित्त बैंकों के लिए परिचालनगत दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, तो यह निर्धारित किया गया था कि SFB स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये की न्यूनतम चुकता इक्विटी पूंजी की आवश्यकता होगी। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
  - 75% ऋण प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक को प्रदान किया जाएगा। **इसलिए कथन 2 सही है।**
  - 25% शाखाएं बैंक रहित क्षेत्रों में होंगी। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - आरक्षित निधि संबंधी आवश्यकताओं को बनाए रखना।
  - व्यक्तियों और समूहों को निवल संपत्ति/नेटवर्थ का 10% से 15% पूंजी ऋण प्रदान करना।
  - एक व्यवसायिक संवाददाता नेटवर्क स्थापित करना।
- **ये क्या कर सकते हैं**: ये ग्राहकों को विदेशी मुद्रा (FOREX) एवं म्यूचुअल फंड का विक्रय कर सकते हैं तथा बीमा और पेंशन की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। साथ ही, ये एक पूर्ण बैंक में परिवर्तित हो सकते हैं।
- **ये क्या नहीं कर सकते हैं:**
  - बड़े ऋण प्रदान नहीं कर सकते हैं।
  - सहायक कंपनियां स्थापित नहीं कर सकते हैं।
  - परिष्कृत वित्तीय उत्पादों में डील नहीं कर सकते हैं।

Q 55.A

- मध्यवर्ती वस्तुएं वे वस्तुएं होती हैं, जिनकी उत्पादन में आगे आवश्यकता होती है या जिनकी आगे बिक्री की जानी होती है। एक लेखा वर्ष की अवधि के दौरान उत्पादन में काम आ रही वस्तुओं (उस वर्ष की दृष्टि से) को मध्यवर्ती वस्तुओं के रूप में जाना जाता है। ये गैर-टिकाऊ उत्पादक वस्तुएं और सेवाएं होती हैं, जिनका प्रयोग उत्पादक उत्पादन प्रक्रिया में करते हैं, जैसे-कच्चा माल, तेल, विद्युत, कोयला, ईंधन और इंजीनियर तथा तकनीकी कर्मचारियों की सेवाएं आदि। पुनः बिक्री के लिए खरीदकर रखी गई वस्तुओं को भी मध्यवर्ती वस्तुएं माना जाता है। उदाहरण के लिए, खुदरा/थोक विक्रेता द्वारा खरीदा गया चावल, गेहूं, चीनी आदि।
- **मध्यवर्ती वस्तुओं को राष्ट्रीय आय की गणना में शामिल नहीं किया जाता है।** GDP अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य की माप है।
- राष्ट्रीय आय की गणना में केवल अंतिम वस्तुओं को ही शामिल किया जाता है क्योंकि मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को अंतिम वस्तुओं के मूल्य में शामिल किया जाता है। **यदि मध्यवर्ती वस्तुओं को राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है तो इससे दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न हो जायेगी।**
- **इसलिए कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।**

Q 56.B

- **स्व-विनियामक संगठन (Self-Regulatory Organisation : SRO)** विशेष क्षेत्रक/उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला **एक गैर-सरकारी संगठन होता है।** साथ ही, यह अपनी सदस्य संस्थाओं के आचरण से संबंधित नियमों तथा मानकों को निर्धारित और लागू करता है। उदाहरण के लिए, वित्तीय उद्योग विनियामक प्राधिकरण। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **SRO के रूप में कार्य करने की इच्छुक कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **SRO की विशेषताएं:**
  - SRO के पास सक्षम प्रशासन तंत्र होना चाहिए। इस तंत्र को स्वतंत्र बोर्ड, पारदर्शिता और सुनिर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन पर ध्यान देना चाहिए।
  - RBI द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुपालन को बेहतर बनाने और उसके सदस्यों द्वारा अनुपालन में सुधार के लिए मानक विकसित करना।
  - सदस्यों के बीच विवादों के निपटान के लिए मानकीकृत प्रक्रियाएं तैयार करना और उन्हें लागू करना।

Q 57.C

प्रत्यक्ष कर वे होते हैं जिन्हें उन सभी व्यक्तियों द्वारा भुगतान किया जाता है जिन पर इन्हें लगाया जाता है और इन्हें किसी अन्य इकाई को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। प्रत्यक्ष करों में प्रत्यक्ष कर का करपात तथा कराघात, दोनों एक ही व्यक्ति पर होते हैं।।

प्रत्यक्ष कर की विशेषताएं

- **समता (इक्विटी):** प्रत्यक्ष करों के करारोपण में समता होती है, जो आय की मात्रा पर निर्भर करती है। ये प्रगतिशीलता के सिद्धांत पर आधारित होते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति की आय का स्तर बढ़ने पर कर की दरें बढ़ती हैं। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **लोचशीलता और उत्पादकता:** प्रत्यक्ष करों में लोचशीलता होती है क्योंकि जब सरकार भूकंप, बाढ़ और अकाल जैसी किसी आपात स्थिति का सामना करती है तो सरकार प्रत्यक्ष कर के माध्यम से इन समस्याओं का सामना करने के लिए धन एकत्रित कर सकती है।
- **निश्चितता:** प्रत्यक्ष करों में करदाता और सरकार, दोनों पक्षों की ओर से निश्चितता होती है। करदाता कर की मात्रा से अवगत होते हैं। उन्हें भुगतान और उसकी दर, भुगतान के समय, भुगतान के तरीके और साथ ही सरकार की ओर से निर्धारित दंड की कुल राशि के बारे में भी स्पष्ट ज्ञान होता है।
- **असमानता कम करना:** प्रत्यक्ष कर प्रगतिशील सिद्धांतों का अनुपालन करते हैं इसलिए समृद्ध लोगों पर कराधान का स्तर उच्च और गरीब लोगों पर कराधान का स्तर कम होता है।
- **मुद्रास्फीति के मामले में बेहतर साधन:** राजकोषीय साधन के रूप में कर नीति मुद्रास्फीति के मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अतः सरकार मौजूदा करों की दर या नए करों को लागू करके अतिरिक्त धन को अवशोषित कर सकती है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

अर्थव्यवस्था में बाह्यताएं तब उत्पन्न होती हैं जब किसी विशिष्ट वस्तु का उत्पादन या उपभोग किसी ऐसे तीसरे पक्ष को प्रभावित करता हो, जो प्रत्यक्ष रूप में उत्पादन या उपभोग से संबंधित न हो। बाह्यताएं (जैसे कि प्रदूषण) सरकार द्वारा विनियमन में वृद्धि करने का एक प्रमुख कारण है। प्रत्यक्ष कर बाह्यताओं पर विचार नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए एक सिगरेट बनाने वाली कंपनी और एक दवा कंपनी जिनकी निवल आय समान है, दोनों पर एक समान दर से कर लगाया जाएगा। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 58.B

- **हालिया संदर्भ:** बिहार पुलिस ने बालू के खनन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध बालू खनन का भंडाफोड़ किया।
- गौरतलब है कि विश्व में जल के बाद बालू, दूसरा सर्वाधिक निष्कर्षित प्राकृतिक संसाधन है। खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (MMDR Act) के तहत बालू को गौण खनिज के रूप में वर्गीकृत किया गया है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- **MMDR अधिनियम की धारा 15 राज्य सरकारों को गौण खनिजों के संबंध में खदान पट्टों, खनन पट्टों या अन्य खनिज रियायतों के संबंध में अनुदान विनियमित करने और तत्संबद्ध प्रयोजनों के लिए नियम बनाने का अधिकार प्रदान करती है।** इसलिए, **गौण खनिजों का विनियमन राज्य सरकारों के विधायी और प्रशासनिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- इसके अतिरिक्त, MMDR अधिनियम की धारा 23C **राज्य सरकारों को खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण को रोकने और उससे संबंधित प्रयोजनों के लिए नियम बनाने का अधिकार प्रदान करती है।** इसलिए, **अवैध खनन को नियंत्रित करना राज्य सरकारों के विधायी और प्रशासनिक दायरे के अधीन आता है।**
- गौण खनिजों के संबंध में प्रशासनिक नियंत्रण संबंधित राज्य सरकारों के पास होता है। तदनुसार, उनका खनन राज्य विशिष्ट नियमों के माध्यम से विनियमित किया जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Q 59.D

- **गुणात्मक साख नियंत्रण की विधियां (Qualitative Credit Control Methods)**
- ये ऐसी विधियां हैं जिनके माध्यम से केंद्रीय बैंक न केवल ऋणों के मूल्य को नियंत्रित करता है बल्कि उस उद्देश्य को भी नियंत्रित करता है जिसके लिए ये ऋण वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए जाते हैं। इनमें से कुछ निम्नानुसार हैं:
- **नैतिक दबाव (Moral Suasion):** नैतिक दबाव का अर्थ है अनुनय और अनुरोध करना। मुद्रास्फीति की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को सट्टा और गैर-आवश्यक उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान न करने हेतु अनुनय और अनुरोध करता है। दूसरी ओर, अपस्फीति का सामना करने हेतु केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करने हेतु अनुनय करता है।
- **साख की राशनिंग (Rationing of credit):** साख की राशनिंग एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा केंद्रीय बैंक ऋण और अग्रिमों की अधिकतम राशि को सीमित करने का प्रयास करता है। साथ ही कुछ मामलों में, विशिष्ट श्रेणियों के तहत दिए जाने वाले ऋणों और अग्रिमों के लिए भी सीमा निर्धारित करता है। RBI कुछ प्राथमिकता प्राप्त या कमजोर क्षेत्रों में ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए रियायती ब्याज दरों पर ऋण भी उपलब्ध कराता है। इसे प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋणान्वयन (Priority Sector Lending) भी कहा जाता है।
- **उपभोक्ता साख का विनियमन (Regulation of Consumer Credit):** आजकल, अधिकांश टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं, जैसे - कार, टेलीविजन और लैपटॉप आदि बैंक ऋण के माध्यम से वित्तपोषित किस्त के आधार पर उपलब्ध हैं। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद के लिए वाणिज्यिक बैंकों द्वारा उपलब्ध कराए गए ऐसे ऋण को उपभोक्ता ऋण कहा जाता है।
- **यदि कुछ टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की अत्यधिक मांग होती है, जिसके कारण उनकी कीमतों में वृद्धि होती है, तो केंद्रीय बैंक (a) डाउन पेमेंट बढ़ाकर और (b) ऐसे ऋण के पुनर्भुगतान के लिए किस्तों की संख्या को घटा कर उपभोक्ता साख को कम कर सकता है। इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- दूसरी ओर, यदि कुछ विशिष्ट वस्तुओं की मांग में कमी आती है, जिससे अपस्फीति की स्थिति उत्पन्न होती है, तो केंद्रीय बैंक (a) डाउन पेमेंट की राशि को कम करके और (b) ऐसे ऋण के पुनर्भुगतान के लिए किस्तों की संख्या में वृद्धि करके उपभोक्ता साख में वृद्धि कर सकता है।
- **प्रत्यक्ष कार्रवाई (Direct action):** यह विधि तब अपनाई जाती है जब कोई वाणिज्यिक बैंक केंद्रीय बैंक के वांछनीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में उसके साथ सहयोग नहीं करता है। प्रत्यक्ष कार्रवाई कई प्रकार की हो सकती है:
    - केंद्रीय बैंक द्वारा डिफ़ॉल्ट करने वाले बैंकों से बैंक दर से अधिक दंडात्मक ब्याज दर वसूल की जा सकती है;
    - केंद्रीय बैंक उन बैंकों के बिलों पर दोबारा छूट देने से इनकार कर सकता है जो उसके निर्देशों का पालन नहीं करते हैं;
    - केंद्रीय बैंक उन बैंकों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने से इंकार कर सकता है जिनकी उधारियां उनकी पूंजी और आरक्षित निधि से अधिक हो जाती है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **मार्जिन अनिवार्यताएं (Margin Requirements):** सामान्यतः वाणिज्यिक बैंक 'स्टॉक या 'प्रतिभूतियों' के विरुद्ध ऋण प्रदान करते हैं। स्टॉक या प्रतिभूतियों के बदले ऋण प्रदान करने के दौरान वे मार्जिन को ध्यान में रखते हैं। यहां मार्जिन का तात्पर्य किसी प्रतिभूति के बाजार मूल्य और उसके अधिकतम ऋण मूल्य के बीच का अंतर है। मान लीजिए कि, एक वाणिज्यिक बैंक 10,000 रुपये की प्रतिभूति पर 8000 रुपये का ऋण प्रदान करता है। यहां, मार्जिन 2000 रुपये या 20% है।
- यदि केंद्रीय बैंक को यह लगता है कि कुछ वस्तुओं की कीमतें ऐसी वस्तुओं के व्यवसायियों और व्यापारियों की सट्टा संबंधी गतिविधियों के कारण बढ़ रही हैं, तो वह ऐसी सट्टेबाजी संबंधी गतिविधियों के लिए ऋण की उपलब्धता को हतोत्साहित करने का प्रयास कर सकता है। इसलिए, यह सट्टेबाजी संबंधी व्यवसाय के लिए ऋण देने के मामलों में मार्जिन की आवश्यकता को बढ़ा सकता है और इस प्रकार ऐसे उद्देश्यों के लिए उधार को हतोत्साहित करता है। इससे सट्टेबाजी संबंधी गतिविधियों के लिए धन की आपूर्ति में कमी आती है और मुद्रास्फीति की स्थिति को नियंत्रित किया जाता है।
- इसके विपरीत, केंद्रीय बैंक मार्जिन अनिवार्यता को कम करके वाणिज्यिक बैंकों से उधार लेने को प्रोत्साहित कर सकता है। जब विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए ऋण की उपलब्धता अधिक होती है, तो निवेश में वृद्धि होती है। इससे लोगों की आय में वृद्धि होती है। परिणामस्वरूप, वस्तुओं की मांग बढ़ती है और अपस्फीति की स्थिति नियंत्रित होती है।
- अतः केंद्रीय बैंक के समक्ष मुद्रास्फीति और अपस्फीति का सामना करने हेतु मार्जिन अनिवार्यता एक महत्वपूर्ण साधन है।

Q 60.A

- **प्रावधान कवरेज अनुपात (Provisioning Coverage Ratio: PCR) किसी बैंक के उसके बैड लोन या गैर-निष्पादित संपत्तियों (NPAs) को उस धन से कवर करने की क्षमता को मापता है जिसे बैंक ने इसी उद्देश्य के लिए अलग से आरक्षित रखा है। इसकी गणना बैड लोन के लिए बैंक के प्रावधानों के कुल मूल्य को उसकी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के कुल मूल्य से विभाजित करके की जाती है।**
- **ऋण जमा अनुपात (LDR)** किसी बैंक की तरलता और उसके ऋण पोर्टफोलियो को वित्तपोषित करने की क्षमता को मापता है। इसकी गणना बैंक के कुल ऋण को उसकी कुल जमा राशि से विभाजित करके की जाती है।
- **लागत आय अनुपात (CIR)** यह मापता है कि कोई बैंक अपनी आय के सापेक्ष अपनी लागतों को प्रबंधित करने में कितना कुशल है। इस अनुपात की गणना बैंक के परिचालन व्यय को उसकी परिचालन आय से विभाजित करके की जाती है।
- **पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR)** किसी बैंक की वित्तीय प्रबलता और संभावित हानि को अवशोषित करने की क्षमता को मापता है। यह अनुपात किसी बैंक द्वारा संभावित घाटे को कवर करने के लिए अलग रखी गई पूंजी की तुलना उसकी कुल जोखिम-भारित परिसंपत्तियों से करता है। ज्ञातव्य है कि जोखिम-भारित परिसंपत्तियों में बैंकों के ऋण और अन्य निवेश शामिल होते हैं। CAR की गणना करने के लिए, किसी बैंक की पूंजी को उसकी कुल जोखिम-भारित परिसंपत्तियों से विभाजित किया जाता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 61.B

- शेयर बाजार वह स्थान है जहां सार्वजनिक निगमों और संयुक्त स्टॉक वाली कंपनियों के शेयरों का कारोबार किया जाता है। भारत में, BSE (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और NSE (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) दो सर्वाधिक प्रचलित स्टॉक एक्सचेंज हैं। शेयर बाजार सूचकांक संपूर्ण शेयर बाजार को इंगित करता है। इन सूचकांकों में होने वाला उतार-चढ़ाव बाजार में निवेशकों को प्राप्त होने वाले प्रतिफल/रिटर्न को दर्शाता है। निफ्टी (NIFTY) और सेंसेक्स (SENSEX) क्रमशः NSE और BSE के प्रमुख सूचकांक हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

निफ्टी (NIFTY)	सेंसेक्स (SENSEX)
नेशनल फिफ्टी (National Fifty) को संक्षेप में 'निफ्टी' कहा जाता है। यह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लोगों द्वारा सर्वाधिक कारोबार किए जाने वाले 20 से अधिक क्षेत्रकों की 50 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों का एक मापदंड है। इसकी शुरुआत 1995 में NSE द्वारा की गई थी। यह नई दिल्ली में स्थित है। इसका स्वामित्व इंडिया इंडेक्स सर्विसेज एंड प्रोडक्ट्स (IISL) के पास है। IISL क्रेडिट रेटिंग इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड या क्रिसिल (CRISIL) और NSE का एक संयुक्त उद्यम है। इसकी गणना 50 कंपनियों के औसत बाजार पूंजीकरण के भारित मूल्य के आधार पर की जाती है, जिसके आधार पर प्रत्येक कंपनी का भारांश निर्धारित किया जाता है। **इसका आधार वर्ष 1995 है तथा इसके लिए सूचकांक मान 1000 निर्धारित किया गया है।**	**संवेदी सूचकांक (Sensitive Index) को संक्षेप में सेंसेक्स कहा जाता है। यह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लोगों द्वारा सर्वाधिक कारोबार किए जाने वाले 20 से अधिक विभिन्न क्षेत्रकों की शीर्ष 30 कंपनियों का एक मापदंड है।** इसकी शुरुआत 1986 में मुंबई में स्थित BSE द्वारा की गई थी। इस सूचकांक की गणना फ्री-फ्लोट बाजार पूंजीकरण के आधार पर की जाती है। इसकी गणना सरकार और कंपनी के प्रमोटरों द्वारा धारित कुछ शेयरों के भारित औसत को भारित औसत मूल्य से गुणा करके की जाती है। *नोट: फ्री फ्लोट को पब्लिक फ्लोट भी कहा जाता है। इसका तात्पर्य किसी कंपनी के उन शेयरों से है जिनका सार्वजनिक रूप से कारोबार किया जा सकता है और वे प्रतिबंधित नहीं हैं।* **इसका आधार वर्ष 1978-79 है तथा इसका सूचकांक मूल्य 100 निर्धारित किया गया है।**

Q 62.A

- विधिक इकाई पहचानकर्ता (Legal Entity Identifier: LEI) ISO 17442 मानक पर आधारित एक 20-कैरेक्टर का अक्षरांकीय (अल्फा-न्यूमेरिक) कोड है। इसे अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) द्वारा विकसित किया गया है। यह महत्वपूर्ण संदर्भ जानकारी से जुड़ा होता है जिसका उपयोग विश्व स्तर पर वित्तीय लेनदेन करने वाली कानूनी संस्थाओं की स्पष्ट और विशिष्ट पहचान करने के लिए किया जाता है।
- **यह एक वैश्विक संदर्भ संख्या है जो किसी भी क्षेत्राधिकार में वित्तीय लेनदेन में संलग्न प्रत्येक विधिक संस्था अथवा इकाई की विशिष्ट रूप से पहचान करता है। भारत में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर इंडिया लिमिटेड (LEIL) को भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत विधिक इकाई पहचानकर्ताओं के "जारीकर्ता" के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। LEIL क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (CCIL) की स्थापना अप्रैल, 2001 में की गई थी। इसका उद्देश्य मुद्रा, सरकारी प्रतिभूति (G-Sec), विदेशी मुद्रा और व्युत्पन्न (डेरिवेटिव) बाजारों में लेनदेन के लिए गारंटीकृत समाशोधन और निपटान संबंधी कार्य करना है। CCIL वित्तीय बाज़ार अवसंरचना के रूप में अपने संचालन को नियंत्रित करने के लिए सख्त सिद्धांतों का अनुपालन करता है। इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2014 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इसे अर्हताप्राप्त केंद्रीय प्रतिपक्ष (QCCP) के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी।

Q 63.C

- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) द्वारा बैंक जैसी सेवाएं प्रदान करना 'शैडो बैंकिंग'** कहलाता है। इन कंपनियों को कठोर विनियमन के तहत नहीं रखा जाता है। हालांकि, **ये संस्थान निवेशकों और उधारकर्ताओं के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं**। सामान्यतः **वे जोखिमपूर्ण व्यवसायों और व्यक्तियों को ऋण प्रदान करते हैं** तथा व्यवस्था में तरलता सृजित करते हैं। **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
- यद्यपि ये संस्थाएं **बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली पारंपरिक मांग जमा (डिमांड डिपॉजिट) को स्वीकार नहीं करती हैं**, लेकिन ये संस्थाएं वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के समान सेवाएं प्रदान करती हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **2008 के वित्तीय संकट** ने यह दर्शाया था कि 'शैडो बैंकिंग' बैंकिंग प्रणाली के लिए प्रणालीगत जोखिम का एक स्रोत बन सकती है। ये जोखिम प्रत्यक्षतः और बैंकिंग प्रणाली में आंशिक रूप से विनियमित संस्थाओं के अंतर्संबंध के माध्यम से अन्य क्षेत्रों में भी प्रसारित हो सकते हैं। **इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (IL&FS) में आया तरलता संकट** इसका एक उदाहरण है।
- **बेसल III मानदंडों** के तहत केंद्रीय बैंकों को विभिन्न कदमों के माध्यम से विश्व भर में शैडो बैंकों पर निगरानी कड़ी करने की आवश्यकता है, जैसे कि न्यूनतम पूंजी निर्धारित करना। इसी बात को ध्यान में रखते हुए RBI शैडो बैंकिंग गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा रहा है।
- **उषा थोराट समिति (2011)** ने NBFCs को विनियमित करने का प्रस्ताव दिया था। इन प्रस्तावों में टियर I पूंजी में वृद्धि करना और कुछ विशेष परिसंपत्तियों पर जोखिम भार को निर्धारित करना शामिल है।

Q 64.A

- किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा प्रदान की गई कारक सेवाओं के लिए शेष विश्व से अर्जित आय को 'विदेश से प्राप्त कारक आय' कहते हैं। यह आय किराया, मजदूरी, ब्याज, वेतन, लाभांश और प्रतिधारित आय के रूप में प्राप्त की जा सकती है।
- **विदेश से प्राप्त निवल कारक आय (NFIA) किसी देश द्वारा विदेश/शेष विश्व से अर्जित कारक आय और उस देश द्वारा विदेश/शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय के बीच का अंतर होता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
  - विदेश से प्राप्त निवल कारक आय = विदेश से अर्जित कारक आय - विदेश में भुगतान की गई कारक आय
- किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू आय और राष्ट्रीय आय के बीच अंतर करने के लिए विदेश से प्राप्त निवल कारक आय (NFIA) अनिवार्य होती है। सर्वप्रथम घरेलू आय निर्धारित की जाती है और फिर इसमें NFIA को जोड़कर 'राष्ट्रीय आय' ज्ञात की जाती है।
- किसी अर्थव्यवस्था की विदेश से प्राप्त निवल कारक आय शून्य, धनात्मक या ऋणात्मक हो सकती है। जब शेष विश्व से प्राप्त कारक आय और शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय बराबर हो, तब यह शून्य होगी। **जब शेष विश्व से अर्जित कारक आय शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय से अधिक हो, तब NFIA धनात्मक होगा**। जब शेष विश्व से अर्जित कारक आय शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय से कम हो, तब यह ऋणात्मक होगी। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 65.C

- वित्त वर्ष 2013-14 के बाद से सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) की पुनर्खरीद/अदला-बदली (Switches) केंद्र सरकार के नकदी और ऋण प्रबंधन कार्यों की एक नियमित विशेषता रही है। ये लिखत केंद्र सरकार के ऋण प्रबंधन उद्देश्यों के अनुरूप ऋण प्रोफ़ाइल और नकदी प्रवाह को प्रबंधित करने में सहायता करते हैं। इस प्रक्रिया में, **किसी भी दिए गए वर्ष में निश्चित आय वाली प्रतिभूतियों के पुनर्भुगतान संबंधी दबाव (Redemption pressure)/ पुनर्भुगतान के एकत्रण को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया जाता है और सरकारी प्रतिभूतियों के द्वितीयक बाजार की तरलता में भी सुधार किया जाता है।**
- जहां पुनर्खरीद परिचालनों का उद्देश्य **ठीक अगले वर्ष के रिडम्पशन प्रेशर (निश्चित आय वाली प्रतिभूति के निवेशक के मूलधन की वापसी) को कम करना है, वहीं अदला-बदली संबंधी परिचालन (Conversion operations) बकाया सरकारी प्रतिभूतियों (G-sec) की परिपक्वता तिथि को आगे बढ़ाने में सहायता करते हैं।** पुनर्खरीद परिचालनों की मात्रा केंद्र सरकार के खाते में वर्ष के भीतर नकद अधिशेष की उपलब्धता पर निर्भर करती है। प्रतिभूतियों के अदला-बदला संबंधी परिचालनों में नकदी का बाह्य निर्गमन लघु अवधि की प्रतिभूतियों को दीर्घावधि की प्रतिभूतियों में परिवर्तित किए जाते समय उपलब्ध छूट (यदि कोई हो) पर निर्भर करता है और **यह केंद्र सरकार के सकल राजकोषीय घाटे में वृद्धि करता है। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 66.A

- चक्रीय बेरोजगारी, बेरोजगारी का एक प्रकार है। यह व्यवसाय चक्र में उतार-चढ़ाव के कारण होती है। अर्थव्यवस्था में गिरावट या मंदी के कारण चक्रीय बेरोजगारी की स्थिति उत्पन्न होती है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **आर्थिक मंदी के दौरान व्यवसायों में अक्सर वस्तुओं और सेवाओं की मांग में गिरावट देखी जाती है। मांग में कमी को देखते हुए व्यवसाय उत्पादन में कटौती कर सकते हैं और नई नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में कमी कर सकते हैं। नई नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में कटौती या छंटनी (Layoffs) से चक्रीय बेरोजगारी में वृद्धि हो सकती है।**
- **मंदी के दौरान आर्थिक क्रियाकलापों में संकुचन या कमी आती है, इसलिए व्यवसाय अपने कर्मचारियों की संख्या को कम करने की आवश्यकता महसूस कर सकते हैं। परिणामस्वरूप चक्रीय बेरोजगारी में वृद्धि होती है।**
- अतः इस तरह की बेरोजगारी की चक्रीय प्रकृति का अर्थ है कि आर्थिक गिरावट के दौरान इसमें वृद्धि होती है और आर्थिक स्थिति के बेहतर होने पर इसमें कमी आती है क्योंकि व्यवसाय अपने कार्य बल (Workforce) को मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर समायोजित करते हैं।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 67.C

- संविधान के अनुच्छेद 266 के तहत गठित भारत की संचित निधि सर्वाधिक महत्वपूर्ण सरकारी लेखाओं में से एक है।
- प्रत्यक्ष कर, अप्रत्यक्ष कर और राजस्व के अन्य स्रोतों से उत्पन्न सभी आय भारत की संचित निधि का भाग होती हैं जैसे-;
  - **प्रत्यक्ष कर अर्थात आयकर**, निगम कर, पूंजीगत लाभ कर, संपत्ति कर आदि **से अर्जित राजस्व**
  - अप्रत्यक्ष कर अर्थात वस्तु एवं सेवा कर (GST) से अर्जित राजस्व
  - **सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम (PSUs) अर्थात NTPC, ONGC, SAIL आदि से अर्जित लाभांश और लाभ**
  - विभिन्न सरकारी सामान्य सेवाओं से अर्जित लाभ।
  - **विनिवेश प्राप्तियां**
  - ऋणों का पुनर्भुगतान
  - ऋण की वसूल
- सरकार संसद से मंजूरी मिलने के बाद ही भारत की संचित निधि से पैसा निकाल सकती है।
- लोक लेखा निधि।
  - इस निधि का गठन संविधान के अनुच्छेद 266(2) के तहत किया गया था। इसमें उन लेनदेन से प्राप्त धनराशी शामिल होती है जिनमें सरकार केवल एक बैंकर के रूप में कार्य कर रही होती है।
  - **भविष्य निधि**, लघु बचत इत्यादि इसके कुछ प्रमुख उदाहरण हैं। सरकार इन निधियों की स्वामित्व नहीं होती है। इन्हें कुछ समय बाद इनके वास्तविक स्वामित्व धारकों को वापस भुगतान करना होता है। इस निधि की प्रकृति के कारण, इससे होने वाले व्यय को संसद द्वारा अनुमोदित करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 68.B

- **डेब्ट ओवर हैंग (Debt Overhang): इसका तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जहां समस्त मौजूदा आय कुल ऋणों की पुर्नअदायगी करने में व्यय हो जाती है।** इसके कारण भौतिक या मानव पूंजी में निवेश करने के लिए बहुत कम प्रोत्साहन राशियां (Incentives) शेष बचती हैं। **इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**
- भौतिक या मानव पूंजी में इस तरह के निवेश का कोई भी वृद्धिशील लाभ मौजूदा ऋण दायित्वों के पुनर्भुगतान के रूप में ऋणदाताओं को (न कि किसानों को) मिलने की संभावना होती है। इसलिए प्रोत्साहन राशियां कम हो जाती हैं। ऐसे उधारकर्ताओं को इक्विटी या ऋण से नवीन वित्तपोषण मिलने की संभावना नहीं होती है, क्योंकि उधार लेने वाले की अतिरिक्त ऋण का पुनर्भुगतान करने की अथवा अपने व्यवसाय/ फार्म में विकास या वृद्धि करने की क्षमता संदेहास्पद होती है।
- इसलिए, डेब्ट ओवर हैंग के कारण लाभकारी निवेश का त्याग करना पड़ता है और इस प्रकार सामाजिक कल्याण कम हो जाता है।
- **ऋण जाल (Debt Trap)** एक ऐसी स्थिति है जिसमें ऋण का भुगतान करना कठिन या असंभव हो जाता है, क्योंकि सामान्य तौर पर उच्च-ब्याज का भुगतान मूलधन के पुनर्भुगतान को रोकता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 69.D

- मुद्रा एक सत्यापन योग्य रिकॉर्ड या एक एग्रीमेंट होता है जिसे वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने के लिए व्यापक स्तर पर विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाता है।
- मुद्रा को अक्सर उसके द्वारा किए जाने वाले कार्यों या प्रदान की जाने वाली सेवाओं के आधार पर तीन रूपों में परिभाषित किया जाता है:
  - **विनिमय के माध्यम (Medium of exchange)** के रूप में यह लेनदेन को सुविधाजनक बनाती है।
    - मुद्रा के बिना सभी लेन-देन वस्तु विनिमय (Barter) के द्वारा करना पड़ेगा। वस्तु विनिमय के तहत एक वस्तु या सेवा का अन्य वस्तु या सेवा के लिए प्रत्यक्ष रूप से विनिमय किया जाता है।
    - मुद्रा का एक महत्वपूर्ण कार्य 'विनिमय का माध्यम' के रूप में है। इस कार्य द्वारा मुद्रा ने वस्तु विनिमय के दोहरे संयोग की समस्या को दूर करके विनिमय को व्यवस्थित और सरल बना दिया है। मुद्रा को सभी पक्षों द्वारा सभी लेनदेनों में स्वीकार किया जाता है, भले ही वे एक-दूसरे की वस्तुओं और सेवाओं को लेना चाहते हो या नहीं।
  - **मूल्य के संचय (Store of Value)** के रूप में इसका मूल्य समय के साथ (मुद्रास्फीति को छोड़ करके) कम नहीं होता है। जब तक इसे अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, यह विनिमय का एक मूल्यवान माध्यम बनी रहती है।
    - मुद्रा के अलावा, कई अन्य वस्तुएं जैसे कि - भूमि और सोना भी मूल्य के संचय का कार्य करती हैं।
    - हालांकि, मूल्य के अन्य संचयों की तुलना में मुद्रा अधिक तरल है क्योंकि विनिमय के माध्यम के रूप में इसे प्रत्येक स्थान पर आसानी से स्वीकार किया जाता है।
  - **लेखा की एक इकाई (Unit of Account)** के रूप में यह विनिमय की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य की एक समान माप प्रदान करती है।
    - किसी वस्तु का मूल्य या कीमत मुद्रा के संदर्भ में तय की जा सकती है जो खरीदार और आपूर्तिकर्ता दोनों को लागत, मात्रा, लाभ आदि के संबंध में निर्णय लेने में सक्षम बनाती है।

Q 70.D

- मुद्रा की मांग की तरह, मुद्रा की पूर्ति एक स्टॉक परिवर्तनीय (Variable) होती है। एक निश्चित समय में लोगों में संचरण करने वाली कुल मुद्रा को मुद्रा की पूर्ति कहते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा की पूर्ति के वैकल्पिक मापों को चार रूपों में प्रकाशित करता है, नामतः M1, M2, M3 और M4। ये सभी निम्नलिखित तरह से परिभाषित किए जाते हैं-
  - **M1 = CU + DD**
  - M2 = M1 + डाकघर बचत बैंकों में बचत जमाएं
  - **M3 = M1 + व्यावसायिक बैंकों की निवल सावधि जमाएं**
  - M4 = M3 + डाकघर बचत संस्थाओं में कुल जमाएं (राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों को छोड़कर),
- यहां CU लोगों द्वारा रखी गई करेंसी (नोट और सिक्के) हैं और **DD व्यावसायिक बैंकों द्वारा धारित निवल मांग जमाएं है।** 'निवल' शब्द से बैंक के द्वारा रखी गयी लोगों की जमा का ही बोध होता है और इसलिए यह मुद्रा की पूर्ति में शामिल हैं। अंतर बैंक जमा, जो एक व्यावसायिक बैंक दूसरे व्यावसायिक बैंक में रखते हैं, को मुद्रा की पूर्ति के भाग के रूप में नहीं जाना जाता है।
- M1 और M2 संकुचित मुद्रा कहलाती है। **M3 और M4 को व्यापक मुद्रा कहते हैं। इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- M1 संव्यवहार के लिए सर्वाधिक तरल और आसान है, जबकि M4 इनमें सबसे कम तरल है।
- M3 मुद्रा पूर्ति की माप का सबसे साधारण रूप है। इसे समस्त मौद्रिक संसाधन भी कहते हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 71.C

- **गैर-सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा शेयर निर्गमन के माध्यम से जुटाई गई पूंजी पर देय आयकर को एंजेल टैक्स (Angel tax) कहा जाता है। सामान्यतः शेयर की कीमत बेचे गए शेयरों के उचित बाजार मूल्य से काफी अधिक होती है।** इस अतिरिक्त प्राप्ति को आय माना जाता है और इसी आय के अनुसार कर लगाया जाता है। इस कर को 2012 के केंद्रीय बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी द्वारा पेश किया गया था। इस कर को पेश किए जाने का उद्देश्य धन शोधन को रोकना था। स्टार्टअप्स में महत्वपूर्ण ढंग से एंजेल निवेश को प्रभावित करने के कारण, इसे एंजेल टैक्स कहा जाने लगा है।

Q 72.B

- **भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (Indian Financial System Code: IFSC)**
  - यह एक अल्फा-न्यूमेरिक कोड है जो विशिष्ट रूप से NEFT प्रणाली में भाग लेने वाली बैंक शाखा की पहचान करता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**
  - यह 11 अंकों का कोड है जिसमें पहले 4 अल्फा वर्ण बैंक का प्रतिनिधित्व करते हैं और अंतिम 6 वर्ण शाखा का प्रतिनिधित्व करते हैं। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
  - इसमें 5वां वर्ण 0 (शून्य) होता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - IFSC का उपयोग NEFT प्रणाली द्वारा मूल/गंतव्य बैंकों/शाखाओं की पहचान करने और संबंधित बैंकों/शाखाओं को उचित रूप से संदेश भेजने के लिए किया जाता है।

Q 73.B

- बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) को किसी अर्थव्यवस्था में एक वित्त वर्ष के दौरान उत्पादन के घरेलू साधनों द्वारा उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य के रूप में परिभाषित किया जाता है। उत्पादन के साधन राष्ट्रीय सीमा के भीतर और विदेशों में नियोजित हो सकते हैं।
- बाजार कीमतों पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) को सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य में से मूल्यह्रास को घटा कर प्राप्त किया जाता है। मूल्यह्रास इस एक वर्ष की अवधि में स्थिर पूंजी का उपभोग किए गए भाग को संदर्भित करता है। इस प्रकार
  - **NNP = GNP - मूल्यह्रास; इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**

Q 74.A

- **UPI टैप एंड पे सुविधा भुगतान प्राप्तकर्ता की UPI ID के बारे में विवरण प्राप्त करने हेतु नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (NFC) प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। इसके माध्यम से किए जाने वाले लेनदेन में क्विक रिस्पॉन्स (QR) कोड की आवश्यकता नहीं होती है।** NFC की क्षमता से युक्त मोबाइल और डिवाइस इस सेवा का उपयोग कर सकते हैं। **इसलिए कथन 1 सही है और कथन 2 सही नहीं है।**
- NFC के तहत कम दूरी (4-5 सेंटीमीटर) पर स्थित दो संगत उपकरणों के बीच जानकारी साझा करने के लिए विद्युत चुम्बकीय रेडियो क्षेत्रों का उपयोग किया जाता है। NFC 4 सेमी की दूरी के भीतर एक सुरक्षित कनेक्शन सुनिश्चित करता है। यह विशेषता इसे UPI लेनदेन के लिए एक आदर्श प्रौद्योगिकी के रूप में स्थापित करती है।

Q 75.A

- किसी कंपनी की पूंजी को शेयरों में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक शेयर कंपनी के स्वामित्व की एक इकाई होती है तथा इन्हें कंपनी के लिए पूंजी जुटाने हेतु बिक्री के लिए जारी किया जाता है।
- इक्विटी **शेयर अपने धारकों को आय/लाभ के साथ-साथ** कंपनी को होने वाले नुकसान को भी **साझा करने का अधिकार देता है।** दूसरी ओर, डिबेंचर **किसी कंपनी द्वारा निश्चित ब्याज दर पर जारी किए गए ऋण लिखत (Instruments) होते हैं। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **इक्विटी शेयर** अपने **धारकों को कंपनी में आय/लाभ साझा करने के साथ-साथ कंपनी की सामान्य बैठकों (General Meetings) में मतदान का अधिकार भी प्रदान करता है।** दूसरी ओर, डिबेंचर धारकों को कंपनी की सामान्य बैठकों में मतदान का अधिकार नहीं होता है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- **शेयरों की तुलना में डिबेंचर को कम जोखिमपूर्ण माना जाता है।** इसका कारण उनके **निश्चित ब्याज दर पर भुगतान** और दिवालियापन की स्थिति में कंपनी की संपत्ति पर उच्चतर दावा करने की सुविधा होती है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 76.A

- 2005 से 2021 तक की अवधि के दौरान विभिन्न देशों के सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात को नीचे दर्शाया गया है

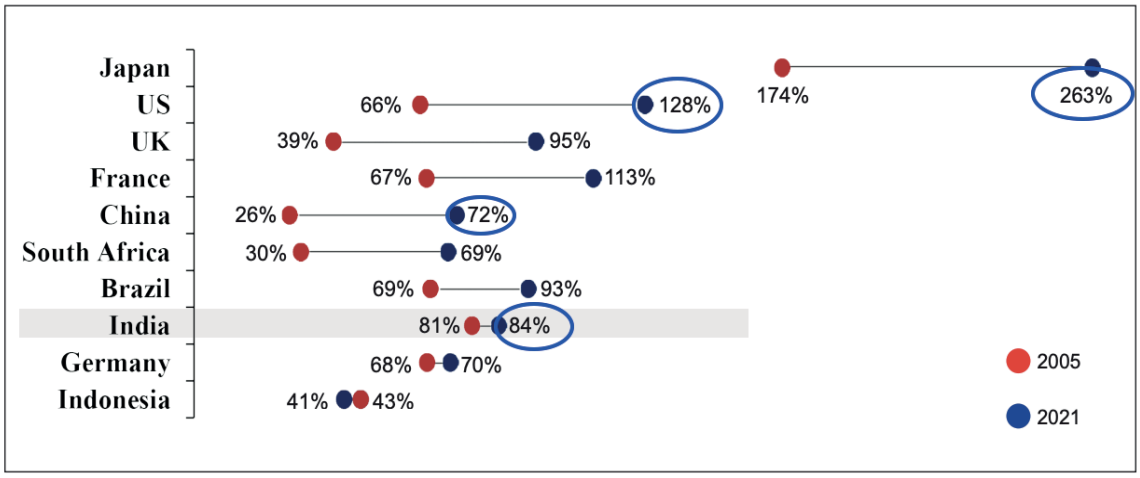

- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 77.B

- **बियर मार्केट या मंदड़िया बाजार ह्रासोन्मुख बाजार होता है।** इस स्थिति के दौरान शेयर की कीमतें लगातार गिरती जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक अधोगामी प्रवृत्ति उत्पन्न होती है। इस स्थिति में निवेशकों का यह मानना कि यह प्रवृत्ति लंबे समय तक जारी रहेगी, भविष्य में उत्तरोत्तर कमी को जारी रखता है। **मंदड़िया बाजार** के दौरान **अर्थव्यवस्था आमतौर पर मंद हो जाती है और बेरोजगारी में वृद्धि होती है** क्योंकि कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी प्रारंभ कर देती हैं। **मंदड़िया बाजार में निवेशक अधिक मूल्य खोने से पहले अपने स्टॉक को बेचने का प्रयास करते हैं। इसलिए कथन 2 सही है तथा कथन 1 और 3 सही नहीं हैं।**
- बुल मार्केट या तेजड़िया बाजार वृद्धिशील बाजार को संदर्भित करता है। इसे बाजार में शेयर कीमतों में स्थायी वृद्धि द्वारा चिह्नित किया जाता है। इस स्थिति में, निवेशकों का विश्वास होता है कि यह तेजी या वृद्धि लंबी अवधि तक जारी रहेगी। इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और रोजगार का स्तर ऊंचा होता है।

Q 78.A

- PCA का तात्पर्य प्रॉम्प्ट करेक्टिव एक्शन (त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई) है। PCA एक ऐसी प्रणाली है जिसे RBI वित्तीय तनाव के लक्षण प्रदर्शित करने वाले बैंकों पर लागू करता है। यदि बैंक सुनिश्चित वित्तीय मैट्रिक्स या मापदंडों पर आधारित मानकों को पूरा करने में विफल रहते हैं तो विनियामक, ऐसे बैंकों को असुरक्षित मानता है।
- RBI यह निर्धारित करने के लिए चार कारकों को ध्यान में रखता है कि किसी बैंक को PCA फ्रेमवर्क के तहत रखने की आवश्यकता है अथवा नहीं। इन कारकों में लाभप्रदता, परिसंपत्ति की गुणवत्ता, पूंजी अनुपात और ऋण स्तर शामिल हैं।
- **जब RBI किसी बैंक को अपनी PCA निगरानी सूची में डालता है, तो वह उस पर दो प्रकार के प्रतिबंध लागू करता है - अनिवार्य और विवेकाधीन।** इनमें शाखा के विस्तार, लाभांश और निदेशक के पारिश्रमिक आदि से संबंधित प्रतिबंध शामिल होते हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **फिर भी, केंद्रीय बैंक इन कार्रवाइयों का चयन अपने विवेक से कर सकता है। इसके अंतर्गत RBI निम्नलिखित कार्रवाइयां कर सकता है:**
    - बैंक बोर्ड से बिजनेस मॉडल का पुनर्मूल्यांकन करने तथा बिजनेस लाइन और संचालन की लाभप्रदता का मूल्यांकन करने के लिए आदेश दे सकता है।
    - बैंकों को उपचारात्मक उपाय करने के लिए अपनी व्यावसायिक योजनाओं और रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने की सलाह दे सकता है, जिसमें कुछ अधिकारियों को बर्खास्त करना भी शामिल हो सकता है।
    - पर्यवेक्षक से अनुमोदन लेने के बाद बैंक के बोर्ड से समाधान योजना लागू करने के लिए कह सकता है।
    - बैंकों के बैलेंस शीट अनुमानों के मूल्यांकन के अलावा उन्हें मध्यम से दीर्घ अवधि में अपनी व्यवहार्यता का आकलन करने की सलाह दे सकता है।
    - PCA बैंक को अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करने या रिक्त पदों को भरने की अनुमति नहीं होती है।
    - अंततः, RBI PCA बैंकों को केवल प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के लिए पूंजीगत व्यय करने की अनुमति दे सकता है। हालांकि, इसके लिए धन का आवंटन पूर्व-अनुमोदित सीमा के भीतर होना चाहिए। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सहकारी क्षेत्र के ऋणदाताओं की संख्या में वृद्धि करने हेतु शहरी सहकारी बैंकों को** अपने त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (PCA) तंत्र के तहत लाने पर विचार कर रहा है। **शहरी सहकारी बैंक वर्तमान में PCA के अंतर्गत नहीं हैं। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
    - **भारतीय रिज़र्व बैंक ने तनावग्रस्त शहरी सहकारी बैंकों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए पर्यवेक्षी कार्रवाई फ्रेमवर्क (SAF) की शुरुआत की थी।** SAF के दिशानिर्देशों में संपत्ति की गुणवत्ता, लाभप्रदता और पूंजी पर्याप्तता के लिए अधिकतम सीमाएं शामिल हैं।

Q 79.D

- **RBI की रिटेल डायरेक्ट योजना को नवंबर 2021 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य खुदरा निवेशकों** को प्राथमिक और द्वितीयक बाजार, दोनों में **सरकारी प्रतिभूतियों (G-Sec) को ऑनलाइन खरीदने और बेचने की सुविधा प्रदान करना था।** ध्यातव्य है कि खुदरा निवेशक ऐसे गैर-पेशेवर व्यक्ति होते हैं जो ब्रोकरेज फर्मों के माध्यम से अपने खातों में निवेश करते हैं।
- योजना के तहत खुदरा निवेशकों को **RBI में 'रिटेल डायरेक्ट गिल्ट अकाउंट' (RDG Account) खोलने और उसे बनाए रखने की सुविधा प्राप्त होगी।**
- इससे **सरकारी प्रतिभूति बाजार में विविधता लाने में सहायता मिलेगी**, जिस पर बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड तथा अन्य जैसे संस्थागत निवेशकों का प्रभुत्व है।
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 80.D

- अंतरण भुगतान (Transfer Payment), किसी ऐसे व्यक्ति या संगठन को किया गया एक तरफा भुगतान है, जिसने भुगतान के बदले में कोई वस्तु या सेवाएं प्रदान नहीं की है अथवा विनिमय नहीं किया है। यह एक सामान्य "भुगतान" के विपरीत होता है। अर्थशास्त्र के तहत भुगतान किसी उत्पाद या सेवा के बदले धन के अंतरण को संदर्भित करता है। अंतरण भुगतान आमतौर पर स्थानीय, राज्य और संघीय सरकारों द्वारा जरूरतमंद लोगों को धन पुनर्वितरित करने के प्रयासों को संदर्भित करता है।
- सरकारें ऐसे भुगतानों का उपयोग सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के तहत धन अंतरित कर आय पुनर्वितरण के साधन के रूप में करती हैं। **इन कार्यक्रमों में सामाजिक सुरक्षा, वृद्धावस्था या विकलांगता पेंशन, छात्र अनुदान, बेरोजगारी भत्ता, स्वास्थ्य सेवाएं जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा और अन्य मुफ्त स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि शामिल हैं।**
- **कॉर्पोरेट बेलआउट और सब्सिडी को आमतौर पर अंतरण भुगतान के रूप में संदर्भित नहीं किया जाता है। किसी भी सब्सिडी को अंतरण भुगतान के रूप में नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि मूल्यवर्धन पहले ही हो चुका होता है। हालांकि, कॉर्पोरेट बेलआउट को निवेश माना जा सकता है। इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 81.B

- **लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (CII) का उपयोग दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए किया जाता है।**
  - **यह मुद्रास्फीति का एक माप है जो परिसंपत्तियों की बिक्री पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना करते समय कर कानून में लागू होता है।**
  - आयकर अधिनियम की धारा 48 उस सूचकांक को परिभाषित करती है जिसे केंद्र सरकार द्वारा प्रति वर्ष अधिसूचित किया जाता है। इस सूचकांक के तहत सरकार द्वारा विगत वर्ष के ठीक पहले शहरी गैर-शारीरिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में 75 प्रतिशत की औसत वृद्धि को ध्यान में रखा जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**
- **लागत मुद्रास्फीति सूचकांक प्रतिवर्ष केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) द्वारा अधिसूचित किया जाता है। साथ ही, CBDT ने वित्तीय वर्ष 1981-82 से वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक अधिसूचित किया है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Q 82.A

- **हालिया संदर्भ:** भारतीय नौसेना ने स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक INS इंफाल को कमीशन किया है।
- INS इंफाल, **प्रोजेक्ट 15B** के तहत निर्मित किए जा रहे चार स्वदेशी विशाखापत्तनम श्रेणी के **स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक** में से तीसरा है। प्रोजेक्ट 15B, उन्नत क्षमताओं और अधिकांश स्वदेशी सामग्रियों का प्रयोग कर निर्मित किए जा रहे प्रोजेक्ट 15A (कोलकाता श्रेणी) और प्रोजेक्ट 15 (दिल्ली श्रेणी) के स्वदेशी विध्वंसकों की श्रृंखला में नवीनतम है। इस परियोजना के अन्य दो विध्वंसक INS विशाखापत्तनम और INS मोरमुगाओ हैं।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 83.C

- **केंद्र सरकार के व्यय की प्रमुख मदें निम्नानुसार हैं।**

(₹ करोड़) (In ₹ crore)

	2021-2022 वास्तविक Actuals	2022-2023 बजट अनुमान Budget Estimates	2022-2023 संशोधित अनुमान Revised Estimates	2023-2024 बजट अनुमान Budget Estimates
Pension	198946	207132	244780	234359
Defence	366546	385370	409500	432720
Subsidy -				
Fertiliser	153758	105222	225220	175100
Food	288969	206831	287194	197350
Petroleum	3423	5813	9171	2257
Agriculture and Allied Activities (Excluding PM-KISAN)	76492	83521	76279	84214
PM-KISAN*	66825	68000	60000	60000
Commerce and Industry	47068	53116	37540	48169
Development of North East	2653	2800	2755	5892
Education	80352	104278	99881	112899
Energy	53696	49220	70936	94915
External Affairs	14146	17250	16973	18050
Finance	57364	21354	17908	13574
Health	84091	86606	77351	88956
Home Affairs	112301	127020	124872	134917
Interest	805499	940651	940651	1079971
IT and Telecom	25053	79887	74106	93478
Others	108447	113301	108102	120524
Planning and Statistics	3753	5720	6209	6268
Rural Development	228760	206293	243317	238204

- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 84.C

- **वित्तीय बाजार में आय का चक्रीय प्रवाह:**
- द्वि-क्षेत्रीय मॉडल में, हम यह मानते हैं कि परिवारों द्वारा प्राप्त सभी आय वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च की जाती है। हालांकि, वास्तविक जीवन में, परिवार अपनी आय का कुछ भाग बचाते हैं तथा उस पर ब्याज प्राप्त करते हैं। कंपनियां निवेश उद्देश्यों के लिए परिवारों से उधार लेती हैं। वित्तीय संस्थान बचतकर्ताओं और निवेशकों (यहां, परिवार और फर्म) के बीच मध्यस्थ के रूप कार्य करते हैं। वित्तीय बाजार परिवारों द्वारा की गई बचत को संग्रह करते हैं और इसे निवेश के रूप में व्यावसायिक क्षेत्रक में अंतरित कर देते हैं।
- **लीकेज और इंजेक्शन (Leakages and Injections):**
  - लीकेज या रिसाव का तात्पर्य आय के प्रवाह से निकाली गई राशि है। **यह परिवारों द्वारा की गई बचत, कर भुगतान या आयात पर खर्च के रूप में हो सकता है। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
  - दूसरी ओर, इंजेक्शन का तात्पर्य आय के प्रवाह में जोड़ी जाने वाली राशि होती है। चक्रीय प्रवाह में इंजेक्शन निवेश, सरकारी खर्च, सब्सिडी या निर्यात के रूप में हो सकता है। रिसाव को 'आय से निकासी' भी कहा जाता है जबकि इंजेक्शन को 'आय में होने वाली वृद्धि' कहा जाता है।

Q 85.C

- राजकोषीय घाटा (FD) प्रतिकूल राजकोषीय संतुलन है जो राजस्व प्राप्तियों और गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियों (NDCR) के योग अर्थात गैर-ऋण प्राप्तियों तथा कुल परिव्यय के बीच का अंतर होता है।
- राजकोषीय घाटा सरकार की कुल उधार लेने की आवश्यकता को दर्शाता है।
  - राजस्व घाटा (RD), राजस्व प्राप्तियों पर राजस्व व्यय की अधिकता को संदर्भित करता है।
  - प्रभावी राजस्व घाटा (ERD), राजस्व घाटे और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान सहायता के बीच का अंतर होता है।
  - प्राथमिक घाटे का मापन, राजकोषीय घाटे से ब्याज भुगतान को घटाकर किया जाता है।
  - प्रभावी पूंजीगत व्यय (Eff-Capex), पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए पूंजीगत व्यय और सहायता अनुदान के योग को संदर्भित करता है।

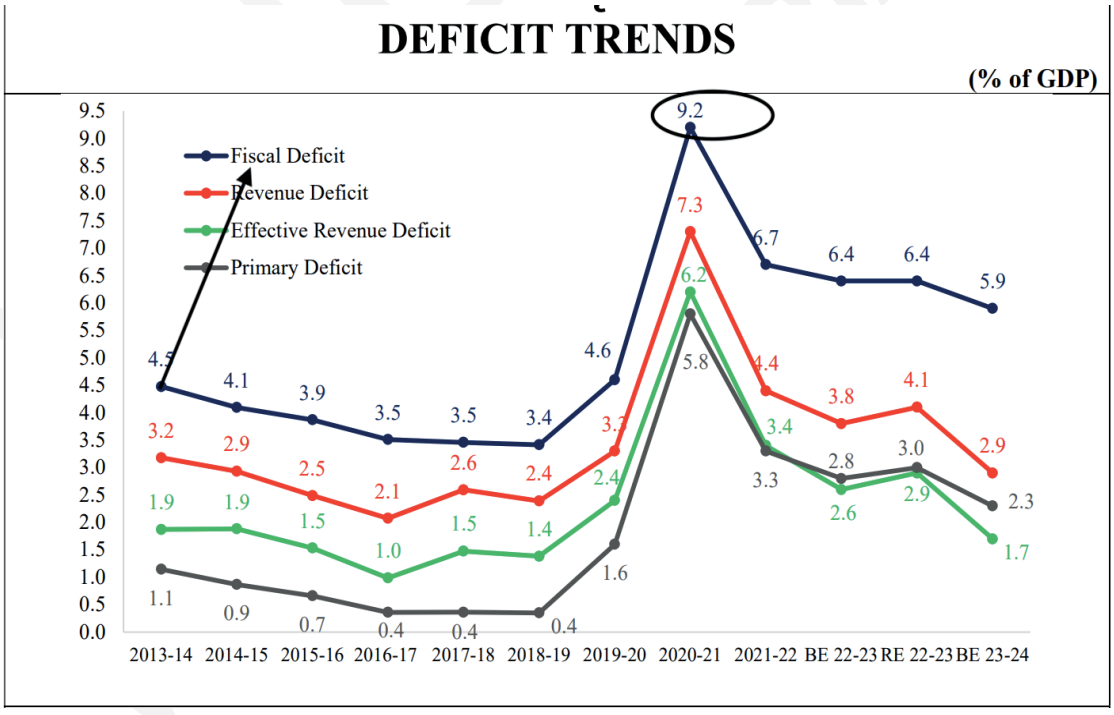

- **उपर्युक्त ग्राफ के अध्ययन से ज्ञात होता है कि कथन 1 और 2 दोनों सही हैं।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 86.D

- MAT का तात्पर्य न्यूनतम वैकल्पिक कर (Minimum Alternate Tax) से है।
- **MAT की शुरुआत:** कई बार ऐसा हो सकता है कि एक कंपनी के रूप में किसी करदाता द्वारा वर्ष भर आय अर्जित की गई हो, किन्तु आयकर कानून के विभिन्न प्रावधानों (छूट, कटौती, मूल्यह्रास इत्यादि) का लाभ उठाकर उसने अपनी आय को कम दिया हो। इस प्रकार, करदाता द्वारा अपनी कर देयता को कम किया जा सकता है अथवा यह भी हो सकता है कि उसने कर का बिल्कुल भी भुगतान नहीं किया हो।
- **शून्य कर भुगतान करने वाली कंपनियों की संख्या में वृद्धि के कारण वित्त अधिनियम, 1987 द्वारा** आकलन वर्ष 1988-89 से **न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) की शुरुआत की गई थी।** बाद में, इसे वित्त अधिनियम, 1990 द्वारा वापस ले लिया गया, और फिर वित्त (संख्या 2) अधिनियम, 1996 द्वारा 1-4-1997 के प्रभाव से पुनः प्रस्तुत किया गया। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- MAT की शुरुआत का उद्देश्य "शून्य कर कंपनियों" को कर दायरे में लाना है। ये कंपनियां पर्याप्त बुक प्रॉफिट (लाभ-हानि खाते में दर्शाया गया लाभ) अर्जित करने और यथोचित लाभांश प्रदान करने के बावजूद, आयकर कानून के तहत प्रदान की गई विभिन्न कर रियायतों और प्रोत्साहनों के कारण कर की अदायगी नहीं करती हैं।
- MAT की अवधारणा के अनुसार, किसी कंपनी की कर देयता निम्नलिखित में से अधिक होगी:
  - कंपनी की कर देयता की गणना आयकर कानून के सामान्य प्रावधानों के अनुसार की जाती है। अर्थात् कंपनी पर लागू होने वाली कर की दर के आधार पर, कंपनी की कर योग्य आय पर कर की गणना की जाती है।
  - उपर्युक्त तरीके से गणना किए गए कर को सामान्य कर दायित्व कहा जा सकता है। **कर की गणना बुक प्रॉफिट पर 15% की दर (+ लागू अधिभार और उपकर) से की जाती है।** बुक प्रॉफिट पर 15% की दर (+ लागू अधिभार और उपकर) से की गई कर की गणना को MAT कहा जाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र की एक इकाई होने और पूरी तरह से परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में अपनी आय प्राप्त करने वाली कंपनी के मामले में MAT 9% (+ लागू अधिभार और उपकर) की दर से लागू किया जाता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 87.D

- **कुरील द्वीप एक द्वीपसमूह है जो कामचटका प्रायद्वीप (रूस) से होक्काइडो द्वीप (जापान) तक फैला हुआ है। यह ओखोटस्क सागर को प्रशांत महासागर से पृथक करता है।** इसके कई द्वीप भूगर्भिक दृष्टि से सक्रिय हैं।
- रूस और जापान दोनों इन चार द्वीपों पर संप्रभुता का दावा करते हैं। इन्हें जापान में उत्तरी प्रादेशिक क्षेत्र और रूस में दक्षिणी कुरील के नाम से जाना जाता है। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 88.A

- लोगों के लिए मुद्रा आपूर्ति को मुख्यतः देश के केंद्रीय बैंक और उसके वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रभावित किया जाता है। परिणामस्वरूप बैंकों में जमा के साथ लोगों की अपने पास नकदी जमा रखने की अधिमानता भी, मुद्रा आपूर्ति को प्रभावित करती है।
- मुद्रा की आपूर्ति पर इन प्रभावों को निम्नलिखित प्रमुख अनुपातों के माध्यम से देखा जा सकता है:
  - **आरक्षित जमा अनुपात:**
    - लोग जो मुद्रा अपने बैंक खाते में जमा करते हैं, बैंक उसका एक अंश आरक्षित मुद्रा के रूप में रखकर शेष राशि को विविध निवेश परियोजनाओं को कर्ज के रूप में देता है। आरक्षित मुद्रा में दो चीजें होती हैं- बैंकों में रखी नकदी और वाणिज्यिक बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के पास रखी जमा।
    - बैंक इस आरक्षित मुद्रा का उपयोग खाताधारकों द्वारा नकदी की मांग को पूरा करने के लिए करते हैं।
    - वाणिज्यिक बैंक अपनी कुल जमा का जो अनुपात आरक्षित निधियों के रूप में रखते हैं, उसे आरक्षित निधि जमा अनुपात (rdr) कहा जाता है।
    - **निम्न आरक्षित अनुपात की स्थिति में बैंकों के पास निम्न ब्याज दरों पर उधार देने के लिए अधिक मुद्रा उपलब्ध होती है, जिससे ग्राहकों के लिए उधार लेना अधिक आकर्षक हो जाता है। इसलिए कथन I सही है।**
    - **आरक्षित निधि रखना बैंकों के लिए महँगा होता है, क्योंकि अन्यथा वे इस राशि को ब्याज प्राप्त करने वाली परियोजनाओं में ऋण के रूप में निवेश कर सकते थे। इसलिए, कथन II सही है और कथन I की सही व्याख्या है।**
    - हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया व्यावसायिक बैंकों से अपेक्षा करता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके पास सुरक्षित परिसंपत्ति का एक भाग रखा हुआ है, जिससे वे खाताधारकों को उनके द्वारा मांग करने पर भुगतान कर सकें।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 89.B

- **PACE मिशन को नासा द्वारा वर्ष 2024 में प्रक्षेपित किया जाएगा। इस मिशन का पूरा नाम 'प्लैंकटन, एयरोसोल, क्लाउड, ओशन इकोसिस्टम (PACE)' है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **यह मिशन वैश्विक वायुमंडलीय और महासागरीय अवलोकनों की एक संयुक्त जानकारी प्रदान करेगा। इससे पृथ्वी के वायुमंडल के बारे में हमारी समझ में वृद्धि होगी।** महासागर की सतह पर प्लवक के साथ-साथ वायुमंडल में एरोसोल का विश्लेषण करके वैज्ञानिक पृथ्वी की बदलती परिस्थितियों के संदर्भ में जानकारी एकत्र कर सकते हैं। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- इस मिशन का उद्देश्य जल संसाधन, आपदाओं के प्रभाव, पारिस्थितिक पूर्वानुमान, मानव स्वास्थ्य और वायु गुणवत्ता के क्षेत्र में समाज को लाभान्वित करना है।

Q 90.A

- ऐसा बाजार जहां **प्रतिभूतियों का पहली बार विक्रय** किया जाता है, **प्राथमिक बाजार** कहलाता है। वहीं दूसरी ओर, ऐसा बाजार जहां **मौजूदा प्रतिभूतियों एवं द्वितीयक (सेकेंड-हैंड) प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय** किया जाता है, **द्वितीयक बाजार** कहलाता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **प्राथमिक बाजार में प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण** उन्हें निर्गमित या जारी करने वाली **कंपनी के प्रबंधन द्वारा किया** जाता है। वहीं दूसरी ओर, **द्वितीयक बाजार में प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण स्टॉक एक्सचेंज मार्केट में मांग और आपूर्ति के आधार पर होता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 91.A

- **हालिया संदर्भ:** वैज्ञानिकों ने महासागर में एक जलमग्न प्राचीन पर्वत श्रेणी की खोज की है। यह पर्वत श्रेणी अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) के अंदर छिपी हुई है। ध्यातव्य है कि ACC विश्व की सबसे प्रबल समुद्री धारा है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) दक्षिणी महासागर (Southern Ocean) में प्रवाहित होने वाली सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलधारा है। यह **एकमात्र जलधारा है जो संपूर्ण पृथ्वी के चारों ओर प्रवाहित होती है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- दक्षिणी महासागर में 60 डिग्री दक्षिणी अक्षांश के नीचे का जलयुक्त दक्षिणतम हिस्सा शामिल है। दक्षिणी महासागर अंटार्कटिक महाद्वीप के चारों ओर फैला हुआ है। अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) पृथ्वी पर वायु द्वारा चालित होने वाली सबसे बड़ी धारा है। **यह धारा सशक्त पछुआ पवनों द्वारा गतिमान होती है और विश्व के कुछ अशांत समुद्रों का निर्माण करती हैं। इन अशांत समुद्रों में नाविकों को जहाज चलाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- ACC अंटार्कटिक महाद्वीप को घेरे हुए है तथा अटलांटिक, हिन्द और प्रशांत महासागरों के दक्षिणी भाग से होकर पूर्व की ओर प्रवाहित होती है।

Q 92.A

- **अर्थशास्त्र में, "लम्प ऑफ लेबर फैलेसी (Lump of labor fallacy)" एक भ्रांतिपूर्ण अवधारणा है। यह अवधारणा इस विचार पर आधारित है कि किसी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध कार्य की कुल मात्रा, श्रम की एक निश्चित "मात्रा या लम्प" की भांति निश्चित होती है।**
- **इस भ्रांतिपूर्ण अवधारणा के अनुसार, किसी भी अर्थव्यवस्था में हमेशा एक निश्चित मात्रा में ही काम उपलब्ध होता है और यदि एक व्यक्ति या लोगों के समूह को अधिक काम या रोजगार प्राप्त होता है, तो वह दूसरों के रोजगार की कीमत पर उपलब्ध होता है जो बेरोजगार रह जाते हैं।**
- लम्प ऑफ लेबर फैलेसी की मुख्य विशेषताएं:
  - **निश्चित कार्य आपूर्ति:** इस भ्रांति के अनुसार, अर्थव्यवस्था में काम या रोजगार की मात्रा निश्चित होती है और एक समूह के लिए रोजगार में किसी भी प्रकार की वृद्धि का अर्थ, अनिवार्य रूप से दूसरों के लिए रोजगार में रोजगार में कमी है।
  - **गतिशील अर्थव्यवस्था:** वास्तविकता में, अर्थव्यवस्थाएं गतिशील होती हैं और परिवर्तनों को स्वीकार कर सकती हैं। उपलब्ध कार्य की मात्रा निश्चित नहीं होती है; अर्थात अर्थव्यवस्था में वृद्धि, नए उद्योगों के उदय तथा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ इसका विस्तार हो सकता है।
  - **उत्पादकता और नवोन्मेष:** तकनीकी उन्नति और उत्पादकता में वृद्धि से नई नौकरियों और उद्योगों का सृजन हो सकता है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था विकसित होती हैं और नए अवसर उत्पन्न होते हैं, कुछ विशेष तरह की नौकरियां अप्रचलित हो सकती हैं।
  - **श्रम बाजारों की भ्रांतिपूर्ण समझ:** लम्प ऑफ लेबर फैलेसी प्रायः श्रम बाजार के संचालन के संदर्भ में भ्रांतिपूर्ण समझ से उत्पन्न होती है। इसे गलती से शून्य-सम गेम (Zero-sum game) मान लिया जाता है, जिसमें रोजगार के संदर्भ में एक व्यक्ति का लाभ (रोजगार मिलना) दूसरे व्यक्ति की हानि (रोजगार खोना) होती है।
- नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और आम जनता के लिए श्रम संबंधी भ्रम को समझना और दूर करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इस विचार का समर्थन करता है कि आर्थिक संवृद्धि और तकनीकी प्रगति से काम के एक निश्चित पूल के बजाय जीवन स्तर और रोजगार के अवसरों में समग्र सुधार हो सकता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 93.C

- **उत्पादन कर,** उत्पादन की मात्रा (volume) पर निर्भर नहीं होते हैं। यह अक्सर उस समय भी लगाया जाता है जब उत्पाद का उत्पादन नहीं किया जाता है। उत्पादन करों का भुगतान उत्पादन से संबंधित होता है और ये वास्तविक उत्पादन की मात्रा पर निर्भर नहीं होते हैं। उत्पादन कर के कुछ उदाहरण भू-राजस्व, **स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क तथा व्यावसायिक कर हैं। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
- इसी प्रकार, उत्पादन सब्सिडी उत्पादन के संबंध में प्राप्त होती है और ये वास्तविक उत्पादन की मात्रा पर निर्भर नहीं होती हैं। उत्पादन सब्सिडियों के कुछ उदाहरण - रेलवे को सब्सिडी, **किसानों को इनपुट सब्सिडी**, गांवों और लघु उद्योगों को सब्सिडी, निगमों या सहकारी समितियों को प्रशासनिक सब्सिडी।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **उत्पाद कर,** उत्पादित मात्रा पर निर्भर होते हैं और इनका भुगतान उत्पाद की प्रति इकाई पर किया जाता है। यद्यपि उत्पाद कर उत्पादकों पर लगाए जाते हैं किंतु ये अंतिम रूप से उपभोक्ताओं द्वारा वहन किए जाते हैं (क्योंकि यह एक अप्रत्यक्ष कर है)। उदाहरण के लिए: **GST**, सेवा कर तथा आयात और निर्यात शुल्क आदि।
- **उत्पाद सब्सिडियां** उत्पादित मात्रा पर निर्भर होती हैं और इन्हें उत्पाद की प्रति इकाई पर प्राप्त किया जाता है। उदाहरण के लिए: भोजन, पेट्रोलियम और उर्वरक पर सब्सिडी, किसानों, परिवारों को दी जाने वाली ब्याज सब्सिडी, कम दरों पर परिवारों को बीमा प्रदान करने के लिए सब्सिडी इत्यादि।

Q 94.A

- भारत में, स्पॉट एक्सचेंज ऐसे **इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म** होते हैं जो **कृषि वस्तुओं, धातुओं और बुलियन (सोना-चांदी) सहित निर्दिष्ट वस्तुओं के संबंध में स्पॉट डिलीवरी अनुबंध प्रदान करके इनकी खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करते हैं।**
  - यह बाजार सेगमेंट मुख्य स्टॉक एक्सचेंजों में इक्विटी सेगमेंट की भांति कार्य करता है। वैकल्पिक रूप से, इसे वस्तुओं के विक्रेताओं द्वारा गारंटीकृत प्रत्यक्ष विपणन माना जा सकता है। स्पॉट एक्सचेंज वस्तुओं के व्यापार के लिए स्टॉक एक्सचेंज फ्रेमवर्क में उपलब्ध नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं। यह वस्तुओं के व्यापार में एक अभिनव भारतीय प्रयोग है और "कमोडिटी एक्सचेंज" के रूप जाने वाले एक्सचेंज से भिन्न होता है। कमोडिटी एक्सचेंज, वायदा अनुबंधों के माध्यम से वस्तुओं का व्यापार करते हैं।
  - **स्पॉट एक्सचेंज के लाभ**:
    - ✓ **यह प्रभावी मूल्य निर्धारण में सहायक हो सकता है, क्योंकि कीमतों का निर्धारण परम्परागत 'मंडी' जहां कीमत का निर्धारण केवल स्थानीय भागीदारी से तय होता था, के विपरीत वहीं इसके तहत देश भर के लोगों के व्यापक प्रतिनिधित्व द्वारा मूल्य निर्धारण किया जाता है। इससे मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है।**
    - ✓ अनामिकता विभिन्न मूल्य अवधारणाओं का समामेलन सुनिश्चित करती है क्योंकि क्रेता या विक्रेता प्रत्यक्ष रूप से मिले बिना, केवल व्यापार करने की इच्छा व्यक्त करते हैं।
    - ✓ स्पॉट एक्सचेंज पूरे देश में किसानों, व्यापारियों और प्रसंस्करणकर्ताओं की बड़ी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करके कार्टेलाइजेशन और कमोडिटी बाजारों में प्रचलित ऐसी अन्य अस्वास्थ्यकर प्रथाओं की संभावनाओं को समाप्त कर सकता है।
    - ✓ स्पॉट एक्सचेंज कमोडिटी ट्रेडिंग में कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं की भी शुरुआत कर सकते हैं जैसे, गुणवत्ता के लिए ग्रेडिंग-प्रणाली, जांच करने संबंधी प्रक्रियाओं की सुविधाओं के साथ गोदामों का नेटवर्क बनाना, अपेक्षाकृत कम मात्रा में ट्रेडिंग की सुविधा, लेनदेन की निम्न लागत आदि।
    - ✓ गोदाम में रखी वस्तुओं के लिए आसान शर्तों पर बैंक वित्त की उपलब्धता से धारण क्षमता में सुधार करने के साथ-साथ कृषि उत्पादन को भी प्रोत्साहित कर सकती है। इस प्रकार ग्रामीण निर्धनता को कम करने में भी सहायता प्राप्त होगी।
    - ✓ चूंकि व्यापार गारंटीकृत होता है, अतः इसमें प्रतिपक्ष (counter party) जोखिम नहीं रहता है।
  - भारत में कार्यरत कुछ स्पॉट एक्सचेंज:
    - ✓ **नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (NSEL)** - यह फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज (इंडिया) लिमिटेड (FTIL) और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NAFED) द्वारा समर्थित एक राष्ट्रीय स्तर का कमोडिटी स्पॉट एक्सचेंज है। हालांकि, 2013 से नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड ने काम करना बंद कर दिया है। NSEL ने 15 अक्टूबर 2008 को "लाइव" ट्रेडिंग की शुरुआत की थी।
    - ✓ **NCDEX स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड** - अक्टूबर 2006 में स्थापित
    - ✓ **इंडियन बुलियन स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड** - यह एक ऑनलाइन ओवर-द-काउंटर स्पॉट एक्सचेंज है।
  - **इसलिए कथन 1 सही है और 2 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 95.C

- मांग की आय लोच(Income elasticity of demand) किसी विशेष वस्तु की मांग की मात्रा में परिवर्तन और वास्तविक आय में परिवर्तन के बीच संबंध की माप है। यह उपभोक्ता की आय में परिवर्तन के संदर्भ में एक विशेष उत्पाद की मांग की मात्रा की संवेदनशीलता को संदर्भित करती है।
- मांग की आय लोच की गणना करने का सूत्र है:
  - **मांग की आय लोच = मांग की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन / आय में प्रतिशत परिवर्तन**
- **सामान्य वस्तुओं(Normal goods) की मांग की आय लोच धनात्मक होती है।** जैसे-जैसे आय बढ़ती है, प्रत्येक मूल्य स्तर पर वस्तुओं की मांग भी बढ़ती है। सामान्य आवश्यकताओं के लिए मांग की मात्रा आय के साथ बढ़ेगी, लेकिन इसकी दर में यह वृद्धि विलासिता की वस्तुओं की तुलना में धीमी होगी। इसका कारण यह है कि उपभोक्ता, ग्राहक आवश्यक वस्तुओं को अधिक मात्रा खरीदने के स्थान पर अपनी आय का उपयोग विलासिता की अधिक वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीदने के लिए करेंगे। आय में वृद्धि के दौरान, आवश्यक वस्तुओं की मांग की तुलना में विलासिता के उत्पादों की मांग में अधिक तीव्र दर से वृद्धि होने की प्रवृत्ति होती है। अतः विलासिता की वस्तुओं की मांग की गई मात्रा आय में परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती है।
- **निकृष्ट वस्तुओं(Inferior goods) की मांग की आय लोच ऋणात्मक होती है।** आय बढ़ने के साथ निकृष्ट वस्तुओं की मांग की मात्रा कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, आय में वृद्धि के दौरान सामान्य खाद्य पदार्थों की मांग की मात्रा कम हो जाती है।
- **इसलिए दिए गए दोनों कथन सही हैं।**

Q 96.C

- **हालिया संदर्भ:** कौशल प्रदान करने वाले गैर-सरकारी संगठन (NGO) 'उन्नति' सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) पर सूचीबद्ध होने वाली प्रथम इकाई बन गई है। 'उन्नति' एक गैर-लाभकारी संगठन है।
- SSE स्टॉक एक्सचेंज का एक अलग खंड है जो सामाजिक उद्यमों को स्टॉक एक्सचेंज तंत्र के माध्यम से जनता से धन जुटाने में सहायता प्रदान कर सकता है।
- एक सामाजिक उद्यम के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु, संगठनों को यह प्रदर्शित करना होगा कि उनकी 67% गतिविधियां निम्नलिखित के लिए लक्षित हैं-
  - उपेक्षित या कम सुविधाएं प्राप्त करने वाले जनसंख्या समूह, अथवा
  - वे क्षेत्र जिन्होंने केंद्र या राज्य सरकारों की विकास प्राथमिकताओं के संदर्भ में निम्न प्रदर्शन किया है।
- **गैर-लाभकारी संगठन (NPOs) और लाभकारी सामाजिक उद्यम स्वयं को SSEs में सूचीबद्ध कर सकते हैं।**
- ऐसे उद्यम जो सामाजिक उद्यम के रूप में मान्यता प्राप्त करने के पात्र नहीं हैं वे निम्नलिखित हैं-
  - **कॉर्पोरेट कंपनियां**
  - **राजनीतिक या धार्मिक संगठन या गतिविधियां,**
  - **पेशेवर या व्यापार संघ,**
  - अवसंरचना एवं हाउसिंग कंपनियां, (किफायती आवास निर्माण करने वाली कंपनियों को छोड़कर)
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 97.B

- **हालिया संदर्भ:** वायु सेना के अस्त्र शक्ति-2023 अभ्यास के दौरान, भारत एक ही फायरिंग यूनिट का उपयोग करके 25 किमी की दूरी पर एक साथ चार हवाई लक्ष्यों को भेदने की क्षमता प्रदर्शित करने वाला पहला देश बन गया है। यह परीक्षण आकाश शस्त्र प्रणाली का उपयोग करके किया गया था।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **आकाश शस्त्र प्रणाली** अतिसंवेदनशील क्षेत्रों और स्थलों को हवाई हमलों से सुरक्षा प्रदान करने वाली एक **छोटी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है**। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- **यह ग्रुप मोड या ऑटोनॉमस मोड में एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकती है।** यह बिल्ट-इन इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटर मेजर्स (ECCM) सुविधा से युक्त है। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Q 98.D

- **एंकर निवेशक ऐसे संस्थागत निवेशक होते हैं जिन्हें प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (IPO) खुलने से एक दिन पहले ही IPO शेयरों की पेशकश की जाती है।** जैसा कि नाम से पता चलता है, उन्हें एक निश्चित सहमत मूल्य पर शेयरों को खरीदना होता है ताकि अन्य निवेशकों को यह ज्ञात हो कि प्रस्तुत किए गए शेयरों की मांग है।
- ऐसे हाई नेट वर्थ वाले इंडिविजुअल या उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्ति (HNWI) जो अपने स्वयं के धन को स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं उन्हें एंजेल निवेशक कहा जाता है। एंजेल निवेशक छोटे स्टार्टअप्स या उद्यमों में निवेश करते हैं। प्रायः एंजेल निवेशक उद्यमी के परिवार का सदस्य अथवा मित्र होता है। एंजेल निवेशक व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए एकमुश्त निवेश कर सकते हैं अथवा वे कंपनी के आरंभिक कठिन चरणों में सहयोग देने और आगे बढ़ाने के लिए उसे निरंतर धन प्रदान कर सकते हैं।
- निवेश बैंकर (Investment Banker) एक ऐसा व्यक्ति होता है जो प्रायः किसी वित्तीय संस्थान के भाग के रूप में कार्य करता है और मुख्य रूप से निगमों, सरकारों या अन्य संस्थाओं के लिए पूंजी जुटाने से संबंधित होता है।
- व्यापारी बैंक (Merchant Bank) एक ऐसा बैंक होता है जो अधिकांशतः अंतर्राष्ट्रीय वित्त, कंपनियों के लिए व्यावसायिक ऋण प्रदान करने और जोखिम अंकन से संबंधित कार्य करता है। इन बैंकों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेषज्ञता प्राप्त होती है, जो उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ कार्य करने में विशेषज्ञ बनाता है। एक व्यापारी बैंक, निवेश बैंक के समान सेवाएं दे सकता है, परंतु यह आम जनता को नियमित बैंकिंग सेवाएं प्रदान नहीं करता है।
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 99.C

- भारतीय संदर्भ या हिंदी भाषा में निधि का अर्थ "कोष" होता है। हालांकि, भारतीय वित्तीय क्षेत्र में यह पारस्परिक लाभ पर आधारित किसी ऐसी सोसायटी को संदर्भित करता है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा निधि कंपनी के रूप में अधिसूचित किया गया हो।
- इनका गठन मुख्यतः अपने सदस्यों में मितव्ययिता एवं बचत की प्रवृत्ति को विकसित करने के लिए किया जाता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- निधि व्यापार अर्थात् सदस्यों से उधार लेने और केवल सदस्यों को उधार देने में संलग्न कंपनियों को विभिन्न नामों से जाना जाता है यथा निधि, स्थायी कोष, लाभ कोष, म्यूचुअल बेनिफिट फंड और म्यूचुअल बेनिफिट कंपनी आदि। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- "निधि कंपनियां" कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 620A (लोकसभा द्वारा पारित नए कंपनी विधेयक 2012 की धारा 406) के तहत पंजीकृत कंपनियां होती हैं। इन्हें कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (MCA) द्वारा विनियमित किया जाता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 100.D

- **LIBOR या ICE LIBOR (पहले BBA LIBOR) एक बेंचमार्क दर है जिस दर पर विश्व के अग्रणी बैंक अल्पावधिक ऋण के लिए परस्पर ब्याज वसूलते हैं।**
- ICE LIBOR का तात्पर्य इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज लंदन इंटरबैंक ऑफर रेट (Intercontinental Exchange London Interbank Offered Rate) से है। यह विश्व भर में विभिन्न ऋणों पर ब्याज दरें निर्धारित करने की प्रक्रिया में प्रथम चरण के रूप में कार्य करता है। LIBOR को ICE बेंचमार्क एडमिनिस्ट्रेशन (IBA) द्वारा प्रशासित किया जाता है। यह पांच मुद्राओं पर आधारित है: अमेरिकी डॉलर (USD), यूरो (EUR), पाउंड स्टर्लिंग (GBP), जापानी येन (JPY) और स्विस फ्रैंक (CHF)।
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

VISION IAS
WWW.UPSCMATERIAL.ONLINE

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

24. राष्ट्रीय आय लेखांकन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: किसी अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति, स्टॉक वेरिएबल का एक उदाहरण है।

कथन II: स्टॉक को एक निश्चित समयावधि में निर्धारित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

25. विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) {FCNR (B)} खाते के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. FCNR(B) खाते अनिवासी भारतीयों (NRIs) और समुद्रपारीय निगमित निकायों (OCBs) दोनों द्वारा एक अधिकृत डीलर के पास खोले जा सकते हैं।
2. FCNR(B) खातों में धनराशि के प्रत्यावर्तन अनुमति होती है।
3. इन खातों में जमा राशि भारत के बकाया विदेशी ऋण में शामिल नहीं होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 3

26. अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (EBR) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. EBR के संपूर्ण मूलधन और ब्याज का पुनर्भुगतान सरकारी बजट से किया जाता है।
2. इसे राजकोषीय घाटे की गणना में शामिल नहीं किया जाता है लेकिन सरकार के कुल ऋण में जोड़ा जाता है।
3. राज्य सरकारों को बजटेत्तर उधारी लेने की अनुमति नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

27. समष्टि अर्थशास्त्र के संदर्भ में, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का तात्पर्य है:

(a) कुल अतिरिक्त आय का वह अंश जिसे लोग उपभोग के लिए उपयोग करते हैं।

(b) कुल उपभोग का वह अंश जो भोजन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर व्यय किया जाता है।

(c) आय का वह अंश जिसे भविष्य में उपभोग के लिए बचाया जाता है।

(d) आय का वह अंश जो पूंजी निवेश पर व्यय किया जाता है।

28. भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCAC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानूनी रूप से बाध्यकारी एकमात्र सार्वभौमिक कन्वेंशन है।
2. ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC) कन्वेंशन के संरक्षक के रूप में कार्य करता है।
3. भारत ने कन्वेंशन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

29. निम्नलिखित में से कौन-से देश ने हाल ही में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से अपनी सदस्यता वापस ले ली है?

(a) नाइजीरिया

(b) कतर

(c) लीबिया

(d) अंगोला

30. निम्नलिखित में से कौन-सा "अंतर्निहित मुद्रास्फीति (Built-in Inflation)" को संदर्भित करता है?

(a) बाह्य कारकों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति

(b) सरकारी नीतियों में परिवर्तनों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति

(c) मजदूरी और कीमतों में स्वतः वृद्धि से उत्पन्न मुद्रास्फीति

(d) वित्तीय बाजारों में सट्टा गतिविधियों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति

31. निम्नलिखित बैंकों पर विचार कीजिए:

1. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक
2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
3. शहरी सहकारी बैंक
4. लघु वित्त बैंक
5. स्थानीय क्षेत्र के बैंक

उपर्युक्त में से कितने बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रमाण-पत्र (PSLCs) के व्यापार में भाग लेने के लिए पात्र हैं?

(a) केवल दो

(b) केवल तीन

(c) केवल चार

(d) सभी पांचों

32. टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (TOT) मॉडल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. TOT मॉडल को राजमार्ग क्षेत्रक में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विकसित किया गया था।
2. इस मॉडल के तहत, राष्ट्रीय राजमार्गों को अल्पावधि के लिए निजी संस्थाओं को पट्टे पर दे दिया जाता है।
3. TOT ऑपरेटर, NHAI द्वारा निर्धारित दरों के आधार पर उपयोगकर्ता शुल्क एकत्रित करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

33. वित्त के संदर्भ में, 'कुल व्यय अनुपात (TER)' पद का तात्पर्य है:

(a) उत्पाद की एक इकाई का उत्पादन करने के लिए आवश्यक पूंजी की मात्रा।
(b) किसी कंपनी के एक शेयर के स्थान पर दूसरी कंपनी के एक शेयर को चुनने से होने वाले संभावित लाभ की हानि।
(c) म्यूचुअल फंड के प्रबंधन और संचालन से जुड़ी कुल लागत।
(d) किसी बैंक की जोखिम भारित परिसंपत्तियों और वर्तमान देनदारियों के संबंध में उसकी पूंजी का अनुपात।

34. पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (PIDF) योजना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका उद्देश्य भौतिक प्वाइंट ऑफ सेल (PoS) टर्मिनल्स जैसी भुगतान स्वीकृति अवसंरचना की संख्या को बढ़ाना है।
2. PIDF एक सलाहकार परिषद के माध्यम से शासित होता है तथा वित्त मंत्रालय द्वारा प्रबंधित और प्रशासित किया जाता है।
3. PIDF के तहत कार्य करने के लिए पी.एम. विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को पात्र व्यापारियों के रूप में शामिल किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बॉण्ड के मूल्य और बॉण्ड यील्ड के बीच व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।
2. बॉण्ड यील्ड और ब्याज दरों के बीच व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।
3. ब्याज दरों और बॉण्ड के मूल्य के बीच व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

36. अधिभार और उपकर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उपकर और अधिभार, दोनों से एकत्रित आय को भारत की संचित निधि में जमा किया जाता है।
2. भारत में राज्य सरकारें कोई उपकर नहीं लगा सकती हैं।
3. अधिभार से प्राप्त आय को भारत की संचित निधि में एकत्रित करने के बाद एक अलग निधि के रूप में रखा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

37. निम्नलिखित सूचकांकों पर विचार कीजिए:

1. फिजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स
2. बेटर लाइफ इंडेक्स
3. ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स
4. जेंडर इनेक्वलिटी इंडेक्स

उपर्युक्त में से कितने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चारों

38. श्रम बाजार में "जॉब पोलराइजेशन" की अवधारणा किससे संबंधित है?

(a) उच्च-कौशल और निम्न-कौशल वाली नौकरियों में समकालिक वृद्धि के साथ-साथ मध्यम-कौशल वाली नौकरियों में गिरावट से
(b) सभी कौशल स्तरों पर नौकरी के अवसरों के समान वितरण से
(c) निम्न-कौशल वाली नौकरियों के उन्मूलन और उच्च-कौशल वाली नौकरियों के विस्तार से
(d) श्रम बाजार में रोजगार की चक्रीय प्रकृति से

39. सकल पूंजी निर्माण के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सकल पूंजी निर्माण देश के कुल व्यय का वह हिस्सा होता है जिसका उपभोग नहीं किया जाता है बल्कि इसे देश की अचल परिसंपत्तियों और स्टॉक में जोड़ दिया जाता है।
2. यह अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रकों के वर्तमान व्यय की तुलना में वर्तमान आय की अधिकता को दर्शाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

40. विंडफॉल टैक्स के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह तब अधिरोपित किया जाता है जब कंपनियां अन्य कंपनियों के साथ मिलकर कीमतें बढ़ा देती हैं।
2. हाल ही में, इसे भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग पर लगाया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

41. राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत गठित किया गया एक वैधानिक निकाय है।
2. NFRA लेखांकन और लेखा परीक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करता है और उन्हें लागू करता है
3. यह कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली लेखांकन और लेखा परीक्षा नीतियों एवं मानकों की भी सिफारिश करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

42. 'ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा शुरू की गई एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा पहल है।
2. इसे दक्षिण चीन सागर में जहाजों के सुरक्षित आवागमन में सहयोग करने के लिए शुरू किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

43. बैंकिंग स्थिरता सूचकांक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह सूचकांक वित्तीय संस्थानों, मुख्य रूप से बैंकों की परस्पर निर्भरता के स्तर को मापता है।
2. इसे द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

44. 'इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके तहत तैयार माल पर उच्च आयात शुल्क जबकि मध्यवर्ती माल पर निम्न आयात शुल्क आरोपित किया जाता है।
2. इसका घरेलू विनिर्माण उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

45. भारत में सार्वजनिक ऋण के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के सार्वजनिक ऋण में बाह्य देयताओं का अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक है।
2. भारत के सार्वजनिक ऋण में एक बड़ी हिस्सेदारी विपणन योग्य प्रतिभूतियों की है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

46. निम्नलिखित में से कौन-सा/से वैयक्तिक आय में शामिल नहीं है/हैं?

1. निगम कर
2. निजी कॉरपोरेट क्षेत्रक की बचत
3. आय अंतरण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1

(d) 1, 2 और 3

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

47. अर्थशास्त्र के संदर्भ में, 'सीमांत उत्पादकता का सिद्धांत' उत्पादन के निम्नलिखित चार कारकों में से किससे संबंधित है?

(a) श्रम

(b) भूमि

(c) पूंजी

(d) उद्यम

48. निम्नलिखित में से कौन-सा आधार प्रभाव(Base effect) पद का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(a) यह मुद्रास्फीति में वर्तमान में होने वाले परिवर्तन के लिए पिछले वर्ष में हुए मूल्य परिवर्तन के योगदान को संदर्भित करता है।

(b) यह तीव्र आर्थिक विकास के कारण मांग में होने वाली वृद्धि के प्रभाव को दर्शाता है।

(c) यह बढ़ते विदेशी निवेश के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करता है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कार्य भारतीय रिजर्व बैंक की 'स्वच्छ नोट नीति' के अनुसार अनुशंसित है/हैं?

1. बैंक नोटों पर लिखना/रबर स्टांप लगाना
2. बैंक नोटों को स्टेपल करना
3. बैंक नोटों का उपयोग माला/खिलौने बनाने के लिए करना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) 1, 2 और 3

(c) केवल 1

(d) कोई नहीं

50. राष्ट्रीय आय लेखांकन के संदर्भ में, निम्नलिखित क्षेत्रों पर विचार कीजिए:

1. अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में भारत के निवासियों द्वारा संचालित मछली पकड़ने वाली नौकाएं
2. अन्य देशों में स्थित भारत के सैन्य प्रतिष्ठान
3. भारत में स्थित किसी अन्य देश के दूतावास और वाणिज्य दूतावास
4. भारत में स्थित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के कार्यालय

उपर्युक्त में से कितने भारत के घरेलू क्षेत्र के भाग हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चारों

51. तरलता पाश (Liquidity trap) के दौरान, पारंपरिक मौद्रिक नीति अप्रभावी होने पर क्या कदम उठाया जा सकता है?

(a) ब्याज दरों को और कम करना

(b) सरकारी व्यय में वृद्धि करना

(c) सरकारी बांड का विक्रय करना

(d) पूंजी नियंत्रण लागू करना

52. राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है जो सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल आयोजनों को बढ़ावा देने में योगदान देना जारी रखते हैं।
2. अर्जुन पुरस्कार नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन की भावना प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया जाता है।
3. द्रोणाचार्य पुरस्कार उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले प्रशिक्षकों को प्रदान किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

53. टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पहल विकासशील देशों के कर प्रशासन के साथ कर लेखा परीक्षा ज्ञान और कौशल साझा करने में सक्षम बनाती है।
2. यह आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की एक संयुक्त पहल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

54. एक लघु वित्त बैंक;

1. की न्यूनतम इक्विटी चुकता पूंजी 500 करोड़ होनी चाहिए।
2. को अपने समायोजित निवल बैंक ऋण (ANBC) का 75% प्राथमिकता प्राप्त ऋण क्षेत्रकों में प्रदान करना आवश्यक है।
3. की 25% शाखाएं बैंक रहित क्षेत्रों में होनी चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

55. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

कथन I: मध्यवर्ती वस्तुओं को राष्ट्रीय आय की गणना में शामिल नहीं किया जाता है।

कथन II: राष्ट्रीय आय में मध्यवर्ती वस्तुओं को शामिल करने से दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

56. हाल ही में, RBI ने स्व-विनियामक संगठनों (SROs) पर एक मसौदा रूपरेखा जारी की है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. SROs सरकारी निकाय हैं जो अपनी सदस्य संस्थाओं के आचरण से संबंधित नियमों और मानकों को निर्धारित और लागू करते हैं।
2. SROs के रूप में कार्य करने की इच्छुक कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

57. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रत्यक्ष करों की विशेषता/विशेषताएं है/हैं?

1. ये स्वभाव से प्रगतिशील होते हैं।
2. ये कर दरों की गणना में बाह्यताओं के प्रभाव को ध्यान में रखते हैं।
3. ये मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए एक साधन के रूप में कार्य करते हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

58. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बालू को खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत एक प्रमुख खनिज के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
2. बालू खनन के संबंध में प्रशासनिक नियंत्रण संबंधित राज्य सरकारों के पास होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

59. यदि बाजार में कुछ उत्पादों की अतिरिक्त मांग होती है जिसके कारण उनकी कीमतों में वृद्धि होती है, तो केंद्रीय बैंक डाउन पेमेंट की राशि बढ़ा सकता है और ऐसे ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए किस्तों की संख्या कम कर सकता है। मुद्रास्फीति के नियंत्रण हेतु केंद्रीय बैंक का यह तंत्र संभवतः मौद्रिक नीति के तहत निम्नलिखित में से किस गुणात्मक विधि के उपयोग को दर्शाता है?

(a) साख की राशनिंग (Rationing of credit)

(b) मार्जिन अनिवार्यता (Margin Requirements)

(c) प्रत्यक्ष कार्रवाई (Direct Action)

(d) उपभोक्ता साख विनियमन (Regulation of consumer credit)

60. बैंकों के संदर्भ में, प्रावधान कवरेज अनुपात की गणना की जाती है:

(a) बैड लोन के लिए बैंक के प्रावधानों के कुल मूल्य को उसकी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के कुल मूल्य से विभाजित करके।

(b) बैंक की पूंजी को उसकी कुल जोखिम-भारित परिसंपत्तियों से विभाजित करके।

(c) किसी बैंक के कुल ऋण को उसकी कुल जमा राशि से विभाजित करके।

(d) किसी बैंक के परिचालन व्यय को उसकी परिचालन आय से विभाजित करके।

61. भारतीय शेयर बाजार अर्थात सेंसेक्स (Sensex) और निफ्टी (Nifty) के सूचकांकों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सेंसेक्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार करने वाली शीर्ष 50 कंपनियों का सूचकांक है जबकि निफ्टी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार करने वाली शीर्ष 30 कंपनियों का सूचकांक है।
2. सेंसेक्स के लिए आधार वर्ष 1978-79 है जबकि निफ्टी के लिए आधार वर्ष 1995 है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

62. विधिक इकाई पहचानकर्ता (LEI) एक वैश्विक संदर्भ संख्या है जो एक क्षेत्राधिकार में वित्तीय लेनदेन में संलग्न प्रत्येक विधिक संस्था अथवा इकाई की विशिष्ट रूप से पहचान करता है। भारत में LEI जारी करने का अधिकार निहित है:

(a) क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में

(b) भारतीय रिजर्व बैंक में

(c) कंपनी रजिस्ट्रार, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय में

(d) भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम में

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

63. अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, 'शैडो बैंकिंग' पद से आप क्या समझते हैं?

(a) यह एक अवैध विदेशी मुद्रा बाजार को संदर्भित करता है जहां मुद्रा का व्यापार पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली के बाहर होता है।

(b) यह वास्तव में बैंक शाखा में जाए बिना बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने के प्रावधानों को संदर्भित करता है।

(c) यह ऐसे गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थों को संदर्भित करता है जो पारंपरिक वाणिज्यिक बैंकों के समान सेवाएं प्रदान करते हैं।

(d) यह उन बैंकों में क्रोनी कैपिटलिज्म को दर्शाने हेतु प्रतिपादित पद है जो राजनेताओं और व्यापारिक समूहों के निकट संबंधियों को ऋण प्रदान करते हैं।

64. विदेश से प्राप्त निवल कारक आय (NFIA) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह किसी देश द्वारा विदेश से अर्जित कारक आय और किसी देश द्वारा शेष विश्व को दी जाने वाली कारक आय के बीच का अंतर है।
2. शेष विश्व से अर्जित कारक आय, शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय से कम होने पर NFIA धनात्मक होगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

65. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारत सरकार द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) की पुनर्खरीद का एक लाभ ***नहीं*** है?

(a) यह सरकार को बकाया सरकारी प्रतिभूतियों की परिपक्वता तिथि को आगे बढ़ाने में मदद करती है।

(b) यह सरकारी प्रतिभूतियों के द्वितीयक बाजार की तरलता में सुधार करती है।

(c) यह चालू वर्ष में केंद्र सरकार के सकल राजकोषीय घाटे को कम करती है।

(d) यह ठीक अगले वर्ष में सरकार की निश्चित आय वाली प्रतिभूतियों के पुनर्भुगतान संबंधी दबाव (Redemption pressure) को कम करती है।

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: आर्थिक गिरावट (Downturns) के दौरान चक्रीय बेरोजगारी में वृद्धि होती है।

कथन-II: चक्रीय बेरोजगारी व्यवसाय चक्र में उतार-चढ़ाव से संबंधित होती है, और मंदी के दौरान, व्यवसाय भर्ती में कटौती कर सकते हैं, जिससे बेरोजगारी दर बढ़ सकती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है किन्तु कथन-II सही नहीं है।

(d) कथन-I गलत है किन्तु कथन-II सही है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

67. निम्नलिखित मदों पर विचार कीजिए:

1. PSUs से अर्जित लाभांश और लाभ
2. विनिवेश प्राप्तियां
3. भविष्य निधियां
4. आयकर जैसे प्रत्यक्ष करों से अर्जित राजस्व

उपर्युक्त में से कितने भारत की संचित निधि में शामिल होते हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चारों

68. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक "डेब्ट ओवर हैंग (Debt Overhang)" की स्थिति का सर्वश्रेष्ठ वर्णन करता है?

(a) एक ऐसी स्थिति जिसमें उच्च ब्याज दरों के कारण ऋण का पुनर्भुगतान करना कठिन या असंभव हो जाता है।
(b) एक ऐसी स्थिति जिसमें समस्त मौजूदा आय कुल ऋणों की पुर्नअदायगी करने में व्यय हो जाती है।
(c) एक ऐसी स्थिति जिसमें उधारकर्ता इकाइयों के परिसमापन के कारण मूल ऋण को तुलन पत्र (बैलेंस शीट) से हटा दिया जाता है।
(d) कोई नहीं

69. निम्नलिखित में से कौन-से मुद्रा के कार्य हैं?

1. मूल्य का संचय
2. लेखा की एक इकाई
3. विनिमय का माध्यम

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

70. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. करेंसी (नोट और सिक्के)
2. व्यावसायिक बैंकों द्वारा धारित निवल मांग जमाएं
3. व्यावसायिक बैंकों की निवल सावधि जमाएं
4. डाकघर बचत संगठनों की कुल जमाएं (राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों को छोड़कर)

उपर्युक्त में से कौन-से व्यापक मुद्रा के घटकों में शामिल होते हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

71. निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रायः सुर्ख़ियों में रहने वाले पद 'एंजेल टैक्स' का सर्वश्रेष्ठ वर्णन करता है?

(a) अनन्य रूप से विदेशी कंपनियों द्वारा वित्त-पोषित गैर-सूचीबद्ध कंपनियों पर अधिरोपित कर।
(b) स्थानीय व्यवसाय और बाजार के संरक्षण हेतु विदेशी आयात पर अधिरोपित कर।
(c) गैर-सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा शेयर निर्गमन के माध्यम से जुटाई गई पूंजी पर देय आयकर।
(d) टैक्स हेवन देशों से होने वाले पूंजी प्रवाह पर अधिरोपित कर।

72. भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (IFSC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक अल्फा-न्यूमेरिक कोड है जो विशिष्ट रूप से NEFT प्रणाली में भाग लेने वाली बैंक शाखा की पहचान करता है।
2. यह 11 अंकों का कोड है जिसमें पहले 4 अल्फा वर्ण शाखा का प्रतिनिधित्व करते हैं और अंतिम 6 वर्ण बैंक का प्रतिनिधित्व करते हैं।
3. इस कोड में एक शून्य अवश्य होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

73. बाजार कीमतों पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद और बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद के बीच क्या अंतर है?

(a) विदेश से प्राप्त निवल कारक आय

(b) मूल्यह्रास

(c) निवल अप्रत्यक्ष कर

(d) अप्रत्यक्ष कर और सब्सिडी

74. UPI टैप एंड पे सुविधा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. UPI टैप एंड पे सुविधा क्विक रिस्पॉन्स (QR) कोड की आवश्यकता के बिना भुगतान शुरू कर सकती है।
2. यह भुगतानकर्ता की UPI ID के बारे में विवरण प्राप्त करने के लिए ब्लूटूथ तकनीक का उपयोग करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

75. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. शेयर किसी कंपनी द्वारा निश्चित ब्याज दर पर जारी किए गए ऋण लिखत होते हैं।
2. शेयरधारकों को कंपनी की सामान्य बैठकों में वोट देने का कोई अधिकार नहीं मिलता है।
3. डिबेंचर की तुलना में शेयरों को जोखिमपूर्ण निवेश माना जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

76. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए:

1. जापान
2. भारत
3. संयुक्त राज्य अमेरिका

उपर्युक्त देशों को सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात के घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(a) 1-3-2

(b) 2-1-3

(c) 1-2-3

(d) 3-1-2

77. बियर मार्केट (Bear Market) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह उस बाजार को संदर्भित करता है जो बढ़ रहा होता है।
2. बियर मार्केट में, निवेशक स्टॉक को खरीदने के स्थान पर अपने स्टॉक को शीघ्रता से बेचने का प्रयास करते हैं।
3. इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है तथा रोजगार का स्तर ऊंचा होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

78. भारतीय रिज़र्व बैंक के त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (PCA) फ्रेमवर्क के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. RBI, PCA बैंकों को केवल प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के लिए पूंजीगत व्यय करने की अनुमति दे सकता है।
2. शहरी सहकारी बैंक त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (PCA) के विनियामक ढांचे के अंतर्गत आते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

79. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) - रिटेल डायरेक्ट योजना के उद्देश्य का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(a) बैंक के ऋणदाता को तनावग्रस्त परियोजना की इक्विटी प्राप्त करने की अनुमति देकर बड़ी ऋणग्रस्त परियोजनाओं को वित्तीय पुनर्गठन प्रदान करना।

(b) रेपो दरों को सीधे बैंक दरों से जोड़कर खुदरा मुद्रास्फीति को विनियमित करना।

(c) RBI द्वारा विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए शिकायत निवारण तंत्र में सुधार करना।

(d) व्यक्तिगत निवेशकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश की सुविधा के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करना।

80. निम्नलिखित में से कौन-सा अंतरण भुगतान ***नहीं*** है?

(a) सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा

(b) वृद्धावस्था पेंशन

(c) बेरोजगारी भत्ता

(d) कॉर्पोरेट बेलआउट

81. लागत मुद्रास्फीति सूचकांक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) द्वारा अधिसूचित किया जाता है।
2. इसका उपयोग दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

82. भारतीय रक्षा क्षेत्रक के संदर्भ में, प्रोजेक्ट 15B किसके विकास से संबंधित है?

(a) स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक

(b) परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियां

(c) परमाणु ऊर्जा से संचालित विमानवाहक पोत

(d) उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान

83. वर्ष 2021-22 में केंद्र सरकार के संदर्भ में, व्यय की निम्नलिखित मदों पर विचार कीजिए:

1. रक्षा
2. पेंशन
3. शिक्षा
4. ब्याज भुगतान

उपर्युक्त मदों को व्यय के घटते हुए क्रम में व्यवस्थित कीजिए।

(a) 2-4-1-3

(b) 1-4-2-3

(c) 4-1-2-3

(d) 4-1-3-2

84. निम्नलिखित में से किसे आय के चक्रीय प्रवाह में लीकेज माना जाता है?

1. परिवारों द्वारा बचत
2. निवेश
3. आयात पर खर्च
4. सरकारी खर्च

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 3 और 4

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

85. पिछले 10 वर्षों में भारत में राजकोषीय घाटे की प्रवृत्ति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वर्ष 2020-21 में राजकोषीय घाटा सबसे अधिक था।
2. यह कभी भी GDP के 3 प्रतिशत से कम नहीं रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

86. न्यूनतम वैकल्पिक कर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे सर्वप्रथम विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम, 2005 के तहत प्रस्तुत किया गया था।
2. इसे उन कंपनियों पर लागू नहीं किया जा सकता है जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र की एक इकाई हैं और अपनी आय केवल परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त करती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

87. निम्नलिखित परिच्छेद पर विचार कीजिए:

यह द्वीपों का एक समूह है जो कामचटका प्रायद्वीप (रूस) से होक्काइडो द्वीप (जापान) तक फैला हुआ है। यह ओखोटस्क सागर को प्रशांत महासागर से पृथक करता है। रूस और जापान दोनों ही इस क्षेत्र पर संप्रभुता का दावा करते हैं।

उपर्युक्त परिच्छेद में निम्नलिखित में से किसका वर्णन किया गया है?

(a) पारासेल द्वीप समूह

(b) चागोस द्वीप समूह

(c) स्प्रैटली द्वीप समूह

(d) कुरील द्वीप समूह

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: बैंक आम तौर पर आरक्षित जमा अनुपात को कम रखते हैं।

कथन II: बैंकों के लिए रिजर्व रखना महंगा होता है।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की सही व्याख्या है।

(b) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन I सही है किंतु कथन II गलत है।

(d) कथन I गलत है किंतु कथन II सही है।

89. 'PACE मिशन' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मिशन का उद्देश्य मंगल ग्रह के वायुमंडल का अध्ययन करना है।
2. PACE मिशन, NASA द्वारा विकसित किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

90. द्वितीयक बाजारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. द्वितीयक बाजार में, मौजूदा या सेकेंड-हैंड प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय किया जाता है।
2. द्वितीयक बाजार में प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण उन्हें जारी करने वाली कंपनी के प्रबंधन द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

91. अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट एकमात्र ऐसी धारा है जो संपूर्ण पृथ्वी के चारों ओर प्रवाहित होती है।
2. यह सशक्त पूर्वा पवनों द्वारा गतिमान होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

92. रोजगार के संदर्भ में, "लम्प ऑफ लेबर फैलेसी" की अवधारणा क्या है?

(a) यह विश्वास कि किसी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध कार्य की कुल मात्रा निश्चित होती है।

(b) यह विचार कि श्रमिकों को उनके द्वारा उत्पादित कार्य की मात्रा के आधार पर भुगतान किया जाना चाहिए।

(c) यह धारणा कि प्रौद्योगिकी सदैव रोजगार में वृद्धि करती है।

(d) यह अवधारणा कि श्रम उत्पादन का एकमात्र कारक है।

93. निम्नलिखित में से कौन-सा/से 'उत्पादन कर' का भाग है/हैं?

1. स्टाम्प और पंजीयन शुल्क
2. वस्तु एवं सेवा कर
3. व्यावसायिक कर

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 2

94. स्पॉट एक्सचेंज के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म हैं जो निर्दिष्ट वस्तुओं की खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करते हैं।
2. NCDEX स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड, वर्तमान में देश में कार्यरत एकमात्र स्पॉट एक्सचेंज है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

95. "मांग की आय लोच" के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन- सा/से सही है/हैं?

1. सामान्य वस्तुओं में मांग की आय लोच धनात्मक होती है।
2. निकृष्ट वस्तुओं में मांग की आय लोच ऋणात्मक होती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

96. निम्नलिखित में से कितने सामाजिक उद्यम के रूप में सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) पर सूचीबद्ध होने के लिए मान्यता प्राप्त करने के पात्र ***नहीं*** हैं?

1. लाभकारी सामाजिक उद्यम
2. कॉर्पोरेट फाउंडेशन
3. राजनीतिक या धार्मिक संगठन
4. व्यापार संघ

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चारों

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

97. आकाश शस्त्र प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह कम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।
2. यह शस्त्र प्रणाली कम दूरी पर एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

98. निम्नलिखित में से कौन-सा एंकर निवेशकों को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?

(a) ऐसे हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल (HNWI) जो अपने स्वयं का धन स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं।

(b) ऐसा व्यक्ति जो वित्तीय संस्था के भाग के रूप में कार्य करता है और निगमों के लिए पूंजी जुटाने से संबंधित है।

(c) ऐसी कंपनी जो अधिकतर अंतर्राष्ट्रीय वित्त, कंपनियों के लिए व्यावसायिक ऋण प्रदान करने और जोखिम अंकन से संबंधित कार्य करती है।

(d) ऐसे संस्थागत निवेशक जिन्हें प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (IPO) खुलने से एक दिन पहले ही IPO में शेयरों की पेशकश की जाती है।

99. निधि कंपनी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इनका गठन मुख्यतः अपने सदस्यों में बचत की प्रकृति विकसित करने के लिए किया गया है।
2. ये अपने सदस्यों और गैर-सदस्यों दोनों को ऋण दे सकते हैं।
3. इन्हें कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (MCA) द्वारा विनियमित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 2 और 3

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

100. लंदन इंटरबैंक ऑफर रेट (LIBOR) उस दर को संदर्भित करता है जिस पर:

(a) यूरोपीय बैंक अपने ग्राहकों को विदेशी मुद्रा का विक्रय करते हैं।

(b) विश्व के अग्रणी बैंकों द्वारा कॉर्पोरेट क्षेत्र को ऋण प्रदान किया जाता है।

(c) ब्रिटिश बैंक अपने अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों को ऋण प्रदान करते हैं।

(d) विश्व के अग्रणी बैंक अल्पावधिक ऋण के लिए परस्पर से ब्याज वसूलते हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

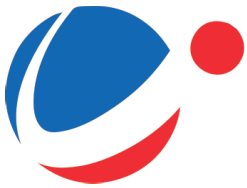

VISIONIAS
www.visionias.in

ANSWERS & EXPLANATIONS
GENERAL STUDIES (P) TEST – 4146 (2024)

Q 1.C

- **नियर मनी (Near money)** एक वित्तीय आर्थिक शब्दावली है। इसे कभी-कभी **'मुद्रा सदृश्य' या 'नकद समतुल्य'** भी कहा जाता है। **उच्च तरलता वाली तथा आसानी से नकदी में परिवर्तन की जा सकने वाली गैर-नकद परिसंपत्तियों को 'नियर मनी' कहा जाता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **नियर मनी**
  - विश्लेषणकर्ता 'नियर मनी' की अवधारणा का उपयोग वित्तीय परिसंपत्तियों की तरलता तथा तरलता से निकटता (Nearness of liquidity) को समझने और मापने के लिए करते हैं।
  - कॉर्पोरेट वित्तीय लेखा के विश्लेषण और धन की आपूर्ति के प्रबंधन में नियर मनी और उसकी तरलता से निकटता को समझना आवश्यक है।
  - नियर मनी का विश्लेषण नकदी तरलता, नकद समतुल्य रूपांतरण और जोखिम के लिए मापदंड प्रदान करता है। इसलिए नियर मनी सभी प्रकार के वित्त प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।
  - केंद्रीय बैंक और अर्थशास्त्री धन आपूर्ति के विभिन्न स्तरों के निर्धारण में नियर मनी की अवधारणा का उपयोग करते हैं। नियर मनी से निकटता परिसंपत्ति को M1, M2 या M3 के रूप में वर्गीकृत करने के लिए एक गुणक (Factor) के रूप में कार्य करती है।
  - **नकदी परिवर्तन के लिए आवश्यक वास्तविक समय सीमा के आधार पर नियर मनी की तरलता से निकटता अलग-अलग होती है। इसलिए कथन 2 सही है।**
  - नियर मनी को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों में हस्तांतरण शुल्क या आहरणों से जुड़े अर्थदंड भी शामिल हो सकते हैं।
- **नियर मनी परिसंपत्तियों के उदाहरणों में बचत खाते, जमा प्रमाण-पत्र(CDs), विदेशी मुद्राएं, मुद्रा बाजार लेखा, विपणन योग्य प्रतिभूतियां और ट्रेजरी बिल (टी-बिल) शामिल हैं। इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 2.C

- सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी देश की सीमाओं के भीतर एक निश्चित समय अवधि (एक तिमाही या एक वर्ष) में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं (जो अंतिम उपयोगकर्ता द्वारा खरीदी जाती हैं) का मौद्रिक मूल्य है। यह एक राष्ट्र की समग्र आर्थिक गतिविधि की व्यापक माप है।
- **GDP में क्या शामिल नहीं है?**
  - किसी उत्पाद को उसके जीवनकाल में केवल एक बार GDP में शामिल किया जाएगा। इसलिए, पिछली अवधि में उत्पादित परिसंपत्ति और संपत्ति से जुड़े मौजूदा लेनदेनों को चालू GDP में शामिल नहीं किया जाता है। उदाहरण के लिए, यदि वर्ष 2000 में निर्मित लैपटॉप को 2006 में दोबारा बेचा जाता है, तो 2006 की GDP में लैपटॉप के पुनर्विक्रय मूल्य को शामिल नहीं किया जाएगा यह केवल स्वामित्व का हस्तांतरण है, क्योंकि इससे किसी नए मूल्य का सृजन नहीं होगा।
  - अन्य क्रियाकलाप जिन्हें GDP में शामिल नहीं किया जाता है, वे हैं - **सरकारी सामाजिक सुरक्षा और कल्याण भुगतान (अंतरण भुगतान), स्टॉक और बॉण्ड में किया गया वर्तमान विनिमय और वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल्यों में हुआ परिवर्तन।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- GDP में सभी उत्पादक क्रियाकलाप शामिल नहीं किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, **अवैतानिक कार्य (जैसे कि, घर में या स्वयंसेवकों द्वारा किया गया कार्य) और काला-बाजारी** जैसे क्रियाकलापों **को GDP में शामिल नहीं किया जाता है। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि उन्हें सटीक रूप से मापना और मूल्यांकित करना कठिन होता है।**

- मौजूदा भवन में एक कमरे के निर्माण को GDP में शामिल किया जाता है क्योंकि यह सकल निवेश का हिस्सा है। **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 3.A

- **लागतजन्य मुद्रास्फीति (Cost-push inflation)** उत्पादन लागतों में वृद्धि के कारण सामान्य मूल्य स्तर में वृद्धि का वर्णन करती है। यह मुद्रास्फीति अक्सर मजदूरी में वृद्धि, कच्चे माल की उच्चतर कीमतों या बाह्य आपूर्ति आघातों जैसे कारकों के कारण उत्पन्न होती है।
- **मौद्रिक नीति मुख्यतः अर्थव्यवस्था के मांग पक्ष पर ध्यान केंद्रित करती है।** मांग पक्ष ब्याज दरों और मुद्रा आपूर्ति जैसे कारकों को प्रभावित करके समग्र व्यय को नियंत्रित करता है। **हालांकि, लागतजन्य मुद्रास्फीति को प्रेरित करने वाले आपूर्ति पक्ष से संबंधी कारकों से निपटने में इसकी प्रभावशीलता कम हो सकती है। इसलिए कथन-I सही है।**
- जब उत्पादन लागत में वृद्धि होती है, तो व्यवसाय लागतों में होने वाली इस वृद्धि को वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य में वृद्धि के माध्यम से उपभोक्ताओं पर डाल सकते हैं। **ब्याज दरों के समायोजन जैसे मौद्रिक नीतिगत उपाय, आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण उत्पन्न लागतजन्य मुद्रास्फीति को प्रत्यक्षतः कम नहीं कर सकते हैं। इसलिए कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II कथन I की सही व्याख्या है।**
- उदाहरण के लिए, ब्याज दरों में वृद्धि से कुल व्यय में कमी होगी जिससे मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है, लेकिन यह प्रत्यक्षतः उत्पादन लागत में वृद्धि को नियंत्रित नहीं कर सकती है।

Q 4.C

(In ₹ crores)

	Actuals 2021-2022	Budget Estimates 2022-2023	Revised Estimates 2022-2023	Budget Estimates 2023-2024
REVENUE RECEIPTS				
Tax Revenue				
Gross Tax Revenue	**2709315.08**	**2757820.13**	**3043067.49**	**3360858.44**
Corporation Tax	712037.33	720000.00	835000.00	922675.00
Taxes on Income	696243.22	700000.00	815000.00	900575.00
Wealth Tax	12.81	...	...	...
Customs	199728.30	213000.00	210000.00	233100.00
Union Excise Duties	394643.79	335000.00	320000.00	339000.00
Service Tax	1011.82	2000.00	1000.00	500.00
Goods and Services Tax (GST)#	698113.88	780000.00	854000.00	956600.00

- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 5.C

- राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (Periodic Labour Force Survey: PLFS) की शुरुआत की थी।
- PLFS के मुख्यतः दो उद्देश्य हैं:
  - वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (CWS) में केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तीन माह के अल्पकालिक अंतराल पर प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (अर्थात श्रमिक-जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना।
  - प्रति वर्ष ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (ps+ss) और CWS में रोजगार तथा बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान लगाना।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **कार्यकलाप स्थिति- सामान्य स्थिति**: किसी भी व्यक्ति के कार्यकलाप की स्थिति का निर्धारण निर्दिष्ट संदर्भ अवधि के दौरान उस व्यक्ति द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर किया जाता है। जब सर्वेक्षण की तारीख से ठीक पहले के 365 दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर कार्यकलाप की स्थिति का निर्धारण किया जाता है तो इसे उस व्यक्ति के सामान्य कार्यकलाप की स्थिति के तौर पर जाना जाता है।
- **कार्यकलाप स्थिति- वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (CWS):** जब सर्वेक्षण की तारीख से ठीक पहले के सात दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर कार्यकलाप की स्थिति का निर्धारण किया जाता है तो इसे उस व्यक्ति की वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (CWS) कहा जाता है।
- **श्रम बल भागीदारी दर (LFPR): LFPR को जनसंख्या में श्रम बल के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों (अर्थात कार्य करने वाले या कार्य की तलाश करने वाले या उपलब्ध होने वाले) के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**
  - पूरे भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (ps+ss) में LFPR

Survey period	Rural			Urban			Rural+Urban		
	male	female	person	male	female	person	male	female	person
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2022-23	80.2	41.5	60.8	74.5	25.4	50.4	78.5	37.0	57.9
2021-22	78.2	36.6	57.5	74.7	23.8	49.7	77.2	32.8	55.2
2020-21	78.1	36.5	57.4	74.6	23.2	49.1	77.0	32.5	54.9
2019-20	77.9	33.0	55.5	74.6	23.3	49.3	76.8	30.0	53.5
2018-19	76.4	26.4	51.5	73.7	20.4	47.5	75.5	24.5	50.2
2017-18	76.4	24.6	50.7	74.5	20.4	47.6	75.8	23.3	49.8

  - **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR): WPR को कुल जनसंख्या में रोजगार प्राप्त व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**
  - पूरे भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (ps+ss) में WPR।

Indicator	Rural			Urban			Rural+Urban		
	male	female	person	male	female	person	male	female	person
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2022-23	78.0	40.7	59.4	71.0	23.5	47.7	76.0	35.9	56.0
2021-22	75.3	35.8	55.6	70.4	21.9	46.6	73.8	31.7	52.9
2020-21	75.1	35.8	55.5	70.0	21.2	45.8	73.5	31.4	52.6
2019-20	74.4	32.2	53.3	69.9	21.3	45.8	73.0	28.7	50.9
2018-19	72.2	25.5	48.9	68.6	18.4	43.9	71.0	23.3	47.3
2017-18	72.0	23.7	48.1	69.3	18.2	43.9	71.2	22.0	46.8

  - **इसलिए कथन 2 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **बेरोजगारी दर (UR): UR को श्रम बल में व्यक्तियों के बीच बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**

Indicator	Rural			Urban			Rural+Urban		
	male	female	person	male	female	person	male	female	person
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2022-23	2.7	1.8	2.4	4.7	7.5	5.4	3.3	2.9	3.2
2021-22	3.8	2.1	3.2	5.8	7.9	6.3	4.4	3.3	4.1
2020-21	3.8	2.1	3.3	6.1	8.6	6.7	4.5	3.5	4.2
2019-20	4.5	2.6	3.9	6.4	8.9	6.9	5.0	4.2	4.8
2018-19	5.5	3.5	5.0	7.0	9.8	7.6	6.0	5.1	5.8
2017-18	5.7	3.8	5.3	6.9	10.8	7.7	6.1	5.6	6.0

- **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 6.D

- GDP (PPP) का आशय क्रय शक्ति समता पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद से है। किसी देश के घरेलू बाजार का आकलन करते समय मौद्रिक GDP का उपयोग करने की तुलना में क्रय शक्ति समता (PPP) का उपयोग करना यकीनन अधिक उपयोगी होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि PPP अंतर्राष्ट्रीय बाजार विनिमय दरों का उपयोग करने के बजाय देश की स्थानीय वस्तुओं, सेवाओं और मुद्रास्फीति दरों की सापेक्ष लागत पर ध्यान केंद्रित करता है।
- भारत वर्ष 2008 से क्रय शक्ति समता के आधार पर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वर्ष 2022 में, PPP के आधार पर शीर्ष पांच देश - चीन, अमेरिका, भारत, जापान और रूस थे। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- PPP के आधार पर GDP का मापन करते समय विभिन्न देशों में जीवन यापन की लागत (Cost of living) में अंतर को समायोजित किया जाता है। **भारत में वस्तुएं और सेवाएं अपेक्षाकृत सस्ती होने के कारण भारतीयों की क्रय शक्ति अधिक है।** PPP विधि भारत की GDP को बढ़ा देती है, जिससे इस विधि के आधार पर GDP को मापने से भारत अन्य देशों से आगे निकल सकता है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 7.C

- **बाजार स्थिरीकरण योजना (MSS):** RBI द्वारा बार-बार स्टेरिलाइजेशन का सहारा लेने से सरकारी प्रतिभूतियों का इसका सीमित स्टॉक खत्म हो गया था और भविष्य में इस तरह के किसी उपकरण का सहारा लेने की संभावना कम हो गई थी, इसी बात को ध्यान में रखते हुए MSS योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत भारत सरकार RBI से ऋण लेती है (ऐसी उधारी उसकी सामान्य ऋण आवश्यकताओं के अतिरिक्त होती है) और ट्रेजरी-बिल/दिनांकित प्रतिभूतियां जारी करती है। इसका उपयोग बाजार से अतिरिक्त तरलता को सोखने के लिए किया जाता है। इस प्रकार MSS तरलता समायोजन सुविधा (LAF) और ओपन मार्केट ऑपरेशन (OMO) जैसे उपायों के साथ-साथ RBI की समग्र मौद्रिक नीति को ध्यान में रखते हुए तरलता को सोखने में मदद करने वाली व्यवस्था का निर्माण करती है।
  नोट: स्टेरिलाइजेशन का तात्पर्य घरेलू मुद्रा आपूर्ति और मुद्रास्फीति पर विदेशी मुद्रा हस्तक्षेप के प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा की गई मौद्रिक कार्रवाई से है।
- MSS के तहत जारी की जाने वाली प्रतिभूतियों को MSS प्रतिभूति/बॉण्ड कहा जाता है। ये प्रतिभूतियां RBI द्वारा कराई जाने वाली नीलामियों के माध्यम से जारी की जाती हैं। इन्हें भारत सरकार और RBI द्वारा पारस्परिक सहमति से एक निर्दिष्ट सीमा के अनुसार जारी किया जाता है।
- **ये प्रतिभूतियां ट्रेजरी-बिल/दिनांकित प्रतिभूतियों की सभी विशेषताओं से युक्त होती हैं।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **इन्हें देश के 'केंद्र सरकार के आंतरिक ऋण' के एक भाग के रूप में शामिल किया गया है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **MSS के तहत एकत्रित की गई राशि सरकारी खाते में जमा नहीं की जाती है,** बल्कि RBI के पास एक अलग नकदी खाते में रखी जाती है। इसका उपयोग केवल योजना के तहत जारी किए गए ट्रेजरी-बिल/दिनांकित प्रतिभूतियों के विमोचन/पुनर्खरीद के लिए किया जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**
- हालांकि, वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के कारण राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों की आवश्यकता उत्पन्न हुई। इसलिए फरवरी 2009 में RBI और भारत सरकार के बीच हुए मूल समझौता ज्ञापन में संशोधन किया गया। इस संशोधन द्वारा सरकार को अपनी प्रोत्साहन व्यय संबंधी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए MSS फंड के एक हिस्से को सामान्य सरकारी उधारी में परिवर्तित करने की अनुमति दी गयी।

Q 8.A

- आय का चक्रीय प्रवाह प्रमुख क्षेत्रकों जैसे कि - परिवारों अर्थात घरेलू क्षेत्रक, फर्म अथवा व्यावसायिक क्षेत्रक, सरकारी क्षेत्रक तथा बाह्य क्षेत्रक (शेष विश्व भी कहा जाता है) के मध्य वस्तुओं एवं सेवाओं के निरंतर चक्रीय संचलन को प्रदर्शित करता है। यह प्रकृति में चक्रीय (वर्तुल) होता है क्योंकि यह एक चक्र में चलते हुए प्रारंभिक बिन्दु पर वापस आता है। जब भी राष्ट्रीय उत्पाद का उत्पादन होता है, तो यह राष्ट्रीय आय के रूप में उस उत्पादन पर माँगों (दावों) की समान मात्रा उत्पन्न करता है। आय का चक्रीय प्रवाह किसी अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्रकों में मौद्रिक आय के प्रवाह अथवा वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रवाह को प्रदर्शित करता है।
- चक्रीय प्रवाह के प्रकार: चक्रीय प्रवाह के दो प्रकार होते हैं: (i) वास्तविक चक्रीय प्रवाह अथवा उत्पाद प्रवाह और (ii) आय चक्रीय प्रवाह या मुद्रा प्रवाह।
  - **वास्तविक चक्रीय प्रवाह या उत्पाद प्रवाह:** वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रवाह को वास्तविक चक्रीय प्रवाह के रूप में जाना जाता है। इनमें वास्तविक वस्तुएं एवं सेवाएं शामिल होने के कारण इन्हें वास्तविक चक्रीय प्रवाह कहा जाता है। इसे उत्पाद प्रवाह भी कहा जाता है। **इसलिए विकल्प 1 सही है।**
  - **आय चक्रीय प्रवाह या मुद्रा चक्रीय प्रवाह:** आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में, वस्तुओं एवं सेवाओं और कारक सेवाओं को मुद्रा के आधार पर मूल्य प्रदान किया जाता है। परिवार फर्मों से भूमि का किराया, श्रम के लिए मजदूरी, पूंजी के लिए ब्याज और उद्यमिता के लिए लाभ प्राप्त करते हैं तथा व्यावसायिक फर्मों को उनके द्वारा आपूर्ति कराई गई वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए भुगतान करते है। फर्मों और परिवारों के बीच मुद्रा के इस प्रवाह को मुद्रा चक्रीय प्रवाह कहा जाता है। **इसलिए विकल्प 2 और 3 सही नहीं हैं।**

Q 9.C

- **हालिया संदर्भ:** केंद्र द्वारा राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद (NSAC) का पुनर्गठन किया गया है।
- **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) ने** 2020 में **'राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद' का गठन किया था। इसका कार्य देश में नवाचार और स्टार्टअप्स हेतु एक सुदृढ़ इकोसिस्टम बनाने के लिए आवश्यक उपायों पर सरकार को सलाह देना है** ताकि देश में सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सके और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हो सके। **इसलिए कथन 1 और 3 सही हैं।**
- इस पुनर्गठन के तहत केंद्र सरकार ने परिषद में विभिन्न हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई गैर-सरकारी सदस्यों को नामित किया है। इन हितधारकों में सफल स्टार्टअप के संस्थापक, वे दिग्गज जिन्होंने भारत में कंपनियों को बढ़ाया और विस्तारित किया, स्टार्टअप में निवेशकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम व्यक्ति और संघो के प्रतिनिधि शामिल थे।
- इस परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री द्वारा की गई थी। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 10.B

- **हाल ही में, केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने स्पष्ट किया कि OTT प्लेटफॉर्म को दूरसंचार अधिनियम 2023 के तहत विनियमित नहीं किया जाएगा।** दूरसंचार अधिनियम, 2023 दूरसंचार सेवाओं और नेटवर्क के विकास, विस्तार और संचालन से संबंधित कानूनों में संशोधन तथा उन्हें समेकित करता है।
- मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यह **अधिनियम सरकार या सेवा प्रदाताओं को OTT प्लेटफार्मों के माध्यम से भेजे गए संदेशों के एन्क्रिप्शन को तोड़ने या उन्हें रोकने की शक्ति नहीं देता है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **OTT प्लेटफार्मों को** सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत **सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 द्वारा विनियमित किया जाता है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Q 11.C

- **केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'पालना' योजना के तहत पूरे देश में आंगनबाड़ी केंद्रों के भीतर 17,000 क्रेच स्थापित करने की योजना बनाई है।** पालना योजना **मिशन शक्ति के तहत संचालित** एक उप-योजना है। इसका उद्देश्य कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने हेतु कामकाजी माताओं के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण और किफायती 'डे-केयर' सुविधाएं प्रदान करना है।
- पालना योजना का उद्देश्य:
  - **कामकाजी माताओं के बच्चों (6 माह से 6 वर्ष तक) के लिए डे-केयर सुविधाएं प्रदान करना है। इसलिए कथन 1 सही है।**
  - क्रेच सुविधाएं स्थापित करने हेतु **मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के अनुपालन की निगरानी करना।** इस अधिनियम के तहत पचास या अधिक कर्मचारियों वाले प्रत्येक प्रतिष्ठान को एक निर्धारित दूरी के भीतर क्रेच की सुविधा प्रदान करना आवश्यक है। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - **बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक क्षमताओं के विकास को बढ़ावा देना।**
- **इसका उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना नहीं है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 12.C

- पूंजी संरक्षण बफर (capital conservation buffer: CCB) को **सामान्य अवधि के दौरान (अर्थात् तब जब संकट का समय न चल रहा हो) बैंकों द्वारा पूंजी बफर के निर्माण को सुनिश्चित करने हेतु तैयार किया गया है। इसका प्रयोग बैंकों द्वारा संकट के समय में किया जा सकता है।**
- न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं के उल्लंघन से बचने हेतु तैयार यह बफर सरल पूंजी संरक्षण नियमों पर आधारित होता है। इसलिए, पूंजीगत पर्याप्तता अनुपात के न्यूनतम 8% को संरक्षित रखने के अतिरिक्त, बैंकों को भविष्य में संकट की स्थिति का सामना करने के लिए जोखिम भारित परिसंपत्तियों (RWA) के 2.5% के बराबर पूंजी संरक्षण बफर को संरक्षित रखने की आवश्यकता होती है। यह उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार के संकट की स्थिति का सामना करने में सक्षम बनाएगा।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 13.A

- सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख सब्सिडी निम्नानुसार हैं

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

(In ₹ Crores)

Subsidy Scheme Name	2021-2022 Actuals	2022-2023 Budget Estimates	2022-2023 Revised Estimates	2023-2024 Budget Estimates
Food	**288968.54**	**206831.09**	**287194.05**	**197350.00**
1. Food Subsidy	288968.54	206831.09	287194.05	197350.00
Fertiliser	**153758.10**	**105222.32**	**225220.16**	**175099.92**
1. Nutrient based Subsidy	52769.97	42000.00	71122.23	44000.00
2. Urea Subsidy	100988.13	63222.32	154097.93	131099.92
Petroleum	**3422.60**	**5812.50**	**9170.50**	**2257.09**
1. LPG Subsidy	3421.07	5812.50	9170.50	2257.09
2. Direct Benefit Transfer-Kerosene	1.53	...	...	...

- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 14.A

- **डायनेमिक स्कोरिंग (Dynamic scoring) में समय के साथ विभिन्न आर्थिक चरों पर राजकोषीय नीतिगत प्रस्तावों के पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना शामिल होता है। यह दृष्टिकोण स्टेटिक स्कोरिंग पद्धति से अधिक व्यापक है। ज्ञातव्य है कि स्टेटिक स्कोरिंग पद्धति में सामान्यतः सरकारी राजस्व और परिव्यय पर पड़ने वाले नीतिगत परिवर्तनों के तत्काल और प्रत्यक्ष प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।**
- डायनेमिक स्कोरिंग पद्धति में, विश्लेषकों द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं, जैसे आर्थिक विकास, रोजगार, निवेश और समग्र कल्याण पर राजकोषीय नीतियों के व्यापक और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार किया जाता है। इस पद्धति में नीतिगत परिवर्तनों के समय के साथ विकसित होने वाले व्यापक प्रभाव हो सकते हैं।
- इस दृष्टिकोण में अर्थव्यवस्था के भीतर गतिशील पारस्परिक क्रियाओं और फीडबैक लूप को ध्यान में रखा जाता है। उदाहरण के लिए, कर कटौती उपभोक्ताओं में व्यय करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित कर सकती है, जो बदले में, व्यापार संबंधी निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकती है। डायनामिक स्कोरिंग का उद्देश्य इन जटिल पारस्परिक क्रियाओं को आकलन में शामिल करना है।
- यह राजकोषीय नीतिगत परिवर्तनों के संभावित परिणामों की अधिक व्यापक समझ प्रदान करता है। साथ ही, यह नीति निर्माताओं को केवल अल्पकालिक बजटीय निहितार्थों पर ध्यान देने के बजाय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले समग्र प्रभाव का आकलन करने की सुविधा प्रदान करता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 15.B

- **त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (QES) को श्रम ब्यूरो द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें नौ प्रमुख क्षेत्रकों के दस या उससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को कवर किया जाता है। ध्यातव्य है कि इन नौ प्रमुख क्षेत्रकों में विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्तरां, आईटी/बीपीओ और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।**
  - **इसलिए कथन 1 सही नहीं है और कथन 2 सही है।**
- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय(MoSPI) द्वारा आयोजित छठी आर्थिक जनगणना (2013-14) के अनुसार, दस या उससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों में नियोजित कुल रोजगार का लगभग 83 प्रतिशत इन नौ क्षेत्रकों में कार्यरत है।
- अब तक वित्त वर्ष 2022 की 4 तिमाहियों को कवर करते हुए QES के 4 दौरों के परिणाम जारी किए जा चुके हैं। QES के चौथे दौर (जनवरी से मार्च 2022) के अनुसार 9 चुने हुए क्षेत्रकों में अनुमानित कुल रोजगार 3.2 करोड़ था। यह आंकड़ा QES के पहले दौर (अप्रैल से जून 2021) में अनुमानित रोजगार की तुलना में लगभग 10 लाख अधिक है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही (Q1) से इसी वर्ष की चौथी तिमाही (Q4) तक श्रमिकों के अनुमान में होने वाली वृद्धि आईटी/बीपीओ (17.6 लाख), स्वास्थ्य (7.8 लाख) तथा शिक्षा (1.7 लाख) जैसे क्षेत्रकों में बढ़ते हुए रोजगार से प्रेरित थी। यह वृद्धि मुख्यतः अर्थव्यवस्था में बढ़ते डिजिटलीकरण और सेवा क्षेत्रक के पुनरुत्थान के कारण हुई थी।
- जहां तक रोजगार की अवधि का प्रश्न है, वित्त वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में कुल श्रमबल में 86.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ नियमित कर्मचारियों की सभी क्षेत्रकों में प्रधानता थी। विनिर्माण (12.4 प्रतिशत) और निर्माण (19.0 प्रतिशत) के क्षेत्रकों को छोड़कर, इन नौ क्षेत्रकों के कार्यबल में संविदा कर्मचारियों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है।

Q 16.C

- भारत में मुद्राओं को RBI द्वारा जारी किया जाता है जिसके लिए उसे सोने और विदेशी मुद्रा के एक निश्चित भंडार को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। वर्तमान में, मुद्रा जारी करने हेतु RBI न्यूनतम आरक्षित प्रणाली (Minimum Reserve System: MRS) का अनुपालन करता है। इस प्रणाली का अनुपालन वर्ष 1956 से किया जा रहा है।
- **न्यूनतम आरक्षित प्रणाली के तहत, RBI को सोने के सिक्के व बुलियन और विदेशी मुद्राओं को मिलाकर न्यूनतम 200 करोड़ रुपये का रिजर्व रखना होता है। कुल 200 करोड़ रुपये में से 115 करोड़ रुपये सोने के सिक्के या बुलियन के रूप में होने चाहिए।** MRS को अपनाने का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में बढ़ते लेनदेन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए धन आपूर्ति को बढ़ाना था।
- न्यूनतम आरक्षित राशि विश्वास का प्रतीक है। इसका RBI द्वारा जारी की जाने वाली नई मुद्राओं की मात्रा से कोई व्यावहारिक संबंध नहीं होता है। न्यूनतम आरक्षित प्रणाली के तहत RBI रिजर्व बनाए रखकर असीमित मात्रा में मुद्राएं जारी कर सकता है। हालांकि, RBI द्वारा आर्थिक संवृद्धि और लोगों की लेनदेन संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर नई मुद्राएं जारी करने हेतु कुछ सिद्धांतों या नियमों का पालन किया जाता है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 17.D

- **हालिया संदर्भ:** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स ईज (Logistics Ease Across Different States: LEADS) धारणा सर्वेक्षण जारी किया गया है। इसमें क्षेत्रीय स्तर पर विद्यमान कुछ लॉजिस्टिक्स और राज्यों के प्रदर्शन से संबंधित चुनौतियों को उजागर किया है। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- लीड्स (LEADS) में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) के लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम के प्रदर्शन का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। LEADS की परिकल्पना 2018 में विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (LPI) की तर्ज पर की गई थी। हालांकि, LPI पूर्णतः धारणा-आधारित सर्वेक्षणों पर निर्भर है, जबकि LEADS में धारणा के साथ-साथ वस्तुनिष्ठता का भी समावेश किया गया है जिससे इस सर्वेक्षण की वैधता और व्यापकता बढ़ जाती है।

Q 18.B

- **वेंचर कैपिटल** ऐसा वित्तपोषण होता है जिसे निवेशकों द्वारा दीर्घकालिक विकास की क्षमता वाली स्टार्टअप कंपनियों और छोटे व्यवसायों में निवेश किया जाता है। सामान्यतः यह निवेश संपन्न निवेशकों, निवेश बैंकों और किसी अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाता है। हालांकि, यह हमेशा केवल मौद्रिक रूप में ही नहीं होता है; इसे तकनीकी या प्रबंधकीय विशेषज्ञता के रूप में भी प्रदान किया जा सकता है। **इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**
    - वेंचर पूंजीपति एक ऐसे मजबूत उत्पाद या सेवा में निवेश करने का अवसर तलाशता है जिसके पास एक मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक लाभ, एक प्रतिभाशाली प्रबंधन टीम और व्यापक संभावित बाजार उपलब्ध हो। एक बार जब वेंचर पूंजीपति आश्वस्त हो जाते हैं और उनमें निवेश कर लेते हैं, तो वे इन स्टार्टअप्स को सफल कंपनियों बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे इसी स्तर पर वास्तविक मूल्य वर्धन करते हैं। अन्य क्षेत्रों के अतिरिक्त, वे कंपनी के रणनीतिक लक्ष्य को निर्धारित करने और वरिष्ठ प्रबंधन की नियुक्ति में भी सहायता करते हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **एंजेल निवेशक -** छोटे व्यवसायों या उभरते उद्योगों में सफल होने की संभावना वाले व्यवसायों (Up-And-Coming Businesses) के लिए, सामान्यतः पूंजी उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों (HNWIs) द्वारा प्रदान की जाती है। इन्हें प्रायः 'एंजेल निवेशक' भी कहा जाता है। एंजेल निवेशक आम तौर पर ऐसे व्यक्तियों का एक विविधतापूर्ण समूह होता है जिन्होंने विभिन्न स्रोतों से अपनी संपदा एकत्र की होती है। ये निवेशक स्वयं भी उद्यमी होते हैं या हाल ही में अपने द्वारा स्थापित किये गए बिज़नेस एम्पायर से सेवानिवृत्त एक्ज़ीक्यूटिव होते हैं।
    - एंजेल निवेशक मुख्य रूप से वित्तीय सहायता ही प्रदान करते हैं। हालांकि, यदि आप सलाह मांगते हैं तो वे सलाह दे सकते हैं या वे आपको महत्वपूर्ण व्यक्तियों से परिचित करा सकते हैं, लेकिन वे ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं होते हैं। एंजेल निवेशक की भागीदारी का स्तर कंपनी की इच्छा और कंपनी के प्रति उनके झुकाव पर निर्भर करता है।
- **व्यक्तिगत निवेशक -** व्यवसाय के मालिक प्रायः अपनी कंपनियों में निवेश करने के लिए, विशेष रूप से आरंभिक चरण में परिवार, दोस्तों या करीबी परिचितों पर निर्भर होते हैं। हालांकि इनमे से कितने व्यक्ति स्टार्टअप्स में निवेश कर सकते हैं, इसके संदर्भ में एक कानूनी सीमा निर्धारित की गयी है।
- **पीयर-टू-पीयर लेंडर्स** ऐसे व्यक्ति या समूह होते हैं जो छोटे व्यवसाय के मालिकों को ऋण प्रदान करते हैं। इन निवेशकों के साथ काम करने के लिए उद्यमियों को प्रॉस्पर या लेंडिंग क्लब जैसी पीयर-टू-पीयर लेंडिंग में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनियों में आवेदन करना होता है। उनका आवेदन स्वीकृत हो जाने के पश्चात ऋणदाता उन व्यवसायों को निर्धारित कर सकते हैं जिनका वे समर्थन करना चाहते हैं।

Q 19.D

- **हालिया संदर्भ**: हाल ही में, गृह मंत्रालय (MHA) ने सुरक्षित ई-मेल सेट-अप के प्रावधानों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया। ज्ञातव्य है कि 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में 10,000 ईमेल का प्रसार है।
- केंद्र सरकार ने शून्य विश्वास प्रमाणीकरण/जीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन (ZTA) का उपयोग करके महत्वपूर्ण मंत्रालयों और विभागों में 10,000 उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित ई-मेल प्रणाली स्थापित की है। सरकार ने यह कदम बढ़ते हुए साइबर हमलों को ध्यान में रखते हुए उठाया है।
- **ZTA एक साइबर-सुरक्षा दृष्टिकोण है। इसका उद्देश्य सूचना-प्रौद्योगिकी प्रणालियों के समक्ष निरंतर उत्पन्न हो रहे सुरक्षा जोखिमों का समाधान करना है।** इसमें मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, निरंतर निगरानी आदि का उपयोग किया जाता है। यह तकनीक 'नेवर ट्रस्ट ऑलवेज वेरीफाई' के सिद्धांत पर कार्य करती है। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 20.A

- **मानव विकास सूचकांक (HDI)** को वर्ष 1990 से प्रतिवर्ष **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। यह **मानव विकास रिपोर्ट** का ही भाग है। यह मानव विकास के प्रमुख आयामों में औसत उपलब्धि की एक सारांश माप है। इन आयामों में एक दीर्घायु और स्वस्थ जीवन, ज्ञानवान (knowledgeable) होना और एक बेहतर जीवन स्तर शामिल है।
    - HDI तीनों आयामों में से प्रत्येक के लिए **सामान्यीकृत सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य** है।
    - आयाम के भीतर संकेतकों में शामिल हैं:
        - **दीर्घायु और स्वस्थ जीवन - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा**
        - **ज्ञान - स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष और स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष**
        - **बेहतर जीवन स्तर - प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (PPP डॉलर में)**
    - **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 21.A

- **नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL) :**
  - केंद्रीय बजट 2021-22 में NARCL के गठन की घोषणा की गई थी। इसका उद्देश्य एक ऐसे 'बैड बैंक' का निर्माण करना था जिसमें 500 करोड़ (62.63 मिलियन अमेरिकी डॉलर) और उससे अधिक रुपये के बैड लोन शामिल होंगे। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
  - बाजार में पहले से ही 28 एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियां (ARC) मौजूद हैं। हालांकि, विभिन्न ऋणदाताओं द्वारा धारित की जाने वाली बैड लोन बुक की वृहत और खंडित प्रकृति के कारण, बैंकों की बैलेंस शीट पर बड़ी मात्रा में गैर निष्पादित परिसंपत्तियां (NPA) दिखाई देती हैं। इस प्रकार, NARCL जैसे अधिक उत्तम उपायों एवं विकल्पों की आवश्यकता है।
  - NARCL में दोहरी संरचना होगी - इसमें दबावग्रस्त परिसंपत्तियों की पुनर्वसूली और प्रबंधन के लिए एक एसेट मैनेजमेंट कंपनी (AMC) और एक एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (ARC) शामिल होगी।
  - **यह निजी और सार्वजनिक क्षेत्रक के बैंकों (PSBs) के बीच एक सहयोग है, लेकिन NARCL में PSBs 51% स्वामित्व तक बनाए रखेंगे। इसलिए कथन 2 सही नहीं है**।
  - **यह भारतीय रिजर्व बैंक के साथ वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत एक आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी) के रूप में पंजीकृत है**।
  - **NARCL को बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) से इक्विटी के माध्यम से पूंजीकृत किया जाएगा।** आवश्यकता पड़ने पर यह नया ऋण भी जारी कर सकता है। भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई गारंटी से अग्रिम पूंजी की आवश्यकता कम हो जाएगी। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - NARCL को भारत ऋण समाधान कंपनी लिमिटेड (IDRCL) द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।
  - अगस्त 2022 में, NARCL ने फ्यूचर रिटेल सहित पांच कंपनियों के डिस्ट्रेस लोन संबंधी अकाउन्ट्स को खरीदने की पेशकश की थी।

Q 22.B

- दिसंबर 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने **नोमा (Noma) को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों (Neglected tropical diseases: NTD) की अपनी आधिकारिक सूची में शामिल किया**। यह विश्व की सबसे कम पहचानी गई स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है।
- इसे कैंक्रम ओरिस (Cancrum Oris) या गैंग्रीनस स्टोमाटाइटिस (Gangrenous Stomatitis) के रूप में भी जाना जाता है। **यह मुंह और चेहरे का एक गंभीर गैंग्रीनस रोग है**। इसमें मृत्यु दर (Mortality rate) लगभग 90 प्रतिशत है। यह अत्यधिक गरीबी, कुपोषण और स्वच्छता तक कम पहुंच एवं मुख की ठीक से सफाई न होने कारण होता है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है और कथन 2 सही है।**
- नोमा मुख्य रूप से 2-6 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रभावित करता है और यह गरीब समुदायों में रहने वाले लोगों में सबसे अधिक पाया जाता है। इस रोग को लेकर जागरूकता की अत्यंत कमी है।
- NTD के मामले अक्सर विकासशील देशों में, विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका में पाए जाते हैं, इन देशों में यह रोग विशेष रूप से 3-10 वर्ष की आयु के गरीब बच्चों को प्रभावित करता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 23.A

- केंद्र सरकार के राजकोषीय मापदंड (GDP के प्रतिशत में)

	FY18	FY19	FY20	FY21	FY22 PA	FY23 BE
Revenue Receipts	8.4	8.2	8.4	8.3	9.2	8.5
Gross Tax Revenue	11.2	11.0	10.0	10.2	11.4	10.7
Net tax revenue	7.3	7.0	6.8	7.2	7.7	7.5
Non-tax revenue	1.1	1.2	1.6	1.0	1.5	1.0
Non-debt capital receipts	0.7	0.6	0.3	0.3	0.2	0.3
Non-debt receipts	9.1	8.8	8.7	8.5	9.3	8.9
Total Expenditure	12.5	12.3	13.4	17.7	16.0	15.3
Revenue Expenditure	11.0	10.6	11.7	15.6	13.5	12.4
Capital Expenditure	1.5	1.6	1.7	2.2	2.5	2.9
Fiscal Deficit	3.5	3.4	4.7	9.2	6.7	6.4
Revenue Deficit	2.6	2.4	3.3	7.3	4.4	3.8
Primary Deficit	0.4	0.4	1.6	5.7	3.3	2.8

- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 24.C

- स्टॉक (Stock) और फ्लो (Flow) के बीच अंतर बहुत महत्वपूर्ण होता है और इस अंतर का आधार किसी नियत समय (Point of time) या निर्दिष्ट समयावधि में इनकी मापनीयता होती है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि स्टॉक और फ्लो दोनों वेरिएबल होते हैं। वेरिएबल से तात्पर्य एक मापने योग्य मात्रा से है जो परिवर्तित होती रहती है। राष्ट्रीय आय के आकलन के लिए स्टॉक और फ्लो के बीच का अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।
- **स्टॉक वेरिएबल्स (Stock Variables):**
  - स्टॉक एक ऐसा परिमाण है जो एक निश्चित समय पर मापने योग्य होता है। पूंजी (Capital) एक स्टॉक वेरिएबल है। स्पष्ट रूप से, किसी स्टॉक में कोई समय विस्तार (समय की अवधि) नहीं होता है, जबकि फ्लो में समय का विस्तार होता है। **स्टॉक को एक नियत समय पर निर्धारित किया जाता है।**
  - स्टॉक के उदाहरण हैं - संपदा, बाह्य ऋण, लोन, प्रविष्टियां (ऐसी प्रविष्टियां जिनमें परिवर्तन नहीं होता है), प्रारंभिक स्टॉक, मुद्रा की आपूर्ति (मुद्रा की राशि), जनसंख्या, आदि। **मुद्रा आपूर्ति को एक नियत समय पर मापा जाता है। इसलिए कथन I सही है।**
- **फ्लो वेरिएबल्स (Flow Variables):**
  - फ्लो एक ऐसा परिमाण है जिसे समयावधि के संदर्भ में मापा जाता है। इस प्रकार, फ्लो को एक विशिष्ट अवधि (समय की अवधि) के संदर्भ में निर्धारित किया जाता है, जैसे- घंटे, दिन, सप्ताह, महीने या वर्ष। इसमें एक समय विस्तार होता है। **फ्लो को निश्चित समयावधि में निर्धारित किया जाता है। इसलिए कथन II सही नहीं है।**
  - राष्ट्रीय आय (किसी देश की GDP) एक फ्लो है। फ्लो के अन्य उदाहरण व्यय, बचत, मूल्यह्रास, ब्याज, निर्यात, आयात, सूची में परिवर्तन (केवल सूची नहीं), मुद्रा आपूर्ति में परिवर्तन, ऋण देना (Lending), उधारियां (Borrowing), किराया, लाभ, आदि हैं क्योंकि इन सभी का परिमाण (आकार) समयावधि में मापा जाता है।

Q 25.B

- **विदेशी मुद्रा प्रबंधन (जमा) विनियम, 2000 के तहत अनिवासी भारतीयों (NRI) को अधिकृत डीलरों के पास और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा अधिकृत बैंकों में जमा खाता खोलने की अनुमति देता है।** इन खातों में शामिल हैं:
  - विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) खाता {Foreign Currency Non-Resident (Bank) account: FCNR (B) खाता},

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- अनिवासी बाह्य खाता (Non-Resident External:NRE खाता),
- अनिवासी साधारण रुपया खाता (Non-Resident Ordinary Rupee account :NRO खाता)।

- **FCNR (B) खाते अनिवासी भारतीयों (NRIs) और समुद्रपारीय निगमित निकायों (Overseas Corporate Bodies : OCB) द्वारा अधिकृत डीलर के पास खोले जा सकते हैं।** ये खाते सावधि जमा के रूप में खोले जा सकते हैं। इन खातों में पाउंड स्टर्लिंग, अमेरिकी डॉलर, जापानी येन और यूरो में धनराशि जमा की जा सकती है। इन खातों पर लागू ब्याज दरें RBI द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार निर्धारित होती हैं। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **NRE खाते, NRIs और OCBs द्वारा अधिकृत डीलरों एवं RBI द्वारा अधिकृत बैंकों में खोले जा सकते हैं।** ये खाते बचत, चालू, आवर्ती या सावधि जमा खातों के रूप में हो सकते हैं। इनमें किसी भी स्वीकृत मुद्रा (Currency) में जमा की अनुमति दी गयी है। इन खातों पर लागू ब्याज दरें RBI द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुरूप होती हैं।
- NRO खाते भारत के बाहर रहने वाले किसी भी व्यक्ति द्वारा अधिकृत डीलर या अधिकृत बैंक के पास खोले जा सकते हैं। इन खातों का उद्देश्य भारतीय रुपये में स्थानीय प्रामाणिक (Bonafide) लेनदेन से धन एकत्र करना है। जब कोई निवासी NRI का दर्जा प्राप्त कर लेता है, तो उसके मौजूदा रुपया खातों को NRO खाते के रूप में नामित किया जाता है। ये खाते चालू, बचत, आवर्ती या सावधि जमा खातों के रूप में हो सकते हैं।
- हालांकि, पहले NRIs से संबंधित दो अन्य जमा खाते नामतः अनिवासी (गैर-प्रत्यावर्तनीय) रुपया जमा खाता {Non-Resident (Non-Repatriable) Rupee Deposit Account} और अनिवासी (विशेष) रुपया खाता (Non-Resident (Special) Rupee Account) परिचालन में थे। वर्ष 2002 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन (जमा) विनियम में हुए एक संशोधन के द्वारा 1 अप्रैल 2002 से इन दोनों खातों में जमा को स्वीकार करना बंद कर दिया गया है।
- **कथन 2 सही है और कथन 3 सही नहीं है: FCNR (B) और NRE खातों में धन के प्रत्यावर्तन की अनुमति प्रदान की गई है। इसलिए, इन खातों में जमा राशि भारत की विदेशी ऋण बकाया में शामिल होती है।** NRO में जमा राशि गैर-प्रत्यावर्तनीय है किंतु चालू आय और ब्याज से प्राप्त राशि प्रत्यावर्तनीय है। NRO खातों के खाताधारकों को अपने खातों में जमा बैलेंस राशि में से प्रतिवर्ष 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक की राशि प्रेषित करने की अनुमति है। इसलिए, NRO खातों की जमाओं को भी भारत के विदेशी ऋण में शामिल किया जाता है।
- **प्रत्यावर्तन (Repatriation)**- वित्तीय अर्थों में प्रत्यावर्तन, किसी भी विदेशी मुद्रा को घरेलू मुद्रा में परिवर्तित करने को संदर्भित करता है। कभी-कभी व्यापार लेन-देन, विदेशी निवेश अथवा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के कारण प्रत्यावर्तन आवश्यक होता है। उदाहरण के लिए, जापान की यात्रा से लौटने वाले भारतीय सामान्यतः किसी भी शेष येन को भारतीय रुपए में परिवर्तित करते हुए, अपनी मुद्रा को प्रत्यावर्तित करते हैं। इस शेष येन के विनिमय से प्राप्त होने वाला रुपया, प्रत्यावर्तन के समय दोनों मुद्राओं के मध्य प्रचलित विनिमय दर पर निर्भर करता है।
- जबकि, निवेश और कॉर्पोरेट आय के संदर्भ में प्रत्यावर्तन सामान्यतः किसी भी विदेशी पूंजी को उस देश की मुद्रा (जिसमे वह निगम या निवेशक निवेश करता है) में परिवर्तित करने से संबंधित है। एक व्यापक संदर्भ में प्रत्यावर्तन उद्गम देश में किसी भी वस्तु या किसी भी व्यक्ति की वापसी को संदर्भित करता है। इसमें विदेशी नागरिकों, शरणार्थियों अथवा निर्वासित लोगों सहित एकल व्यक्ति शामिल हो सकते हैं।
- **समुद्रपारीय निगमित निकाय (OCBs)** का तात्पर्य 16 सितंबर, 2003 को अस्तित्ववान और विदेशी मुद्रा प्रबंधन विनियमों के अंतर्गत प्रदत्त सामान्य अनुमति के अनुसार लेनदेन हेतु पात्र एक ऐसी कंपनी, साझेदारी फर्म, सोसायटी एवं अन्य कॉर्पोरेट निकाय से है, जिसमें अनिवासी भारतीयों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से न्यूनतम 60% तक स्वामित्व प्राप्त हो। इसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अनिवासी भारतीयों के न्यूनतम 60% स्थायी एवं लाभकारी हित वाले विदेशी ट्रस्ट भी शामिल हैं। समुद्रपारीय निगमित निकायों की मान्यता को 16 सितंबर, 2003 को समाप्त कर दिया गया था।

Q 26.B

- **अतिरिक्त बजटीय संसाधन (EBR) सार्वजनिक क्षेत्रक के उपक्रमों द्वारा जुटाई गई वित्तीय देयताएं होती हैं। इनसे संबंधित संपूर्ण मूलधन और ब्याज का भुगतान सरकारी बजट से किया जाता है। इसलिए कथन 1 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- इस तरह की उधारियां राज्य के स्वामित्व वाली फर्मों द्वारा सरकारी योजनाओं को निधि प्रदान करने के लिए की जाती है। हालांकि ये सरकारी बजट गणना का भाग नहीं होती हैं।
- **राजकोषीय घाटे की गणना करते समय बजटेत्तर उधारियों को शामिल नहीं किया जाता है। हालांकि उन्हें सरकार के कुल ऋण में जोड़ा जाता है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- इसका अर्थ यह है कि यद्यपि उधारियां भारत की संचित निधि का हिस्सा नहीं है, लेकिन ऐसी उधारियों के लिए ब्याज भुगतान संचित निधि से किया जाता है।
- ये उधारियां भारत सरकार द्वारा गारंटी प्राप्त (Fully Serviced) बॉण्डों और राष्ट्रीय लघु बचत निधि (NSSF) से संबंधित ऋणों के माध्यम से ली जाती हैं।
- बजट में घोषित कई योजनाओं को बजटेत्तर उधारियों से वित्तपोषित किया जाता है। इन उधारियों को योजनाओं का संचालन कर रही सार्वजनिक क्षेत्रक की इकाइयों द्वारा लिया जाता है।
    - पहले, विभिन्न योजनाओं जैसे कि - प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY), दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (DDUGJY), स्वच्छ भारत मिशन (SBM), प्रधान मंत्री आवास योजना (PMAY) इत्यादि को बजटेत्तर उधारियों से वित्त पोषित किया जाता था।
- **राज्य सरकारों को बजटेत्तर उधारी लेने की अनुमति है। इसलिए कथन 3 सही नहीं है।**
    - उदाहरण के लिए, अधिकतम बजटेत्तर देनदारी के मामले में, तेलंगाना सर्वाधिक कर्जदार है। वर्ष 2021 के अंत में तेलंगाना का कुल ऋण लगभग 97,940.45 करोड़ रुपये था। यह उसके सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के 9.99% के बराबर है।

Q 27.A

- सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) **कुल अतिरिक्त आय का वह अंश है जिसका उपयोग लोग बचत के बजाय वस्तुओं और सेवाओं के उपभोग के लिए करते हैं। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति कीन्स के समष्टि आर्थिक सिद्धांत का एक घटक है। MPC की गणना उपभोग में परिवर्तन को आय में परिवर्तन (ΔC / ΔY) से भाग देकर की जाती है। यदि आय के प्रत्येक अतिरिक्त रुपये के लिए उपभोग 80 पैसे बढ़ जाता है, तो MPC 0.8 / 1 = 0.8 के बराबर है।

Q 28.B

- **हालिया संदर्भ: हाल ही में भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCAC) के 20 वर्ष पूरे हुए हैं।**
- **UNCAC भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानूनी रूप से बाध्यकारी एकमात्र सार्वभौमिक कन्वेंशन है।** कन्वेंशन का दृष्टिकोण दूरगामी है और इसके प्रावधानों की प्रकृति अनिवार्य है, जो इसे वैश्विक समस्या के प्रति व्यापक अनुक्रिया विकसित करने का एक अद्वितीय उपकरण बनाते हैं। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- कन्वेंशन में भ्रष्टाचार के अलग-अलग रूपों को शामिल किया गया है। इनमें रिश्वतखोरी, किसी के प्रभाव में आकर कार्य करना, पद या दायित्वों का दुरुपयोग और निजी क्षेत्रक में भ्रष्टाचार की विविध गतिविधियां शामिल हैं। **भारत सहित संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश इस कन्वेंशन के पक्षकार हैं। इसलिए कथन 3 सही नहीं है।**
- **ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (United Nations Office on Drugs and Crime : UNODC) इस कन्वेंशन का संरक्षक है। UNODC इस कन्वेंशन के पक्षकार देशों के सम्मेलन के सचिवालय के रूप में भी कार्य करता है। इसलिए कथन 2 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 29.D

- 21 दिसंबर, 2023 को, **अंगोला ने** 16 वर्ष की सदस्यता **के बाद पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से अपनी सदस्यता वापस लेने की घोषणा की है।** यह निर्णय एक तेल उत्पादन कोटा पर असहमति के बाद लिया गया था। अंगोला ने देश की घटती क्षमता को दर्शाने के लिए कार्टेल नेतृत्वकर्ताओं द्वारा लगाई गई निम्न उत्पादन सीमा को अस्वीकार कर दिया। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- ओपेक एक अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला द्वारा की गई थी। ओपेक का मुख्य उद्देश्य पेट्रोलियम उत्पादक देशों के लिए उचित और स्थिर कीमतें सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सदस्य देशों के बीच पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय और एकीकरण करना है।
- **वर्तमान में, संगठन के सदस्य देश - अल्जीरिया, कांगो, इक्वाडोर, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, इस्लामिक रिपब्लिक ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला हैं।**

Q 30.C

- कुछ विशेष आंतरिक कारकों, विशेष रूप से मजदूरी और कीमतों से संबंधित स्वचालित तंत्र के कारण आर्थिक प्रणाली के भीतर उत्पन्न होने वाले मुद्रास्फीतिक दबाव को "अंतर्निहित मुद्रास्फीति (Built-in Inflation)" कहा जाता है।
  - इस तरह की मुद्रास्फीति अक्सर बाह्य आघातों या सरकारी नीतियों में परिवर्तनों के कारण नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था में चल रहे आत्म-समर्थन से संबद्ध होती है।
- बाह्य कारकों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति: बाह्य कारक, जैसे कि - वैश्विक कमोडिटी कीमतों में बदलाव, मुद्रास्फीति में योगदान कर सकते हैं। लेकिन बाह्य कारकों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति "अंतर्निहित मुद्रास्फीति" को संदर्भित नहीं करती है। अंतर्निहित मुद्रास्फीति मुख्यतः आंतरिक और प्रणालीगत कारकों से संबंधित होती है।
- **सरकारी नीतियों में परिवर्तनों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति:** सरकारी नीतियां मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन अंतर्निहित मुद्रास्फीति विशेष रूप से जानबूझकर किए गए नीतिगत परिवर्तनों के बजाय आंतरिक, स्वचालित प्रक्रियाओं को संदर्भित करती है।
- **मजदूरी और कीमतों में स्वत: वृद्धि से उत्पन्न मुद्रास्फीति: यह सही व्याख्या है। अंतर्निहित मुद्रास्फीति तब उत्पन्न होती है जब ऐसे तंत्र मौजूद होते हैं जो मजदूरी और कीमतों में स्वतः वृद्धि का कारण बनते हैं, जिससे समग्र मूल्य स्तरों पर निरंतर ऊर्ध्वगामी दबाव बनता है। उदाहरण के लिए, यदि जीवन यापन की लागत में समायोजन या संविदात्मक समझौतों के कारण मजदूरी में स्वत: वृद्धि हो जाती है, तो इससे उत्पादन लागत में वृद्धि हो सकती है। परिणामस्वरूप, वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
- **वित्तीय बाजारों में सट्टेबाजी गतिविधियों के कारण उत्पन्न मुद्रास्फीति:** यह वित्तीय बाजारों में सट्टेबाजी के कारण उत्पन्न होने वाली मुद्रास्फीति को संदर्भित करता है और यह अंतर्निहित मुद्रास्फीति से संबंधित नहीं है। सट्टेबाजी की गतिविधियों से परिसंपत्ति की कीमतों में अल्पावधि के लिए उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन अंतर्निहित मुद्रास्फीति संरचनात्मक अधिक होती है और यह अर्थव्यवस्था की आंतरिक परिवर्तनशीलता से संबंधित है।

Q 31.D

- **ई-कुबेर (E-Kuber) भारतीय रिजर्व बैंक** का कोर बैंकिंग सॉल्यूशन है। ई-कुबेर **देश के प्रत्येक बैंक के लिए एक एकल चालू खाते** का प्रावधान प्रदान करता है। इसमें पोर्टल आधारित सेवाओं का सुरक्षित तरीके से उपयोग करते हुए कहीं से भी और कभी भी इस खाते तक विकेंद्रीकृत पहुंच प्राप्त होती है। **सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी** ई-कुबेर प्रणाली के माध्यम से की जाती है।
- **प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रमाण-पत्र (PSLCs) बैंकों के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋणों के बदले में जारी किए जाने वाले व्यापार योग्य प्रमाण-पत्र** हैं। इसका उद्देश्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक के लिए निर्धारित ऋण संबंधी लक्ष्य और उप-लक्ष्यों को प्राप्त न किए जाने की स्थिति में इन लिखतों की खरीद का विकल्प देकर बैंकों को लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।
- **सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों सहित), शहरी सहकारी बैंक, लघु वित्त बैंक और स्थानीय क्षेत्र के बैंक (लोकल एरिया बैंक)** ई-कुबेर प्लेटफॉर्म पर PSLC के व्यापार या लेनदेन में **भाग लेने के लिए पात्र हैं।**
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 32.B

- **हालिया संदर्भ:** हाल ही में, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (TOT) मॉडल के तहत राजमार्ग परियोजनाओं का आवंटन किया है।
- **TOT मॉडल के बारे में:**
  - इस मॉडल को राजमार्ग क्षेत्रक में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विकसित किया गया था। **इसलिए कथन 1 सही है।**
  - TOT के तहत, **मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों या उसके किसी निर्धारित भाग को लंबी अवधि के लिए पट्टे (15-30 वर्ष) पर दिया जाता है। इसके तहत निजी संस्थाओं को अग्रिम भुगतान करने पर दीर्घकालिक रियायत प्रदान की जाती है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
  - **इस पट्टे की अवधि के दौरान, TOT ऑपरेटर टोल पर उपयोगकर्ता शुल्क एकत्रित करता है। यह शुल्क NHAI द्वारा निर्धारित दरों के आधार पर तय होता है।** इस अवधि के दौरान ही, निर्धारित भाग का संचालन और रखरखाव ऑपरेटर द्वारा किया जाता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 33.C

- **कुल व्यय अनुपात (TER) म्यूचुअल फंड के प्रबंधन और संचालन से संबद्ध कुल लागत की एक माप है।**
- इसमें मुख्यतः प्रबंधन शुल्क और अतिरिक्त व्यय जैसे कि - ट्रेडिंग शुल्क, कानूनी शुल्क, ऑडिटर शुल्क और अन्य परिचालन संबंधी व्यय शामिल हैं।
- इसका उपयोग निवेशकों द्वारा योजना की लागतों की तुलना अन्य योजनाओं की लागत और उस योजना से मिलने वाले रिटर्न से करने के लिए किया जाता है।
- म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा निवेशकों से वसूली जाने वाली **TER** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड या सेबी **(SEBI) द्वारा निर्धारित की जाती** है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 34.B

- **हालिया संदर्भ:** भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (PIDF) योजना को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित करने की घोषणा की है।
- PIDF योजना बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रारंभ की गई थी। इसके तहत पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनल्स और अन्य भुगतान स्वीकृति अवसंरचना की स्थापना करने में सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के परिणामस्वरूप भुगतान स्वीकृति अवसंरचनाओं को व्यापक प्रोत्साहन मिला है और ये अधिक समावेशी बनी हैं।
- **इसका उद्देश्य** टियर-3 से टियर-6 केंद्रों, पूर्वोत्तर राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में भुगतान स्वीकार करने वाली अवसंरचनाओं, **जैसे कि - भौतिक प्वाइंट ऑफ सेल (POS) टर्मिनल, क्विक रिस्पॉन्स (QR) कोड की संख्या को कई गुना बढ़ाना है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **PIDF एक सलाहकार परिषद के माध्यम से शासित होता है तथा इसे RBI द्वारा प्रबंधित और प्रशासित किया जाता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- इस विस्तारित योजना के तहत, देश भर में पी.एम. विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को PIDF के तहत कार्य करने के लिए पात्र व्यापारियों (Merchants) के रूप में शामिल किया गया है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 35.B

- **बॉण्ड यील्ड उस प्रतिफल को कहा जाता है जिसकी कोई निवेशक बॉण्ड की परिपक्वता अवधि के दौरान प्रति वर्ष प्राप्त करने की उम्मीद करता है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **बॉण्ड का मूल्य** वह मूल्य होता है जिस पर कोई **निवेशक** प्राथमिक या द्वितीयक बाजार में बेचे जाने वाले **मौजूदा बॉण्ड को खरीदने के लिए तैयार** होता है।
- **कूपन दर बॉण्ड के अंकित मूल्य पर जारीकर्ताओं द्वारा खरीदारों को भुगतान की गई आवधिक ब्याज दर होती है।**
- संक्षेप में बॉण्ड यील्ड दर्शाता है कि किसी भी समय पर बॉण्ड के खरीददार अथवा धारक को बॉण्ड से प्राप्त होने वाला वित्तीय प्रतिफल कितना होगा। इसकी गणना निम्नलिखित रूप से की जाती है-
  यील्ड = [कूपन राशि x 100]/मूल्य
- जब बॉण्ड के मूल्य में वृद्धि होती है, तो बॉण्ड यील्ड घट जाता है और इसके विपरीत जब बॉण्ड के मूल्य में गिरावट होती है, तो बॉण्ड यील्ड में वृद्धि होती है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि बॉण्ड के मूल्य का बॉण्ड यील्ड के साथ व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है।
- जब ब्याज दरों में गिरावट होती है, तो इससे संबंधित निवेश के मूल्य में गिरावट हो जाती है। हालांकि, जो बॉण्ड जारी किए जा चुके हैं, उन पर इस तरह का प्रभाव नहीं पड़ेगा। वे प्रारंभ में निर्धारित जारी कूपन दर पर ही भुगतान करते रहेंगे, जो गिरावट के कारण कम हुई वर्तमान ब्याज दर से अधिक होगी। इस उच्च कूपन दर ने इन बॉण्ड्स को आकर्षक बना दिया है विशेषकर उन निवेशकों के लिए जो इन बॉण्ड्स को उच्च मूल्य पर खरीदने के लिए तैयार हैं।
- **इसके विपरीत, जब ब्याज दरों में वृद्धि होती है, तो नए बॉण्ड निवेशकों को मौजूदा बॉण्ड की तुलना में बेहतर ब्याज दरों का भुगतान करेंगे।** यहां, पुराने बॉण्ड कम आकर्षक हो जाते हैं एवं प्रतिफल के रूप में कम लाभ प्रदान करेंगे, परिणामस्वरूप रियायती मूल्य पर बेचे जाएंगे। **इसलिए विकल्प 2 सही नहीं है।**
- इसलिए, **बॉण्ड के मूल्य का बॉण्ड यील्ड और ब्याज दर के साथ ऋणात्मक संबंध होता है। इसलिए विकल्प 1 और 3 सही हैं।**

Q 36.A

- **उपकर, कर के ऊपर लगाया गया एक कर होता है। इसे केंद्र सरकार द्वारा अधिरोपित किया जाता है। सरकार द्वारा इसे एक विशिष्ट प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। आम तौर पर, सरकार द्वारा उपकर संबंधित प्रयोजन के लिए पर्याप्त धन प्राप्त हो जाने तक अधिरोपित किया जाता है।**
  - उपकर उत्पाद शुल्क और व्यक्तिगत आयकर जैसे सामान्य करों से भिन्न होता है क्योंकि इसे मौजूदा कर के अलावा एक अतिरिक्त कर (कर पर कर) के रूप में अधिरोपित किया जाता है।
  - हालांकि स्वच्छ भारत उपकर (SBC) जैसे कुछ उपकर कुल मूल्य पर प्रतिशत कर के रूप में अधिरोपित किए जाते हैं। SBC प्रदान की जाने वाली सेवाओं के मूल्य का 0.5% है।
- उपकर से प्राप्त होने वाले कर राजस्व को सर्वप्रथम भारत की संचित निधि (CFI) में जमा किया जाता है। तत्पश्चात केंद्र सरकार, संसद द्वारा उचित विनियोग प्रक्रिया से स्वीकृत किए जाने के बाद, निर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए इस धन का उपयोग कर सकती है।
- अधिभार की तरह उपकर की एक अन्य मुख्य विशेषता यह है कि केंद्र को इसे राज्यों के साथ साझा करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- **अधिभार किसी भी कर पर लगाया जाने वाला एक शुल्क होता है, जो पहले से भुगतान किए गए कर पर लगाया जाता है। जैसा कि इसके नाम से ज्ञात होता है, अधिभार एक अतिरिक्त शुल्क या कर है। मुख्य रूप से अधिभार व्यक्तिगत आयकर (उच्च आय वाले लोगों और अत्यधिक अमीर लोगों पर) और कॉर्पोरेट आयकर पर लगाए जाते हैं।**
- अधिभार और उपकर, दोनों की एक सामान्य विशेषता यह है कि केंद्र को इन्हें राज्यों के साथ साझा करने की आवश्यकता नहीं होती है। सामान्य करों, अधिभार और उपकर के बीच प्रमुख अंतर निम्नलिखित हैं;
  - सामान्य कर भारत की संचित निधि में जमा किए जाते हैं और इन्हें किसी भी प्रयोजन के लिए खर्च किया जा सकता है।
  - अधिभार भी भारत की संचित निधि में जमा किया जाता है और इसे किसी भी प्रयोजन के लिए खर्च किया जा सकता है।
  - उपकर भारत की संचित निधि में जमा किया जाता है लेकिन इसे केवल विशिष्ट प्रयोजनों के लिए ही खर्च किया जा सकता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **आधेभार और उपकर के बीच मुख्य अंतर यह है कि राज्य सरकारों के साथ साझा नहीं किए जाने के बावजूद, आधेभार को CFI में जमा किया जा सकता है और इसे किसी भी अन्य कर की तरह खर्च किया जा सकता है। वहीं उपकर को CFI में जमा करने के बाद एक अलग निधि के रूप में रखे जाने का प्रावधान है तथा इसे केवल एक विशिष्ट प्रयोजन के लिए ही खर्च किया जा सकता है। इस प्रकार दोनों ही भारत की संचित निधि में जमा किए जाते हैं। इसलिए कथन 1 सही है लेकिन कथन 3 सही नहीं है।**
- **राज्य दुर्लभ मामलों में अथवा तभी उपकर अधिरोपित कर सकते हैं जब इसे GST परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया हो। उदाहरण के लिए, केरल ने वर्ष 2019 में GST पर बाढ़ उपकर लगाया था। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 37.A

- **जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक (Physical Quality of Life Index: PQLI)** की गणना तीन तथ्यों एवं आंकड़ों अर्थात बुनियादी साक्षरता दर, नवजात मृत्यु दर और एक वर्ष में उनके जीवन काल का औसत लेकर की जाती है। इन सभी को 0 से 100 के पैमाने पर समान रूप से महत्व दिया जाता है। इस सूचकांक का निर्धारण 1970 के दशक के मध्य में **मॉरिस डेविड मॉरिस** द्वारा किया गया था।
- **बेहतर जीवन सूचकांक (Better Life Index: BLI)** आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) द्वारा जारी किया जाता है। यह सूचकांक भौतिक जीवन की परिस्थितियों और जीवन की गुणवत्ता के क्षेत्रों में OECD द्वारा आवश्यक माने गए 11 विषयों के आधार पर विभिन्न देशों के कल्याण की तुलना करने में सक्षम बनाता है।
- **सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता सूचकांक (Gross National Happiness Index: GNH)** भूटान की जनसंख्या की प्रसन्नता और कल्याण को मापने हेतु यह एक समग्र दृष्टिकोण है। इसे GNH हैप्पीनेस सर्वे के नाम से भी जाना जाता है। इसमें नौ क्षेत्र शामिल हैं, जो 33 संकेतकों द्वारा समर्थित होते हैं।
    - भूटान की शाही सरकार के सेंटर फॉर भूटान एंड GNH अध्ययन केंद्र ने मई 2023 में एक अपडेटिड GNH इंडेक्स जारी किया। GNH इंडेक्स प्रत्येक संकेतक पर प्रत्येक व्यक्ति की उपलब्धियों से प्रारंभ करते हुए देश के कल्याण को मापने का प्रयास करता है।
- **लैंगिक असमानता सूचकांक (Gender Inequality Index: GII)** वैश्विक स्तर पर लैंगिक असमानता को मापने वाला एक सूचकांक है। इसे **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** द्वारा वर्ष 2010 की मानव विकास रिपोर्ट की 20वीं वर्षगांठ के संस्करण में पेश किया गया था। GII तीन आयामों नामतः - प्रजनन स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और श्रम बाजार का उपयोग करते हुए मापा गया, लैंगिक असमानता का एक समग्र मापक है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 38.A

- **श्रम बाजार में "जॉब पोलराइजेशन" (Job Polarization) रोजगार में होने वाले परिवर्तनों का एक विशिष्ट पैटर्न है। इसके अंतर्गत उच्च-कौशल और निम्न-कौशल वाली नौकरियों में समकालिक वृद्धि होने के साथ-साथ मध्यम-कौशल वाली नौकरियों में गिरावट होती है।**
- **यह परिघटना रोजगार के व्यावसायिक वितरण में परिवर्तन को दर्शाती है। इसके तहत नौकरी के अवसर कौशल संबंधी स्पेक्ट्रम के दो छोरों अर्थात् उच्च-कौशल और निम्न-कौशल पर केंद्रित होते जा रहे हैं, जबकि मध्यम-कौशल वाली नौकरियों की संख्या में कमी होती जा रही है।**
- **जॉब पोलराइजेशन की मुख्य विशेषताएं और स्पष्टीकरण:**
    - उच्च कौशल वाली नौकरियां: इसमें उन्नत कौशल, शिक्षा और विशेषज्ञता की आवश्यकता वाली नौकरियों की मांग में वृद्धि होती है। इन उच्च-कौशल वाले व्यवसायों में अक्सर ऐसे कार्य शामिल होते हैं जिन्हें स्वचालित करना कठिन होता है और इनके लिए विशेष ज्ञान की आवश्यकता होती है।
    - निम्न-कौशल वाली नौकरियां: निम्न-कौशल वाली नौकरियों में भी वृद्धि होती है जिनमें स्वचालन के प्रति कम संवेदनशील कार्य शामिल होते हैं और जिनके लिए व्यापक औपचारिक शिक्षा या प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- मध्यम-कौशल वाली नौकरियां: इसमें प्रायः मध्यम-कौशल वाली नौकरियां, नियमित और दोहराव वाले कार्यों की मांग में गिरावट होती है। इस गिरावट का मुख्य कारण स्वचालन और तकनीकी प्रगति हैं, जो कुछ नियमित कार्यों को प्रतिस्थापित सकते हैं।
- तकनीकी परिवर्तन: तकनीकी में प्रगति, (विशेष रूप से स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हुई प्रगति) जॉब पोलराइजेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके कारण नियमित कार्य जिन्हें स्वचालित किया जा सकता है, जैसे कि कुछ विनिर्माण या लिपिकीय कार्य, की मांग में कमी देखी जा सकती है।
- शैक्षिक विभाजन: उच्च-कौशल वाली नौकरियों की ओर स्थानांतरण वर्तमान के श्रम बाजार में शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर बल देता है। उन्नत कौशल और शिक्षा वाले व्यक्ति उच्च-कौशल वाली नौकरी के बढ़ते अवसरों को प्राप्त करने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं।
- आय असमानता: जॉब पोलराइजेशन आय असमानता में योगदान कर सकता है, क्योंकि उच्च-कौशल वाली नौकरियां अक्सर उच्च वेतन प्रदान करती हैं, जबकि निम्न-कौशल वाली नौकरियां निम्न वेतन प्रदान करती हैं। वहीं मध्यम-कौशल वाली नौकरियों में गिरावट से वे व्यक्ति प्रभावित हो सकते हैं जो परंपरागत रूप से इन पदों पर पदासीन रहे हैं।

- जॉब पोलराइजेशन को समझना नीति निर्माताओं, शिक्षकों और श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वे श्रम बाजार में होने वाले परिवर्तनों को निर्देशित करते हैं। यह कार्यबल की उभरती मांगों के अनुरूप अनुकूलनशीलता, निरंतर कौशल विकास और शैक्षिक पहलों की आवश्यकता को प्रकट करता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 39.A

- सकल पूंजी निर्माण में अचल परिसंपत्तियों का अधिग्रहण और स्टॉक का संचय शामिल होता है। अचल परिसंपत्तियों में भौतिक रूप से उत्पादक परिसंपत्तियां शामिल होती हैं। भवन, सिविल कार्य, मशीनरी और वाहन आदि इनके उदाहरण हैं। स्टॉक का संचय कच्चे माल, ईंधन, तैयार माल और अर्ध-तैयार माल (जो तैयार होने वाला है) के स्टॉक में परिवर्तन के रूप में होता है। **इस प्रकार सकल पूंजी निर्माण देश के कुल व्यय का वह हिस्सा होता है जिसका उपभोग नहीं किया जाता है बल्कि इसे देश की अचल परिसंपत्तियों और स्टॉक में जोड़ दिया जाता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- **बचत (Saving) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रकों के वर्तमान व्यय की तुलना में वर्तमान आय की अधिकता को दर्शाती है।** यह उत्पादक उद्यमों, परिवारों, सरकारी प्रशासन और अन्य अंतिम उपभोक्ताओं की आय और परिव्यय खातों में संतुलन को दर्शाने वाला विषय है। बंद अर्थव्यवस्था के लिए बचत एक वर्ष के दौरान किए गए पूंजी निर्माण के समतुल्य होती है। वहीं खुली अर्थव्यवस्था के लिए बचत एक वर्ष के दौरान किए गए पूंजी निर्माण और विदेश से होने वाले निवल पूंजी अंतर्वाह के समतुल्य होती है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

40.D

- **अप्रत्याशित कर या विंडफॉल टैक्स किसी कंपनी को किसी बाह्य और किसी अप्रत्याशित घटना से होने वाले लाभ पर लगाया जाने वाला कर है- उदाहरण के लिए, रूस-यूक्रेन संघर्ष के परिणामस्वरूप ऊर्जा की कीमत में वृद्धि होना। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- ये ऐसे लाभ हैं जो किसी कंपनी की सक्रिय गतिविधियों जैसे कि निवेश रणनीति या व्यवसाय के विस्तार आदि से संबद्ध नहीं होते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (CRS) विंडफॉल को "बिना किसी परिश्रम' या बिना किसी अतिरिक्त प्रयास अथवा व्यय के आय में होने वाले 'अप्रत्याशित लाभ" के रूप में परिभाषित करती है।
- सरकारों द्वारा ऐसे लाभ पर सामान्यतः कर की सामान्य दरों से अधिक दर से और भूतलक्षी प्रभाव से कर लगाया जाता है, जिसे विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। तेल बाजार में इस तरह के करों को नियमित रूप से देखा जा सकता है। यहां मूल्य में उतार-चढ़ाव उद्योग के लिए अस्थिर या अनियमित लाभ का कारण बनता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **केंद्र सरकार ने 1 जुलाई, 2023 को घरेलू कच्चे तेल उत्पादन पर 23,250 रुपए प्रति टन का** विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स **लगाया था, जिसे अभी तक पाक्षिक रूप से चार बार संशोधित किया गया है।** नवीनतम संशोधन 31 अगस्त को किया गया था, जब इसे 13,000 रुपये से बढ़ाकर 13,300 रुपये प्रति टन कर दिया गया था। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 41.B

- **हालिया संदर्भ:** राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (National Financial Reporting Authority: NFRA) ने चार बड़ी ऑडिट फर्मों की लेखा-परीक्षा गुणवत्ता में त्रुटियों को उजागर किया है।
- NFRA का गठन 01 अक्टूबर, 2018 को भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 132 की उपधारा (1) के तहत किया गया था। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 132 की उपधारा (2) के अनुसार, NFRA के निम्नलिखित कर्तव्य हैं:
  - **केंद्र सरकार के अनुमोदन के लिए कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली लेखांकन और लेखापरीक्षा नीतियों तथा मानकों की सिफारिश करना; इसलिए कथन 3 सही है।**
  - **लेखांकन और लेखा परीक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करना तथा उन्हें लागू करना; इसलिए कथन 2 सही है।**
  - ऐसे मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने वाले व्यवसायों की सेवा गुणवत्ता की देखरेख करना और सेवा गुणवत्ता में सुधार के उपाय सुझाना;
  - ऐसे अन्य कार्यों और कर्तव्यों का अनुपालन करना, जो उपर्युक्त कार्यों एवं कर्तव्यों के लिए आवश्यक या प्रासंगिक हों।

Q 42.A

- **हालिया संदर्भ:** अमेरिकी विदेश मंत्री ने दिसंबर 2023 में ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन नामक एक संयुक्त समुद्री सुरक्षा पहल की घोषणा की थी। इस पहल का उद्देश्य लाल सागर में जहाजों के सुरक्षित आवागमन में सहयोग करना है।
- **ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन अमेरिका के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय गठबंधन का एक सैन्य अभियान है**। इसे लाल सागर में जहाजों पर किए गए हुती (Houthi) हमलों का सामना करने के लिए दिसंबर 2023 में गठित किया गया था। **इसलिए कथन 1 सही है और कथन 2 सही नहीं है।**
- इस गठबंधन में यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, सेशेल्स, स्पेन आदि देश शामिल हैं। इसे वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों में वृद्धि को देखते हुए शुरू किया गया था। हाल ही में, हुतियों द्वारा किया गया जहाजों का अपहरण इन हमलों का ही एक उदाहरण है।

Q 43.A

- **बैंकिंग स्थिरता सूचकांक (Banking Stability Index: BSI)**, किसी बैंकिंग प्रणाली में कम-से-कम एक बैंक के विफल होने की स्थिति में ऐसे अन्य बैंकों की अपेक्षित संख्या को मापता है, जो संकटग्रस्त या विफल हो सकते हैं। **यह बैंकिंग प्रणाली में बैंकों की परस्पर निर्भरता को मापता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- विशिष्ट बैंकों के बीच संकट के स्तर को **दूषित कार्य संस्कृति (Toxicity) और सुभेद्यता संकेतकों** के आधार पर मापा जाता है। टॉक्सिसिटी इंडेक्स (Toxicity Index: TI) संकटग्रस्त बैंक द्वारा संबंधित प्रणाली में किसी अन्य बैंक के लिए संकट उत्पन्न करने की औसत संभावना को दर्शाता है। बैंकों की टॉक्सिसिटी, जो 2010 की शुरुआत से बढ़ रही थी, अक्टूबर 2012 के बाद से इसमें कुछ गिरावट देखी गई है।
- सुभेद्यता सूचकांक (Vulnerability Index:VI) प्रणाली में अन्य बैंकों के संकटग्रस्त होने की स्थिति में एक बैंक के संकटग्रस्त होने की औसत संभावना को मापता है।
- **भारतीय रिजर्व बैंक** इन सूचकांकों को वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के हिस्से के रूप में जारी करता है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 44.B

- इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर या प्रतिलोम शुल्क संरचना (Inverted duty structure) एक ऐसी स्थिति है जहां तैयार माल पर आरोपित किया जाने वाला आयात शुल्क इस माल के उत्पादन में प्रयुक्त कच्चे माल पर आरोपित किए जाने वाले आयात शुल्क की तुलना में कम होता है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- इसके कारण अंतिम उत्पादों का आयात सस्ता हो जाता है, जिससे घरेलू विनिर्माण उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Q 45.B

- सार्वजनिक ऋण किसी देश की सरकार द्वारा उधार ली गई कुल राशि होती है। यह ऋण सरकार तब लेती है जब करों और अन्य स्रोतों से प्राप्त सरकार का राजस्व उसकी व्यय आवश्यकताओं से कम हो जाता है। भारत में, सार्वजनिक ऋण में केंद्र सरकार की कुल देयताएं शामिल होती हैं और इनका भुगतान भारत की संचित निधि पर भारित होता है।
- इसे आगे आंतरिक और बाह्य ऋण में वर्गीकृत किया गया है। आंतरिक ऋण को विपणन योग्य और गैर-विपणन योग्य प्रतिभूतियों में वर्गीकृत किया गया है।
    - विपणन योग्य सरकारी प्रतिभूतियों में नीलामी के माध्यम से जारी की गई सरकारी प्रतिभूतियां और ट्रेजरी बिल शामिल होते हैं।
    - गैर-विपणन योग्य प्रतिभूतियों में राज्य सरकारों को जारी किए गए मध्यवर्ती ट्रेजरी बिल और राष्ट्रीय लघु बचत कोष को जारी की गई विशेष प्रतिभूतियां शामिल होती हैं।
- **केंद्र सरकार की ऋण स्थिति (लाख करोड़ रुपए में)**

Components	FY16	FY17	FY18	FY19	FY20	FY21	FY22 PA
	1	2	3	4	5	6	7
A. Public Debt (A1+A2)	57.11	61.50	68.45	75.49	85.65	105.23	121.21
A1. Internal Debt (a+b)	53.05	57.42	64.01	70.75	80.20	99.08	114.62
a. Marketable Securities	47.28	50.49	55.10	59.69	65.60	78.59	88.17
b. Non-marketable Securities	5.77	6.93	8.91	11.06	14.60	20.49	26.45
A2. External Debt	4.07	4.08	4.45	4.74	5.44	6.15	6.59

- **इस तालिका से हमें ज्ञात होता है कि विपणन योग्य प्रतिभूतियां सार्वजनिक ऋण का सबसे बड़ा घटक है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **सार्वजनिक ऋण में बाह्य देयताओं का अनुपात (FY22)**

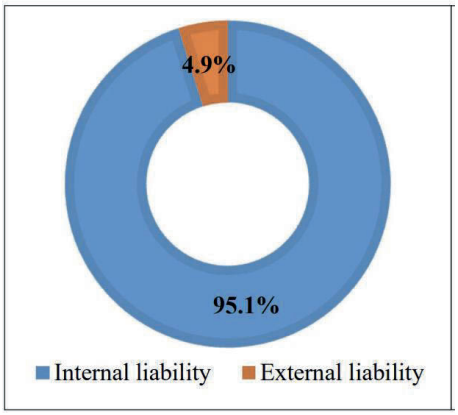

- **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 46.A

- वैयक्तिक आय (Personal income) व्यक्तियों द्वारा एक वर्ष में वर्तमान अंतरण भुगतान और साधन आय के रूप में सभी स्रोतों से प्राप्त सभी प्रकार की आय का कुल योग होती है। इसमें साधन आय और अंतरण आय शामिल होती है जबकि कॉर्पोरेट लाभ कर और प्रतिधारित आय शामिल नहीं होती है।
- **वैयक्तिक आय = निजी आय - निगम कर - अवितरित लाभ (निजी कॉर्पोरेट क्षेत्रक की बचत) + अंतरण अदायगी। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- वैयक्तिक आय से तात्पर्य किसी देश में सभी व्यक्तियों या परिवारों द्वारा सामूहिक रूप से प्राप्त कुल आय से है। वैयक्तिक आय में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त प्रतिफल शामिल होता है। इस प्रतिफल में वेतन, मजदूरी और रोजगार या स्व-रोज़गार से प्राप्त बोनस, निवेश से प्राप्त लाभांश और वितरण, रियल एस्टेट निवेश से प्राप्त किराया और व्यवसायों से प्राप्त लाभ में हिस्सेदारी शामिल है।

Q 47.C

- **सीमांत उत्पादकता सिद्धांत** के अनुसार ब्याज दर का निर्धारण पूंजी की सीमांत उत्पादकता द्वारा किया जाता है। यहां केवल पूंजी की भूमिका ही अत्यधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि एक उत्पादक किसी निश्चित पूंजी के द्वारा उस मात्रा से कहीं अधिक मात्रा में उत्पादन कर सकता है जितना कि वह बिना पूंजी के कर सकता है। **इस सिद्धांत के तहत उत्पादन के अन्य कारकों, जैसे - श्रम, भूमि आदि को कोई महत्व नहीं दिया जाता है।** ब्याज दर पूरी तरह से पूंजी के आधार पर निर्धारित की जाती है और भुगतान किया जाता है, क्योंकि केवल पूंजी को ही उत्पादक माना जाता है।
- यह सिद्धांत केवल उत्पादन संबंधी उद्देश्यों के लिए दिए गए ऋणों पर विचार करता है। क्योंकि यह माना जाता है कि पूंजी के वितरण से उच्च उत्पादकता उत्पन्न होगी, जिससे उधारकर्ता ऋणदाता को ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगा। इसलिए पूंजी को उत्पादक माना जाता है।
- लेकिन, यह उपभोग किए गए ऋणों के लिए भुगतान किए गए ब्याज की व्याख्या करने में विफल हो जाता है। क्योंकि व्यवहार में ब्याज वाले ऋणों का भी उपभोग उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जाता है।
- उदाहरण के लिए: कार लोन पर एक निश्चित ब्याज लगता है और कार का उपयोग अधिकांशतः परिवहन के व्यक्तिगत साधन के रूप में किया जाता है एवं इससे कोई अतिरिक्त पूंजी उत्पन्न नहीं होती है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 48.A

- आधार प्रभाव(base effect) वह प्रभाव होता है जो दो डेटा बिंदुओं के बीच तुलना के लिए एक पृथक संदर्भ बिंदु का चयन किए जाने से उस तुलना के परिणाम पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करता है। आधार प्रभाव "मासिक मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अंतर या विकृति को दर्शाता है जो एक वर्ष पहले उसी माह में मुद्रास्फीति के असामान्य रूप से उच्च या निम्न स्तर के परिणामस्वरूप होता है।" **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- आधार प्रभाव तुलनाओं को विकृत करने के साथ ही भ्रामक परिणाम उत्पन्न कर सकता है या, यदि अच्छी तरह से समझा और हिसाब लगाया जाए, तो इसका उपयोग डेटा और उन्हें उत्पन्न करने वाली अंतर्निहित प्रक्रियाओं की हमारी समझ को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

Q 49.D

- स्वच्छ नोट नीति क्या है ?
  - भारतीय रिजर्व बैंक आम जनता को अच्छी गुणवत्ता वाले बैंकनोट उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करता रहा है।
  - भारतीय रिजर्व बैंक तथा बैंकिंग प्रणाली के इस उद्देश्य को पूरा करने में मदद हेतु आम जनता से निम्नलिखित सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है :
    - बैंकनोटों को स्टेपल नहीं करें।
    - बैंकनोटों पर कुछ लिखें नहीं/कोई रबर स्टैम्प अथवा कोई अन्य निशान नहीं लगाएं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- बैंकनोटों का उपयोग माला/खिलौने बनाने, पंडाल तथा पूजास्थल को सजाने के लिए अथवा सामाजिक आयोजनों में व्यक्तियों पर बरसाने आदि के लिए नहीं करें।

- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 50.B

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा विकसित राष्ट्रीय लेखांकन प्रणाली (SNA) के अनुसार, किसी देश में सरकार द्वारा प्रशासित भौगोलिक क्षेत्र को आर्थिक राज्यक्षेत्र कहा जाता है जिसके भीतर व्यक्ति, वस्तुएं और पूंजी स्वतंत्र रूप से प्रसारित होती हैं।
- घरेलू राज्यक्षेत्र (आर्थिक राज्यक्षेत्र) की अवधारणा किसी देश के भौगोलिक या राजनीतिक राज्यक्षेत्र से भिन्न होती है। किसी देश के घरेलू राज्यक्षेत्र में निम्नलिखित शामिल होते हैं:
  - देश की राजनीतिक सीमाएं जिसमें उसका क्षेत्रीय समुद्र भी शामिल है।
  - देश के सामान्य निवासियों द्वारा दो या दो से अधिक देशों के बीच संचालित जहाज और विमान, उदाहरण के लिए विभिन्न देशों के बीच एयर इंडिया की सेवाएं।
  - **देश के निवासियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में संचालित मछली पकड़ने वाली नौकाएं** या उन क्षेत्रों, जहां देश के पास संचालन का अनन्य अधिकार है, में निष्कर्षण कार्यों में संलग्न नौकाएं**, तेल एवं प्राकृतिक गैस के रिग्स और फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म। इसलिए विकल्प 1 सही है।**
  - **अन्य देशों में स्थित किसी देश के दूतावास, वाणिज्य दूतावास और सैन्य प्रतिष्ठान,** उदाहरण के लिए, यू.एस.ए., जापान आदि में स्थित भारतीय दूतावास। **इसलिए विकल्प 2 सही है।**
- **इसमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैं**
  - **(a) भारत में अन्य देशों के सभी दूतावास, वाणिज्य दूतावास एवं सैन्य प्रतिष्ठान और**
  - **(b) भारत में स्थित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के कार्यालय। इसलिए विकल्प 3 और 4 सही नहीं हैं।**

Q 51.B

- **तरलता पाश या तरलता जाल(Liquidity trap) एक प्रतिकूल आर्थिक स्थिति होती है। यह तब उत्पन्न हो सकती है जब उपभोक्ता और निवेशक ब्याज दरें कम होने पर भी नकदी को खर्च या निवेश नहीं करते हैं बल्कि उसे जमा करते हैं। परिणामस्वरूप, आर्थिक नीति निर्माताओं द्वारा आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रयास बाधित होते हैं।**
- तरलता पाश के दौरान, पारंपरिक मौद्रिक नीति से संबंधित उपाय,जैसे कि ब्याज दरें कम करना, अप्रभावी हो सकते हैं क्योंकि ब्याज दरें पहले से ही बहुत कम होती हैं और व्यक्तियों या व्यवसायों से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो रहे होते हैं। ऐसी स्थिति में, केंद्रीय बैंक विशेषकर सरकारी व्यय में वृद्धि करने जैसे राजकोषीय नीतिगत उपायों का सहारा ले सकते हैं।
- **ब्याज दरों को और कम करना:** तरलता पाश की स्थिति में, ब्याज दरें पहले से ही शून्य के करीब या शून्य के स्तर पर होती हैं जिससे आगे और कटौती करने का सीमित प्रभाव ही हो सकता है क्योंकि नाममात्र ब्याज दरें शून्य से नीचे नहीं जा सकती हैं। इस स्थिति को जीरो लोअर बाउंड(Zero lower bound) कहा जाता है।
- **सरकारी व्यय में वृद्धि करना: तरलता पाश के दौरान आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए, केंद्रीय बैंक सरकार को बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक परियोजनाओं या अन्य पहलों के व्यय में वृद्धि करने के लिए सिफारिश या सहयोग कर सकते हैं। अर्थव्यवस्था में धन का यह निवेश संभावित रूप से मांग को बढ़ावा दे सकता है, रोजगार सृजित कर सकता है और तरलता पाश से जुड़े अपस्फीति दबाव को प्रभावहीन कर सकता है।**
- सरकारी बांड का विक्रय करना: सरकारी बांड का विक्रय करना एक पारंपरिक मौद्रिक नीतिगत उपाय है। हालांकि, तरलता पाश के दौरान यह आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने में ज्यादा प्रभावी नहीं हो सकता है। बांड की आपूर्ति में वृद्धि का ब्याज दरों या निवेश पर कोई वांछित प्रभाव नहीं होगा।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- पूंजी नियंत्रण लगाना: पूंजी नियंत्रण में किसी देश के भीतर और बाहर धन के आवागमन पर नियंत्रण लगाना शामिल होता है। पूंजी नियंत्रण आर्थिक स्थितियों को प्रबंधित करने का एक उपकरण हो सकता है, लेकिन सामान्यतः तरलता पाश की स्थिति में प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया के रूप में इसका प्रयोग नहीं किया जाता है। कुछ मामलों में, पूंजी नियंत्रण का उपयोग वित्तीय बाजारों को स्थिर करने या धन के तीव्र बहिर्वाह को रोकने के लिए किया जा सकता है, लेकिन तरलता पाश के दौरान यह प्राथमिक उपाय के रूप में प्रभावी नहीं होता है।
- **इस प्रकार मांग को प्रोत्साहित करने और पारंपरिक मौद्रिक नीति की कमियों को दूर करने के लिए तरलता पाश के दौरान सरकारी व्यय में वृद्धि को अधिक प्रत्यक्ष और प्रभावी उपाय माना जाता है।**
- **इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**

Q 52.B

- **हालिया संदर्भ:** युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने दिसंबर में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2023 की घोषणा की। पुरस्कार विजेता भारत के राष्ट्रपति से अपने पुरस्कार प्राप्त करेंगे। खेलों में उत्कृष्टता की पहचान करने और उसे पुरस्कृत करने के लिए प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।
- **'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार'** किसी खिलाड़ी द्वारा पिछले चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में किये गए शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रदान किया जाता है।
- **'खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार'** पिछले चार वर्षों की अवधि में बेहतर प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल कौशल एवं अनुशासन की भावना प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**
- **खेलों में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार** लगातार उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने और खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सक्षम बनाने हेतु प्रशिक्षकों को प्रदान किया जाता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**
- **खेल और खेलों में जीवन पर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार'** उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया है और जो अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल आयोजन को बढ़ावा देने में अपना सहयोग जारी रखते हैं। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Q 53.C

- **हालिया संदर्भ:** टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) द्वारा सेंट लूसिया में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के लिए भारत को 'प्रशासन में साझेदार' के रूप में चुना गया है।
- **TIWB आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की एक संयुक्त पहल है। यह पहल कर लेखा परीक्षा क्षमता के निर्माण में देशों का समर्थन करती है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- TIWB कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के व्यापक प्रयासों के पूरक हैं। यह कर मामलों के संबंध में सहयोग को सुदृढ़ करता है और विकासशील देशों के घरेलू संसाधन जुटाने के प्रयासों में योगदान करता है।
- **TIWB पहल का उद्देश्य लक्षित, रियल टाइम "लर्निंग बाय डूइंग" दृष्टिकोण के माध्यम से विकासशील देशों के कर प्रशासन के साथ कर लेखा परीक्षा ज्ञान और कौशल को साझा करने में सक्षम बनाना है।** चयनित विशेषज्ञ वर्तमान लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षा-संबंधी मुद्दों के संबंध में सीधे स्थानीय कर अधिकारियों के साथ कार्य करेंगे। ये मुद्दे अंतर्राष्ट्रीय कर मामलों और विशिष्ट मामलों से संबद्ध सामान्य लेखा परीक्षा प्रथाओं से संबंधित होंगे। यह कर लेखा परीक्षा सुविधा प्रदान करने वाला एक विशेष क्षेत्र है। यह मुख्यतः वास्तविक, समसामयिक मामलों में सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**

Q 54.B

- लघु वित्त बैंक (Small Finance Banks: SFBs) निजी वित्तीय संस्थान हैं। इनका उद्देश्य परिचालन के क्षेत्र में बिना किसी प्रतिबंध के वित्तीय समावेशन करना है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- ये जमा स्वीकार करने और बैंक सुविधाओं से वंचित वर्गों को ऋण प्रदान करने जैसी बुनियादी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं। इन वर्गों में लघु किसान, सूक्ष्म व्यापार उद्यम, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग और असंगठित क्षेत्रक की संस्थाएं आदि शामिल हैं। भारत में परिचालित कुछ लघु वित्त बैंकों में उज्जीवन SFB, जनलक्ष्मी SFB आदि शामिल हैं।
- इन्हें RBI की **नचिकेत मोर समिति** द्वारा ऋण की पहुंच में विस्तार हेतु एक विभेदित बैंकिंग प्रणाली के रूप में प्रस्तावित किया गया था। इससे संबंधित घोषणा वार्षिक बजट 2014 में की गई थी।
- **इन्हें कौन प्रचारित कर सकता है:** आर्थिक प्रबंधन, 'गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों' (NBFCs), सूक्ष्म वित्त कंपनियों और स्थानीय क्षेत्र के बैंकों में 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले व्यक्ति/पेशेवर।
- **इन्हें क्या करना अनिवार्य है:**
  - **इसके लिए न्यूनतम चुकता पूंजी 200 करोड़ रुपये होनी चाहिए।** प्रारंभ में, जब लघु वित्त बैंकों के लिए परिचालनगत दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, तो यह निर्धारित किया गया था कि SFB स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये की न्यूनतम चुकता इक्विटी पूंजी की आवश्यकता होगी। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
  - 75% ऋण प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक को प्रदान किया जाएगा। **इसलिए कथन 2 सही है।**
  - 25% शाखाएं बैंक रहित क्षेत्रों में होंगी। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - आरक्षित निधि संबंधी आवश्यकताओं को बनाए रखना।
  - व्यक्तियों और समूहों को निवल संपत्ति/नेटवर्थ का 10% से 15% पूंजी ऋण प्रदान करना।
  - एक व्यवसायिक संवाददाता नेटवर्क स्थापित करना।
- **ये क्या कर सकते हैं**: ये ग्राहकों को विदेशी मुद्रा (FOREX) एवं म्यूचुअल फंड का विक्रय कर सकते हैं तथा बीमा और पेंशन की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। साथ ही, ये एक पूर्ण बैंक में परिवर्तित हो सकते हैं।
- **ये क्या नहीं कर सकते हैं:**
  - बड़े ऋण प्रदान नहीं कर सकते हैं।
  - सहायक कंपनियां स्थापित नहीं कर सकते हैं।
  - परिष्कृत वित्तीय उत्पादों में डील नहीं कर सकते हैं।

Q 55.A

- मध्यवर्ती वस्तुएं वे वस्तुएं होती हैं, जिनकी उत्पादन में आगे आवश्यकता होती है या जिनकी आगे बिक्री की जानी होती है। एक लेखा वर्ष की अवधि के दौरान उत्पादन में काम आ रही वस्तुओं (उस वर्ष की दृष्टि से) को मध्यवर्ती वस्तुओं के रूप में जाना जाता है। ये गैर-टिकाऊ उत्पादक वस्तुएं और सेवाएं होती हैं, जिनका प्रयोग उत्पादक उत्पादन प्रक्रिया में करते हैं, जैसे-कच्चा माल, तेल, विद्युत, कोयला, ईंधन और इंजीनियर तथा तकनीकी कर्मचारियों की सेवाएं आदि। पुनः बिक्री के लिए खरीदकर रखी गई वस्तुओं को भी मध्यवर्ती वस्तुएं माना जाता है। उदाहरण के लिए, खुदरा/थोक विक्रेता द्वारा खरीदा गया चावल, गेहूं, चीनी आदि।
- **मध्यवर्ती वस्तुओं को राष्ट्रीय आय की गणना में शामिल नहीं किया जाता है।** GDP अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य की माप है।
- राष्ट्रीय आय की गणना में केवल अंतिम वस्तुओं को ही शामिल किया जाता है क्योंकि मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को अंतिम वस्तुओं के मूल्य में शामिल किया जाता है। **यदि मध्यवर्ती वस्तुओं को राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है तो इससे दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न हो जायेगी।**
- **इसलिए कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।**

Q 56.B

- **स्व-विनियामक संगठन (Self-Regulatory Organisation : SRO)** विशेष क्षेत्रक/उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला **एक गैर-सरकारी संगठन होता है।** साथ ही, यह अपनी सदस्य संस्थाओं के आचरण से संबंधित नियमों तथा मानकों को निर्धारित और लागू करता है। उदाहरण के लिए, वित्तीय उद्योग विनियामक प्राधिकरण। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **SRO के रूप में कार्य करने की इच्छुक कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **SRO की विशेषताएं:**
  - SRO के पास सक्षम प्रशासन तंत्र होना चाहिए। इस तंत्र को स्वतंत्र बोर्ड, पारदर्शिता और सुनिर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन पर ध्यान देना चाहिए।
  - RBI द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुपालन को बेहतर बनाने और उसके सदस्यों द्वारा अनुपालन में सुधार के लिए मानक विकसित करना।
  - सदस्यों के बीच विवादों के निपटान के लिए मानकीकृत प्रक्रियाएं तैयार करना और उन्हें लागू करना।

Q 57.C

प्रत्यक्ष कर वे होते हैं जिन्हें उन सभी व्यक्तियों द्वारा भुगतान किया जाता है जिन पर इन्हें लगाया जाता है और इन्हें किसी अन्य इकाई को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। प्रत्यक्ष करों में प्रत्यक्ष कर का करपात तथा कराघात, दोनों एक ही व्यक्ति पर होते हैं।।

प्रत्यक्ष कर की विशेषताएं

- **समता (इक्विटी):** प्रत्यक्ष करों के करारोपण में समता होती है, जो आय की मात्रा पर निर्भर करती है। ये प्रगतिशीलता के सिद्धांत पर आधारित होते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति की आय का स्तर बढ़ने पर कर की दरें बढ़ती हैं। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **लोचशीलता और उत्पादकता:** प्रत्यक्ष करों में लोचशीलता होती है क्योंकि जब सरकार भूकंप, बाढ़ और अकाल जैसी किसी आपात स्थिति का सामना करती है तो सरकार प्रत्यक्ष कर के माध्यम से इन समस्याओं का सामना करने के लिए धन एकत्रित कर सकती है।
- **निश्चितता:** प्रत्यक्ष करों में करदाता और सरकार, दोनों पक्षों की ओर से निश्चितता होती है। करदाता कर की मात्रा से अवगत होते हैं। उन्हें भुगतान और उसकी दर, भुगतान के समय, भुगतान के तरीके और साथ ही सरकार की ओर से निर्धारित दंड की कुल राशि के बारे में भी स्पष्ट ज्ञान होता है।
- **असमानता कम करना:** प्रत्यक्ष कर प्रगतिशील सिद्धांतों का अनुपालन करते हैं इसलिए समृद्ध लोगों पर कराधान का स्तर उच्च और गरीब लोगों पर कराधान का स्तर कम होता है।
- **मुद्रास्फीति के मामले में बेहतर साधन:** राजकोषीय साधन के रूप में कर नीति मुद्रास्फीति के मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अतः सरकार मौजूदा करों की दर या नए करों को लागू करके अतिरिक्त धन को अवशोषित कर सकती है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

अर्थव्यवस्था में बाह्यताएं तब उत्पन्न होती हैं जब किसी विशिष्ट वस्तु का उत्पादन या उपभोग किसी ऐसे तीसरे पक्ष को प्रभावित करता हो, जो प्रत्यक्ष रूप में उत्पादन या उपभोग से संबंधित न हो। बाह्यताएं (जैसे कि प्रदूषण) सरकार द्वारा विनियमन में वृद्धि करने का एक प्रमुख कारण है। प्रत्यक्ष कर बाह्यताओं पर विचार नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए एक सिगरेट बनाने वाली कंपनी और एक दवा कंपनी जिनकी निवल आय समान है, दोनों पर एक समान दर से कर लगाया जाएगा। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 58.B

- **हालिया संदर्भ:** बिहार पुलिस ने बालू के खनन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध बालू खनन का भंडाफोड़ किया।
- गौरतलब है कि विश्व में जल के बाद बालू, दूसरा सर्वाधिक निष्कर्षित प्राकृतिक संसाधन है। खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (MMDR Act) के तहत बालू को गौण खनिज के रूप में वर्गीकृत किया गया है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- **MMDR अधिनियम की धारा 15 राज्य सरकारों को गौण खनिजों के संबंध में खदान पट्टों, खनन पट्टों या अन्य खनिज रियायतों के संबंध में अनुदान विनियमित करने और तत्संबद्ध प्रयोजनों के लिए नियम बनाने का अधिकार प्रदान करती है।** इसलिए, **गौण खनिजों का विनियमन राज्य सरकारों के विधायी और प्रशासनिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- इसके अतिरिक्त, MMDR अधिनियम की धारा 23C **राज्य सरकारों को खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण को रोकने और उससे संबंधित प्रयोजनों के लिए नियम बनाने का अधिकार प्रदान करती है।** इसलिए, **अवैध खनन को नियंत्रित करना राज्य सरकारों के विधायी और प्रशासनिक दायरे के अधीन आता है।**
- गौण खनिजों के संबंध में प्रशासनिक नियंत्रण संबंधित राज्य सरकारों के पास होता है। तदनुसार, उनका खनन राज्य विशिष्ट नियमों के माध्यम से विनियमित किया जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Q 59.D

- **गुणात्मक साख नियंत्रण की विधियां (Qualitative Credit Control Methods)**
- ये ऐसी विधियां हैं जिनके माध्यम से केंद्रीय बैंक न केवल ऋणों के मूल्य को नियंत्रित करता है बल्कि उस उद्देश्य को भी नियंत्रित करता है जिसके लिए ये ऋण वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए जाते हैं। इनमें से कुछ निम्नानुसार हैं:
- **नैतिक दबाव (Moral Suasion):** नैतिक दबाव का अर्थ है अनुनय और अनुरोध करना। मुद्रास्फीति की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को सट्टा और गैर-आवश्यक उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान न करने हेतु अनुनय और अनुरोध करता है। दूसरी ओर, अपस्फीति का सामना करने हेतु केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करने हेतु अनुनय करता है।
- **साख की राशनिंग (Rationing of credit):** साख की राशनिंग एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा केंद्रीय बैंक ऋण और अग्रिमों की अधिकतम राशि को सीमित करने का प्रयास करता है। साथ ही कुछ मामलों में, विशिष्ट श्रेणियों के तहत दिए जाने वाले ऋणों और अग्रिमों के लिए भी सीमा निर्धारित करता है। RBI कुछ प्राथमिकता प्राप्त या कमजोर क्षेत्रों में ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए रियायती ब्याज दरों पर ऋण भी उपलब्ध कराता है। इसे प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋणान्वयन (Priority Sector Lending) भी कहा जाता है।
- **उपभोक्ता साख का विनियमन (Regulation of Consumer Credit):** आजकल, अधिकांश टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं, जैसे - कार, टेलीविजन और लैपटॉप आदि बैंक ऋण के माध्यम से वित्तपोषित किस्त के आधार पर उपलब्ध हैं। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद के लिए वाणिज्यिक बैंकों द्वारा उपलब्ध कराए गए ऐसे ऋण को उपभोक्ता ऋण कहा जाता है।
- **यदि कुछ टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की अत्यधिक मांग होती है, जिसके कारण उनकी कीमतों में वृद्धि होती है, तो केंद्रीय बैंक (a) डाउन पेमेंट बढ़ाकर और (b) ऐसे ऋण के पुनर्भुगतान के लिए किस्तों की संख्या को घटा कर उपभोक्ता साख को कम कर सकता है। इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- दूसरी ओर, यदि कुछ विशिष्ट वस्तुओं की मांग में कमी आती है, जिससे अपस्फीति की स्थिति उत्पन्न होती है, तो केंद्रीय बैंक (a) डाउन पेमेंट की राशि को कम करके और (b) ऐसे ऋण के पुनर्भुगतान के लिए किस्तों की संख्या में वृद्धि करके उपभोक्ता साख में वृद्धि कर सकता है।
- **प्रत्यक्ष कार्रवाई (Direct action):** यह विधि तब अपनाई जाती है जब कोई वाणिज्यिक बैंक केंद्रीय बैंक के वांछनीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में उसके साथ सहयोग नहीं करता है। प्रत्यक्ष कार्रवाई कई प्रकार की हो सकती है:
    - केंद्रीय बैंक द्वारा डिफ़ॉल्ट करने वाले बैंकों से बैंक दर से अधिक दंडात्मक ब्याज दर वसूल की जा सकती है;
    - केंद्रीय बैंक उन बैंकों के बिलों पर दोबारा छूट देने से इनकार कर सकता है जो उसके निर्देशों का पालन नहीं करते हैं;
    - केंद्रीय बैंक उन बैंकों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने से इंकार कर सकता है जिनकी उधारियां उनकी पूंजी और आरक्षित निधि से अधिक हो जाती है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **मार्जिन अनिवार्यताएं (Margin Requirements):** सामान्यतः वाणिज्यिक बैंक 'स्टॉक या 'प्रतिभूतियों' के विरुद्ध ऋण प्रदान करते हैं। स्टॉक या प्रतिभूतियों के बदले ऋण प्रदान करने के दौरान वे मार्जिन को ध्यान में रखते हैं। यहां मार्जिन का तात्पर्य किसी प्रतिभूति के बाजार मूल्य और उसके अधिकतम ऋण मूल्य के बीच का अंतर है। मान लीजिए कि, एक वाणिज्यिक बैंक 10,000 रुपये की प्रतिभूति पर 8000 रुपये का ऋण प्रदान करता है। यहां, मार्जिन 2000 रुपये या 20% है।
- यदि केंद्रीय बैंक को यह लगता है कि कुछ वस्तुओं की कीमतें ऐसी वस्तुओं के व्यवसायियों और व्यापारियों की सट्टा संबंधी गतिविधियों के कारण बढ़ रही हैं, तो वह ऐसी सट्टेबाजी संबंधी गतिविधियों के लिए ऋण की उपलब्धता को हतोत्साहित करने का प्रयास कर सकता है। इसलिए, यह सट्टेबाजी संबंधी व्यवसाय के लिए ऋण देने के मामलों में मार्जिन की आवश्यकता को बढ़ा सकता है और इस प्रकार ऐसे उद्देश्यों के लिए उधार को हतोत्साहित करता है। इससे सट्टेबाजी संबंधी गतिविधियों के लिए धन की आपूर्ति में कमी आती है और मुद्रास्फीति की स्थिति को नियंत्रित किया जाता है।
- इसके विपरीत, केंद्रीय बैंक मार्जिन अनिवार्यता को कम करके वाणिज्यिक बैंकों से उधार लेने को प्रोत्साहित कर सकता है। जब विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए ऋण की उपलब्धता अधिक होती है, तो निवेश में वृद्धि होती है। इससे लोगों की आय में वृद्धि होती है। परिणामस्वरूप, वस्तुओं की मांग बढ़ती है और अपस्फीति की स्थिति नियंत्रित होती है।
- अतः केंद्रीय बैंक के समक्ष मुद्रास्फीति और अपस्फीति का सामना करने हेतु मार्जिन अनिवार्यता एक महत्वपूर्ण साधन है।

Q 60.A

- **प्रावधान कवरेज अनुपात (Provisioning Coverage Ratio: PCR) किसी बैंक के उसके बैड लोन या गैर-निष्पादित संपत्तियों (NPAs) को उस धन से कवर करने की क्षमता को मापता है जिसे बैंक ने इसी उद्देश्य के लिए अलग से आरक्षित रखा है। इसकी गणना बैड लोन के लिए बैंक के प्रावधानों के कुल मूल्य को उसकी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के कुल मूल्य से विभाजित करके की जाती है।**
- **ऋण जमा अनुपात (LDR)** किसी बैंक की तरलता और उसके ऋण पोर्टफोलियो को वित्तपोषित करने की क्षमता को मापता है। इसकी गणना बैंक के कुल ऋण को उसकी कुल जमा राशि से विभाजित करके की जाती है।
- **लागत आय अनुपात (CIR)** यह मापता है कि कोई बैंक अपनी आय के सापेक्ष अपनी लागतों को प्रबंधित करने में कितना कुशल है। इस अनुपात की गणना बैंक के परिचालन व्यय को उसकी परिचालन आय से विभाजित करके की जाती है।
- **पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR)** किसी बैंक की वित्तीय प्रबलता और संभावित हानि को अवशोषित करने की क्षमता को मापता है। यह अनुपात किसी बैंक द्वारा संभावित घाटे को कवर करने के लिए अलग रखी गई पूंजी की तुलना उसकी कुल जोखिम-भारित परिसंपत्तियों से करता है। ज्ञातव्य है कि जोखिम-भारित परिसंपत्तियों में बैंकों के ऋण और अन्य निवेश शामिल होते हैं। CAR की गणना करने के लिए, किसी बैंक की पूंजी को उसकी कुल जोखिम-भारित परिसंपत्तियों से विभाजित किया जाता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 61.B

- शेयर बाजार वह स्थान है जहां सार्वजनिक निगमों और संयुक्त स्टॉक वाली कंपनियों के शेयरों का कारोबार किया जाता है। भारत में, BSE (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और NSE (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) दो सर्वाधिक प्रचलित स्टॉक एक्सचेंज हैं। शेयर बाजार सूचकांक संपूर्ण शेयर बाजार को इंगित करता है। इन सूचकांकों में होने वाला उतार-चढ़ाव बाजार में निवेशकों को प्राप्त होने वाले प्रतिफल/रिटर्न को दर्शाता है। निफ्टी (NIFTY) और सेंसेक्स (SENSEX) क्रमशः NSE और BSE के प्रमुख सूचकांक हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

निफ्टी (NIFTY)	सेंसेक्स (SENSEX)
नेशनल फिफ्टी (National Fifty) को संक्षेप में 'निफ्टी' कहा जाता है। यह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लोगों द्वारा सर्वाधिक कारोबार किए जाने वाले 20 से अधिक क्षेत्रकों की 50 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों का एक मापदंड है।	**संवेदी सूचकांक (Sensitive Index) को संक्षेप में सेंसेक्स कहा जाता है। यह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लोगों द्वारा सर्वाधिक कारोबार किए जाने वाले 20 से अधिक विभिन्न क्षेत्रकों की शीर्ष 30 कंपनियों का एक मापदंड है।**
इसकी शुरुआत 1995 में NSE द्वारा की गई थी। यह नई दिल्ली में स्थित है। इसका स्वामित्व इंडिया इंडेक्स सर्विसेज एंड प्रोडक्ट्स (IISL) के पास है। IISL क्रेडिट रेटिंग इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड या क्रिसिल (CRISIL) और NSE का एक संयुक्त उद्यम है।	इसकी शुरुआत 1986 में मुंबई में स्थित BSE द्वारा की गई थी।
इसकी गणना 50 कंपनियों के औसत बाजार पूंजीकरण के भारित मूल्य के आधार पर की जाती है, जिसके आधार पर प्रत्येक कंपनी का भारांश निर्धारित किया जाता है।	इस सूचकांक की गणना फ्री-फ्लोट बाजार पूंजीकरण के आधार पर की जाती है। इसकी गणना सरकार और कंपनी के प्रमोटरों द्वारा धारित कुछ शेयरों के भारित औसत को भारित औसत मूल्य से गुणा करके की जाती है।
इसका आधार वर्ष 1995 है तथा इसके लिए सूचकांक मान 1000 निर्धारित किया गया है।	*नोट: फ्री फ्लोट को पब्लिक फ्लोट भी कहा जाता है। इसका तात्पर्य किसी कंपनी के उन शेयरों से है जिनका सार्वजनिक रूप से कारोबार किया जा सकता है और वे प्रतिबंधित नहीं हैं।*
	इसका आधार वर्ष 1978-79 है तथा इसका सूचकांक मूल्य 100 निर्धारित किया गया है।

Q 62.A

- विधिक इकाई पहचानकर्ता (Legal Entity Identifier: LEI) ISO 17442 मानक पर आधारित एक 20-कैरेक्टर का अक्षरांकीय (अल्फा-न्यूमेरिक) कोड है। इसे अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) द्वारा विकसित किया गया है। यह महत्वपूर्ण संदर्भ जानकारी से जुड़ा होता है जिसका उपयोग विश्व स्तर पर वित्तीय लेनदेन करने वाली कानूनी संस्थाओं की स्पष्ट और विशिष्ट पहचान करने के लिए किया जाता है।
- **यह एक वैश्विक संदर्भ संख्या है जो किसी भी क्षेत्राधिकार में वित्तीय लेनदेन में संलग्न प्रत्येक विधिक संस्था अथवा इकाई की विशिष्ट रूप से पहचान करता है। भारत में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर इंडिया लिमिटेड (LEIL) को भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत विधिक इकाई पहचानकर्ताओं के "जारीकर्ता" के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। LEIL क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**
- क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (CCIL) की स्थापना अप्रैल, 2001 में की गई थी। इसका उद्देश्य मुद्रा, सरकारी प्रतिभूति (G-Sec), विदेशी मुद्रा और व्युत्पन्न (डेरिवेटिव) बाजारों में लेनदेन के लिए गारंटीकृत समाशोधन और निपटान संबंधी कार्य करना है। CCIL वित्तीय बाज़ार अवसंरचना के रूप में अपने संचालन को नियंत्रित करने के लिए सख्त सिद्धांतों का अनुपालन करता है। इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2014 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इसे अर्हताप्राप्त केंद्रीय प्रतिपक्ष (QCCP) के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी।

Q 63.C

- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) द्वारा बैंक जैसी सेवाएं प्रदान करना 'शैडो बैंकिंग'** कहलाता है। इन कंपनियों को कठोर विनियमन के तहत नहीं रखा जाता है। हालांकि, **ये संस्थान निवेशकों और उधारकर्ताओं के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं**। सामान्यतः **वे जोखिमपूर्ण व्यवसायों और व्यक्तियों को ऋण प्रदान करते हैं** तथा व्यवस्था में तरलता सृजित करते हैं। **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
- यद्यपि ये संस्थाएं **बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली पारंपरिक मांग जमा (डिमांड डिपॉजिट) को स्वीकार नहीं करती हैं**, लेकिन ये संस्थाएं वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के समान सेवाएं प्रदान करती हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **2008 के वित्तीय संकट** ने यह दर्शाया था कि 'शैडो बैंकिंग' बैंकिंग प्रणाली के लिए प्रणालीगत जोखिम का एक स्रोत बन सकती है। ये जोखिम प्रत्यक्षतः और बैंकिंग प्रणाली में आंशिक रूप से विनियमित संस्थाओं के अंतर्संबंध के माध्यम से अन्य क्षेत्रों में भी प्रसारित हो सकते हैं। **इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (IL&FS) में आया तरलता संकट** इसका एक उदाहरण है।
- **बेसल III मानदंडों** के तहत केंद्रीय बैंकों को विभिन्न कदमों के माध्यम से विश्व भर में शैडो बैंकों पर निगरानी कड़ी करने की आवश्यकता है, जैसे कि न्यूनतम पूंजी निर्धारित करना। इसी बात को ध्यान में रखते हुए RBI शैडो बैंकिंग गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा रहा है।
- **उषा थोराट समिति (2011)** ने NBFCs को विनियमित करने का प्रस्ताव दिया था। इन प्रस्तावों में टियर I पूंजी में वृद्धि करना और कुछ विशेष परिसंपत्तियों पर जोखिम भार को निर्धारित करना शामिल है।

Q 64.A

- किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा प्रदान की गई कारक सेवाओं के लिए शेष विश्व से अर्जित आय को 'विदेश से प्राप्त कारक आय' कहते हैं। यह आय किराया, मजदूरी, ब्याज, वेतन, लाभांश और प्रतिधारित आय के रूप में प्राप्त की जा सकती है।
- **विदेश से प्राप्त निवल कारक आय (NFIA) किसी देश द्वारा विदेश/शेष विश्व से अर्जित कारक आय और उस देश द्वारा विदेश/शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय के बीच का अंतर होता है। इसलिए कथन 1 सही है।**
  - विदेश से प्राप्त निवल कारक आय = विदेश से अर्जित कारक आय - विदेश में भुगतान की गई कारक आय
- किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू आय और राष्ट्रीय आय के बीच अंतर करने के लिए विदेश से प्राप्त निवल कारक आय (NFIA) अनिवार्य होती है। सर्वप्रथम घरेलू आय निर्धारित की जाती है और फिर इसमें NFIA को जोड़कर 'राष्ट्रीय आय' ज्ञात की जाती है।
- किसी अर्थव्यवस्था की विदेश से प्राप्त निवल कारक आय शून्य, धनात्मक या ऋणात्मक हो सकती है। जब शेष विश्व से प्राप्त कारक आय और शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय बराबर हो, तब यह शून्य होगी। **जब शेष विश्व से अर्जित कारक आय शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय से अधिक हो, तब NFIA धनात्मक होगा**। जब शेष विश्व से अर्जित कारक आय शेष विश्व को भुगतान की गई कारक आय से कम हो, तब यह ऋणात्मक होगी। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 65.C

- वित्त वर्ष 2013-14 के बाद से सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) की पुनर्खरीद/अदला-बदली (Switches) केंद्र सरकार के नकदी और ऋण प्रबंधन कार्यों की एक नियमित विशेषता रही है। ये लिखत केंद्र सरकार के ऋण प्रबंधन उद्देश्यों के अनुरूप ऋण प्रोफ़ाइल और नकदी प्रवाह को प्रबंधित करने में सहायता करते हैं। इस प्रक्रिया में, **किसी भी दिए गए वर्ष में निश्चित आय वाली प्रतिभूतियों के पुनर्भुगतान संबंधी दबाव (Redemption pressure)/ पुनर्भुगतान के एकत्रण को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया जाता है और सरकारी प्रतिभूतियों के द्वितीयक बाजार की तरलता में भी सुधार किया जाता है।**
- जहां पुनर्खरीद परिचालनों का उद्देश्य **ठीक अगले वर्ष के रिडम्पशन प्रेशर (निश्चित आय वाली प्रतिभूति के निवेशक के मूलधन की वापसी) को कम करना है, वहीं अदला-बदली संबंधी परिचालन (Conversion operations) बकाया सरकारी प्रतिभूतियों (G-sec) की परिपक्वता तिथि को आगे बढ़ाने में सहायता करते हैं।** पुनर्खरीद परिचालनों की मात्रा केंद्र सरकार के खाते में वर्ष के भीतर नकद अधिशेष की उपलब्धता पर निर्भर करती है। प्रतिभूतियों के अदला-बदला संबंधी परिचालनों में नकदी का बाह्य निर्गमन लघु अवधि की प्रतिभूतियों को दीर्घावधि की प्रतिभूतियों में परिवर्तित किए जाते समय उपलब्ध छूट (यदि कोई हो) पर निर्भर करता है और **यह केंद्र सरकार के सकल राजकोषीय घाटे में वृद्धि करता है। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 66.A

- चक्रीय बेरोजगारी, बेरोजगारी का एक प्रकार है। यह व्यवसाय चक्र में उतार-चढ़ाव के कारण होती है। अर्थव्यवस्था में गिरावट या मंदी के कारण चक्रीय बेरोजगारी की स्थिति उत्पन्न होती है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **आर्थिक मंदी के दौरान व्यवसायों में अक्सर वस्तुओं और सेवाओं की मांग में गिरावट देखी जाती है। मांग में कमी को देखते हुए व्यवसाय उत्पादन में कटौती कर सकते हैं और नई नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में कमी कर सकते हैं। नई नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में कटौती या छंटनी (Layoffs) से चक्रीय बेरोजगारी में वृद्धि हो सकती है।**
- **मंदी के दौरान आर्थिक क्रियाकलापों में संकुचन या कमी आती है, इसलिए व्यवसाय अपने कर्मचारियों की संख्या को कम करने की आवश्यकता महसूस कर सकते हैं। परिणामस्वरूप चक्रीय बेरोजगारी में वृद्धि होती है।**
- अतः इस तरह की बेरोजगारी की चक्रीय प्रकृति का अर्थ है कि आर्थिक गिरावट के दौरान इसमें वृद्धि होती है और आर्थिक स्थिति के बेहतर होने पर इसमें कमी आती है क्योंकि व्यवसाय अपने कार्य बल (Workforce) को मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर समायोजित करते हैं।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 67.C

- संविधान के अनुच्छेद 266 के तहत गठित भारत की संचित निधि सर्वाधिक महत्वपूर्ण सरकारी लेखाओं में से एक है।
- प्रत्यक्ष कर, अप्रत्यक्ष कर और राजस्व के अन्य स्रोतों से उत्पन्न सभी आय भारत की संचित निधि का भाग होती हैं जैसे-;
  - **प्रत्यक्ष कर अर्थात आयकर**, निगम कर, पूंजीगत लाभ कर, संपत्ति कर आदि **से अर्जित राजस्व**
  - अप्रत्यक्ष कर अर्थात वस्तु एवं सेवा कर (GST) से अर्जित राजस्व
  - **सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम (PSUs) अर्थात NTPC, ONGC, SAIL आदि से अर्जित लाभांश और लाभ**
  - विभिन्न सरकारी सामान्य सेवाओं से अर्जित लाभ।
  - **विनिवेश प्राप्तियां**
  - ऋणों का पुनर्भुगतान
  - ऋण की वसूल
- सरकार संसद से मंजूरी मिलने के बाद ही भारत की संचित निधि से पैसा निकाल सकती है।
- लोक लेखा निधि।
  - इस निधि का गठन संविधान के अनुच्छेद 266(2) के तहत किया गया था। इसमें उन लेनदेन से प्राप्त धनराशी शामिल होती है जिनमें सरकार केवल एक बैंकर के रूप में कार्य कर रही होती है।
  - **भविष्य निधि**, लघु बचत इत्यादि इसके कुछ प्रमुख उदाहरण हैं। सरकार इन निधियों की स्वामित्व नहीं होती है। इन्हें कुछ समय बाद इनके वास्तविक स्वामित्व धारकों को वापस भुगतान करना होता है। इस निधि की प्रकृति के कारण, इससे होने वाले व्यय को संसद द्वारा अनुमोदित करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 68.B

- **डेब्ट ओवर हैंग (Debt Overhang): इसका तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जहां समस्त मौजूदा आय कुल ऋणों की पुर्नअदायगी करने में व्यय हो जाती है।** इसके कारण भौतिक या मानव पूंजी में निवेश करने के लिए बहुत कम प्रोत्साहन राशियां (Incentives) शेष बचती हैं। **इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**
- भौतिक या मानव पूंजी में इस तरह के निवेश का कोई भी वृद्धिशील लाभ मौजूदा ऋण दायित्वों के पुनर्भुगतान के रूप में ऋणदाताओं को (न कि किसानों को) मिलने की संभावना होती है। इसलिए प्रोत्साहन राशियां कम हो जाती हैं। ऐसे उधारकर्ताओं को इक्विटी या ऋण से नवीन वित्तपोषण मिलने की संभावना नहीं होती है, क्योंकि उधार लेने वाले की अतिरिक्त ऋण का पुनर्भुगतान करने की अथवा अपने व्यवसाय/ फार्म में विकास या वृद्धि करने की क्षमता संदेहास्पद होती है।
- इसलिए, डेब्ट ओवर हैंग के कारण लाभकारी निवेश का त्याग करना पड़ता है और इस प्रकार सामाजिक कल्याण कम हो जाता है।
- **ऋण जाल (Debt Trap)** एक ऐसी स्थिति है जिसमें ऋण का भुगतान करना कठिन या असंभव हो जाता है, क्योंकि सामान्य तौर पर उच्च-ब्याज का भुगतान मूलधन के पुनर्भुगतान को रोकता है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 69.D

- मुद्रा एक सत्यापन योग्य रिकॉर्ड या एक एग्रीमेंट होता है जिसे वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने के लिए व्यापक स्तर पर विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाता है।
- मुद्रा को अक्सर उसके द्वारा किए जाने वाले कार्यों या प्रदान की जाने वाली सेवाओं के आधार पर तीन रूपों में परिभाषित किया जाता है:
  - **विनिमय के माध्यम (Medium of exchange)** के रूप में यह लेनदेन को सुविधाजनक बनाती है।
    - मुद्रा के बिना सभी लेन-देन वस्तु विनिमय (Barter) के द्वारा करना पड़ेगा। वस्तु विनिमय के तहत एक वस्तु या सेवा का अन्य वस्तु या सेवा के लिए प्रत्यक्ष रूप से विनिमय किया जाता है।
    - मुद्रा का एक महत्वपूर्ण कार्य 'विनिमय का माध्यम' के रूप में है। इस कार्य द्वारा मुद्रा ने वस्तु विनिमय के दोहरे संयोग की समस्या को दूर करके विनिमय को व्यवस्थित और सरल बना दिया है। मुद्रा को सभी पक्षों द्वारा सभी लेनदेनों में स्वीकार किया जाता है, भले ही वे एक-दूसरे की वस्तुओं और सेवाओं को लेना चाहते हो या नहीं।
  - **मूल्य के संचय (Store of Value)** के रूप में इसका मूल्य समय के साथ (मुद्रास्फीति को छोड़ करके) कम नहीं होता है। जब तक इसे अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, यह विनिमय का एक मूल्यवान माध्यम बनी रहती है।
    - मुद्रा के अलावा, कई अन्य वस्तुएं जैसे कि - भूमि और सोना भी मूल्य के संचय का कार्य करती हैं।
    - हालांकि, मूल्य के अन्य संचयों की तुलना में मुद्रा अधिक तरल है क्योंकि विनिमय के माध्यम के रूप में इसे प्रत्येक स्थान पर आसानी से स्वीकार किया जाता है।
  - **लेखा की एक इकाई (Unit of Account)** के रूप में यह विनिमय की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य की एक समान माप प्रदान करती है।
    - किसी वस्तु का मूल्य या कीमत मुद्रा के संदर्भ में तय की जा सकती है जो खरीदार और आपूर्तिकर्ता दोनों को लागत, मात्रा, लाभ आदि के संबंध में निर्णय लेने में सक्षम बनाती है।

Q 70.D

- मुद्रा की मांग की तरह, मुद्रा की पूर्ति एक स्टॉक परिवर्तनीय (Variable) होती है। एक निश्चित समय में लोगों में संचरण करने वाली कुल मुद्रा को मुद्रा की पूर्ति कहते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा की पूर्ति के वैकल्पिक मापों को चार रूपों में प्रकाशित करता है, नामतः M1, M2, M3 और M4। ये सभी निम्नलिखित तरह से परिभाषित किए जाते हैं-
  - **M1 = CU + DD**
  - M2 = M1 + डाकघर बचत बैंकों में बचत जमाएं
  - **M3 = M1 + व्यावसायिक बैंकों की निवल सावधि जमाएं**
  - M4 = M3 + डाकघर बचत संस्थाओं में कुल जमाएं (राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों को छोड़कर),
- यहां CU लोगों द्वारा रखी गई करेंसी (नोट और सिक्के) हैं और **DD व्यावसायिक बैंकों द्वारा धारित निवल मांग जमाएं है।** 'निवल' शब्द से बैंक के द्वारा रखी गयी लोगों की जमा का ही बोध होता है और इसलिए यह मुद्रा की पूर्ति में शामिल हैं। अंतर बैंक जमा, जो एक व्यावसायिक बैंक दूसरे व्यावसायिक बैंक में रखते हैं, को मुद्रा की पूर्ति के भाग के रूप में नहीं जाना जाता है।
- M1 और M2 संकुचित मुद्रा कहलाती है। **M3 और M4 को व्यापक मुद्रा कहते हैं। इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**
- M1 संव्यवहार के लिए सर्वाधिक तरल और आसान है, जबकि M4 इनमें सबसे कम तरल है।
- M3 मुद्रा पूर्ति की माप का सबसे साधारण रूप है। इसे समस्त मौद्रिक संसाधन भी कहते हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 71.C

- **गैर-सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा शेयर निर्गमन के माध्यम से जुटाई गई पूंजी पर देय आयकर को एंजेल टैक्स (Angel tax) कहा जाता है। सामान्यतः शेयर की कीमत बेचे गए शेयरों के उचित बाजार मूल्य से काफी अधिक होती है।** इस अतिरिक्त प्राप्ति को आय माना जाता है और इसी आय के अनुसार कर लगाया जाता है। इस कर को 2012 के केंद्रीय बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी द्वारा पेश किया गया था। इस कर को पेश किए जाने का उद्देश्य धन शोधन को रोकना था। स्टार्टअप्स में महत्वपूर्ण ढंग से एंजेल निवेश को प्रभावित करने के कारण, इसे एंजेल टैक्स कहा जाने लगा है।

Q 72.B

- **भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (Indian Financial System Code: IFSC)**
  - यह एक अल्फा-न्यूमेरिक कोड है जो विशिष्ट रूप से NEFT प्रणाली में भाग लेने वाली बैंक शाखा की पहचान करता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**
  - यह 11 अंकों का कोड है जिसमें पहले 4 अल्फा वर्ण बैंक का प्रतिनिधित्व करते हैं और अंतिम 6 वर्ण शाखा का प्रतिनिधित्व करते हैं। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
  - इसमें 5वां वर्ण 0 (शून्य) होता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**
  - IFSC का उपयोग NEFT प्रणाली द्वारा मूल/गंतव्य बैंकों/शाखाओं की पहचान करने और संबंधित बैंकों/शाखाओं को उचित रूप से संदेश भेजने के लिए किया जाता है।

Q 73.B

- बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) को किसी अर्थव्यवस्था में एक वित्त वर्ष के दौरान उत्पादन के घरेलू साधनों द्वारा उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य के रूप में परिभाषित किया जाता है। उत्पादन के साधन राष्ट्रीय सीमा के भीतर और विदेशों में नियोजित हो सकते हैं।
- बाजार कीमतों पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) को सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य में से मूल्यह्रास को घटा कर प्राप्त किया जाता है। मूल्यह्रास इस एक वर्ष की अवधि में स्थिर पूंजी का उपभोग किए गए भाग को संदर्भित करता है। इस प्रकार
  - **NNP = GNP - मूल्यह्रास; इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।**

Q 74.A

- **UPI टैप एंड पे सुविधा भुगतान प्राप्तकर्ता की UPI ID के बारे में विवरण प्राप्त करने हेतु नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (NFC) प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। इसके माध्यम से किए जाने वाले लेनदेन में क्विक रिस्पॉन्स (QR) कोड की आवश्यकता नहीं होती है।** NFC की क्षमता से युक्त मोबाइल और डिवाइस इस सेवा का उपयोग कर सकते हैं। **इसलिए कथन 1 सही है और कथन 2 सही नहीं है।**
- NFC के तहत कम दूरी (4-5 सेंटीमीटर) पर स्थित दो संगत उपकरणों के बीच जानकारी साझा करने के लिए विद्युत चुम्बकीय रेडियो क्षेत्रों का उपयोग किया जाता है। NFC 4 सेमी की दूरी के भीतर एक सुरक्षित कनेक्शन सुनिश्चित करता है। यह विशेषता इसे UPI लेनदेन के लिए एक आदर्श प्रौद्योगिकी के रूप में स्थापित करती है।

Q 75.A

- किसी कंपनी की पूंजी को शेयरों में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक शेयर कंपनी के स्वामित्व की एक इकाई होती है तथा इन्हें कंपनी के लिए पूंजी जुटाने हेतु बिक्री के लिए जारी किया जाता है।
- इक्विटी **शेयर अपने धारकों को आय/लाभ के साथ-साथ** कंपनी को होने वाले नुकसान को भी **साझा करने का अधिकार देता है।** दूसरी ओर, डिबेंचर **किसी कंपनी द्वारा निश्चित ब्याज दर पर जारी किए गए ऋण लिखत (Instruments) होते हैं। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **इक्विटी शेयर** अपने **धारकों को कंपनी में आय/लाभ साझा करने के साथ-साथ कंपनी की सामान्य बैठकों (General Meetings) में मतदान का अधिकार भी प्रदान करता है।** दूसरी ओर, डिबेंचर धारकों को कंपनी की सामान्य बैठकों में मतदान का अधिकार नहीं होता है। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- **शेयरों की तुलना में डिबेंचर को कम जोखिमपूर्ण माना जाता है।** इसका कारण उनके **निश्चित ब्याज दर पर भुगतान** और दिवालियापन की स्थिति में कंपनी की संपत्ति पर उच्चतर दावा करने की सुविधा होती है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Q 76.A

- 2005 से 2021 तक की अवधि के दौरान विभिन्न देशों के सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात को नीचे दर्शाया गया है

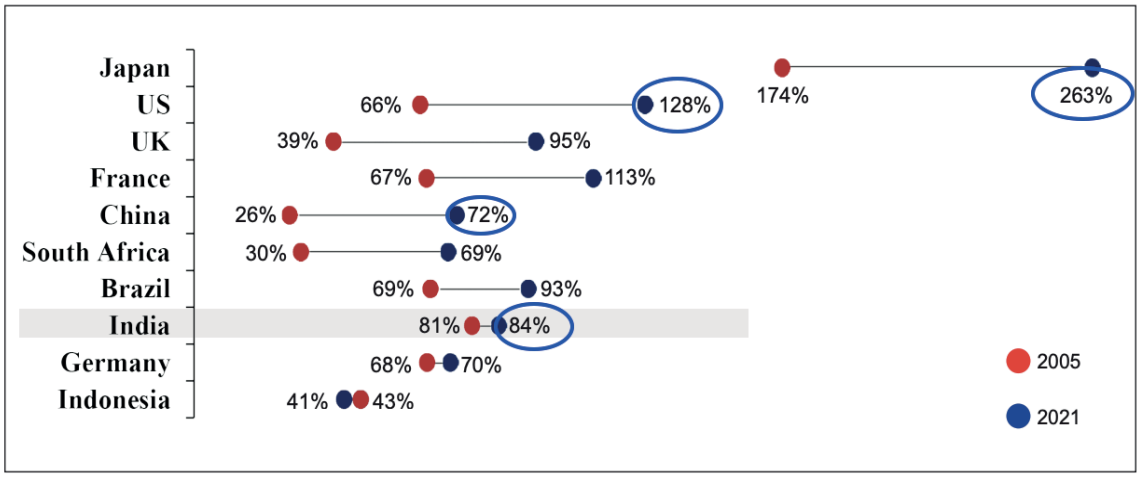

- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 77.B

- **बियर मार्केट या मंदड़िया बाजार ह्रासोन्मुख बाजार होता है।** इस स्थिति के दौरान शेयर की कीमतें लगातार गिरती जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक अधोगामी प्रवृत्ति उत्पन्न होती है। इस स्थिति में निवेशकों का यह मानना कि यह प्रवृत्ति लंबे समय तक जारी रहेगी, भविष्य में उत्तरोत्तर कमी को जारी रखता है। **मंदड़िया बाजार** के दौरान **अर्थव्यवस्था आमतौर पर मंद हो जाती है और बेरोजगारी में वृद्धि होती है** क्योंकि कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी प्रारंभ कर देती हैं। **मंदड़िया बाजार में निवेशक अधिक मूल्य खोने से पहले अपने स्टॉक को बेचने का प्रयास करते हैं। इसलिए कथन 2 सही है तथा कथन 1 और 3 सही नहीं हैं।**
- बुल मार्केट या तेजड़िया बाजार वृद्धिशील बाजार को संदर्भित करता है। इसे बाजार में शेयर कीमतों में स्थायी वृद्धि द्वारा चिह्नित किया जाता है। इस स्थिति में, निवेशकों का विश्वास होता है कि यह तेजी या वृद्धि लंबी अवधि तक जारी रहेगी। इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और रोजगार का स्तर ऊंचा होता है।

Q 78.A

- PCA का तात्पर्य प्रॉम्प्ट करेक्टिव एक्शन (त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई) है। PCA एक ऐसी प्रणाली है जिसे RBI वित्तीय तनाव के लक्षण प्रदर्शित करने वाले बैंकों पर लागू करता है। यदि बैंक सुनिश्चित वित्तीय मैट्रिक्स या मापदंडों पर आधारित मानकों को पूरा करने में विफल रहते हैं तो विनियामक, ऐसे बैंकों को असुरक्षित मानता है।
- RBI यह निर्धारित करने के लिए चार कारकों को ध्यान में रखता है कि किसी बैंक को PCA फ्रेमवर्क के तहत रखने की आवश्यकता है अथवा नहीं। इन कारकों में लाभप्रदता, परिसंपत्ति की गुणवत्ता, पूंजी अनुपात और ऋण स्तर शामिल हैं।
- **जब RBI किसी बैंक को अपनी PCA निगरानी सूची में डालता है, तो वह उस पर दो प्रकार के प्रतिबंध लागू करता है - अनिवार्य और विवेकाधीन।** इनमें शाखा के विस्तार, लाभांश और निदेशक के पारिश्रमिक आदि से संबंधित प्रतिबंध शामिल होते हैं।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **फिर भी, केंद्रीय बैंक इन कार्रवाइयों का चयन अपने विवेक से कर सकता है। इसके अंतर्गत RBI निम्नलिखित कार्रवाइयां कर सकता है:**
    - बैंक बोर्ड से बिजनेस मॉडल का पुनर्मूल्यांकन करने तथा बिजनेस लाइन और संचालन की लाभप्रदता का मूल्यांकन करने के लिए आदेश दे सकता है।
    - बैंकों को उपचारात्मक उपाय करने के लिए अपनी व्यावसायिक योजनाओं और रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने की सलाह दे सकता है, जिसमें कुछ अधिकारियों को बर्खास्त करना भी शामिल हो सकता है।
    - पर्यवेक्षक से अनुमोदन लेने के बाद बैंक के बोर्ड से समाधान योजना लागू करने के लिए कह सकता है।
    - बैंकों के बैलेंस शीट अनुमानों के मूल्यांकन के अलावा उन्हें मध्यम से दीर्घ अवधि में अपनी व्यवहार्यता का आकलन करने की सलाह दे सकता है।
    - PCA बैंक को अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करने या रिक्त पदों को भरने की अनुमति नहीं होती है।
    - अंततः, RBI PCA बैंकों को केवल प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के लिए पूंजीगत व्यय करने की अनुमति दे सकता है। हालांकि, इसके लिए धन का आवंटन पूर्व-अनुमोदित सीमा के भीतर होना चाहिए। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सहकारी क्षेत्र के ऋणदाताओं की संख्या में वृद्धि करने हेतु शहरी सहकारी बैंकों को** अपने त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (PCA) तंत्र के तहत लाने पर विचार कर रहा है। **शहरी सहकारी बैंक वर्तमान में PCA के अंतर्गत नहीं हैं। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
    - **भारतीय रिज़र्व बैंक ने तनावग्रस्त शहरी सहकारी बैंकों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए पर्यवेक्षी कार्रवाई फ्रेमवर्क (SAF) की शुरुआत की थी।** SAF के दिशानिर्देशों में संपत्ति की गुणवत्ता, लाभप्रदता और पूंजी पर्याप्तता के लिए अधिकतम सीमाएं शामिल हैं।

Q 79.D

- **RBI की रिटेल डायरेक्ट योजना को नवंबर 2021 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य खुदरा निवेशकों** को प्राथमिक और द्वितीयक बाजार, दोनों में **सरकारी प्रतिभूतियों (G-Sec) को ऑनलाइन खरीदने और बेचने की सुविधा प्रदान करना था।** ध्यातव्य है कि खुदरा निवेशक ऐसे गैर-पेशेवर व्यक्ति होते हैं जो ब्रोकरेज फर्मों के माध्यम से अपने खातों में निवेश करते हैं।
- योजना के तहत खुदरा निवेशकों को **RBI में 'रिटेल डायरेक्ट गिल्ट अकाउंट' (RDG Account) खोलने और उसे बनाए रखने की सुविधा प्राप्त होगी।**
- इससे **सरकारी प्रतिभूति बाजार में विविधता लाने में सहायता मिलेगी**, जिस पर बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड तथा अन्य जैसे संस्थागत निवेशकों का प्रभुत्व है।
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 80.D

- अंतरण भुगतान (Transfer Payment), किसी ऐसे व्यक्ति या संगठन को किया गया एक तरफा भुगतान है, जिसने भुगतान के बदले में कोई वस्तु या सेवाएं प्रदान नहीं की है अथवा विनिमय नहीं किया है। यह एक सामान्य "भुगतान" के विपरीत होता है। अर्थशास्त्र के तहत भुगतान किसी उत्पाद या सेवा के बदले धन के अंतरण को संदर्भित करता है। अंतरण भुगतान आमतौर पर स्थानीय, राज्य और संघीय सरकारों द्वारा जरूरतमंद लोगों को धन पुनर्वितरित करने के प्रयासों को संदर्भित करता है।
- सरकारें ऐसे भुगतानों का उपयोग सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के तहत धन अंतरित कर आय पुनर्वितरण के साधन के रूप में करती हैं। **इन कार्यक्रमों में सामाजिक सुरक्षा, वृद्धावस्था या विकलांगता पेंशन, छात्र अनुदान, बेरोजगारी भत्ता, स्वास्थ्य सेवाएं जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा और अन्य मुफ्त स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि शामिल हैं।**
- **कॉर्पोरेट बेलआउट और सब्सिडी को आमतौर पर अंतरण भुगतान के रूप में संदर्भित नहीं किया जाता है। किसी भी सब्सिडी को अंतरण भुगतान के रूप में नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि मूल्यवर्धन पहले ही हो चुका होता है। हालांकि, कॉर्पोरेट बेलआउट को निवेश माना जा सकता है। इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 81.B

- **लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (CII) का उपयोग दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए किया जाता है।**
  - **यह मुद्रास्फीति का एक माप है जो परिसंपत्तियों की बिक्री पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना करते समय कर कानून में लागू होता है।**
  - आयकर अधिनियम की धारा 48 उस सूचकांक को परिभाषित करती है जिसे केंद्र सरकार द्वारा प्रति वर्ष अधिसूचित किया जाता है। इस सूचकांक के तहत सरकार द्वारा विगत वर्ष के ठीक पहले शहरी गैर-शारीरिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में 75 प्रतिशत की औसत वृद्धि को ध्यान में रखा जाता है। **इसलिए कथन 2 सही है।**
- **लागत मुद्रास्फीति सूचकांक प्रतिवर्ष केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) द्वारा अधिसूचित किया जाता है। साथ ही, CBDT ने वित्तीय वर्ष 1981-82 से वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक अधिसूचित किया है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**

Q 82.A

- **हालिया संदर्भ:** भारतीय नौसेना ने स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक INS इंफाल को कमीशन किया है।
- INS इंफाल, **प्रोजेक्ट 15B** के तहत निर्मित किए जा रहे चार स्वदेशी विशाखापत्तनम श्रेणी के **स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक** में से तीसरा है। प्रोजेक्ट 15B, उन्नत क्षमताओं और अधिकांश स्वदेशी सामग्रियों का प्रयोग कर निर्मित किए जा रहे प्रोजेक्ट 15A (कोलकाता श्रेणी) और प्रोजेक्ट 15 (दिल्ली श्रेणी) के स्वदेशी विध्वंसकों की श्रृंखला में नवीनतम है। इस परियोजना के अन्य दो विध्वंसक INS विशाखापत्तनम और INS मोरमुगाओ हैं।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 83.C

- **केंद्र सरकार के व्यय की प्रमुख मदें निम्नानुसार हैं।**

(₹ करोड़) (In ₹ crore)

	2021-2022 वास्तविक Actuals	2022-2023 बजट अनुमान Budget Estimates	2022-2023 संशोधित अनुमान Revised Estimates	2023-2024 बजट अनुमान Budget Estimates
Pension	198946	207132	244780	234359
Defence	366546	385370	409500	432720
Subsidy -				
Fertiliser	153758	105222	225220	175100
Food	288969	206831	287194	197350
Petroleum	3423	5813	9171	2257
Agriculture and Allied Activities (Excluding PM-KISAN)	76492	83521	76279	84214
PM-KISAN*	66825	68000	60000	60000
Commerce and Industry	47068	53116	37540	48169
Development of North East	2653	2800	2755	5892
Education	80352	104278	99881	112899
Energy	53696	49220	70936	94915
External Affairs	14146	17250	16973	18050
Finance	57364	21354	17908	13574
Health	84091	86606	77351	88956
Home Affairs	112301	127020	124872	134917
Interest	805499	940651	940651	1079971
IT and Telecom	25053	79887	74106	93478
Others	108447	113301	108102	120524
Planning and Statistics	3753	5720	6209	6268
Rural Development	228760	206293	243317	238204

- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 84.C

- **वित्तीय बाजार में आय का चक्रीय प्रवाह:**
- द्वि-क्षेत्रीय मॉडल में, हम यह मानते हैं कि परिवारों द्वारा प्राप्त सभी आय वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च की जाती है। हालांकि, वास्तविक जीवन में, परिवार अपनी आय का कुछ भाग बचाते हैं तथा उस पर ब्याज प्राप्त करते हैं। कंपनियां निवेश उद्देश्यों के लिए परिवारों से उधार लेती हैं। वित्तीय संस्थान बचतकर्ताओं और निवेशकों (यहां, परिवार और फर्म) के बीच मध्यस्थ के रूप कार्य करते हैं। वित्तीय बाजार परिवारों द्वारा की गई बचत को संग्रह करते हैं और इसे निवेश के रूप में व्यावसायिक क्षेत्रक में अंतरित कर देते हैं।
- **लीकेज और इंजेक्शन (Leakages and Injections):**
  - लीकेज या रिसाव का तात्पर्य आय के प्रवाह से निकाली गई राशि है। **यह परिवारों द्वारा की गई बचत, कर भुगतान या आयात पर खर्च के रूप में हो सकता है। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
  - दूसरी ओर, इंजेक्शन का तात्पर्य आय के प्रवाह में जोड़ी जाने वाली राशि होती है। चक्रीय प्रवाह में इंजेक्शन निवेश, सरकारी खर्च, सब्सिडी या निर्यात के रूप में हो सकता है। रिसाव को 'आय से निकासी' भी कहा जाता है जबकि इंजेक्शन को 'आय में होने वाली वृद्धि' कहा जाता है।

Q 85.C

- राजकोषीय घाटा (FD) प्रतिकूल राजकोषीय संतुलन है जो राजस्व प्राप्तियों और गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियों (NDCR) के योग अर्थात गैर-ऋण प्राप्तियों तथा कुल परिव्यय के बीच का अंतर होता है।
- राजकोषीय घाटा सरकार की कुल उधार लेने की आवश्यकता को दर्शाता है।
  - राजस्व घाटा (RD), राजस्व प्राप्तियों पर राजस्व व्यय की अधिकता को संदर्भित करता है।
  - प्रभावी राजस्व घाटा (ERD), राजस्व घाटे और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान सहायता के बीच का अंतर होता है।
  - प्राथमिक घाटे का मापन, राजकोषीय घाटे से ब्याज भुगतान को घटाकर किया जाता है।
  - प्रभावी पूंजीगत व्यय (Eff-Capex), पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए पूंजीगत व्यय और सहायता अनुदान के योग को संदर्भित करता है।

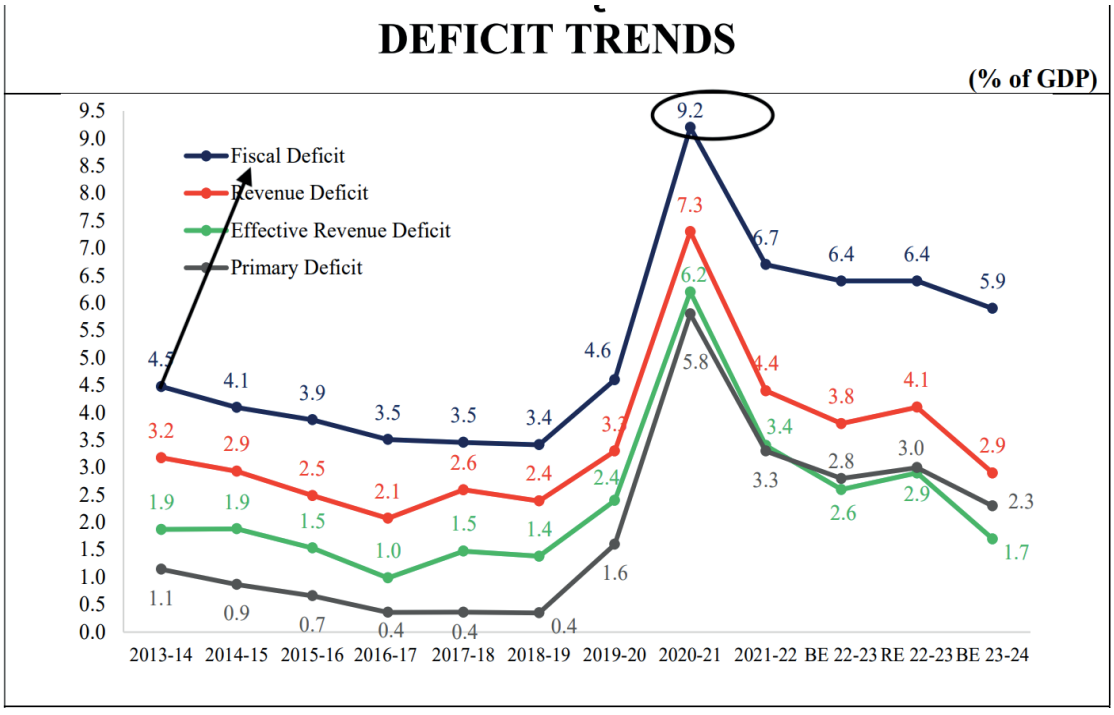

- **उपर्युक्त ग्राफ के अध्ययन से ज्ञात होता है कि कथन 1 और 2 दोनों सही हैं।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 86.D

- MAT का तात्पर्य न्यूनतम वैकल्पिक कर (Minimum Alternate Tax) से है।
- **MAT की शुरुआत:** कई बार ऐसा हो सकता है कि एक कंपनी के रूप में किसी करदाता द्वारा वर्ष भर आय अर्जित की गई हो, किन्तु आयकर कानून के विभिन्न प्रावधानों (छूट, कटौती, मूल्यह्रास इत्यादि) का लाभ उठाकर उसने अपनी आय को कम दिया हो। इस प्रकार, करदाता द्वारा अपनी कर देयता को कम किया जा सकता है अथवा यह भी हो सकता है कि उसने कर का बिल्कुल भी भुगतान नहीं किया हो।
- **शून्य कर भुगतान करने वाली कंपनियों की संख्या में वृद्धि के कारण वित्त अधिनियम, 1987 द्वारा** आकलन वर्ष 1988-89 से **न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) की शुरुआत की गई थी।** बाद में, इसे वित्त अधिनियम, 1990 द्वारा वापस ले लिया गया, और फिर वित्त (संख्या 2) अधिनियम, 1996 द्वारा 1-4-1997 के प्रभाव से पुनः प्रस्तुत किया गया। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- MAT की शुरुआत का उद्देश्य "शून्य कर कंपनियों" को कर दायरे में लाना है। ये कंपनियां पर्याप्त बुक प्रॉफिट (लाभ-हानि खाते में दर्शाया गया लाभ) अर्जित करने और यथोचित लाभांश प्रदान करने के बावजूद, आयकर कानून के तहत प्रदान की गई विभिन्न कर रियायतों और प्रोत्साहनों के कारण कर की अदायगी नहीं करती हैं।
- MAT की अवधारणा के अनुसार, किसी कंपनी की कर देयता निम्नलिखित में से अधिक होगी:
  - कंपनी की कर देयता की गणना आयकर कानून के सामान्य प्रावधानों के अनुसार की जाती है। अर्थात् कंपनी पर लागू होने वाली कर की दर के आधार पर, कंपनी की कर योग्य आय पर कर की गणना की जाती है।
  - उपर्युक्त तरीके से गणना किए गए कर को सामान्य कर दायित्व कहा जा सकता है। **कर की गणना बुक प्रॉफिट पर 15% की दर (+ लागू अधिभार और उपकर) से की जाती है।** बुक प्रॉफिट पर 15% की दर (+ लागू अधिभार और उपकर) से की गई कर की गणना को MAT कहा जाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र की एक इकाई होने और पूरी तरह से परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में अपनी आय प्राप्त करने वाली कंपनी के मामले में MAT 9% (+ लागू अधिभार और उपकर) की दर से लागू किया जाता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 87.D

- **कुरील द्वीप एक द्वीपसमूह है जो कामचटका प्रायद्वीप (रूस) से होक्काइडो द्वीप (जापान) तक फैला हुआ है। यह ओखोटस्क सागर को प्रशांत महासागर से पृथक करता है।** इसके कई द्वीप भूगर्भिक दृष्टि से सक्रिय हैं।
- रूस और जापान दोनों इन चार द्वीपों पर संप्रभुता का दावा करते हैं। इन्हें जापान में उत्तरी प्रादेशिक क्षेत्र और रूस में दक्षिणी कुरील के नाम से जाना जाता है। **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 88.A

- लोगों के लिए मुद्रा आपूर्ति को मुख्यतः देश के केंद्रीय बैंक और उसके वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रभावित किया जाता है। परिणामस्वरूप बैंकों में जमा के साथ लोगों की अपने पास नकदी जमा रखने की अधिमानता भी, मुद्रा आपूर्ति को प्रभावित करती है।
- मुद्रा की आपूर्ति पर इन प्रभावों को निम्नलिखित प्रमुख अनुपातों के माध्यम से देखा जा सकता है:
  - **आरक्षित जमा अनुपात:**
    - लोग जो मुद्रा अपने बैंक खाते में जमा करते हैं, बैंक उसका एक अंश आरक्षित मुद्रा के रूप में रखकर शेष राशि को विविध निवेश परियोजनाओं को कर्ज के रूप में देता है। आरक्षित मुद्रा में दो चीजें होती हैं- बैंकों में रखी नकदी और वाणिज्यिक बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के पास रखी जमा।
    - बैंक इस आरक्षित मुद्रा का उपयोग खाताधारकों द्वारा नकदी की मांग को पूरा करने के लिए करते हैं।
    - वाणिज्यिक बैंक अपनी कुल जमा का जो अनुपात आरक्षित निधियों के रूप में रखते हैं, उसे आरक्षित निधि जमा अनुपात (rdr) कहा जाता है।
    - **निम्न आरक्षित अनुपात की स्थिति में बैंकों के पास निम्न ब्याज दरों पर उधार देने के लिए अधिक मुद्रा उपलब्ध होती है, जिससे ग्राहकों के लिए उधार लेना अधिक आकर्षक हो जाता है। इसलिए कथन I सही है।**
    - **आरक्षित निधि रखना बैंकों के लिए महँगा होता है, क्योंकि अन्यथा वे इस राशि को ब्याज प्राप्त करने वाली परियोजनाओं में ऋण के रूप में निवेश कर सकते थे। इसलिए, कथन II सही है और कथन I की सही व्याख्या है।**
    - हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया व्यावसायिक बैंकों से अपेक्षा करता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके पास सुरक्षित परिसंपत्ति का एक भाग रखा हुआ है, जिससे वे खाताधारकों को उनके द्वारा मांग करने पर भुगतान कर सकें।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 89.B

- **PACE मिशन को नासा द्वारा वर्ष 2024 में प्रक्षेपित किया जाएगा। इस मिशन का पूरा नाम 'प्लैंकटन, एयरोसोल, क्लाउड, ओशन इकोसिस्टम (PACE)' है। इसलिए कथन 2 सही है।**
- **यह मिशन वैश्विक वायुमंडलीय और महासागरीय अवलोकनों की एक संयुक्त जानकारी प्रदान करेगा। इससे पृथ्वी के वायुमंडल के बारे में हमारी समझ में वृद्धि होगी।** महासागर की सतह पर प्लवक के साथ-साथ वायुमंडल में एरोसोल का विश्लेषण करके वैज्ञानिक पृथ्वी की बदलती परिस्थितियों के संदर्भ में जानकारी एकत्र कर सकते हैं। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- इस मिशन का उद्देश्य जल संसाधन, आपदाओं के प्रभाव, पारिस्थितिक पूर्वानुमान, मानव स्वास्थ्य और वायु गुणवत्ता के क्षेत्र में समाज को लाभान्वित करना है।

Q 90.A

- ऐसा बाजार जहां **प्रतिभूतियों का पहली बार विक्रय** किया जाता है, **प्राथमिक बाजार** कहलाता है। वहीं दूसरी ओर, ऐसा बाजार जहां **मौजूदा प्रतिभूतियों एवं द्वितीयक (सेकेंड-हैंड) प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय** किया जाता है, **द्वितीयक बाजार** कहलाता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- **प्राथमिक बाजार में प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण** उन्हें निर्गमित या जारी करने वाली **कंपनी के प्रबंधन द्वारा किया** जाता है। वहीं दूसरी ओर, **द्वितीयक बाजार** में **प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण स्टॉक एक्सचेंज मार्केट में मांग और आपूर्ति के आधार पर होता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**

Q 91.A

- **हालिया संदर्भ:** वैज्ञानिकों ने महासागर में एक जलमग्न प्राचीन पर्वत श्रेणी की खोज की है। यह पर्वत श्रेणी अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) के अंदर छिपी हुई है। ध्यातव्य है कि ACC विश्व की सबसे प्रबल समुद्री धारा है।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) दक्षिणी महासागर (Southern Ocean) में प्रवाहित होने वाली सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलधारा है। यह **एकमात्र जलधारा है जो संपूर्ण पृथ्वी के चारों ओर प्रवाहित होती है। इसलिए कथन 1 सही है।**
- दक्षिणी महासागर में 60 डिग्री दक्षिणी अक्षांश के नीचे का जलयुक्त दक्षिणतम हिस्सा शामिल है। दक्षिणी महासागर अंटार्कटिक महाद्वीप के चारों ओर फैला हुआ है। अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (ACC) पृथ्वी पर वायु द्वारा चालित होने वाली सबसे बड़ी धारा है। **यह धारा सशक्त पछुआ पवनों द्वारा गतिमान होती है और विश्व के कुछ अशांत समुद्रों का निर्माण करती हैं। इन अशांत समुद्रों में नाविकों को जहाज चलाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- ACC अंटार्कटिक महाद्वीप को घेरे हुए है तथा अटलांटिक, हिन्द और प्रशांत महासागरों के दक्षिणी भाग से होकर पूर्व की ओर प्रवाहित होती है।

Q 92.A

- **अर्थशास्त्र में, "लम्प ऑफ लेबर फैलेसी (Lump of labor fallacy)" एक भ्रांतिपूर्ण अवधारणा है। यह अवधारणा इस विचार पर आधारित है कि किसी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध कार्य की कुल मात्रा, श्रम की एक निश्चित "मात्रा या लम्प" की भांति निश्चित होती है।**
- **इस भ्रांतिपूर्ण अवधारणा के अनुसार, किसी भी अर्थव्यवस्था में हमेशा एक निश्चित मात्रा में ही काम उपलब्ध होता है और यदि एक व्यक्ति या लोगों के समूह को अधिक काम या रोजगार प्राप्त होता है, तो वह दूसरों के रोजगार की कीमत पर उपलब्ध होता है जो बेरोजगार रह जाते हैं।**
- लम्प ऑफ लेबर फैलेसी की मुख्य विशेषताएं:
  - **निश्चित कार्य आपूर्ति:** इस भ्रांति के अनुसार, अर्थव्यवस्था में काम या रोजगार की मात्रा निश्चित होती है और एक समूह के लिए रोजगार में किसी भी प्रकार की वृद्धि का अर्थ, अनिवार्य रूप से दूसरों के लिए रोजगार में रोजगार में कमी है।
  - **गतिशील अर्थव्यवस्था:** वास्तविकता में, अर्थव्यवस्थाएं गतिशील होती हैं और परिवर्तनों को स्वीकार कर सकती हैं। उपलब्ध कार्य की मात्रा निश्चित नहीं होती है; अर्थात अर्थव्यवस्था में वृद्धि, नए उद्योगों के उदय तथा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ इसका विस्तार हो सकता है।
  - **उत्पादकता और नवोन्मेष:** तकनीकी उन्नति और उत्पादकता में वृद्धि से नई नौकरियों और उद्योगों का सृजन हो सकता है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था विकसित होती हैं और नए अवसर उत्पन्न होते हैं, कुछ विशेष तरह की नौकरियां अप्रचलित हो सकती हैं।
  - **श्रम बाजारों की भ्रांतिपूर्ण समझ:** लम्प ऑफ लेबर फैलेसी प्रायः श्रम बाजार के संचालन के संदर्भ में भ्रांतिपूर्ण समझ से उत्पन्न होती है। इसे गलती से शून्य-सम गेम (Zero-sum game) मान लिया जाता है, जिसमें रोजगार के संदर्भ में एक व्यक्ति का लाभ (रोजगार मिलना) दूसरे व्यक्ति की हानि (रोजगार खोना) होती है।
- नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और आम जनता के लिए श्रम संबंधी भ्रम को समझना और दूर करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इस विचार का समर्थन करता है कि आर्थिक संवृद्धि और तकनीकी प्रगति से काम के एक निश्चित पूल के बजाय जीवन स्तर और रोजगार के अवसरों में समग्र सुधार हो सकता है।
- **इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।**

Q 93.C

- **उत्पादन कर,** उत्पादन की मात्रा (volume) पर निर्भर नहीं होते हैं। यह अक्सर उस समय भी लगाया जाता है जब उत्पाद का उत्पादन नहीं किया जाता है। उत्पादन करों का भुगतान उत्पादन से संबंधित होता है और ये वास्तविक उत्पादन की मात्रा पर निर्भर नहीं होते हैं। उत्पादन कर के कुछ उदाहरण भू-राजस्व, **स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क तथा व्यावसायिक कर हैं। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**
- इसी प्रकार, उत्पादन सब्सिडी उत्पादन के संबंध में प्राप्त होती है और ये वास्तविक उत्पादन की मात्रा पर निर्भर नहीं होती हैं। उत्पादन सब्सिडियों के कुछ उदाहरण - रेलवे को सब्सिडी, **किसानों को इनपुट सब्सिडी**, गांवों और लघु उद्योगों को सब्सिडी, निगमों या सहकारी समितियों को प्रशासनिक सब्सिडी।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **उत्पाद कर,** उत्पादित मात्रा पर निर्भर होते हैं और इनका भुगतान उत्पाद की प्रति इकाई पर किया जाता है। यद्यपि उत्पाद कर उत्पादकों पर लगाए जाते हैं किंतु ये अंतिम रूप से उपभोक्ताओं द्वारा वहन किए जाते हैं (क्योंकि यह एक अप्रत्यक्ष कर है)। उदाहरण के लिए: **GST**, सेवा कर तथा आयात और निर्यात शुल्क आदि।
- **उत्पाद सब्सिडियां** उत्पादित मात्रा पर निर्भर होती हैं और इन्हें उत्पाद की प्रति इकाई पर प्राप्त किया जाता है। उदाहरण के लिए: भोजन, पेट्रोलियम और उर्वरक पर सब्सिडी, किसानों, परिवारों को दी जाने वाली ब्याज सब्सिडी, कम दरों पर परिवारों को बीमा प्रदान करने के लिए सब्सिडी इत्यादि।

Q 94.A

- भारत में, स्पॉट एक्सचेंज ऐसे **इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म** होते हैं जो **कृषि वस्तुओं, धातुओं और बुलियन (सोना-चांदी) सहित निर्दिष्ट वस्तुओं के संबंध में स्पॉट डिलीवरी अनुबंध प्रदान करके इनकी खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करते हैं।**
  - यह बाजार सेगमेंट मुख्य स्टॉक एक्सचेंजों में इक्विटी सेगमेंट की भांति कार्य करता है। वैकल्पिक रूप से, इसे वस्तुओं के विक्रेताओं द्वारा गारंटीकृत प्रत्यक्ष विपणन माना जा सकता है। स्पॉट एक्सचेंज वस्तुओं के व्यापार के लिए स्टॉक एक्सचेंज फ्रेमवर्क में उपलब्ध नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं। यह वस्तुओं के व्यापार में एक अभिनव भारतीय प्रयोग है और "कमोडिटी एक्सचेंज" के रूप जाने वाले एक्सचेंज से भिन्न होता है। कमोडिटी एक्सचेंज, वायदा अनुबंधों के माध्यम से वस्तुओं का व्यापार करते हैं।
  - **स्पॉट एक्सचेंज के लाभ**:
    - ✓ **यह प्रभावी मूल्य निर्धारण में सहायक हो सकता है, क्योंकि कीमतों का निर्धारण परम्परागत 'मंडी' जहां कीमत का निर्धारण केवल स्थानीय भागीदारी से तय होता था, के विपरीत वहीं इसके तहत देश भर के लोगों के व्यापक प्रतिनिधित्व द्वारा मूल्य निर्धारण किया जाता है। इससे मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है।**
    - ✓ अनामिकता विभिन्न मूल्य अवधारणाओं का समामेलन सुनिश्चित करती है क्योंकि क्रेता या विक्रेता प्रत्यक्ष रूप से मिले बिना, केवल व्यापार करने की इच्छा व्यक्त करते हैं।
    - ✓ स्पॉट एक्सचेंज पूरे देश में किसानों, व्यापारियों और प्रसंस्करणकर्ताओं की बड़ी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करके कार्टेलाइजेशन और कमोडिटी बाजारों में प्रचलित ऐसी अन्य अस्वास्थ्यकर प्रथाओं की संभावनाओं को समाप्त कर सकता है।
    - ✓ स्पॉट एक्सचेंज कमोडिटी ट्रेडिंग में कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं की भी शुरुआत कर सकते हैं जैसे, गुणवत्ता के लिए ग्रेडिंग-प्रणाली, जांच करने संबंधी प्रक्रियाओं की सुविधाओं के साथ गोदामों का नेटवर्क बनाना, अपेक्षाकृत कम मात्रा में ट्रेडिंग की सुविधा, लेनदेन की निम्न लागत आदि।
    - ✓ गोदाम में रखी वस्तुओं के लिए आसान शर्तों पर बैंक वित्त की उपलब्धता से धारण क्षमता में सुधार करने के साथ-साथ कृषि उत्पादन को भी प्रोत्साहित कर सकती है। इस प्रकार ग्रामीण निर्धनता को कम करने में भी सहायता प्राप्त होगी।
    - ✓ चूंकि व्यापार गारंटीकृत होता है, अतः इसमें प्रतिपक्ष (counter party) जोखिम नहीं रहता है।
  - भारत में कार्यरत कुछ स्पॉट एक्सचेंज:
    - ✓ **नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (NSEL)** - यह फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज (इंडिया) लिमिटेड (FTIL) और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NAFED) द्वारा समर्थित एक राष्ट्रीय स्तर का कमोडिटी स्पॉट एक्सचेंज है। हालांकि, 2013 से नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड ने काम करना बंद कर दिया है। NSEL ने 15 अक्टूबर 2008 को "लाइव" ट्रेडिंग की शुरुआत की थी।
    - ✓ **NCDEX स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड** - अक्टूबर 2006 में स्थापित
    - ✓ **इंडियन बुलियन स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड** - यह एक ऑनलाइन ओवर-द-काउंटर स्पॉट एक्सचेंज है।
  - **इसलिए कथन 1 सही है और 2 सही नहीं है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 95.C

- मांग की आय लोच(Income elasticity of demand) किसी विशेष वस्तु की मांग की मात्रा में परिवर्तन और वास्तविक आय में परिवर्तन के बीच संबंध की माप है। यह उपभोक्ता की आय में परिवर्तन के संदर्भ में एक विशेष उत्पाद की मांग की मात्रा की संवेदनशीलता को संदर्भित करती है।
- मांग की आय लोच की गणना करने का सूत्र है:
  - **मांग की आय लोच = मांग की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन / आय में प्रतिशत परिवर्तन**
- **सामान्य वस्तुओं(Normal goods) की मांग की आय लोच धनात्मक होती है।** जैसे-जैसे आय बढ़ती है, प्रत्येक मूल्य स्तर पर वस्तुओं की मांग भी बढ़ती है। सामान्य आवश्यकताओं के लिए मांग की मात्रा आय के साथ बढ़ेगी, लेकिन इसकी दर में यह वृद्धि विलासिता की वस्तुओं की तुलना में धीमी होगी। इसका कारण यह है कि उपभोक्ता, ग्राहक आवश्यक वस्तुओं को अधिक मात्रा खरीदने के स्थान पर अपनी आय का उपयोग विलासिता की अधिक वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीदने के लिए करेंगे। आय में वृद्धि के दौरान, आवश्यक वस्तुओं की मांग की तुलना में विलासिता के उत्पादों की मांग में अधिक तीव्र दर से वृद्धि होने की प्रवृत्ति होती है। अतः विलासिता की वस्तुओं की मांग की गई मात्रा आय में परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती है।
- **निकृष्ट वस्तुओं(Inferior goods) की मांग की आय लोच ऋणात्मक होती है।** आय बढ़ने के साथ निकृष्ट वस्तुओं की मांग की मात्रा कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, आय में वृद्धि के दौरान सामान्य खाद्य पदार्थों की मांग की मात्रा कम हो जाती है।
- **इसलिए दिए गए दोनों कथन सही हैं।**

Q 96.C

- **हालिया संदर्भ:** कौशल प्रदान करने वाले गैर-सरकारी संगठन (NGO) 'उन्नति' सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) पर सूचीबद्ध होने वाली प्रथम इकाई बन गई है। 'उन्नति' एक गैर-लाभकारी संगठन है।
- SSE स्टॉक एक्सचेंज का एक अलग खंड है जो सामाजिक उद्यमों को स्टॉक एक्सचेंज तंत्र के माध्यम से जनता से धन जुटाने में सहायता प्रदान कर सकता है।
- एक सामाजिक उद्यम के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु, संगठनों को यह प्रदर्शित करना होगा कि उनकी 67% गतिविधियां निम्नलिखित के लिए लक्षित हैं-
  - उपेक्षित या कम सुविधाएं प्राप्त करने वाले जनसंख्या समूह, अथवा
  - वे क्षेत्र जिन्होंने केंद्र या राज्य सरकारों की विकास प्राथमिकताओं के संदर्भ में निम्न प्रदर्शन किया है।
- **गैर-लाभकारी संगठन (NPOs) और लाभकारी सामाजिक उद्यम स्वयं को SSEs में सूचीबद्ध कर सकते हैं।**
- ऐसे उद्यम जो सामाजिक उद्यम के रूप में मान्यता प्राप्त करने के पात्र नहीं हैं वे निम्नलिखित हैं-
  - **कॉर्पोरेट कंपनियां**
  - **राजनीतिक या धार्मिक संगठन या गतिविधियां,**
  - **पेशेवर या व्यापार संघ,**
  - अवसंरचना एवं हाउसिंग कंपनियां, (किफायती आवास निर्माण करने वाली कंपनियों को छोड़कर)
- **इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।**

Q 97.B

- **हालिया संदर्भ:** वायु सेना के अस्त्र शक्ति-2023 अभ्यास के दौरान, भारत एक ही फायरिंग यूनिट का उपयोग करके 25 किमी की दूरी पर एक साथ चार हवाई लक्ष्यों को भेदने की क्षमता प्रदर्शित करने वाला पहला देश बन गया है। यह परीक्षण आकाश शस्त्र प्रणाली का उपयोग करके किया गया था।

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

- **आकाश शस्त्र प्रणाली** अतिसंवेदनशील क्षेत्रों और स्थलों को हवाई हमलों से सुरक्षा प्रदान करने वाली एक **छोटी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है**। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। **इसलिए कथन 1 सही नहीं है।**
- **यह ग्रुप मोड या ऑटोनॉमस मोड में एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकती है।** यह बिल्ट-इन इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटर मेजर्स (ECCM) सुविधा से युक्त है। **इसलिए कथन 2 सही है।**

Q 98.D

- **एंकर निवेशक ऐसे संस्थागत निवेशक होते हैं जिन्हें प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (IPO) खुलने से एक दिन पहले ही IPO शेयरों की पेशकश की जाती है।** जैसा कि नाम से पता चलता है, उन्हें एक निश्चित सहमत मूल्य पर शेयरों को खरीदना होता है ताकि अन्य निवेशकों को यह ज्ञात हो कि प्रस्तुत किए गए शेयरों की मांग है।
- ऐसे हाई नेट वर्थ वाले इंडिविजुअल या उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्ति (HNWI) जो अपने स्वयं के धन को स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं उन्हें एंजेल निवेशक कहा जाता है। एंजेल निवेशक छोटे स्टार्टअप्स या उद्यमों में निवेश करते हैं। प्रायः एंजेल निवेशक उद्यमी के परिवार का सदस्य अथवा मित्र होता है। एंजेल निवेशक व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए एकमुश्त निवेश कर सकते हैं अथवा वे कंपनी के आरंभिक कठिन चरणों में सहयोग देने और आगे बढ़ाने के लिए उसे निरंतर धन प्रदान कर सकते हैं।
- निवेश बैंकर (Investment Banker) एक ऐसा व्यक्ति होता है जो प्रायः किसी वित्तीय संस्थान के भाग के रूप में कार्य करता है और मुख्य रूप से निगमों, सरकारों या अन्य संस्थाओं के लिए पूंजी जुटाने से संबंधित होता है।
- व्यापारी बैंक (Merchant Bank) एक ऐसा बैंक होता है जो अधिकांशतः अंतर्राष्ट्रीय वित्त, कंपनियों के लिए व्यावसायिक ऋण प्रदान करने और जोखिम अंकन से संबंधित कार्य करता है। इन बैंकों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेषज्ञता प्राप्त होती है, जो उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ कार्य करने में विशेषज्ञ बनाता है। एक व्यापारी बैंक, निवेश बैंक के समान सेवाएं दे सकता है, परंतु यह आम जनता को नियमित बैंकिंग सेवाएं प्रदान नहीं करता है।
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**

Q 99.C

- भारतीय संदर्भ या हिंदी भाषा में निधि का अर्थ "कोष" होता है। हालांकि, भारतीय वित्तीय क्षेत्र में यह पारस्परिक लाभ पर आधारित किसी ऐसी सोसायटी को संदर्भित करता है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा निधि कंपनी के रूप में अधिसूचित किया गया हो।
- इनका गठन मुख्यतः अपने सदस्यों में मितव्ययिता एवं बचत की प्रवृत्ति को विकसित करने के लिए किया जाता है। **इसलिए कथन 1 सही है।**
- निधि व्यापार अर्थात् सदस्यों से उधार लेने और केवल सदस्यों को उधार देने में संलग्न कंपनियों को विभिन्न नामों से जाना जाता है यथा निधि, स्थायी कोष, लाभ कोष, म्यूचुअल बेनिफिट फंड और म्यूचुअल बेनिफिट कंपनी आदि। **इसलिए कथन 2 सही नहीं है।**
- "निधि कंपनियां" कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 620A (लोकसभा द्वारा पारित नए कंपनी विधेयक 2012 की धारा 406) के तहत पंजीकृत कंपनियां होती हैं। इन्हें कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (MCA) द्वारा विनियमित किया जाता है। **इसलिए कथन 3 सही है।**

Download All UPSC Test Series From: https://www.pdfnotes.co/

Q 100.D

- **LIBOR या ICE LIBOR (पहले BBA LIBOR) एक बेंचमार्क दर है जिस दर पर विश्व के अग्रणी बैंक अल्पावधिक ऋण के लिए परस्पर ब्याज वसूलते हैं।**
- ICE LIBOR का तात्पर्य इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज लंदन इंटरबैंक ऑफर रेट (Intercontinental Exchange London Interbank Offered Rate) से है। यह विश्व भर में विभिन्न ऋणों पर ब्याज दरें निर्धारित करने की प्रक्रिया में प्रथम चरण के रूप में कार्य करता है। LIBOR को ICE बेंचमार्क एडमिनिस्ट्रेशन (IBA) द्वारा प्रशासित किया जाता है। यह पांच मुद्राओं पर आधारित है: अमेरिकी डॉलर (USD), यूरो (EUR), पाउंड स्टर्लिंग (GBP), जापानी येन (JPY) और स्विस फ्रैंक (CHF)।
- **इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।**